वार्षिक प्रतिवेदन
2021-22

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वार्षिक प्रतिवेदन

2021-2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
ई मेल : registrar@csu.co.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. **पर्यावलोकन** 9-11

2. **प्राधिकरण एवं संरचना** 12-16

3. **छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े** 17-24

4. **2021-22 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के क्रियाकलाप**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 25-54

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 27

4.1.2 वित्त एवं लेखा अनुभाग 27

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 28

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 29

4.1.5 परीक्षा अनुभाग 29

4.1.6 पुस्तकालय 33

4.1.7 विक्रय इकाई 33

4.1.8 योजना अनुभाग 34

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 36

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 43

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान 44

4.1.12 परियोजनाएँ 45

4.1.13 पालि एवं प्राकृत 48

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 49

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग 54

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 54

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 55-116

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 57

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 60

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 66

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल) 73

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 75

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 81

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 83

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 86

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 89

4.2.10 के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 97

4.2.11 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 102
4.2.12 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 114

5. वर्ष 2021-22 की प्रमुख गतिविधियाँ 117-124

5.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव 119
5.2 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 119
5.3 हिन्दी पखवाड़ा 120
5.4 एकता दिवस 120
5.5 59वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 120
5.6 18वां अन्त:परिसरीय नाट्यमहोत्सव 123

6. संलग्नक 125-176

क. शासी परिषद् के सदस्यों की सूची 127
ख. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची 130
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 136
घ. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 138
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 148
च. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएँ 158
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 163
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 165
झ. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 172
ञ. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 172
ट. राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त शासकीय माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 173
ठ. विश्वविद्यालय की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 173
ड. प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण 174
ढ. आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का राज्यवार विवरण 175

7. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 2021-22 का वार्षिक लेखा 179-240

क. वर्ष 2021-22 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 181
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2021-22 वर्ष की प्रतिवेदन 238

महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द

(केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के परिदर्शक हैं)

(1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022)

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'

(माननीय पूर्व शिक्षामंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत-सरकार 01.04.2021 से 07.07.2021 की अवधि के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलाधिपति रहे)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

(माननीय शिक्षा-कौशलविकास-उद्यमिता-मन्त्री, भारत सरकार 08.07.2021 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलाधिपति हैं)

प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री

(पूर्व कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

(01 अप्रैल 2021 से 14 जून 2021)

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी

(12.01.2022 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के कुलपति के रूप में आसीन हैं।)

कुलपतिरुवाच.....

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली का वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22 प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। सत्र 2021-22 में विश्वविद्यालय ने अनेक विशिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त करते हुए उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता को और अधिक दृढ़ किया है। वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना हुई और 7 मई, 2002 में विश्वविद्यालय को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठापित किया गया। भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् 30 अप्रैल, 2020 से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली देश के अलग-अलग राज्यों में संचालित अपने बारह परिसरों के साथ विश्व मंच पर संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं सम्पोषण के लिए असाधारण विशिष्टता एवं योगदान के लिए प्रख्यात है। विश्वविद्यालय केन्द्रीय अभिकरण के रूप में भारत सरकार की केन्द्रीय योजनाओं के अन्तर्गत 26 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों तथा शोध संस्थानों का भी प्राशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन कर रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत से सम्बद्ध संस्थाओं को सम्बद्धता भी प्रदान की जाती है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सत्संकल्पों के अनुसार आज आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रत्येक संस्था एवं नागरिक प्राणपन से सेवारत हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भी भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान का सहभागी होते हुए राष्ट्र के पुनर्निर्माण में रचनात्मक भूमिका का निर्वाह कर रहा है। माननीय शिक्षामंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के स्वप्नानुसार विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञानप्रणाली के अनुसन्धान एवं समुत्थान हेतु सन्नद्ध है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन विश्वविद्यालय की पाठ्यचर्या में किया जा चुका है। वर्तमान सत्र में ही राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा उच्चतम श्रेणी प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय ने अनेक उपक्रमों का परिपालन आरम्भ किया है। विश्वविद्यालय में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी प्रयोग को और अधिक व्यापक एवं सशक्त बनाया गया है। प्रबन्धन में तकनीकी का प्रयोग करते हुए सम्पूर्ण पारदर्शिता तथा त्वरित क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया गया है। प्रजातांत्रिक एवं चरणबद्ध तरीके से नेतृत्व कौशल के विकास हेतु प्रत्येक स्तर पर प्राशासनिक शक्तियों का विकेन्द्रीकरण किया गया है।

आजादी के अमृतमहोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने अनेक गतिविधियों तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया है। अमृतमहोत्सव ग्रन्थमाला के अन्तर्गत अनेक समाजोपयोगी ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया है। राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को गुणवत्तापूर्ण रूप से सम्पादित कर रहा है। तकनीकी के प्रयोग द्वारा शास्त्रों के संरक्षण और संवर्धन हेतु विश्वविद्यालय सतत क्रियाशील है। छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तिगत विकास हेतु विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों जैसे अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा, संस्कृत सप्ताह महोत्सव, युवमहोत्सव, संस्कृत नाट्य महोत्सव और विभिन्न दिवसों यथा नामत: योग दिवस, शिक्षक दिवस, शिक्षा दिवस, हिंदी पखवाड़ा, स्वच्छता सप्ताह, एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह इत्यादि का आयोजन समय-समय पर किया गया।

आपदा को अवसर बनाने के संकल्प के साथ विश्वविद्यालय ने कोरोना-19 महामारी के उपरान्त अनेक ऑनलाईन पाठ्यक्रमों का संचालन भी आरम्भ किया है। विशेषत: उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार मैंने अनेक कौशलाधारित अल्पावधिक पाठ्यक्रमों के निर्माण हेतु उपक्रम किया। तदनुसार विश्वविद्यालय की शैक्षणिक इकाई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में जीवन्त करने का ईमानदार प्रयास किया है। निश्चित ही विश्वविद्यालय राष्ट्र की भावी आकांक्षाओं की पूर्ति करने में समर्थ हो सकेगा। उल्लेखनीय यह भी है कि विश्वविद्यालय ने NAAC निरीक्षण के लिए स्वाध्ययन प्रतिवेदन (SSR) को समर्पित कर दिया है। अन्त में मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन की सिद्धता में संलग्न विश्वविद्यालय के सभी सहयोगियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद प्रकट करता हुआ यह विश्वास व्यक्त करता हूँ कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अपनी प्रतिष्ठानुसार उत्कृष्ट श्रेणी को प्राप्त करता हुआ विकास के उच्चतम मानदण्डों को प्राप्त करेगा। इसी आशा के साथ वार्षिक प्रतिवेदन 2021-22 सादर प्रस्तुत है।

-प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपति,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

संस्कृत आयोग 1956 की सिफारिशों के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना हुई। इसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश में संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना, प्रचार करना और संरक्षित करना है। यह पूरी तरह से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई, 2002 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में परिणत किया गया। तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 (2020 की संख्या 5) के अन्तर्गत संसद द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में पारित किया गया है। यह विश्वविद्यालय भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदनोपरांत 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में कार्य आरम्भ किया। नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ देश के विभिन्न राज्यों में बारह परिसरों का संचालन किया जा रहा है। इन परिसरों के अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित 65 संस्कृत संस्थानों को संबद्धता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में भी कार्य कर रहा है। संस्कृत भाषा के समग्र प्रचार के लिए, संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं को कार्यान्वयन के लिए दायित्व सौंपा गया है।

1. प्रमाणपत्र सहित राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत, पालि, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय मलयालम भाषाओं के विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान।
2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना।
3. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता।
4. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता।
5. पालि प्राकृत योजना।
6. संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के लिए गैर सरकारी संगठनों/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.सी./एन.सी.आर.टी./एस.सी.आर.टी. को वित्तीय सहायता।
7. दुर्लभ पुस्तकों के प्रकाशन/पुनर्मुद्रण और पुस्तकों की थोक खरीद के लिए वित्तीय सहायता।
8. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थानों के छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए पंजीकृत शैक्षणिक संगठनों को वित्तीय सहायता।
9. संस्कृत शिक्षा विकास योजना के अन्तर्गत संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु वित्तीय सहायता।
10. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा।
11. सेवानिवृत्त/प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं के उपयोग के लिए वित्तीय सहायता।
12. विकट परिस्थितियों में स्थित संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के रूप में वित्तीय सहायता।
13. संस्कृत डिक्शनरी प्रोजेक्ट डेक्कन कॉलेज, पुणे।
14. अष्टादशी परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता (संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए 18 परियोजनाएँ)।

इन योजनाओं के अन्तर्गत पूरे देश में संस्कृत के प्रचार और विकास में लगे संस्थानों/संगठनों/विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और मानितविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत मानितविश्वविद्यालय संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्त: सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें विश्वविद्यालय उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।

– दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।

– संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु शिक्षा मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

विश्वविद्यालय के अपने बारह परिसरों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन जयपुर तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय **'संस्कृत विमर्श:'** और **'गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज शोध पत्रिका'** नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। सभी परिसर अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 688 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

1.8 राजभाषा प्रभात

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 भारत के **महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिदर्शक हैं। शिक्षा मंत्री, भारत-सरकार, शिक्षा मंत्रालय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2021 से 07.07.2021 तक **डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक'** माननीय मंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत-सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे तथा 08.07.2021 से 31.03.2022 की अवधि के दौरान **श्री धर्मेन्द्र प्रधान**, माननीय मंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत-सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे। कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। वे विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे विश्वविद्यालय के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2021-22 के दौरान दिनांक 01.04.2021 से 14.06.2021 तक **प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में आसीन रहे तत्पश्चात् दिनांक 12.01.2022 से **प्रो. श्रीनिवास वरखेडी** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में आसीन रहे। कुलपति के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **कोर्ट**- कोर्ट का गठन और कोर्ट की शक्तियां केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के खण्ड 20 के अनुसार निर्धारित होंगी।
2. **शासी परिषद्**–विश्वविद्यालय में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
3. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
4. **वित्त समिति**-शासी परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
5. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों का विवरण अधोलिखित है।

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
शासी परिषद्	
पंचम बैठक	02.04.2021
षष्ठ बैठक	16.08.2021
सप्तम बैठक	01.09.2021
अष्टम बैठक	22.12.2021
नवम बैठक	27.01.2022
दशम बैठक	23.03.2022

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	
चतुर्थ बैठक	02.11.2021
पंचम बैठक	25.01.2022
वित्त समिति	
पंचम बैठक	16.08.2021
षष्ठ बैठक	01.09.2021
सप्तम बैठक	17.12.2021
अष्टम बैठक	23.03.2022
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

शासी परिषद्, विद्वत्परिषद् तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संगठन एवं संरचना

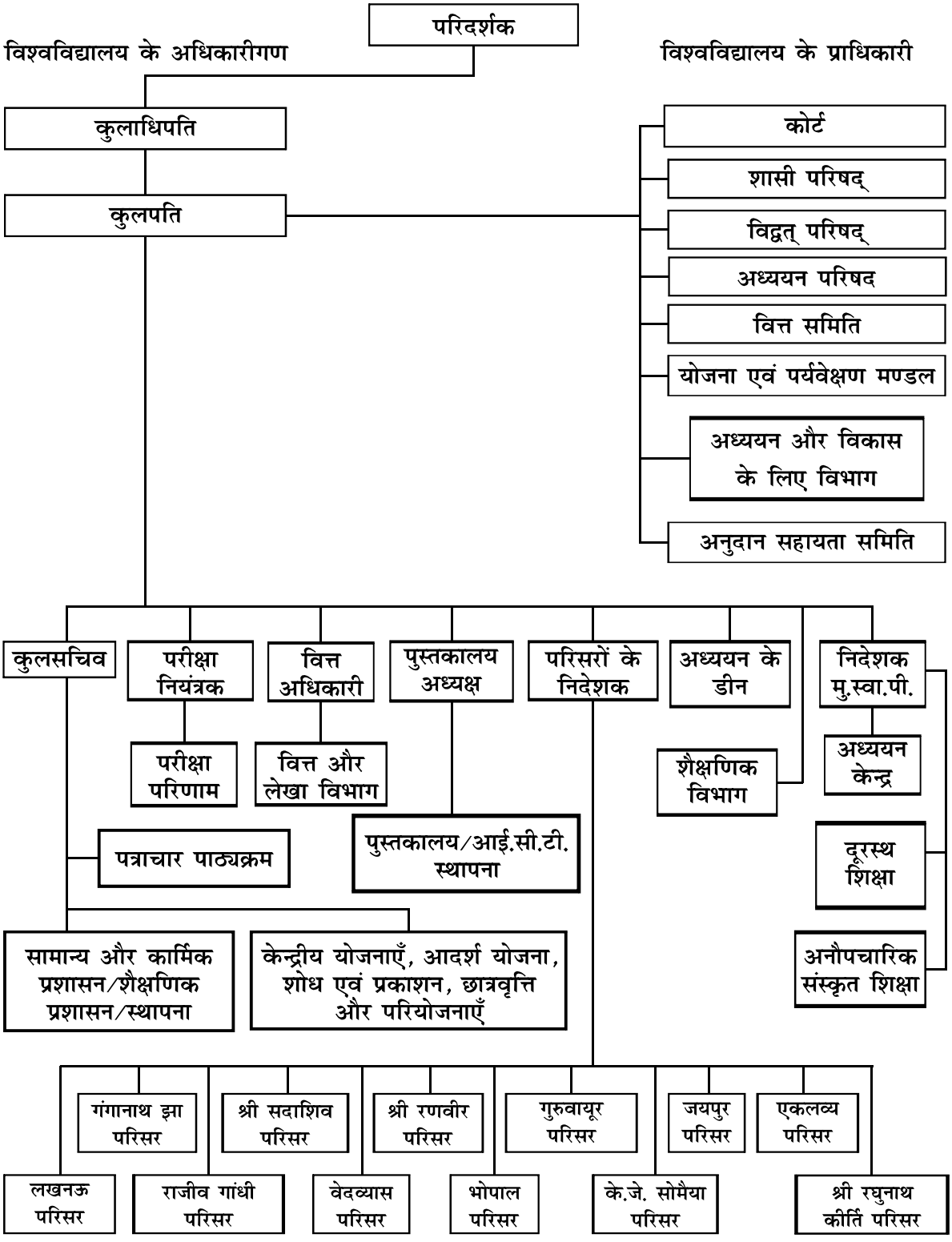

2.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभाग
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

2.2.2 परिसर :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है:

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सोमैया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
12.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

मुख्यालय से अनौपचारिक पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। मुख्यालय के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है। परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी-+2)
2.	शास्त्री, शास्त्री प्रतिष्ठा	(बी.ए., बी.ए. आनर्स)
3.	आचार्य	(एम्.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षाचार्य	(एम्.एड्.)
6.	विद्यावारिधि	(पी-एच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1.16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या **6696** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. विश्वविद्यालय के परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	147
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	97	91	111	107	97	110	109	377	303	–	–	17
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	69	40	111	86	45	110	110	99	46	–	–	05
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	23	23	54	62	65	55	54	73	64	–	–	03
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	75	69	199	117	118	104	106	137	68	04	02	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	24	28	70	56	46	56	51	53	50	–	–	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	28	19	22	31	42	53	55	33	42	–	–	08
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	73	48	185	126	109	55	53	125	61	–	–	–
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	52	26	78	94	52	110	110	66	62	16	16	06
10.	के.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई	07	04	25	09	07	51	54	09	12	–	–	02
11.	मुख्यालय, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	14	16	12	24	19	52	53	53	57	–	–	19
13.	रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	04	08	47	26	23	–	–	24	06	–	–	06
	योग	**466**	**372**	**914**	**738**	**623**	**756**	**755**	**1049**	**771**	**20**	**18**	**214**

(145 विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) छात्र कोर्स वर्क कर रहे हैं।)

कुल योग - 6696

3.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों/महाविद्यालयों से वर्ष 2021-22 वार्षिक/सत्रार्द्ध परीक्षा के लिए प्राप्त आवेदनपत्रानुसार कक्षा/संस्थावार परीक्षार्थियों की संख्या

S.No.	Name of the Institute	Code No.	PM-I YR	PM-II YR	UM/PS-I YR	UM/PS-II YR	S/SP-I SEM	S/SP-II SEM	S/SP-III SEM	S/SP-IV SEM	S/SP-V SEM	S/SP-VI SEM	A-I SEM	A-II SEM	A-III SEM	A-IV SEM	SS-I YR	SS-II YR	SA-I SEM	SA-II SEM	SA-III SEM	SA-IV SEM	Total
	बिहार																						
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आश्रम संस्कृत विद्यालय	**06**	42	27	49	42																	**160**
2.	देवरहा बाबा भक्त शिवशंकर संस्कृत महाविद्यालय	**07**	12	15	14	07																	**48**
3.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	**08**		01	18	10	36	34	17	17	13	13	14	14	15	15							**217**
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**10**			52	42	94	86	57	55	37	36	27	26	38	37							**587**
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	**12**	05	01	26	16	25	22	08	07	12	12	11	09	07	07							**168**
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान	**13**	72	57	67	68	79	77	30	28	29	29	31	32	32	32							**663**
7.	डॉ. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	**14**	37	29	36	39	31	31	16	16	11	11											**257**
8.	अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण संस्थान	**15**	15	51	13	53	21	21	16	16	08	08	14	08	15	15							**274**
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय	**16**	06	12	14	10																	**42**
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ	**18**	23	33	13	21																	**90**
11.	जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	**19**			56	12	29	28	31	30	40	40	32	31	22	22							**373**
	दिल्ली																						
12	महर्षि वेदव्यास गुरुकुल विद्यापीठ आनन्द धाम आश्रम, बक्करवालामार्ग, नांगलोई, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	**25**			11		04	04															**19**
13.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय	**26**	10	09	17	12	08	08	15	15	03	03	11	11	11	11							**144**
14.	श्रीराम ज्यौतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय	**28**											06	06	03	03							**18**
15.	वसन्तग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय	**29**	10	11	09	09																	**39**
16.	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	**32**	11	15	31	22	11	11	14	14	20	20											**169**

16.	श्रीमहावीर विश्वविद्यापीठ	**34**	03	07	10	15	22	15	23	19	23	22	17	13	11	11				**211**
17.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय	**35**	27	10	22	11	09	08	11	11	02	02								**113**
18.	आर्य कन्या गुरुकुल	**36**	08	13	09	09														**39**
19.	श्री रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय	**37**	09	10	20	17	10	10	14	14	10	10								**124**
20.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, हरेवली	**38**	12	13	19	19	15	15	05	05	05	05								**113**
21.	बाल विद्या मन्दिर	**39**	17	15	04	05														**41**
22.	श्री रघुवर रामानन्द वेदांतमहाविद्यालय	**47**	03	01	02			01	01	01	01	01	04	02	03	04				**24**
23.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय महेन्द्रगढ़	**52**				03	19	19	23	23	29	29								**145**
24.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	**53**			03	04	25	26	28	27	29	31	35	36	07	07				**258**
25.	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि संस्कृत म.वि.	**55**	06	09	12	06	01	01	01	01	03	03								**43**
26.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय	**56**	15	14	24	22	39	34	44	42	49	47	21	20	33	33				**437**
27.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर	**57**			73	45	184	175	129	127	110	114	123	116	61	61	55	52		**1425**
28.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रीरणवीर परिसर	**61**			64	40	103	94	88	88	45	49	88	80	60	61	105	110		**1075**
29.	श्री गुरु गंगादेवजी संस्कृत म.वि.	**62**	13	12	27	33	08	07	12	12	07	07	03	03	06	06				**156**
30.	लक्ष्मीदेवी श्रॉफ आदर्श संस्कृत म.वि.	**09**			35	17	23	22	08	07	12	11	14	13	16	16				**194**
31.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	**66**			10	15	12	12	17	17	18	18	10	10	04	04				**147**
32.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	**67**			15	10	06	07	06	07	12	13	04	04	07	07				**98**
33.	श्री शंकर संस्कृत विश्वविद्यालय इड्डाकडोम	**68**			09	05	04	04	02	02	07	07	03	03	03	03				**52**
34.	वागीश्वरा संस्कृत महाविद्यालय	**69**			03	08	08	07	07	10	10	10	10							**73**
35.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	**70**			14	11	42	35	59	55	58	59	37	36	37	34				**477**
36.	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	**71**			09	05	06	03	04	04	02	01	04	03	01	01				**43**

37.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गुरुवायूर परिसर	**72**			23	23	55	51	63	62	69	71	71	65	68	66	53	54					**794**
38.	माहेश्वरी संस्कृत कॉलेज	**75**			08	08																	**16**
39.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय राजीव गांधी परिसर	**76**			26	19	50	49	46	45	54	54	30	29	43	42	51	55					**593**
40.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत म.वि.	**81**			12	03	23	14	05	04	08	07	40	18	07	07							**148**
41.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ	**84**			07	04	18	13	09	10	07	08	08	09	11	11	49	54					**218**
42.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	**86**	34	45	78	81	44	27	36	27	18	16	17	13	25	23							**484**
43.	श्री राधामाधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	**87**	72	95	273	230	109	101	114	116	108	108	16	16	20	20							**1398**
44.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर	**88**			49	26	74	69	93	90	54	54	56	53	60	58	109	109	13	11	12	11	**1001**
45.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर	**91**			94	91	106	99	109	105	97	98	365	351	287	285	111	109					**2307**
46.	श्री बाबा हरिदत्त गिरिजी संस्कृत महाविद्यालय	**96**			29	06	33	33	12	09	11	14	04	04	11	11							**177**
47.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज	**97**			11	11	15	14	23	23	21	21											**139**
48.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर	**101**			70	68	171	163	121	119	120	121	123	115	65	64	104	106	04	04	03	02	**1543**
49.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	**102**	05	07																			**12**
50.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर	**111**			22	27	52	52	54	55	46	47	40	37	43	41	51	51					**618**

51.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय	**113**	27	17																			**44**
52.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय	**114**	21	28	34	19	18	16	20	19	19	18	11	11	08	08							**250**
53.	गिन्निदेवी मोदी संस्कृत महाविद्यालय	**115**	03	01	04	05	05	05	09	09	02	02											**45**
54.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय	**118**	50	28	24	25																	**127**
55.	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	**119**			03	04	16	21	15	27	23	22	06	06	04	06							**153**
56.	अनन्तदेवी संस्कृत महाविद्यालय	**120**			09	13	21	19	26	24	15	15	11	11	11	11							**186**
57.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	**123**			31	32	53	54	38	37	34	42	39	34	33	33							**460**
58.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर	**2**			04	08	43	42	29	25	23	24	18	18	06	04							**244**
59.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ साल्ड महादेव, पौड़ी गढ़वाल	**112**	01		04	05	06	03	07	07	05	06											**44**
60.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, लिंगसे	**106**	13	08	12	07	10	10	07	07	02	02											**78**
61.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय	**126**	26	33	32	36																	**127**
62.	श्री सीताराम आदर्श संस्कृत म.वि.	**127**		03	04	24	20	26	25	23	26	142	138	67	65								**563**
63.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ	128	13	14	14	16																	**57**
64.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	129	05	03	33	24	23	22	51	47	66	63	36	35									**408**
65.	मदर उषा मेमोरियल ओरियण्टल केन्द्रीय संस्कृत इन्स्टीट्यूशन एवं आगम (तन्त्र) रिसर्च सेन्टर	130	28	40	46	54																	**168**
66.	भारती चतुष्पति संस्कृत महाविद्यालय	131	10	07	64	51	39	38	100	98	61	60	50	50									**628**
67.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर	1	15	16	10	06	23	23	19	20	55	49	57	59	52	53							**457**
		649	**681**	**1760**	**1506**	**1929**	**1774**	**1633**	**1595**	**1524**	**1542**	**1698**	**1586**	**1314**	**1299**	**740**	**753**	**17**	**15**	**15 13**			**22043**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2021-22) :

	सेतु एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	133	–	–	–
प्राक्शास्त्री	–	42	11	–
शास्त्री सेतु	205	–	–	–
शास्त्री	–	–	04	105
आचार्य सेतु	149	–	–	–
आचार्य	–	–	14	–
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम	–	–	–	–
प्रारम्भिक-प्राकृत-ज्ञान पाठ्यक्रम	01	–	–	–
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	05	–	–	–
प्राकृत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	03	–	–	–
संस्कृत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	13	–	–	–
योग	**509**	**42**	**29**	**105**
कुल योग	**685**			

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	04	239
2.	बिहार	02	135
3.	छत्तीसगढ़	01	33
4.	गोवा	03	138
5.	गुजरात	05	284
6.	जम्मू-कश्मीर	01	47
7.	महाराष्ट्र	15	540
8.	मध्यप्रदेश	04	471
9.	उड़ीसा	03	122
10.	पंजाब	03	70
11.	राजस्थान	01	84
12.	तमिलनाडु	01	89
13.	तेलंगाना	03	153
14.	उत्तराखंड	01	92
15.	उत्तरप्रदेश	08	377
16.	पश्चिम बंगाल	06	670
17.	पूर्वोत्तर राज्य	19	912
	कुल	**80**	**4456**

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	7259
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	

विश्वविद्यालय के परिसरों के विभिन्न नियमित कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	अनु. जाति	अनु. ज.जा.	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्ल्यू. एस.	सामान्य अन्य	अन्य/दि. मुस्लिम	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री-I	35	18	90	05	316	02	338	128	**466**
प्राक् शास्त्री-II	16	20	79	04	250	03	234	138	**372**
शास्त्री-I	76	29	231	22	546	10	610	304	**914**
शास्त्री-II	77	32	167	14	441	07	467	271	**738**
शास्त्री-III	53	23	167	00	369	11	392	231	**623**
आचार्य-I	81	30	242	03	689	04	521	528	**1049**
आचार्य-II	46	21	200	04	491	09	387	384	**771**
शिक्षा-शास्त्री-I	57	34	220	52	388	05	316	440	**756**
शिक्षा-शास्त्री-II	66	30	235	33	384	07	361	394	**755**
शिक्षा-आचार्य-I	02	00	02	00	16	00	12	08	**20**
शिक्षा-आचार्य-II	00	00	05	00	13	00	13	05	**18**
विद्यावारिधि	13	05	44	45	106	01	138	76	**214**
कुल योग	**522**	**242**	**1682**	**182**	**4009**	**59**	**3789**	**2907**	**6696**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन विभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा कोर्ट, कार्यकारी परिषद् एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) वेदव्यास परिसर (हिमाचल प्रदेश) 75 लाख रुपये

(ख) जयपुर परिसर, (राजस्थान) 1130 लाख रुपये

(ग) राजीव गाँधी परिसर (कर्नाटक) 767 लाख रुपये

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 158 आर.टी.आई. आवेदनों का उत्त एवं 18 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया। 17 आर.टी.आई. तथा 05 प्रथम अपीलीय आवेदनों को सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किया गया।

4.1.2 वित्त एवं लेखा विभाग

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

बजट (2021-22) :

वर्ष 2020-21 की रु. 373.21 लाख रूपये (रू. 373. 21 लाख राजस्व निधि हेतु) की अव्ययित शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2021-22 में समाविष्ट किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रू. 20256.37 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को विश्वविद्यालय के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:-

क्रमांक	एकक का नाम	निर्गत राशि (रु.की संख्या लाखों में)
1.	मुख्यालय, नई दिल्ली	7357.66
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)	1680.68
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं काश्मीर)	833.67
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	567.05
5.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	1108.07
6.	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	2975.75
7.	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	1185.67

8.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)	1750.97
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	610.66
10.	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	1084.62
11.	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	309.27
12.	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	481.87
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	310.43
	कुल योग	**20256.37**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, पेन्शन, पेन्शन हितलाभ, गैर-नेट फेलोशिप छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय की अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग विश्वविद्यालय के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2021-22 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (पाठ्य बोर्ड) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरूप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग के द्वारा विद्वत् परिषद् की दो बैठकें आयोजित की गईं। (02 नवम्बर, 2021 एवं 25 जनवरी, 2022)
- विश्वविद्यालय का आरम्भ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था।
- शैक्षणिक विभाग को संस्कृत संस्थाओं को संवर्धित करने का दायित्व दिया गया है।
- विद्वत् परिषद् एवं शासी परिषद् की अनुशंसा के आधार पर विद्यालयों/महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान की जाती है।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण कार्य-

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धित क्रियाकलापों का समन्वयन।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के ग्रन्थों एवं शोधपत्रिकाओं का प्रकाशन।
- दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय योजनाओं का समन्वयन।
- केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन।

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 28.10.2021 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों से प्राप्त शोध प्रारूपों की स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में विद्यावारिधि में 08 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता पत्रिका एवं संस्कृत-विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित पूर्वमध्यमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित प्राक्शास्त्री सेतु से आचार्य पाठ्यक्रमों तक की परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणाम घोषणा कराना है। ये परीक्षायें विद्वत् परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2021-22 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्ध प्राप्त विद्यालय/महाविद्यालयों से प्राप्त परीक्षा आवेदनपत्रानुसार संस्था/कक्षावार परीक्षार्थीयों की संख्या निम्न लिखित प्रकार से हैं-

कक्षा	छात्र संख्या			सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	Fail	उत्तीर्ण%
	पुरुष	स्त्री	कुल					
पूर्वमध्यमा-I	457	192	649	HE	–	–	–	–
पूर्वमध्यमा-II	439	242	681	585	554	13	18	97.70085
उत्तरमध्यमा-I	300	119	419	HE	–	–	–	–
उत्तरमध्यमा-II	318	133	451	407	373	8	26	91.64619
प्राक्शास्त्री-I	911	430	1341	HE	–	–	–	–
प्राक्शास्त्री-II	651	404	1055	971	917	27	27	94.43872
शास्त्री-I	–	–	–	under process		–	–	–
शास्त्री-II	–	–	–	under process		–	–	–
शास्त्री-III	–	–	–	under process		–	–	–
शास्त्री-I सेमेस्टर	1131	541	1672	1605	1557	43	5	97.00935
शास्त्री-II सेमेस्टर	1031	510	1541	1449	1154	264	31	79.64113
शास्त्री-III सेमेस्टर	929	535	1464	1447	1411	33	3	97.51209
शास्त्री-IV सेमेस्टर	904	527	1431	1382	1188	173	21	85.96237
शास्त्री-V सेमेस्टर	837	471	1308	1303	1294	8	1	99.30929
शास्त्री-VI सेमेस्टर	854	475	1329	1305	1212	60	33	92.87356
शास्त्री प्रति. I सेमेस्टर	134	123	257	252	252	–	–	100
शास्त्री प्रति. II सेमेस्टर	123	110	233	223	204	17	2	91.47982
शास्त्री प्रति. III सेमेस्टर	92	77	169	168	168	–	–	100
शास्त्री प्रति. IV सेमेस्टर	89	75	164	160	156	4	–	97.5
शास्त्री प्रति. V सेमेस्टर	94	122	216	214	212	2	–	99.06542
शास्त्री प्रति. VI सेमेस्टर	93	120	213	212	208	1	3	98.11321
शिक्षा शास्त्री-I	304	436	740	736	735	1	–	99.86413
शिक्षा शास्त्री-II	356	397	753	750	750	–	–	100
आचार्य-I	–	–	–	under process		–	–	–
आचार्य-II	–	–	–	under process		–	–	–
आचार्य-I सेमेस्टर	816	882	1698	1678	1659	17	2	98.8677
आचार्य-II सेमेस्टर	747	839	1586	1503	1336	12	43	88.88889
आचार्य-III सेमेस्टर	708	606	1314	1309	1302	6	1	99.46524
आचार्य-IV सेमेस्टर	697	602	1299	1265	1161	80	24	91.77866
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	10	7	17	17	16	–	1	94.11765
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	10	5	15	15	15	–	–	100
शिक्षा आचार्य- III सेमेस्टर	8	7	15	15	15	–	–	100
शिक्षा आचार्य-IV सेमेस्टर	7	6	13	12	12	–	–	100
योग	**13050**	**8993**	**22043**	**18183+HE**	**17861**	**881**	**241**	**95.68937**

परिसरों के छात्रों ने 2021-22 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

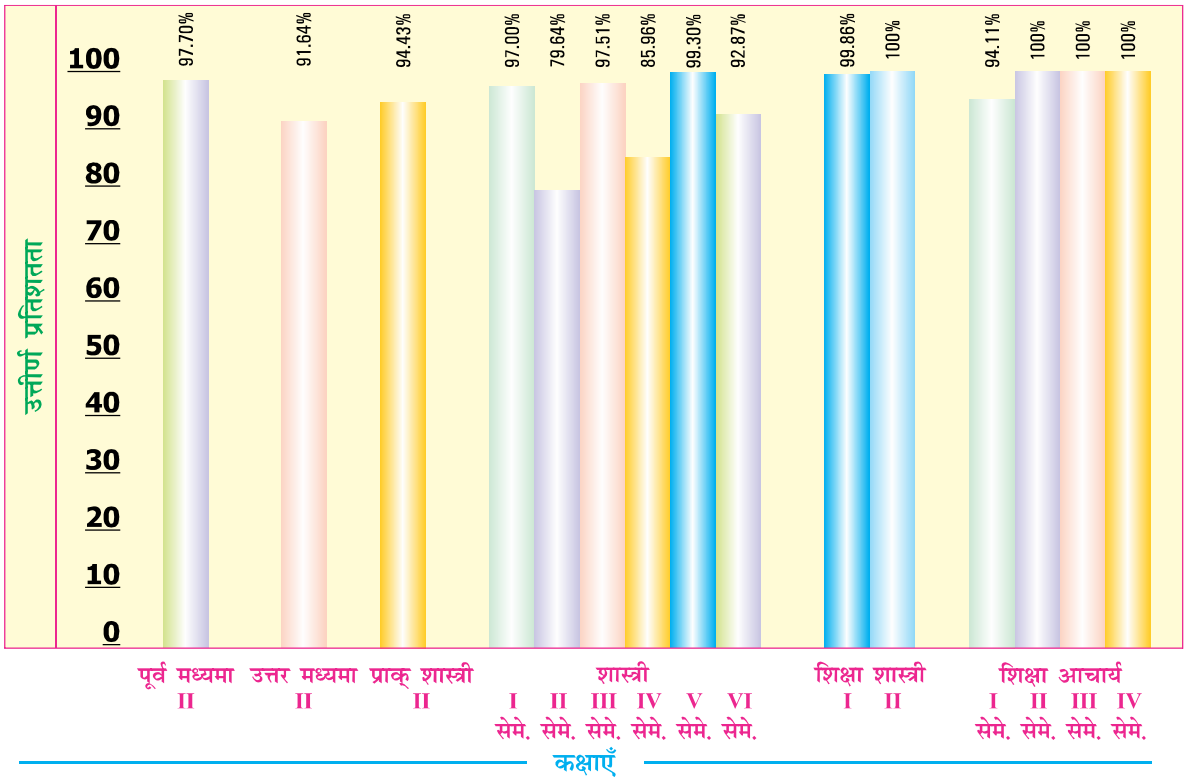

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-घ** में दिया गया है इस वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2021 से 31.03.2022 तक कुल 172 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है। विश्वविद्यालय के संबद्ध विद्यालय महाविद्यालय एवं परीक्षाओं को मान्यता देने वाले सरकारों एव विश्वविद्यालयों विवरण **(संलग्नक च छ ज)** है। इस वर्ष के दौरान वार्षिक परीक्षा 2021-2022 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वालें छात्रों का विवरण निम्नलिखित है।

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	शास्त्र	परिसर/संस्थान
1.	210643	कौस्तुभ पाठक	.....	श्री टिबरीनाथ सांगवेद सं.म.वि., बरेली, उत्तर प्रदेश
2.	211216	लोकतोङबम रमेश सिंह	.....	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय, रघुबीर नागर, नई दिल्ली
3.	213083	सोमक मैत्र	.....	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पश्चिम बंगाल
4.	181221	खानोलकर यशश्री संदिप	.....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई
5.	300185	ऋचिका कदम	.....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी

6.	33153	श्रुतिशिखा साहु	नव्यव्याकरणाचार्य	केन्द्रीय सस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला
7.	32338	श्वेता विष्णु भट्ट	साहित्याचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
8.	32897	माधव कुमार झा	सिद्धान्तज्यौतिषार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	32975	विवेक कुमार पाण्डेय	फलितज्यौतिषार्य	रानी प.ता.त. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
10.	32767	निहारिका पट्टनायक	सर्वदर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
11.	31801	स्वस्तिका शर्मा	धर्मशास्त्राचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला
12.	32602	अनुपमा रणा	पुराणेतिहासाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	32883	धनंजय पाण्डेय	वेदाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
14.	31942	संतोष कुमार मिश्र	पौरोहित्याचार्य	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बेगूसराय, बिहार
15.	32037	सुचिता पांडेय	रामानन्दवेदान्ताचार्य	श्री रघुवर रा.वे. महाविद्यालय, श्री कौशलेन्द्रमठ, पालडी, गुजरात
16.	32479	सम्यक जैन	जैन दर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल
17.	33010	प्रिया घोष	बौद्धदर्शनाचार्य	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
18.	32549	सुप्रिती महापात्र	सांख्ययोगाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
19.	32360	शशांक शिवराम भट्ट:	नव्यन्यायाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी
20.	32351	सुब्रह्मण्य एस	मीमांसाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर शृंगेरी
21.	32300	पार्वती मनेज	अद्वैतवेदान्ताचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर
22.	20888	मोनालिसा मिश्र	.....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
23.	1158	आशालता दास	.....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर
24.	1165	सुदीप आर्य	.....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर

4.1.6 पुस्तकालय

बारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,825 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय स्थापित है। विश्वविद्यालय के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग आरम्भ की गई है। अब तक 22,000 के लगभग प्रविष्टियाँ वर्तमान वर्ष में की जा चुकी हैं।

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है–

1. कुल पुस्तकें –	27825
2. इस वर्ष प्राप्त सभी ग्रन्थों का कुल मूल्य–	रु. 57,44,132/–

4.1.7 विक्रय इकाई

विश्वविद्यालय के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशनों को सर्वजन साधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है–

- विश्वविद्यालय के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय–केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यता प्राप्त विक्रय–केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं –

1. विश्वविद्यालय द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकें	रुपये	6,08,647/–
2. विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें	रुपये	94,99,627/–
3. ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रुपये	–
कुल योग	**रुपये**	**1,01,08,274.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचूड़ामणि) को सेवानिवृत्ति के पश्चात् सेवाओं के उपभोग हेतु वित्तीय सहायता।

योजना-VI **(व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)**
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण", व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को रु. 8,000/- प्रतिमाह की दर से एवं अंशकालिक अध्यापकों को रु. 4,500/- और चतुष्पाठी अध्यापकों के लिए रु. 2,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वर्ष के लिए दिया जाता है तथा छात्रों को आवासीय छात्रवृत्ति रु. 300/- प्रतिमाह की दर से 10 महीनों के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय द्वारा रुपये 653.61 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 405 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/चतुष्पाठी संस्थाओं में कार्यरत 818 संस्कृत अध्यापकों एवं 3232 आवासीय छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए हैं। **(अनुलग्नक झ)**

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के अध्यापकों के लिए मानदेय राशि रु. 8,000/- प्रतिमाह की दर से तथा अंशकालिक अध्यापक के लिए मानदेय राशि 4,500/- प्रतिमाह की दर से एक वर्ष के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु. 209.63 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 153 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में कार्यरत 232 आधुनिक विषय के अध्यापक/अंशकालिक अध्यापक/कंप्यूटर शिक्षक लाभान्वित हुए हैं। **(अनुलग्नक ञ)**

(ग) राज्य सरकार से सम्बन्धित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत जिन राज्यों में राज्य सरकार के द्वारा माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत अध्यापक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं, उन राज्यों में सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को एक संस्कृत अध्यापक के लिए मानदेय राशि रु. 8,000/- प्रतिमाह की दर से एक वर्ष के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में 25 सरकारी विद्यालयों में 25 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए हैं। इस वित्तीय वर्ष में रु. 14.51 लाख की राशि निर्गत की गई। **(अनुलग्नक ट)**

II. अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्त्रोत नहीं है। अनुदान समिति के द्वारा चयनित प्रत्येक विद्वान् को रुपये 36000/- मानदेय राशि प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती के बिना दिये जाते हैं। इस योजना के अन्तर्गत कुल 180 संस्कृत पण्डित लाभान्वित है। इस वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु. 59.64 लाख की राशि निर्गत की गई है।

III. संस्कृत के संवर्धन हेतु विभिन्न शोध परियोजनाओं तथा कार्यक्रमों/ गतिविधियों के लिए गैर सरकारी संगठनों/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों को वित्तीय सहायता।

एवं

IV. संस्कृत शिक्षण के मानकों को समुन्नित करने हेतु विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी. एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/संस्कृत विश्वविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/ संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे संस्कृत विद्वानों का सम्मान, विद्वत सभाओं का आयोजन, संस्कृत की सायंकाल कक्षाएँ, संस्कृत समारोह, सम्मेलन प्रशिक्षण कक्षाएं, अनुसंधान परिसयोजनाओं संस्कृत शिक्षण पद्धति का विकास आदि कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय द्वारा इस योजना के अन्तर्गत रु. 2.00 लाख की राशि निर्गत की गई। इस योजना के अन्तर्गत कुल 10 संस्थाएँ/विश्वविद्यालय/एन.जी.ओ. लाभान्वित है।

V. सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त संस्कृत विद्वानों की सेवा अनुभवों का उपयोग संस्कृत छात्रों और अध्यापकों की शंकाओं को दूर कर परम्परागत पद्धति से शास्त्रीय गहन अध्ययन करके छात्र अपने विषय के महारथी बन सके।

योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों को रुपये 10,000/- प्रति माह की दर से दो वर्ष की अवधि हेतु दिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में 25 नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 13 अन्य शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों का चयन वित्तीय वर्ष 2021-22 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 24.00 लाख की राशि निर्गत की गई।

VI. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि व्यावसायिक विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु रु. 42,000/- प्रत्येक कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु. 9.68 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 33 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों के 1150 छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए हैं।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि विश्वविद्यालय के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च-माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1, 2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को विश्वविद्यालय के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन विश्वविद्यालय मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2021-22 में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र..	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	05
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	36	36	36	36	36	66	66	162	163	-	-	-
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	36	36	36	36	34	66	66	81	46	-	-	05
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	19	20	36	36	36	33	33	46	48	-	-	03
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	35	36	72	72	72	104	106	64	40	04	02	-
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	22	22	41	29	33	29	28	23	24	-	-	14
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	26	19	36	36	36	33	33	29	38	-	-	05
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	73	36	106	79	72	33	33	59	48	-	-	29
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	34	15	36	36	36	66	66	28	32	11	11	07
10.	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई	07	04	22	09	07	33	33	07	07	-	-	01
11.	मुख्यालय, नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	03
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	13	16	09	24	18	33	33	49	55	-	-	-
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	03	07	35	24	18	-	-	10	02	-	-	06
	योग	**304**	**247**	**465**	**417**	**398**	**496**	**497**	**558**	**503**	**15**	**13**	**78**
										कुल योग -			**3991**

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्ल्यू.एस.	सामान्य	अन्य	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री-I	24	14	64	05	195	02	210	94	**304**
प्राक् शास्त्री-II	10	16	45	04	172	00	151	96	**247**
शास्त्री-I	38	17	121	14	272	03	279	186	**465**
शास्त्री-II	52	17	107	15	224	02	225	192	**417**
शास्त्री-III	32	17	108	00	239	02	239	159	**398**
आचार्य-I	42	23	133	16	344	00	271	287	**558**
आचार्य-II	26	16	135	10	315	01	241	262	**503**
शिक्षा शास्त्री-I	35	18	146	16	280	01	199	297	**496**
शिक्षा शास्त्री-II	45	13	150	08	279	02	230	267	**497**
शिक्षा आचार्य-I	00	00	00	00	11	00	10	05	**15**
शिक्षा आचार्य-II	00	00	02	04	11	00	07	06	**13**
विद्यावारिधि	10	02	05	01	59	01	57	21	**78**
कुल योग	**313**	**153**	**1016**	**92**	**2401**	**14**	**2119**	**1872**	**3991**

2. आधुनिक और पारंपरिक धाराओं में अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/ उच्च/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/कॉलेजों के छात्रों को छात्रवृत्ति के पुरस्कार के लिए वित्तीय सहायता।

परिचय: -

संस्कृत/पाली/प्राकृत में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, संस्कृत/पाली/प्राकृत शिक्षा की योजना के तहत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा एक योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जो संस्कृत/पाली/प्राकृत को मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में नियमित रूप से पढ़ाती है। किसी भी मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/पारंपरिक धारा में संस्कृत विश्वविद्यालय में/पूर्व-मध्यमा (प्रथम वर्ष)/9 वीं कक्षा, पूर्व-मध्यमा (द्वितीय वर्ष)/10 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा में आधुनिक धारा, प्राक्शास्त्री (प्रथम वर्ष) /11 वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा/ प्राक्शास्त्रि (2 वर्ष)/12 वीं कक्षा, शास्त्री/बी. ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष), विद्यावरिधि/पीएच.डी. या समकक्ष हो। छात्रवृत्ति की दर अधोनिर्दिष्ट प्रकार से है:-

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ (प्रकार 2)

पाठ्यक्रम/स्तर	**राशि**
* 9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु.500/-प्रतिमाह (10 माह)
* 11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 600/- प्रतिमाह (10 माह)
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 800/- प्रतिमाह (10 माह)
* एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 1000/- प्रतिमाह (10 माह)
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/ प्राकृत समकक्ष	रु. 2500/- प्रतिमाह रु. 5000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान। (24 माह)

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की वरीयता क्रम से कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2021-22 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 23299 ऑनलाईन आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए है जिनमें से 18202 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। धन की उपलब्धता के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2021-22 की प्रस्तावित छात्रवृत्ति का कक्षावार विवरण निम्न प्रकार से है :

(क) परम्परागत धारा

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	**सामान्य**	**अनु. जाति**	**अनु. जन. जाति**	**दिव्यांग श्रेणी**	**पिछड़ा वर्ग**	**आर्थिक कमजोर वर्ग**	**कुल छात्रवृत्तियाँ**	**छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र**	**कुल राशि**
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	140	45	04	02	103	04	298	5000	14,90,000/-
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	193	62	03	00	116	09	383	5000	19,15,000/-
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	220	55	25	00	169	13	482	6000	28,92,000/-
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	215	84	47	00	178	06	530	6000	31,80,000/-
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	345	103	24	00	160	13	645	8000	54,60,000/-
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	302	135	23	02	102	11	575	8000	46,00,000/-
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	284	115	26	01	145	27	598	8000	47,84,000/-
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	256	119	25	02	118	22	542	10000	54,20,000/-
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	136	66	18	00	108	26	354	10000	35,40,000/-
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	37	12	00	03	28	18	98	35000	34,30,000/-
कुल	**2128**	**796**	**195**	**10**	**1227**	**149**	**4505**	**--**	**3,64,11,000/-**

(ख) परम्परागत धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	10	00	00	00	00	00	10	5000	50,000/-
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	02	00	00	00	00	00	02	5000	10,000/-
उ.म./प्राक्.शा. प्रथम/11वीं	08	00	00	00	03	00	11	6000	66,000/-
उ.म./प्राक्.शा. द्वितीय/12वीं	13	03	00	00	00	00	16	6000	96,000/-
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	24	04	02	00	00	01	31	8000	2,48,000/-
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	31	02	00	00	03	00	36	8000	2,88,000/-
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	17	04	01	00	07	01	30	8000	2,40,000/-
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	28	07	01	00	11	08	55	10000	5,50,000/-
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	27	04	02	00	21	04	58	10000	5,80,000/-
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	02	01	00	00	00	01	04	35000	1,40,000/-
कुल	**162**	**25**	**06**	**00**	**45**	**15**	**253**	**--**	**22,68,000/-**

(ग) आधुनिक धारा

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	910	270	135	02	486	32	1835	5000	91,75,000/-
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	930	274	137	03	493	24	1861	5000	93,05,000/-
उ.म./प्राक्.शा. प्रथम/11वीं	755	227	114	01	409	35	1541	6000	92,46,000/-
उ.म./प्राक्.शा. द्वितीय/12वीं	687	229	114	05	412	99	1546	6000	92,76,000/-
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	447	103	07	01	288	19	865	8000	69,20,000/-
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	233	65	12	02	206	12	530	8000	42,40,000/-
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	191	52	99	00	108	12	462	8000	36,96,000/-
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	575	129	23	00	238	46	1011	10000	1,01,10,000/-
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	393	60	12	01	153	25	644	10000	64,40,000/-
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	63	11	00	01	33	11	119	35000	41,65,000/-
कुल	**5184**	**1420**	**653**	**16**	**2826**	**315**	**10414**	**--**	**7,25,73,000/-**

(घ) आधुनिक धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	08	07	01	00	03	00	19	5000	95,000/-
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	03	01	01	00	02	00	07	5000	35,000/-
उ.म./प्राक्.शा. प्रथम/11वीं	53	04	00	00	17	00	74	6000	4,44,000/-
उ.म./प्राक्.शा. द्वितीय/12वीं	51	02	00	00	00	00	53	6000	3,18,000/-
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	04	03	00	00	01	00	08	8000	64,000/-
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	06	00	00	00	02	00	08	8000	64,000/-
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	05	04	00	00	01	00	10	8000	80,000/-
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	03	00	00	00	01	01	05	10000	50,000/-
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	28	04	00	00	17	05	54	10000	5,40,000/-
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	06	00	00	00	00	01	07	35000	2,45,000/-
कुल	**167**	**25**	**02**	**00**	**44**	**07**	**245**	**--**	**19,35,000/-**

(च) आधुनिक धारा (संस्कृत प्रतिष्ठा)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
बी.ए. प्रथम वर्ष	463	148	47	00	235	11	904	8000	72,32,000
बी.ए. द्वितीय वर्ष	454	164	33	01	236	08	896	8000	71,68,000
बी.ए. तृतीय वर्ष	390	148	54	00	306	25	923	8000	73,84,000
कुल	**1307**	**460**	**134**	**01**	**777**	**44**	**2723**	**--**	**2,17,84,000**

(छ) आधुनिक (आनर्स) धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
बी.ए. प्रथम वर्ष	15	03	00	00	12	00	30	8000	2,40,000
बी.ए. द्वितीय वर्ष	05	04	00	00	05	01	15	8000	1,20,000
बी.ए. तृतीय वर्ष	16	01	00	00	06	01	23	8000	1,84,000
कुल	**36**	**08**	**00**	**00**	**23**	**02**	**68**	**--**	**5,44,000**

कुल योग - (क), (ख), (ग), (घ) एवं (च)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्ति	कुल राशि
परम्परागत	2128	796	195	10	1227	149	4505	3,64,11,000
परम्परागत (पूर्वोत्तर)	162	25	06	00	45	15	253	22,68,000
आधुनिक	5184	1420	653	16	2826	315	10414	7,25,73,000
आधुनिक (पूर्वोत्तर)	167	25	02	00	44	07	245	19,35,000
आधुनिक (प्रतिष्ठा)	1307	460	134	01	777	44	2723	2,17,84,000
आधुनिक (प्रतिष्ठा) (पूर्वोत्तर)	36	08	00	00	23	01	68	5,44,000
कुल योग	**8984**	**2734**	**990**	**27**	**4942**	**531**	**18208**	**13,55,15,000**

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2021–22 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर : रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश : वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली : श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड : श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5. ओडिशा : सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड : दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल : सीताराम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान : जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर–प्रदेश : लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ : भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात : दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा : के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश : रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल : गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक : कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : एकलव्य परिसर, अगरतला

राष्ट्रीय स्तर की 59वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 27.03.2022 से 30.03.2022 तक बैंगलूरु स्थित कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे – 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ–विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 40 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/–, 7000/–, 5000/– से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/– एवं रु. 1500/– प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

दिनांक 27.03.2022 को कर्नाटक राज्य के महामहिम राज्यपाल श्री तंवर सिंह गहलोत ने कार्यक्रम का समुद्घाटन किया। अध्यक्ष के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी एवं सारस्वतातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. पी. एन्. शास्त्री एवं कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.ई. देवनाथन् उपस्थित थे।

इस आयोजन का संपूर्ति समारोह दिनांक 30.03.2022 को उत्तरादि मठ के स्वामीजी श्रीश्री सत्यात्मतीर्थ श्रीपाद के दिव्य उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सारस्वतातिथि के रूप में श्री दिनेश कामत एवं अध्यक्ष के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी उपस्थित थे।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम-आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

परिचय

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना वर्ष 1978 में भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत शिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरु की गयी थी। इस योजना को समय-समय पर परिवर्तित/समीक्षित किया गया। इस योजना को प्रथम बार 1983 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 80-7/88-Skt-I दिनांक 06 अक्टूबर 1983 के माध्यम से संशोधित किया गया। पुनः इस योजना को 1993 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 30-19/88-Skt-I दिनांक 06 जुलाई 1993 के माध्यम से संशोधित किया गया। बाद में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 8-3/94-Skt-I दिनांक 16.06.1995 के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को स्थानान्तरित किया गया। मानव ससाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.N. 31-4/2009 Skt-I दिनांक 29 जून, 2012 के माध्यम से इस योजना को पुनः संशोधित किया गया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र विशेषकर संस्कृत शिक्षा में आये परिवर्तन, छठे केन्द्रीय वेतन आयोग के लागू होने एवं उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी विनियम के फलस्वरूप योजना के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों के माध्यम से पारंपरिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए इस योजना का पुनर्निर्माण अनिवार्य हो गया।

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित हो रही हैं एवं इस योजना हेतु वित्त का बड़ा भाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है। इसके अन्तर्गत 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 04 आदर्श शोध संस्थान सम्मिलित हैं। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएँ स्वीकृत आवर्ती मद का 95 प्रतिशत एवं स्वीकृत अनावर्ती मद का 75 प्रतिशत (अधिकतम रुपये पाँच लाख) प्राप्त करती हैं।

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इसी प्रयोजन से इस योजना के अन्तर्गत, संस्कृत महाविद्यालयों को शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी.एच.डी. एवं पी.एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन और शोध आधारित प्रकाशन व शोध पत्रिका हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण-

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2019-20 में निर्गत राशि का विवरण
1.	तेलंगाना	01	99,40,404.00
2.	बिहार	05	9,34,84,376.00
3.	हरियाणा	02	3,11,91,541.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	3,86,09,271.00
5.	झारखण्ड	01	1,05,59,726.00
6.	कर्नाटक	01	1,24,84,447.00

7.	केरल	02	2,36,53,370.00
8.	महाराष्ट्र	02	99,54,015.00
9.	मणिपुर	01	62,79,936.00
10.	तमिलनाडु	02	3,11,86,732.00
11.	उत्तराखण्ड	01	1,32,15,044.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	5,43,89,914.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	4,90,10,441.00
14.	राजस्थान	01	1,14,35,649.00
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**39,53,94,866.00**

4.1.12 परियोजनाएँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 120 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको निःशुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा विश्वविद्यालय एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

विश्वविद्यालय के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत- शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11,487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) विश्वविद्यालय मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी- शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

11. विश्वविद्यालय के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। विश्वविद्यालय के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय

विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

12. मूक्स परियोजना

मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (Mooc) के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरों में कार्यरत सभी विभाग के अध्यापकों को Moocs पाठ्यक्रम निर्माण पद्धति के ऊपर एक कार्यशाला मार्च 22-28, 2018 को एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित किया गया जिसमें संसाधकों के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. से प्राध्यापक आए।

13. भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए निःशुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतदर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर अपलोड किया गया।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

1. डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

शिक्षा मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 35 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में प्रारंभ की गई 'पालि-प्राकृत योजना' पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) के बाद केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2021-22 में दिल्ली, लखनऊ एवं जयपुर केन्द्रों में निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं –

दिल्ली मुख्यालय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में प्रवर्तमाना पालि प्राकृत योजना के अंतर्गत दिल्ली मुख्यालय मं 26 से 28 मार्च 2022 को त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संस्कृत/पालि/प्राकृत संगोष्ठी एवं पालि प्राकृत काव्य पाठ सम्मेलन संपन्न हुआ। इस संगोष्ठी का स्थान भोगीलाल लहेरचंद प्राच्य विद्या शोध संस्थान, दिल्ली एवं मुख्य विषय **'शिक्षा सूत्रम् : संस्कृत, प्राकृत, पालि वाङ्मय के सन्दर्भ में'** था।

लखनऊ परिसर - पालि अध्ययन केन्द्र

1. **शोध पत्रिका**-"पालि प्राकृत अनुशीलनम्" (षान्मासिक शोधपत्रिका, UGC care listed) 2020 एवं 2021 संयुक्तांक प्रकाशन योग्य है।
2. **प्रकाशन योग्य ग्रन्थ**-1. दीपवंसो (पालि संस्कृतछाया एवं हिंदी अनुवाद सहित)।

   2. प्रथमा दीक्षा-पालि।

उपर्युक्त सभी पालि ग्रन्थ संस्कृतछाया एवं हिंदी अनुवाद सहित प्रकाशित होंगे।

जयपुर परिसर - प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र

प्रकाशन योग्य ग्रन्थ-

1. कहकोसु-भाग 1 (पूर्व में प्रकाशित किन्तु अनुपलब्ध अतः प्रकाशन योग्य)
2. पउमचरियं भाग-2
3. कहकोसु भाग-2
4. प्रथमा दीक्षा-प्राकृत

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शैक्षिक वर्ष 2021-22 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. केन्द्रीय समिति का उपवेशन
3. मूल्यांकन कार्यक्रम
4. साक्षात्कार कार्यक्रम
5. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (IIT) अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों मे विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षक को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारू सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2021-22 में पूर्वोत्तर राज्यों, पश्चिम बंगाल, आन्ध्रप्रदेश, बिहार, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड तथा उत्तरप्रदेश में कुल 77 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के विविध क्रियाकलापों तथा शिक्षकों का मासिक प्रगति विवरण इस विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा सञ्चालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 4416 अध्येता इस शैक्षिक सत्र में नामाङ्कन कराए।

राज्यानुसार 2021-22 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	बिहार	02
3.	छत्तीसगढ़	01
4.	गोवा	03
5.	गुजरात	05
6.	जम्मू कश्मीर	01
7.	महाराष्ट्र	15
8.	मध्यप्रदेश	04
9.	उड़ीसा	03
10.	पंजाब	03
11.	राजस्थान	01
12.	तमिलनाडु	01
13.	तेलंगाना	03
14.	उत्तराखण्ड	01
15.	उत्तरप्रदेश	08
16.	पश्चिम बंगाल	06
17.	पूर्वोत्तर राज्य	19
	कुल	**80**

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में किया गया अपितु सुदूरवर्ती

छोटे कस्बों, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North-East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया जाता है। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया जाता है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृतेतर क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता बतायी। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु विश्वविद्यालय को निवेदन किया है।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2021-22 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, लेक्चरर इन संस्कृत, शिवाराय स्ट्रीट, सत्यनारायणपुर, विजयवाडा-520011, आन्ध्रप्रदेश
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डॉ. ताराकान्त शुक्ल, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	श्री कू.वेंकटेशमूर्ति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला- चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	डॉ. के.गिरिधर राव, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत-प्रगत-अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)

12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया, भोपाल-462043 (मध्य प्रदेश)
13.	ओड़िसा	प्रो. हरेकृष्ण माहापात्र, प्राचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	छत्तीसगढ़	डॉ. वैभव वसन्त कान्हे, सहायक प्रोफेसर, गवर्नमेंट डी.एस.वी.पी.जी. संस्कृत कॉलेज, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
15.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. रणजित तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेडिशनल संस्कृत, कुमार भास्कर वर्मा, संस्कृत एंड एनसिएंट स्टडिज यूनिवर्सिटी, नलबारी, असम-781337
16.	पंजाब	प्रो. हर्ष कुमार मेहता, 11 एस.टी.-5, सेक्टर-1, तलवाड़ा टाउनशिप, जिला-होशियारपुर, पंजाब-144216
17.	राजस्थान	प्रो. वाई.एस. रमेश, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
18.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
19.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
20.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
21.	पश्चिम बंगाल	डॉ. दीपा वन्द्योपाध्याय, डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत, आशुतोष कालेज, कोलकाता
22.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, करूषनेई हाउस नं. 214, दीमानी, कानकोलिम, सालसेट, गोवा-403703

डॉ. रत्नमोहन झा, सहाचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. केन्द्रीय समिति उपवेशन (ऑनलाइन)

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	08.09.2021 तथा 14.03.2022	06	1. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी 2. प्रो. गोपबन्धु मिश्र 3. श्री सत्यनारायण भट्ट 4. डॉ. रणजीत तिवारी 5. श्री कू. वेङ्कटेश मूर्ति 6. डॉ. रत्नमोहन झा

3. मूल्यांकन कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अस्थायी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षकों की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों का मूल्यांकन किया गया। जिसका विवरण इस प्रकार है–

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	परीक्षक
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	17.02.2022 से 22.02.2022	1107	**मुख्य परीक्षक** प्रो. वाई.एस. रमेश डॉ. रत्नमोहन झा **परीक्षक** डॉ. जी.नरसिंहुलु डॉ. श्रीकर जी.एन्. डॉ. गणेश्वरनाथ झा डॉ. मञ्जु थेमदेव डॉ. लक्ष्मीनारायण डॉ. मनोज श्रीमाल

4. साक्षात्कार कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अस्थायी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्यापन करने हेतु शिक्षकों का चयन किया जाता है। एतदर्थ लिखित एवं मौखिक रूप से प्रशिक्षण पूर्व प्रशिक्षणोत्तर परीक्षण का आयोजन किया जाता है। उत्तीर्ण प्रतिभागियों की मौखिक परीक्षा ऑनलाईन माध्यम से ली गई–

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	परीक्षण समिति
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	07.03.2022 से 11.03.2022	354 (ऑनलाईन माध्यम से)	प्रो. वाई.एस. रमेश श्री सुधीष्ठ मिश्र डॉ. रत्नमोहन झा

5. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु 21 दिवसीय आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, बेंगलूरु–मैसूर मेन रोड, पोस्ट–कुबंलगोडु, बेंगलूरु	30.03.2022 से 21.04.2022	118	**प्रबोधक** 1. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी 2. श्री जनार्दन हेगड़े, अक्षरम्, बेंगलूरु 3. डॉ. विश्वास, मंगलूरू, कर्णाटक 4. श्री श्रीशदेवपुजारी, लखनऊ 5. प्रो. शिवानी, कर्णाटक संस्कृत वि.वि. बेंगलूरु 6. डॉ. रामकृष्णभट्ट, कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलूरु 7. डॉ. मधुसूदन अडिग, आदि चुञ्चुनु गिरिमठ 8. श्री सत्यनारायण भट्ट, अक्षरम् 9. डॉ. तिरुमल कुलकर्णी, पूर्णप्रज्ञ-विद्यापीठम्, बेंगलूरु 10. श्री सचिन कठाले, संस्कृत भारती, बेंगलूरु **प्रशिक्षक** 1. प्रो. वाई.एस्. रमेश, जयपुर 2. डॉ. रत्नमोहन झा, नई दिल्ली 3. श्री कू. वेंकटेश मूर्ति, शृंगेरी 4. डॉ. विश्वजित प्रमाणिक, वाराणसी 5. श्री प्रलय मान्ना, कानपुर 6. श्री कारिया राजेश ठक्कर, गोवा 7. श्री आलोक चन्द्र परिडा, विशाखापट्टनम् 8. श्री चन्द्रमोहन गोयल, कानपुर 9. श्रीमती कृष्णप्रिया हाति, रायगंज 10. श्रीमती के. रूपा, हैदराबाद **प्रबन्धन प्रमुख** 1. डॉ. भा.वं. रामप्रिय, बेंगलूरु **वित्तीय पर्यवेक्षक** 1. श्री अनिल नौटियाल, के.सं.वि.वि., नई दिल्ली

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

पत्राचार विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) देश और विदेश में संस्कृत भाषा सीखने के जिज्ञासु अध्येताओं के लिए हिंदी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत सिखाने के लिए द्विवर्षीय पत्राचार पाठ्यक्रम का संचालन वर्ष 1970 से करता आ रहा है।

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम)

सत्र 2021-22 में पत्राचार पाठ्यक्रम में संस्कृत सीखने के लिए 227 भारतीय छात्रों एवं 05 विदेशी छात्रों ने पंजीयन कराया। वर्तमान में पत्राचार पाठ्यक्रम में कुल 7,259 छात्र नामांकित हैं। सत्र 2021-22 में 25 छात्रों ने पाठ्यक्रम में प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अधीन संचालित मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के डिग्री एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा परिषद् (इग्नू) एवं दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)।
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष।
7. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)।
8. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)।
9. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।
10. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)।

शैक्षिक सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2021-22 में लगभग 685 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठम् की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक दिनांक 11.06.2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA)

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) की द्वितीय बैठक दिनांक 20.04.2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

प्रमाणपत्रीय (6 माह) एवं डिप्लोमा (12 माह) पाठ्यक्रम

प्रमाणपत्रीय (6 माह) एवं डिप्लोमा (12 माह) पाठ्यक्रमों को प्रारम्भ करने हेतु सम्बन्धित वेबसाइट के निर्माण एवं महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं पर विचार-विमर्श हेतु एक बैठक दिनांक 27.10.2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श/सम्पर्क-कक्षाएँ ऑफलाईन/ऑनलाइन चलायी जा रही हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसर

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

1. परिचय

गंगा यमुना और सरस्वती नदी के पावन संगम नगरी प्रयागराज में 17 नवम्बर 1943 को गंगानाथ झा शोधसंस्थान की स्थापना की गई थी। इसकी स्थापना पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. सर तेज बहादुर सप्रू, डॉ. भगवान दास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथकविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, उपराज्यपाल आदित्यनाथ झा आदि उनके अनुयायियों और विद्यार्थियों द्वारा, उनके द्वितीय पुण्य स्मृति के अवसर पर की गई थी।

यह शोधसंस्थान सोसाइटी एक्ट 1860 के अन्तर्गत 12 जनवरी 1945 को पंजीकृत हुआ। डॉ. उमेश मिश्र के प्रयास से कम्पनीबाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पिछले हिस्से में 1.5 एकड़ भूमि प्राप्त होने पर उत्तर प्रदेश के तत्कालीन माननीय राज्यपाल सर मारिस हैलट के द्वारा 3 फरवरी 1945 को इस शोधसंस्थान की आधारशिला रखी गई।

डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) इसके प्रथम अध्यक्ष रहे। इसके अतिरिक्त कुछ प्रमुख उत्तराधिकारियों में डॉ. भगवान् दास (1949-59), डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65) और डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। 01 अप्रैल 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने इसे अपने विद्यापीठ के रूप में अधिगृहीत किया। उस समय से यह शोधसंस्थान गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में प्रसिद्ध हुआ। जब राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 2002 में मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त किया तब इसका नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) गंगानाथ झा परिसर हुआ। 29 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर के रूप में विख्यात है। उच्च अध्ययन के क्षेत्र में सम्पूर्ण विश्व और भारत वर्ष में यह परिसर महत्त्वपूर्ण शोधसंस्थान के रूप में प्रसिद्ध है, जो संस्कृत विद्या की विविध शाखाओ में शोध के लिये समर्पित है।

2. गंगानाथ झा परिसर की अवस्थिति

यह परिसर चन्द्रशेखर आजाद पार्क इण्डियन प्रेस चौराहा के निकट स्थित है। इसके उत्तर में पन्नालाल रोड, जवाहर लाल नेहरू रोड तथा पीछे इलाहाबाद संग्रहालय, कमलानेहरू रोड है। यह परिसर सिविल लाइन्स बस अड्डे से 3 कि.मी. पर तथा प्रयागराज रेलवे स्टेशन से 5 कि.मी. तथा बमरौली प्रयागराज एयरपोर्ट से 15 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

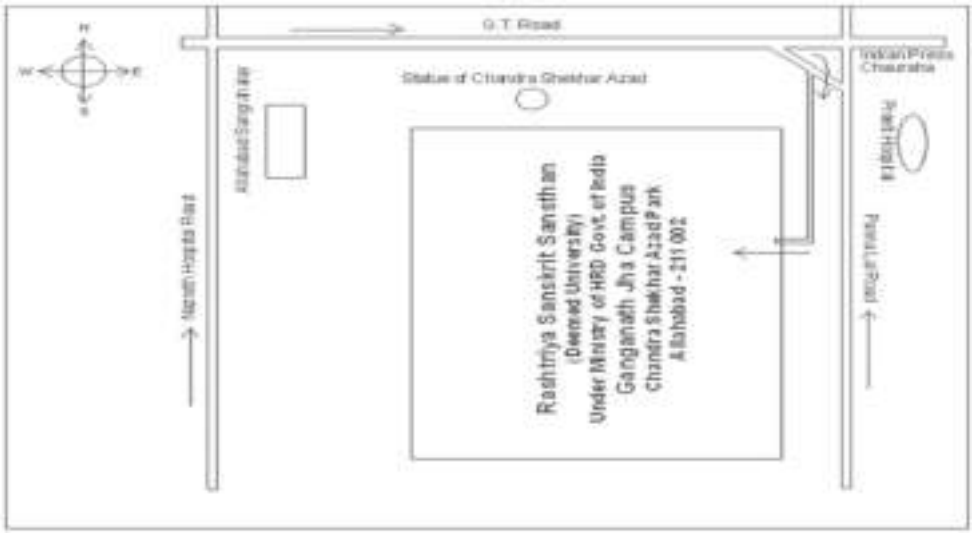

3. मुख्यगतिविधियाँ

गंगानाथ झा परिसर मुख्य रूप से शोधसंस्थान है इसके मुख्य कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं-

i. शोध

ii. शोधप्रशिक्षण (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के अन्तर्गत सभी परिसरों के नवागन्तुक पंजीकृत शोधछात्रों के लिए प्राक्शोधपाठ्यक्रम।

iii. महत्त्वपूर्ण अप्रकाशित एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का सम्पादन।

iv. प्रकाशन

(अ) परिसरीय प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सम्पादित पाण्डुलिपियों व अन्य ग्रन्थों का प्रकाशन

(ब) 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा कैम्पस' - जो भारतीय ज्ञान पर आधारित तथा प्राच्य अध्ययन से सम्बन्धित शोध जर्नलहै, का प्रकाशन।

(स) उशती- जोशास्त्र अध्ययन व संस्कृत अध्ययन पर आधारित शोध जर्नल है, का प्रकाशन।

v. पाण्डुलिपियों का संरक्षण व संवर्धन।

इसके अलावा परिसर (दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से) प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतुएवं विभिन्न प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम भीसंचालित करता है।

3. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ/कार्यशालाओं/ व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण :

दिनांक	विषय	आमन्त्रित विद्वान
05-06-2021	विश्वपर्यावरणदिवस	प्रो. गिरीशचन्द्र त्रिपाठी, डॉ. दीप नारायण पाण्डेय प्रो. डॉ. गिरीन्द्र सिंह तोमर, डॉ. अनीता तोमर
11-15/06/2021	शोधप्रविधि व्याख्यानमाला	प्रो. सन्तोष कुमार शुक्ल
12-06-2021	इण्डोलॉजिकल साक्षात्कार शृंखला	सुदीप्ता मुनसी
21-06-2021	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक
19-24/06/2021	संस्कृत अनुसन्धान एवं ग्रन्थालय विज्ञान व्याख्यानमाला	डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय
25-30/06/2021	संस्कृत अनुसन्धान में सङ्गणक का अनुप्रयोग व्याख्यानमाला	डॉ. मोनालीदास
28-06-2021	शोध प्रविधि	प्रो. पीटर एम्. श्रॉफ
01-06/07/2021	ब्राह्मीलिपि प्रशिक्षण कार्यशाला	डॉ. अपराजिता मिश्रा
04-20/07/2021	न्यायदर्शन ग्रन्थ पाठमाला (तर्कसङ्ग्रह)	अरुण पाण्डेय
07-11/07/2021	शारदालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला	डॉ. अपराजिता मिश्रा
12-19/07/2021	मेघदूत में कारकविचार कार्यशाला	प्रो. अम्बा कुलकर्णी
12-23/07/2021	पौरस्त्यानां पाश्चात्यानां च दृशा अनुसन्धानम्	डॉ. गणेश ति. पण्डित
19/07/2021 से 02/11/2021	भारतीय विद्याग्रन्थ पाठमाला में काव्यशास्त्रीय ग्रन्थपाठमाला (रसगङ्गाधर ग्रन्थपाठ)	प्रो. रामकुमार शर्मा
20-24/07/2021	सरलमानक संस्कृत कार्यशाला	पद्मश्री चमूकृष्ण शास्त्री
26-07-2021	विशिष्टं व्याख्यानम्	प्रो. मुरलीधर शर्मा

28/07/2021 से 16/8/2021	भारतीय विद्याव्याख्यानमाला में दर्शन व्याख्यानमाला (मानमेयोदय व्याख्यानमाला)	प्रो. के.ई. देवनाथन्
29/07/2021 से 02/8/2021	शोध व्याख्यानमाला	प्रो. हरिदत्त शर्मा
07–10/08/2021	शोधप्रविधि व्याख्यानमाला	प्रो. जे.एस्. आर्. प्रसाद
12/08/2021 से 17/8/2021	संस्कृत सप्ताहाङ्गभूता व्याख्यानमाला	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी
15–08–2021	स्वतन्त्रता दिवस	
18/08/2021 से 25/8/2021	संस्कृत सप्ताह समारोह व्याख्यानमाला	प्रो. रामयत्न शुक्ल, प्रो. वसिष्ठ त्रिपाठी प्रो. भागीरथ प्रसाद त्रिपाठी, प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय प्रो. के. वी. सुब्बरायुडु, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी मा.न्या.मू. शबीहुल हसनैन, प्रो. सन्तोष कुमार शुक्ल प्रो. गंगाधर पण्डा, प्रो. गोपबन्धु मिश्र प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, प्रो. रामकुमार शर्मा प्रो. किशोरचन्द्र पाढी, प्रो. विजयकृष्ण मेनन प्रो. ब्रजभूषण ओझा आदि
24/08/2021 से 28/8/2021	धर्मशास्त्र व्याख्यानमाला	डॉ. आशुतोष दयाल माथुर
06–09–2021	विशिष्टं व्याख्यानम्	प्रो. के.एस्. कण्णन्
07/09/2021 से 11/09/2021	ग्रन्थ लिपि परिचय प्रशिक्षण कार्यशाला	डॉ. अपराजिता मिश्रा
13/09/2021 से 20/09/2021	पाण्डुलिपि विज्ञान एवं लिपि अभ्यास कार्यशाला	डॉ. अपराजिता मिश्रा
25–01–2022	गणतन्त्रदिवस	
25/3/22 से 29/3/2022	शोधप्रविधि परिचय कार्यशाला	प्रो. सन्तोष कुमार शुक्ल:

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 01

उत्तर प्रेषित – 01

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

1. परिसर परिचय

भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा स्थापित राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के समस्त द्वादश परिसरो में श्री सदाशिव परिसर, पुरी वृहत्तम एवं महत्त्वपूर्ण परिसर है।

1865 से ही नित्यनूतन परिस्थितियों के साथ पारंपरिक संस्कृतशिक्षा में सन्नद्ध श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ (SKSV), पुरी अपने गौरवपूर्ण विकास के साथ 15/8/1971 को उडिशा के पूर्ववर्ती श्री सदाशिव महाविद्यालय के प्रबन्धन को स्थानान्तरित होने के बाद नूतन उपलब्धियों एवं आदर्श गुणवत्ता को स्थापित करता रहा है। तत्कालीन मूर्धन्य विद्वानों में विख्यात स्वर्गीय पण्डित हरिहर दास के संकल्प एवं बलरामपुर-उत्तरप्रदेश रियासत के मुखिया श्री दिग्विजयसिंह बहादुर के आर्थिक सहयोग से एक संस्कृत टोल की शुरुआत हुई। जो श्री सदाशिव मिश्र के भगीरथ प्रयासों एवं सन् 1888 में जिलाधीस-पुरी द्वारा गठित समिति के पर्यवेक्षण में टोल विद्यालय के रूप में परिणत हुआ। इसी क्रम में 1918 में उडीसा एवं बिहार की संयुक्त सरकार द्वारा उपहार स्वरूप प्रदत्त भाटक मुक्त वर्तमान भूमि पर वह विद्यालय महाविद्यालय के रूप में संवर्धित हुआ। महाविद्यालय की सेवाओं को राज्य सरकार द्वारा मान्यता दिए जाने के वाद सन 1951 में महाविद्यालय श्री सदाशिव परिसर, पुरी के नाम से अस्तित्व में आया। दिनांक 15.08.1971 को सदाशिव महाविद्यालय को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अधीग्रहण किया तब से सदाशिव संस्कृत केन्द्रिय विद्यापीठ नाम से जाना जाता था। दिनांक 07. 05.2002 से जब राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय हुआ तब से श्री सदाशिव परिसर पूरी नाम से जाना जाता है।

परिसर की स्थिति

अब इस परिसर में गांधीघाट मौजा एवं बालूखण्ड मौजा नाम से दो भूखण्ड हैं। शैक्षिक परिसर गांधीघाट मौजा की 4. 7 एकड भूमि पर तथा आवासीय परिसर बालूखण्ड मौजा में 10.5 एकड भूमि पर स्थित है, अर्थात् शहर के महत्त्वपूर्ण स्थान पर परिसर के पास 15.2 एकड जमीन है। परिसर के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति एवं मुक्त छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। वर्तमान में परिसर के विभिन्न कक्षाओं में 2500 छात्र नामांकित हैं तथा संयुक्त से शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारियों की संख्या 100 है।

परिसर संस्कृत भाषा एवं संस्कृत की शिक्षा के प्रचार-प्रसार एवं जनप्रिय बनाने की दिशा में समर्पण भाव से योगदान दे रहा है।

1.2 पाठ्यक्रम (संपूर्ण विवरण के साथ)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सदाशिव परिसर में प्राक्शास्त्री (+12) शास्त्री (B.A.) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षा आचार्य (M.Ed.)आचार्य (M.A.) की कक्षायें अद्वैतवेदान्त, साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, सर्वदर्शन, ज्योतिष, पुराणेतिहास, नव्यन्याय एवं सांख्ययोग के साथ-साथ विद्यावारिधि (Ph.D.) के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते है। परिसर में आधुनिक विषयों का भी पाठ्यक्रम संचालित होता है यथा, इतिहास, अंग्रेजी, संगणक शिक्षा एवं लघ्वावधिक प्रमाणपत्र-कार्यक्रम जैसे कि, भारतीय ज्योतिर्विज्ञान इत्यादि।

मुक्त स्वाध्याय पीठ -

परिसर में आभासीय माध्यम से 17.01.22 को नव-सत्र 2021-22 का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षानिदेशक डॉ. रत्नमोहन झा एवं समन्वयक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह देव सह समन्वयक डॉ. गणपति शुक्ल एवं परिसर के लोकप्रिय निदेशक आचार्य खगेश्वर मिश्र ने अपने आशीर्वचनों से छात्रों एवं श्रोताओं को प्रोत्साहित किया।

परिसर का प्रकाशन

क्र.सं	विभाग नाम	प्रकाशन	ISSN No.
1.	परिसरीय पत्रिका	पौर्णमासी	2347-9469
2.	परिसरीय पत्रिका	सदाशिवसंदेश:	------

3.	परिसरीय पत्रिका (मार्गदर्शिनी सहितम्)	परास्करगृहम्	------
4.	परिसरीय पत्रिका (प्रथमधिकरणम्)	कौटिल्यमर्थशास्त्रम्	
5.	परिसरीय पत्रिका	पं. श्री बैकुण्ठ विहारी नन्द की संस्कृत रचनावली (भाग-1)	
6.	परिसरीय संस्कृत शास्त्रीय अन्ताराष्ट्रीय शोध ई पत्रिका	IRJSS & Sadashivam	2582-1326
7.	व्याकरण	गोणिका	2347-6297
8.	साहित्य	साहित्यसौरभम्	2454-2814
9.	पुराणेतिहास	पुराणज्योत्स्ना (भागवतामृतम्)	2394-9732
10.	धर्मशास्त्र	श्रीदेवयानः	2394-2436
11.	वेदान्त	अद्वैतनिधिः	2348-8263
12.	सर्वदर्शन	दर्शनप्रभा	2348-5981
13.	नव्यन्याय	तर्कतंरगिणी	2349-5109
14.	सांख्ययोग	सांख्ययोगामृतम्	2465-796ग
15.	ज्योतिष	ज्योतिषामृतम्	2456-1916
16.	हिन्दी	निलाचलसौरभ	2394-5265
17.	शिक्षाशास्त्री	शिक्षासुरभिः	2347-9914

छात्रावास

श्रीसदाशिव परिसर में छात्रावासों की संख्या 2 है जो निम्नवत् हैं यथा -

1. **सुभद्रा बालिका छात्रावास**- इस अन्तः परिसरीय छात्रावास में 300 छात्राओं के रहने, भोजन प्राप्त करने एवं सुरक्षा की व्यवस्था सुलभ है कोरोना महामारी के कारण दीर्धकाल तक छात्राओं का प्रवेश बाधित रहा, जो अब सुलभ है।
2. **वाल्मीकि छात्रावास**- परिसर प्रांगण से कुछ दूर बालकों के लिए एक वृहद् छात्रावास निर्मित है। जिसमें 200 से अधिक छात्रों के लिए छात्रावास मानकों के अनुरूप रहने, भोजन, शैक्षिक वातावरण प्राप्त करने की उत्तम व्यवस्था है। कोरोना महामारी के कारण दीर्धकाल तक छात्राओं का प्रवेश बाधित रहा, जो अब सुलभ है।

पुस्तकालय -

भारत के प्रतिष्ठित पुस्तकालयों में से एक श्री सदाशिव परिसर का पुस्तकालय, जहाँ लगभग 60300 पुस्तकें, 130 हस्तलेख (मनुस्क्रिप्ट), 310 शोधप्रबन्ध एवं 110 लघुशोध-प्रबन्ध से युक्त है। पुस्तकालय के पास आधुनिक शैक्षिक व्यवस्था के साथ-साथ संगणकों से युक्त शिक्षण कक्ष भी है। जहां लगभग 200 से अधिक छात्र एक साथ बैठकर स्वाध्याय लाभ ले सकते हैं।

ई-पुस्तकालय-

प्रत्येक छात्र को स्वेच्छापूर्वक ज्ञान सुलभ हो सके इसके लिए परिसर में ई-पुस्तकालय विकसित किया गया है। जहां छात्र सङ्गणकों के माध्यम से विभिन्न विषयों की ई-पुस्तकें पढ सकते हैं। परिसर में इस पुस्तकालय को ई-ग्रन्थालय के नाम से जाना जाता है।

वेधशाला (ज्योतिष-विभाग)-

श्रीसदाशिव परिसर द्वारा ज्योतिषशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए एक लघु वेधशाला विकसित किया गया है। वेधशाला में टेलीस्कोप के साथ-साथ हस्तनिर्मित ग्रहोपग्रह के प्रतिमान, चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण को प्रदर्शित करती हुई आकृतियाँ तथा गोलायात्रा है जो ज्योतिषशास्त्र के अध्ययन-अध्यापन को सरल वनाती हैं। नये शिक्षकों की नियुक्ति से ज्योतिष-शास्त्र विभाग सम्पन्न हुआ है। नये शिक्षकों की नियुक्ति से शोध एवं प्रयोग कार्य को गति मिला है। 19 मार्च 2022 को माननीय कुलपति महोदय प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र की समुपस्थिति में श्रीमन्दिर (सरस्वती मन्दिर) के सम्मुख सूर्यघटिका यन्त्र का उद्घाटन किया।

वृहद् वार्तालय-

जयदेव भवन के नाम से परिसर में एक वृहद् वार्तालाय निर्मित किया गया है। जिसमें 250 से ज्यादा लोग एक साथ वैठ सकते हैं जयदेव भवन शीतोपकरणों एवं आधुनिक संचार-यन्त्रों से सुसज्जित है। जो किसी बड़े कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने में सहयोग प्रदान कर रही है।

मुक्ताकाश वाक्वर्धिनी संवादशाला-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव के प्रांगण में 2000 छात्रों की उपवेशन व्यवस्था के साथ व्याख्यान, नृत्य, नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सुखद संचालनार्थ मुक्ताकाश

वाक्वर्धिनी संवादशाला का निर्माण हुआ है।

संगणक कक्ष -

प्राकशास्त्री एवं शास्त्रीकक्षाओं के छात्रों को संगणकीय शिक्षा प्रदान करने के लिए आधुनिक-शिक्षा विभाग द्वारा संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया है। जिसमें उत्तमाति-उत्तम उपवेशन व्यवस्था, वाई-फाई, आन्तर्जालिक सुविधा के साथ 20 से अधिक संगणक सेवा प्रदान कर रहे हैं।

विभागीय संगणक -

परिसर के विविध विभागों में सहज कार्य संपादनार्थ प्रिंटर के साथ संगणक शैक्षणिक उपक्रमों को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

विभागीय पुस्तकालय-

पुस्तकालय ज्ञान के भण्डार होते हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त परिसर के विभिन्न विभागो में ज्ञानकोष को विकसित करते हुए विभागीय पुस्तकालयों की व्यवस्था की गई है। जिससे छात्र एवं अध्यापक दोनों लाभान्वित हो रहे हैं।

अत्याधुनिक शिक्षण कक्ष-

पूर्णतया वातानुकूलित एवं Touch Screen L.E.D. Smart Board युक्त अत्याधुनिक कक्षा की स्थापना परिसर के द्वारा किया गया है जो शिक्षा संवन्धी आधुनिक दायित्वों के निर्वहन में प्रासंगिक है। 19 मार्च 2022 को माननीय कुलपति महोदय प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र एवं संयोजक प्रो. रमाकान्त मिश्र की समुपस्थिति में समुद्घाटित किया।

शैक्षिक, गैर-शैक्षणिक कार्मिक -

किसी भी शैक्षिक संस्थान की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण निधि मानवीय संसाधन होता हैं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीसदाशिव परिसर में आचार्य-उपाचार्य-सहायकाचार्य-संविदा एवं अतिथि अध्यापकों की संयुक्त संख्या 71 से अधिक है तथैव 12 गैरशैक्षिक अर्थात् कार्यालयकर्मी एवं 35 आउटसोर्स सेवाकर्मी हैं।

कार्मिक आवास -

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीसदाशिव परिसर मेंछात्रावास के अधिकारियों एवं विशेष अतिथियों के लिए परिसर में आवासीय भवन निर्मित है। जिसका उपयोग करोना काल में नहीं हुआ परन्तु अभी सेवा में है।

व्यायामशाला -

छात्रों, अध्यापकों एवं परिसरीय कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए परिसर में आधुनिक एवं परम्परागत उपकरणों से युक्त व्यायामशाला विद्यमान है।

क्रीडांगन -

परिसर के अन्तर्गत एक खूबसूरत एवं हरित क्रीडांगन विकसित किया जा रहा हैं जिसके साथ ही एक मुक्ताकास संवादशाला भी है। छात्रों के क्रीडाजन्य कौशलों के विकास के लिए अधोलिखित राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधायें प्रदान की जा रही हैं।

- कबड्डी मैट,
- कुश्ती मैट,
- सिंथेटिक बैडमिंटन कोर्ट,
- खो-खो क्रीडांगन
- वॉलीबॉल क्रीडांगन
- शतरंज
- योगकक्ष आदि।

संस्कृत सप्ताह समारोह (02.08.2021 - 06.08.2021)

आभासीय माध्यमों का प्रयोग करते हुए 02 अगस्त से 06 अगस्त 2021 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह के प्रथम दिन डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर-विहार के कुलाधिपति प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र एवं निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र का मार्गदर्शन आह्लादप्रद रहा। संस्कृत को जनभाषा के रूप में स्थापित करनें एवं भाषा के सरल प्रवाह हेतु विद्वानों के सम्बोधन सार्थक सिद्ध हो रहे हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस - 21.06.2021

परिसर में 20.06.2021 को श्री आलोक कुमार अन्तर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक के निर्देशन में आन्-लाइन् माध्यम से योग दिवस का पालन किया गया। करोना महामारी के कारण अध्यापक एवं छात्रों ने अपने घर पर रहते हुए योगाभ्यास किए तथा स्वस्थ रहने के गुर सीखे।

स्वतंत्रता दिवस (15.08.2021)

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 75वाँ स्वतंत्रता दिवस, आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में बडे उत्साह के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता आन्दोलन में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर सपूतों को याद करते हुए परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने ध्वजोत्वोलन किया। कार्यक्रम में सभी विभागों के सभी आचार्य एवं कार्मिक उपस्थित रहे। कोरोना महामारी के कारण छात्रों की उपस्थिति इस वार भी कम रही।

भगवतजन्मोत्सव

15.11.2021 को प्रत्येक वर्ष की भाँति इसवर्ष भी पुराणेतिहास विभाग के नेतृत्व में भागवत जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमें परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र एवं विभागाध्यक्षा प्रो. मिनती रथ के अतिरिक्त विद्वानों एवं छात्रों ने भाग लिया। भगवज्जन्मोत्सव के उपरान्त सभी को प्रसाद सेवन का अवसर मिला।

शिक्षकदिवस (05.09.2021)

गूगल मीट के माध्यम से डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में 05.09.2021 को मनाया गया। इस अवसर विशेष में मुख्यवक्ता के रूप में शिक्षाशास्त्रविभागाध्यक्ष प्रो. विजयपाल कछवाह ने विषय की प्रासंगिकता को उपस्थापित किया कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. सुशान्त कुमार राय नें किया। कार्यक्रम माननीय निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र के आध्यक्षीय भाषण से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग की ओर से भाषण एवं क्विज् प्रतियोगितायें आयोजित करवाई गई तथा योग्य छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

हिन्दी पखवाडा (14.09.2021)

14 अक्टूबर को सम्पूर्ण देश में हिन्दी दिवस का पालन किया जाता है। श्रीसदाशिव परिसर में भी तदनुरूप हिन्दी दिवस का पालन किया गया। हिन्दी दिवस समारोह में विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. हरिहर होता, कुलपति श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी एवं मुख्यवक्ता डॉ. राजेश शुक्ला उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. खगेश्वर मिश्र जी द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस (31.10.2021)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रीसदाशिवपरिसर में महान राष्ट्रभक्त एवं लौहपुरुष श्री वल्लभभाई पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए 31 अक्तूबर को राष्ट्रीयएकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

11.11.2021 को मौलाना अबुल कलाम आजाद के जन्मदिन को राष्ट्रीय शिक्षादिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में वेदान्त दर्शन के मर्मज्ञ प्रो. के.वी. सुव्वारायडू जी नें सभा को विशिष्टता प्रदान की। कार्यक्रम माननीय निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र के आध्यक्षीय भाषण से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा आनलाइन भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

गणतन्त्र दिवस

सम्पूर्ण भारत की तरह 26.01.2022 को परिसर में गणतन्त्र दिवस का महोत्सव मनाया गया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी छात्रों में जोश एवं उत्साह देखने को मिला। वीरसपूतो एवं स्वतन्त्रता-सेनानियों को याद करते हुए परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने ध्वजोत्तोलन किया। गणतंत्र भारत के वैशिष्ट्य को अपनें ओजस्वी भाषण उपस्थापित किया। सेवानिवृत्त पुस्तकालय कर्मी श्री गोपीनाथ षडंगी जी को योग्यकार्मिक के रूप में पुरस्कृत किया। कोरोना महामारी के कारण सुरक्षा प्रावधानों को ध्यान में रखा गया तथा प्रतिवर्ष की भाँति सांस्कृतिक कार्य नहीं हुए। तथापि सभी विभागीय आचार्यो, छात्रों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति नें इस राष्ट्रीय पर्व को आकर्षक बनाया।

मातृभाषा दिवस (21.02.2022)

21.02.2022 को श्री सदाशिव परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रेवेंशा विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. बाउरीवन्धु साहू मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक, प्रो. खगेश्वर मिश्र ने किया तथा संचालिका ओडिया शिक्षिका डॉ. श्रीमति स्वागतिका महन्ति एवं आधुनिक शिक्षाविभागाध्यक्ष श्री दुर्गाप्रसाद दाश महापात्र जी कार्य के निमित्त मञ्चाशीन रहे।

साहित्य स्पर्धा

करोना महामारी के कारण इस वर्ष आभासीय माध्यमों से छात्रों के मध्य साहित्य स्पर्धा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के अनन्तर पुरस्कारों की घोषणा की गई।

त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी (23-25.03.22)- परम पूज्य स्वामी महाराज के शताब्दी समारोह के अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर के तत्त्वावधान में स्वामीनारायण सम्प्रदाय द्वारा संयुक्त रूप से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय- **"अक्षरपुरुषोत्तमदर्शनम्- दर्शनान्तरैस्सह संवादः"** था। उक्त विषय के संबन्ध में देश भर से आये हुए विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति विद्वान एवं विदुषियों नें अक्षर पुरुषोत्तमदर्शन पर अपने मत रखे। इस संगोष्ठी में स्वयं स्वामी भद्रेश जी महाराज अक्षर पुरुषोत्तम दर्शन के स्वतन्त्र चिन्तन को सभापक्ष के सामने समुद्घाटित किया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेडी जी तथा श्री गजपति महाराज दिव्यसिंह देव जी के अतिरिक्त तिरुपति संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति चर आचार्य हरेकृष्णसतपथी जी श्री जगन्नाथ विश्वविद्यालय के कुलपति चर आचार्य किशोर चन्द्र पाढी एवं आसोम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक शर्मा तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर के निदेशक महोदय आचार्य सुकान्त कुमार सेनापति जीएवं श्री सदाशिव परिसर के लोकप्रिय निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति सर्वसाधारण के लिए आकर्षण का केन्द्र रही।

वार्षिक क्रीडोत्सव (27.02.2022)

सत्रान्त के नजदीक आने पर परिसर द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी वार्षिक क्रीडोत्सव 27.02.2022 को आयोजित किया गया। छात्रों में इस विशेष अवसर पर अपने कला कौशलों को प्रदर्शित करने एवं पुरस्कार जीतने का स्वर्णिम अवसर होता है। अतः वार्षिक क्रीडोत्सव की प्रतीक्षा उत्साहित सन से छात्र करते हैं। इस वर्ष इस महोत्सव का शुभारम्भ परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर से प्राप्त कमलपादुका की शोभा में 28.02. 2022 को किया गया। कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्र, साहित्य, धर्मशास्त्र एवं व्याकरण विभाग के अध्यक्ष उपस्थित रहे।

शिक्षाविभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी (3-6.06.2022)-मई मास के प्रारम्भ में शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा त्रिदिवसीया राष्ट्रियसंगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विभागीय विद्वान आचार्य देवदत्त सरोदे द्वारा किया गया। कार्यक्रम का विषय -"भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" था। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में श्रीजगन्नाथ विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति प्रो. किशोरचन्द्र पाढी तथा रेवेंशा विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुदर्शन मिश्र नें भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नव शिक्षा नीति पर सारगर्भित भाषण दिया। राष्ट्रिय शिक्षा नीति 2020 में उच्चशिक्षा विषय पर श्रिलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रिय-संस्कृतविद्यापीठ नई दिल्ली के शिक्षाशास्त्रविभाग के विद्वान पूर्वतन् अध्यक्ष एवं डीन प्रो. रमेशप्रसाद पाठक जी की गरिमामयी उपस्थिति छात्रों के ज्ञानवैभव को सम्बृद्ध करने में सार्थक रही। इसके अतिरिक्त संगोष्ठी को प्रत्यक्ष माध्यम के साथ साथ आनलाइन माध्यम से भी सञ्चालित किया गया जिसमें प्रख्यात विद्वान एवं संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रो. चांदकिरण सलूजा एवं जयपुर परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुदेश शर्मा नें उक्त विषयों पर सभा को संवोधित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वरमिश्र संगोष्ठी के अधिकतर कार्यकर्मों को देखा एवं विभाग को उत्साहित किया। विभागाध्यक्ष प्रो. विजयपाल कछवाह महोदय के धन्यवादार्पण के द्वारा संगोष्ठी संपन्नता को प्राप्त हुई।

विभिन्न शिक्षा सह सामाजिक कार्यक्रम

छात्र योगदान एवं उपलब्धियाँ -

- राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में परिसर के तीन छात्रों नें भाग लिया। जिसमें एक छात्र कांस्य पदक प्राप्त करने मे सफल रहा।
- राष्ट्रस्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में श्री सदाशिव परिसर के तीन छात्रों ने भाग लिया। यद्यपि पुरस्कार प्राप्त करने में असफल रहे परन्तु तथा उनका प्रयास अन्य छात्रों के लिए अत्यन्त उत्साहवर्धक रहा।
- दो छात्रों नें राष्ट्रीय कनिष्ट वर्ग कुस्ती प्रतियोगिता में भाग लिये। उनकी योग्यता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्पद रही।

परिसर द्वारा आयोजित प्रमुख सामाजिक गतिविधियाँ -

1. परिसर द्वारा सतर्कता जागरुकता सप्ताह का पालन किया गया। जिसके निमित्त परिसर द्वारा आयोजित शपथ कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्यों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

2. 25.01.2022 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का पालन परिसार द्वारा किया गया।
3. 23.02.2022 को शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीयशिक्षानीति –2020 एवं भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर एक सिम्पोजियम् आनलाईन् माध्यम से आयोजित किया गया।
4. प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी परिसर में रक्तदान शिविर लगाया गया। जिसमें छात्रों के साथ साथ कई आचार्यों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया।
5. स्वतन्त्रता एवं गणतन्त्र दिवस पर परम्परानुगत परिसर द्वारा जैव रक्षणार्थ एवं उनके भोजन–आवास हेतु खाद्यसामग्री प्रदान कर गोशालाओं को सहयोग किया गया।
6. स्वतन्त्रता एवं गणतन्त्र दिवस पर अनाथाश्रमों को प्रति वर्ष की तरह भोजन सामग्री भेजी गई। जिसका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व परिसर के क्रीडाध्यक्ष डॉ. प्रियजीत महापात्र नें किया।
7. श्री सदाशिव परिसर में प्रायः प्रत्येक विशेष आयोजनों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाता है। तदनुरूप परिसर में वृक्षारोपण कार्य किया गया।
8. माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर सम्पूर्ण राष्ट्र में स्वच्छता के प्रति विशेष बल दिया जारहा है। तदनुरूप ही परिसर में भी स्वच्छता कार्यक्रम (अन्तः परिसरीय) परिपालित हुआ।
9. श्री सदाशिव परिसर में 26.10.2021 से 01.11.2021 के मध्य विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुरूप सतर्कता जागरुकता सप्ताह का पालन किया गया।
10. श्री सदाशिव परिसर में 06.02.2022 को विश्वविद्यालय के निर्देशों के अनुरूप सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का पालन किया गया।
11. माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छात्रों परीक्षा संबन्धी पूर्वाग्रहों के समाधीन एवं पुनर्बलन हेतु 01.04.22 को परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका प्रसारण विश्वविद्यालय के श्रीसदाशिवपरिसर द्वारा भी किया गया जिसमें प्राकशास्त्री के छात्रों ने भाग लिया तथा परीक्षा भार से मुक्ति का अनुभाव प्राप्त किया।
12. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत के क्षेत्र में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। भारतीय संस्कृति का आधार है नारी सम्मान। इसी ध्येय को धारण करते हुए परिसर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम 08.03.2022 को आयोजित किया गया तथा महिला सशक्तिकरण से सम्बद्धविविध कार्यक्रम आयोजित किये गये।

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम

प्रत्येक दिन सांध्यबेला में छात्रों के समग्र विकास हेतु परिसर में विविध शैक्षिक सहोपक्रम संचालित किये जाते हैं। यथा –

- खेल एवं क्रीडा
- समसामयिक विषयों पर छात्रचर्चा
- संभाषणात्मक कौशल–विकास
- सुलेख कौशल–विकास

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	00
उत्तर प्रेषित	–	00

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिचय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बारह परिसरों में जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर अन्यतम है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

1.1 उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्री रणवीर सिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। दिनांक 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वृहत्तम बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित किया गया। तब से श्री रणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात है। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्तमराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. रामकिशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), डॉ. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक), प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. रामानुज देवनाथन, प्रो. बच्चा भारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्य मिश्र (कार्यवाहक), प्रो. फतह सिंह (कार्यवाहक), श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक) प्राचार्य रहें हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित होने के बाद प्रो. वासुदेव शर्मा परिसर के अन्तिम (कार्यवाहक) प्राचार्य तथा प्रथम निदेशक थे। वर्तमान में प्रो. मदन मोहन झा परिसर के निदेशक पद पर आसीन है।

1.2 विषय एवं विभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर में अध्ययन विषयानुरूप आठ विभाग हैं -

1. व्याकरण विभाग
2. साहित्य विभाग
3. सर्वदर्शन विभाग
4. ज्योतिष विभाग
5. वेद विभाग
6. आधुनिक विषय विभाग
7. शिक्षाशास्त्र विभाग
8. स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)

1.3 अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। मुख्यालय के निर्देशानुसार सत्रार्द्ध परीक्षा प्रणाली चल रही है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

(i) पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राकशास्त्री (इण्टरमीडिएट 10+2), शास्त्री (B.A.) तथा आचार्य (M.A.) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में वेद, व्याकरण शास्त्र, साहित्य शास्त्र, दर्शन शास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

(ii) व्यावसायिक शिक्षा

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग (Education Department) में शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iii) शोधकार्य

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहुआयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि

(Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है।

1.4 मुक्त स्वाध्याय केन्द्र

मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के वर्तमान सत्र में 24 विद्यार्थी हैं। इसमें प्राकशास्त्री (10+2) से आचार्य (M.A.) कक्षा पर्यन्त अध्ययन-अध्यापन वार्षिक परीक्षा प्रणाली (Annual System) द्वारा चल रहा है। मुक्तस्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवं आकर्षण यह है कि इसमें संस्कृतेतर (Non&Sanskrit) विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासुजनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के लिये विविध स्तरों पर सेतु पाठ्यक्रमों (Bridge courses) को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्य-श्रव्य (Audio & Visual) सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है ताकि संस्कृत से अनभिज्ञ लोग भी अत्यन्त अल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सकें।

केन्द्र में साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों के साथ संस्कृत पत्रकारिता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चल रहा है। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की भी सुचारू व्यवस्था किये जाने की योजना सुनिश्चित है। इनके अतिरिक्त नाट्यशास्त्र, पालि, प्राकृत आदि विविध विषयों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (Certificate Courses) प्रारम्भ किये जायेंगे। सूत्रपात के लिए संस्कृत के क्षेत्र में संस्थान मुख्यालय, मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं सभी संस्कृतानुरागी बधाई के पात्र हैं विविध पाठ्यक्रमों में समाज का प्रबुद्धवर्ग भी जुड़ा है जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, प्राध्यापक आदि हैं।

1.5 कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

कश्मीर शैव दर्शन जम्मूकश्मीर प्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में कश्मीर शैव दर्शन परियोजना चल रही है। यह परियोजना संस्थान के केवल इसी परिसर में है। स्वर्गीय डॉ. बलजिन्नाथ पण्डित एवं शैवदर्शन कोश से सम्बद्ध शोध सहायकों के अथक प्रयास से कश्मीर-शैवदर्शन कोश का प्रकाशन दो भागों (2 Volumes) में हो चुका है। ये दोनों भाग विक्रय के लिये सर्वजन सुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही हैं। इस विभाग में लगभग 125 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदालिपि एवं देवनागरी लिपि में लिपिबद्ध हैं।

1.6 प्रकाशन

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीर शैव दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा पूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक शोध पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है।

सत्र 2011-12 से परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा भी शिक्षामृतम् नामक शिक्षाशास्त्र पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है। सत्र 2016-17 से परिसरीय विभागीय शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया। सत्र 2019-20 से एक अन्य परिसरीय पत्रिका वैखरी का प्रकाशन भी प्रस्तावित है जिसमें परिसर के छात्रों के कविता, गीत, लेख इत्यादि सम्मिलित होंगे।

1.7 पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में 72 दुर्लभ पांडुलिपियां भी हैं। पांडुलिपियां शारदा और देवनागरी लिपियों में हैं।

1.8 ई-पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय (ई-ग्रंथालय) की अंकनात्मक प्रविष्टि की प्रक्रिया चल रही है।

1.9 वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिष शास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणवीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण यन्त्र, ग्रहकक्षा क्रम यन्त्र, चन्द्रकला यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण यन्त्र तथा गोल यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

1.10 सम्मेलन कक्ष

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है जो कि माइक्रोफोन और एलईडी प्रोजेक्टर प्रणाली के साथ आधुनिक एवम् उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

1.11 वाणी विलास सभागार

विद्वद्व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीक युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

1.12 संगणक कक्ष

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 17 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से युक्त है।

1.13 प्रति विभाग संगणक

विभागीय कार्यों को सुचारू गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक संगणक इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं।

1.14 विभागीय पुस्तकालय

शिक्षकों और छात्रों को किताबें आसानी से उपलब्ध कराने और उनमें किताबों के प्रति रुचि पैदा करने के लिए, परिसर के सभी विभागों में विभागीय पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं।

1.15 स्मार्ट कक्षा कक्ष

इस वर्ष शिक्षण-अधिगम को अधिक प्रभावी बनाने के लिए परिसर में सात सुसज्जित स्मार्ट कक्षा स्थापित किए गए हैं।

1.16 भाषा प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग (Pedagogy) में सत्र 2016-17 में भाषा प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित है।

1.17 मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिस में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

1.18 छात्रावास

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्री रणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधासम्पन्न पुरुष छात्रावास तथा महिला छात्रावास हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में 4 गीजर भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधा युक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

दोनों छात्रावासों सहित पूरे परिसर में इस वर्ष यथापेक्षित नवीनीकरण के साथ सफेदी और रंगाई पुताई करवाई गई है।

1.19 कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षक-आवास बनाये गए हैं।

1.20 व्यायाम शाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायाम शाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायाम शाला में विविध आधुनिक व्यायाम उपकरण उपलब्ध हैं और दस सीटों वाला कार्यकेन्द्र स्थापित किया गया है।

1.21 क्रीडा क्षेत्र

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है जिस में सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

2. अन्य क्रिया कलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

नाट्यमहोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली द्वारा आयोजित अष्टादश संस्कृतनाट्यमहोत्सव का आयोजन दिनांक 22 मार्च 2022 से 24 मार्च 2022 तक भोपाल परिसर भोपाल (मध्य प्रदेश) में किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा स्वातन्त्र्यशौर्यम् नाटक का मंचन किया गया। इस महोत्सव में परिसर के सर्वदर्शन-विभाग के छात्र अनीश सन्मोत्रा को प्रथम, वेद-विभाग के छात्र अमन सढोत्रा को द्वितीय तथा वेद-विभाग के छात्र

सुमित शर्मा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। नाट्यमहोत्सव में अनीश सन्मोत्रा को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया।

अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 27.03.2022 से 30.03.2022 तक अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बैंगलुरू द्वारा किया गया। जिसमें परीसरीय छात्रों ने भागग्रहण किया आचार्य के छात्र संजीव कुमार तथा प्रीक्षित शर्मा को शास्त्रीयस्फूर्ति-स्पर्धा में रजत पदक, विकास शर्मा को धातु-कण्ठ-पाठ स्पर्धा में विशिष्ट पुरुस्कार एवं गीता-कण्ठपाठस्पर्धा में माधव शर्मा को विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

इस वर्ष राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो ईकाई के रूप में परिसर को 200 स्वयंसेवको की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसमें लगभग 180 छात्र पंजीकृत हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री मनीन्दर सिंह है।

- 22 नवम्बर 2021 राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत प्रेरणा सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें वियानी कालेज फार गर्ल्स, जयपुर के उप प्राचार्य डॉ. ध्यान सिंह गोठवाल ने मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाईन व्याख्यान दिया।
- 26 नवम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयों का उद्घाटन एवं संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में श्रीशक्ति पाठक (IPS) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. उधम दास शर्मा, उपसचिव, ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग, जम्मू कश्मीर, सारस्वत अतिथि के रूप में हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जांगला की हिन्दी विभाग की एसोसियट आचार्य डॉ. स्नेहलता भारद्वाज रही, कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने की। इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं श्री पंकज रहे।
- 30 नवम्बर 2021 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के लिए देशभक्ति गीत लेखन, रंगोली रचना का आयोजन किया गया।
- 10 दिसम्बर 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का ऑनलाईन आयोजन किया गया। इस अवसर पर महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के गाँधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुनील महावर ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक ने की।
- 16 दिसम्बर 2022 को नि:शुल्क फिजियोथेरैपी शिविर का आयोजन बैक टू लाइफ संस्था के द्वारा किया गया।
- आजादी के अमृत-महोत्सव के कार्यक्रम के अन्तर्गत ज्ञदवू लवनत ब्वदेजपजनजपवद के अन्तर्गत 17 दिसम्बर 2021 को भलवाल ग्राम पंचायत में नुक्कड नाटक का मंचन किया गया।
- Know your Constitution के अन्तर्गत स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- 12 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन ऑनलाईन माध्यम से किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. बृजेन्द्र पाण्डेय, विद्यान्त पी.जी कालेज, लखनऊ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने की।
- 14 जनवरी 2022 को मकर संक्रान्ति के अवसर पर सूर्यनमस्कार का आयोजन किया गया।
- 25 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदान के लिए शपथ का आयोजन किया गया।
- 08 मार्च 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया।

समारोहादि का आयोजन

- दिनांक 21.06.2021 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।
- दिनांक - 09/07/2021 को "सत्रान्तसमारोह" का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. के. साम्बशिवमूर्ति, परीक्षानियन्त्रक, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान-विश्वविद्यालय, तिरुपति। सारस्वत अतिथि प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय भोपालपरिसर, भोपाल, विशिष्ट अतिथि डॉ. गणेश टी पण्डित, सहायकाचार्य, केन्द्रीयसंस्कृत-विश्वविद्यालय, शृङ्गेरी-परिसर, कर्णाटक रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदनमोहनझा ने की तथा इस समारोह में समस्त विभागीय अध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

- दिनांक - 24/07/2021 को "गुरुपूर्णिमा उत्सव" का आयोजन किया गया। इस उत्सव में मुख्य अतिथि प्रो. अर्कनाथ चौधरी, पूर्व-निदेशक केन्द्रीयसंस्कृतविश्व-विद्यालय, जयपुरपरिसर, विशिष्ट अतिथि वेदविभागाध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्र, सारस्वत अतिथि साहित्यविभागाध्यक्ष प्रो. सतीश कुमार कपूर रहे। इस उत्सव में ज्योतिष-विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभात कुमार महापात्र, आधुनिकविभाग-सङ्कायाध्यक्ष श्रीशरत् चन्द्र शर्मा, शिक्षाशास्त्र-विभाग के आचार्य प्रो. कुलदीप शर्मा, व्याकरणविभागाध्यक्ष डॉ. कैलासचन्द्रदाश ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा की, तथा इस समारोह में समस्त अध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।
- 15.08.2021 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया जिसमें परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने ध्वजारोहण किया।
- दिनांक 19.08.2021 से 25.08.2021 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन ऑनलाईन माध्यम से किया गया। जिसमें कक्षा पंचमी से द्वादशी कक्षा तक एवं सामाजिक जनों के लिए श्लोकगायन एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिया गया।
- दिनांक - 05/09/2021 को "शिक्षकदिवससमारोह" का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमान् भारतभूषण, अध्यक्ष, जिला विकास परिषद्, जम्मू। विशिष्ट अतिथि श्रीमान् सूरजप्रसाद, प्राचार्य, केन्द्रीयविद्यालय, बनतालाब, जम्मू तथा परिसर निदेशक प्रो. मदनमोहनझा कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे, कार्यक्रम का संयोजन प्रो. कुलदीप शर्मा ने किया, इस कार्यक्रम में श्री भूषण भारद्वाज, संस्कृत शिक्षक, सीमा सुरक्षा बल, मा. वि. पलोरा, जम्मू, श्री अरुणकुमार शर्मा, संस्कृतशिक्षक, केन्द्रीयविद्यालय, अखनूर 2, जम्मू एवं श्री अपराजित शर्मा, संस्कृतशिक्षक, केन्द्रीयविद्यालय, बनतालाब, जम्मू, तथा इस परिसर के राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं शिक्षाशास्त्र-विभाग के सहायकाचार्य डॉ. विजय कुमार जैना को विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में परिसर के समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।
- दिनांक 23.09.2021 को ज्योतिष विभागीय डॉ. नवीन तिवारी द्वारा पलभा एवं दिग्परीक्षण किया गया।
- 02 अक्टूबर 2021 से 09 अक्टूबर 2021 तक स्वच्छता सप्ताह का आयोजन किया गया।
- दिनांक 01.10.2021 को "सत्रारम्भसमारोह" का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यातिथि प्रो. राधा गोविन्द त्रिपाठी, आचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा रहे।
- 01.10.2021 से 18.10.2021 तक संभाषण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं शिक्षा शास्त्री के छात्रों को संस्कृत सम्भाषण कौशल प्रदान किया गया, जिसका संयोजन साहित्य विभाग के प्राध्यापक श्री पंकज ने किया।
- 02.10.2021 को महात्मा गाँधी जयंती के उपलक्ष्य में अन्तर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का ऑनलाइन आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि प्रो. संजीव कुमार शर्मा, कुलपति, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी बिहार ने "वर्तमान परिपेक्ष्य में गाँधीवाद की प्रासंगिकता" पर ओजस्वी एवं सारगर्भित व्याख्यान दिया तथा प्रो. मदन मोहन झा ने अध्यक्षता की इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित रहे।
- दिनांक 28.10.2021 को परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में श्री राज देव सिंह (सरपंच) एवं परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने समस्त प्राध्यापकों तथा कर्मचारियों को शपथ दिलायी।
- दिनांक 31.10.2021 को परिसर में राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. घनश्याम मिश्र रहे।
- 11.11.2021 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. राकेश कुमार गोस्वामी, क्षेत्रीय निदेशक भारतीय जन संचार संस्थान मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक ने की।
- 18 नवम्बर 2021 को विश्वदर्शन दिवस मनाया गया, जिसमें मानवीय एवं नैतिक मूल्यों के विकास में भारतीय दर्शन की भूमिका विषय पर प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में और विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने ऑनलाईन माध्यम से व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मनोज कुमार मिश्र ने

की तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. घनश्याम मिश्र ने किया।

- दिनांक 24-25 नवम्बर 2021 को "वेदानां सामाजिक सन्देश:" इश विषय पर द्विदिवसीय अन्तर्जालीया राष्ट्रिय वेद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि रूप से प्रो. हृदयरञ्जन शर्मा (आचार्यचर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा (कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति) डॉ. सनील कात्यायन (सहाचार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी) डॉ. नरेन्द्र तिवारी (उपाचार्य, नव नालन्दा बिहार मानित विश्वविद्यालय) कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मनोज कुमार मिश्र ने की।
- 10.12.2021 को "राष्ट्रीय सेवा योजना एवं शिक्षाशास्त्र-विभाग" के संयुक्त तत्त्वाधान में "मानवाधिकार दिवस" का आयोजन। इसमें मुख्यातिथि प्रो. सुनील महावर, विभागाध्यक्ष, गाँधी एवं शान्ति अध्ययन विभाग, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी बिहार रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा रहे।
- 11.12.2021 से 17.12.2021 तक साहित्यविभाग के द्वारा सप्तदिवसीय अन्तर्जालीय छन्दोगानप्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संयोजन साहित्य विभागीय प्राध्यापक श्री पंकज ने किया तथा सह-संयोजन साहित्यविभागीय प्राध्यापकों डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. तेजनाथ पौडेल तथा डॉ. सुमन चन्द्र पन्त 'सुमन्त' ने किया।
- 14.12.2021 को "गीता जयन्ती समारोह" का आयोजन किया गया। इस समारोह में "आर्मी पब्लिक स्कूल, जम्मू कैण्ट", "सीमा सुरक्षा बल विद्यालय, पलौरा, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू संभाग गांधीनगर, जम्मू एवं "राज्यसर्वकारीय विद्यालय, जम्मू" के छात्रों ने भाग ग्रहण किया।
- 14.01.2022 को मकर संक्रान्ति के उपलक्ष्य में सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के अध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्रों ने सूर्य नमस्कार किया।
- 19.01.2022 को श्रीवैष्णवी एवं शिक्षामृतम् का विमोचन पूर्व मंत्री श्री शाम लाल शर्मा, श्री धनत्तर सिंह आर.टी. ओ. जम्मू, परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा परिसरीय विभागाध्यक्षों एवं अध्यापकों की उपस्थिति में किया गया।
- 24-25 जनवरी 2022 विभक्त्यर्थ विमर्श विषयक अन्ताराष्ट्रिय व्याकरण शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उद्घाटन समापन के रूप में दो सत्र सञ्चालित किये गये। जिसके उद्घाटन सत्र में परिसर के निदेशक प्रो ० मदन मोहन झा अध्यक्ष रहे। मुख्यातिथि के रूप में डॉ ब्रजभूषण ओझा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय रहे। उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत किये। उसी सत्र में ज्यूरिक विश्वविद्यालय न्यूजीलैण्ड के विशिष्ट विद्वान् श्री सौरभ अब्बी विशिष्टातिथि के रूप में विद्यमान रहे। तत्पश्चात् आठ पत्रवाचन सत्र आयोजित किये गये। कुल 100 पत्रवाचक रहे तथा 150 प्रतिभागी रहे। समापन सत्र में परिसर के निदेशक महोदय प्रो मदन मोहन झा अध्यक्ष के रूप में विद्यमान रहे। मुख्यातिथि के रूप में श्रीलालबहादुर शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रो. राम सलाही द्विवेदी एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री राजीव गाँधी परिसर के विशिष्ट विद्वान् डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।
- 25.01.2022 को परिसर में राष्ट्रिय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन डॉ. योगेन्द्र दीक्षित के द्वारा किया गया।
- 26.01.2022 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा के द्वारा किया गया।
- 27.01.2022 से 04.02.2022 तक आधुनिक विषय-विभाग द्वारा मानव मूल्य विषय पर आभासिक माध्यम से सप्तदिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक दिन विद्वानों ने व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त अध्यापकों, शोधच्छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. संजय कुमार मिश्र एवं श्री विशाल महाजन के द्वारा किया गया।
- 16-17.02.2022 को साहित्यविभाग के तत्त्वावधान में द्वितिवसीय आन्तर्जालीय कविसम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन साहित्य विभागीय प्राध्यापक श्री पंकज ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. तेजनाथ पौडेल ने तथा आयोजक सचिव के रूप में डॉ. नीतू

शर्मा तथा डॉ. सुमन चन्द्र पन्त सुमन्त ने अपना योगदान दिया।

- 21.02.2022 को परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन सम्पूर्ण विश्वविद्यालय के प्रतिनिधित्व के रूप में श्रीरणवीर परिसर ने किया। जिसमें अन्तर्जालीय माध्यम से संरक्षक के रूप में माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी से प्रो. सुधारानी पाण्डेय पूर्व कुलपति, उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय, हरिद्वार मुख्यातिथि के रूप में तथा विशिष्टातिथि के रूप में डोगरी की प्रसिद्ध गायिका सीमा सहगल उपस्थित रही। अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने की। तथा इस कार्यक्रम में समस्त परिसरों के निदेशक, अध्यापक तथा छात्रों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।
- 08.03.2022 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि जम्मू विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दीपशिखा कोतवाल, विशिष्ट अतिथि स्टेट टाइमस की सम्पादिका श्रीमती मालू केरनी तथा अध्यक्षता परिसर निदेशक मदन मोहन झा ने की। इस अवसर पर परिसर की महिला सदस्यों को सम्मानित किया गया।
- 10.03.2022 को राज्यस्तरीयस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिसमें जम्मू कश्मीर केन्द्र प्रशासित प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने भाग ग्रहण किया।
- 14-16.03.2022 राजीव गान्धी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, श्रीपेरम्बर्दूतमिलनाडु द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय युवा एवं संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन आधुनिक विषय विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जम्मू कश्मीर स्किल डवलपमेन्ट के निदेशक श्री सुदर्शन कुमार मुख्यातिथि और श्री नरेश मजोत्रा प्राचार्य, फारेस्ट ट्रेनिंग स्कूल विशिष्टातिथि रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक द्वारा की गयी संरक्षक के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 12 सत्रों का आयोजन किया गया। समापन सत्र के मुख्यातिथि श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. आर.के सिन्हा, विशिष्टातिथि श्री जितेन्द्र मिश्र, उपनिदेशक युवा मामले व खेल विभाग जम्मू कश्मीर सरकार सम्मानित अतिथि डॉ. उधम दास शर्मा, एस.डी.एम. जम्मू उत्तर, विशेषातिथि श्री जोरावर सिंह जम्वाल, महासचिव जम्मू प्रेस क्लव, अध्यक्षता परिसर निदेशक द्वारा की गयी। 40 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र दिये गये। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित रहे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

1. परिसर परिचय

संस्कृतप्रणयभाजनम पीटी कुरियाकोस मास्टर ने 1909 में पावरट्टी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की शुरुआत की और 1934 में मदर्स विश्वविद्यालय के तहत यूजी और पीजी पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जिसे बाद में 1972 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा लिया गया और इसे साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के रूप में फिर से नाम दिया गया। 1979 में इसका नाम बदलकर गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ कर दिया गया और 1983 में इसे वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया।

16 अगस्त 1998 को तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने पुरनाट्टुकरा में स्थित नए प्रशासनिक और शैक्षणिक संभाग का उद्घाटन किया।

वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर के नाम से जाना जाता है।

2. स्थान

यह शारदा गर्ल्स हाई स्कूल के ठीक पीछे त्रिशूर जिले के अडाट पंचायत में पुरानाट्टुकारा में स्थित है। यह अमला इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज, रामकृष्ण आश्रम गुरुकुलम स्कूल, आईईएस इंजीनियरिंग कॉलेज और केंद्रीय विद्यालय से घिरा हुआ है। यह त्रिशूर से NH 47 पर 8 किमी दूर है। निकटतम हवाई अड्डा कोच्चि, नेडुम्पाश्शेरी में है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

इस परिसर में प्राक-शास्त्री (+2 संस्कृत) से लेकर शास्त्री, आचार्य, शिक्षा-शास्त्री एवं विद्यावारिधि तक की शिक्षा प्रदान की जाती है तथा एकवर्षीय योगा एवं आयुर्वेद साहित्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

पावरट्टी सेंटर में मुक्तस्वाध्याय पीठ के संचालित पाठ्यक्रम

ब्रिज कोर्स - शास्त्री और आचार्य

शास्त्री - व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष

आचार्य - व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष

प्राथमिक पाठ्यक्रम - पाली और प्राकृत

सर्टिफिकेट कोर्स - पाली, प्राकृत और पत्रकारिता

4. आयोजित कार्यक्रम

1. 75वां भारतीय स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2021 को मनाया गया। झंडा 9 बजे फहराया गया।
2. श्री.पी.टी. कुरियाकोस मास्टर की 132वीं जयंती 25 अक्टूबर 2021 को आयोजित की गई।
3. 73वां भारतीय गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2022 को मनाया गया। झंडा सुबह 8 बजे फहराया गया।
4. हमारे संस्थापक श्री.पी.टी. कुरियाकोस मास्टर की स्मृति में 12वां अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान 23 फरवरी, 2022 को आयोजित किया गया।

5. अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियां

वाग्वर्धिनी सभा

कोरोना महामारी की स्थितियों के कारण, यह सप्ताह में एक बार गूगल-मीट मोड के माध्यम से आयोजित किया जाता था, जिसमें 30 से अधिक बैठकों में वाक्यार्थ विचार, शास्त्र परिचार्या, समकलीना विषय, प्रश्नोत्तरी और कलाविनोद आदि पर चर्चा की गई थी।

वाक्यार्थ परिषद

कर्मचारियों ने अनुकरण करने के लिए छात्रों के सामने मॉडल वाक्यार्थ पेश किए।

महत्वपूर्ण घटनाएँ

- योग दिवस - 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिक्षक श्री के प्रदर्शन के साथ मनाया जाता है। धनेश पी.वी. और योग और आयुर्वेद डिप्लोमा छात्र। इसमें सभी टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ और स्टूडेंट्स शामिल हुए।

- संस्कृत सप्ताह समारोह 12.09.2021 को आयोजित किया गया।
- परिसर द्वारा 21 फरवरी 2022 को मातृभाषादिनम मनाया गया।

शिक्षाशास्त्री विभाग के कार्यक्रम का विवरण

1. संस्कृत सप्ताह समारोह
2. 21 दिवसीय भाषा शिक्षण कार्यशाला
3. 5 सितंबर, 2021 को शिक्षक दिवस मनाया।
4. 11 नवंबर, 2021 को मनाया गया शिक्षा दिवस।
5. दस दिवसीय योग कार्यशाला।
6. प्रतिभा दिवस आयोजित किया गया।
7. मैक्सिमों का पाठ।
8. माइक्रो-टीचिंग आयोजित।
9. मैक्रो-टीचिंग आयोजित।
10. स्कूल समझ कार्यक्रम आयोजित किया गया।
11. व्यक्तित्व विकास कक्षाएं आयोजित की गईं।

आधुनिक विभाग के कार्यक्रम का विवरण

1. आधुनिक विषय विभाग ने 14 सितंबर से 29 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. के. अजिता, रजिस्ट्रार, कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचीन थे।

स्टाफ और छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई हैं।

2. 21 फरवरी 2022 को आयोजित मातृभाषानाम। प्रो. ई. एम. राजन, निदेशक, सीएसयू, गुरुवयूर परिसर, पुराणट्टुकरा ने मुख्य भाषण दिया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	01
उत्तर प्रेषित	-	01

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

1. परिसर का परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय स्व. श्री शिवचरणमाथुर जी के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्वनिदेशक) के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05. 1983 को यह परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। कालान्तर में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। संसद द्वारा पारित अधिनियम से दिनांक 30 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के नाम से जाना जाता है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत-विद्या क्षेत्र में शोध-कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्रज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर इस वर्ष अपनी स्थापना के 38 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण कर रहा है।

2. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा भारत सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से राजस्थान की राजधानी जयपुर में नगर के केन्द्रीय क्षेत्र में 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का यह विशाल भवन अध्यापन कक्षों, प्रशासन खण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृत शोध अध्ययन केन्द्र, मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक्पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडांगण, बाग-बगीचेइत्यादि भौतिक सम्पदाओं से युक्त है। इस वर्ष भवन के नवीनीकरण, मरम्मत तथा नवीन सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य भी किये गये हैं। छात्रों की संख्या में वृद्धि के कारण कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु नूतन अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया।

3. परिसर में संचालित विभाग

परिसर में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष), धर्मशास्त्र, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, वेद, शिक्षाशास्त्र (शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य), शिक्षाचार्य, विद्यावारिधि सभी शास्त्रों में, योग एवं आयुर्वेद, शोधादि 10 विभाग संचालित हैं।

4. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण विवरण के साथ)

1 प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीय) (+2 समकक्ष) वार्षिक प्रणाली

2 शास्त्री (त्रिवर्षीय) (स्नातक समकक्ष) सत्रार्द्ध प्रणाली

3 आचार्य (द्विवर्षीय) (स्नातकोत्तर समकक्ष) सत्रार्द्ध प्रणाली

4 शिक्षाशास्त्री (द्विवर्षीय) (बी.एड. समकक्ष) वार्षिक प्रणाली

5 शिक्षाचार्य (द्विवर्षीय) (एम..एड. समकक्ष) सत्रार्द्ध प्रणाली

6 विद्यावारिधि (पीएच.डी. समकक्ष)

7 योग एवं आयुर्वेद प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (डिप्लोमा समकक्ष) वार्षिक प्रणाली

8 मुक्तस्वाध्यायपीठ के पाठ्यक्रम

(साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष) प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीय)

शास्त्री (त्रिवर्षीय)

आचार्य (द्विवर्षीय) वार्षिक प्रणाली

5. संगोष्ठी/कार्यशाला/विशिष्ट व्याख्यान आदि अन्य क्रियाकलापों का विवरण -

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	विषय	दिनांक	मुख्यातिथि/ विशिष्टवक्ता	अध्यक्ष	संचालन/ संयोजन
1.	श्री सर्वेश्वर जयादित्य पंचांग विमोचन		12.04.2021	महंत श्री बनवारी शरण, प्रो. अर्कनाथ प्रो. सतीशचन्द्र शास्त्री, चौधरी प्रो. मोहन लाल शर्मा, प्रो. श्यामदेव मिश्र		निम्बार्क परिषद् के सहयोग से ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित

2.	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस		21.06.2021	डॉ. नवनीत मलेठिया	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	योग एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित
3.	स्वतन्त्रतादिवसः		15.08.2021	प्रो. अर्कनाथ चौधरी, निदेशक, द्वारा ध्वजोत्तोलन एवं सभा को संबोधित किया गया।		
4.	विशिष्ट व्याख्यान	स्वतन्त्र्यवीराः संस्कृतज्ञाः	15.08.2021	प्रो. भगवती सुदेश, विशिष्ट वक्ता– प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	डॉ. पवन व्यास
5.	संस्कृतसप्ताहमहोत्सव-उद्घाटन कार्यक्रम		25.08.2021	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय
6.	विशिष्टव्याख्यान	भाषाशिक्षणाधिगमे संस्कृतस्य सौन्दर्यम्		प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	प्रो. वाई.एस. रमेश
7.	विशिष्टव्याख्यान	संस्कृतसप्ताहस्य महत्त्वम्	26.08.2021	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रो. शिवकान्त झा	डॉ. विष्णुकुमार निर्मल
8.	विशिष्टव्याख्यान	श्रावणपूर्णिमायाः शास्त्रीयस्वरूपं महत्त्वं च	26.08.2021	प्रो. श्यामदेव मिश्र	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. विष्णुकुमार निर्मल
9.	विशिष्टव्याख्यान	धेनुं धीराः संस्कृतां वाचमाहुः	27.08.2021	प्रो. एन.के. सुन्दरेश्वरन्, आचार्य संस्कृत विभाग कालिकट वि.वि., केरल	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	संचालक– डॉ. पवन व्यास
10.	विशिष्टव्याख्यान	संस्कृतशिक्षायां दर्शनशास्त्रशिक्षणस्य उपादेयत्वम्	27.08.2021	प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई	प्रो. रामकुमार शर्मा	डॉ. राकेश कुमार शर्मा
11.	सौप्रस्थानिकसमारोहः, एवं संस्कृतसप्ताह का समापन समारोह		31.08.2021	प्रो. राधाावल्लभ त्रिपाठी, पद्मश्री प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, श्री अशोक लोहोटी, विधायक, प्रो. श्रीकृष्णशर्मा	प्रो. के.वी. सुब्बरायुडु, कुलपति, के.सं.वि.वि.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी जी का सौप्रस्थानिक समारोह
12.	शिक्षकदिवसः		05.09.2021	प्रो. सन्तोष मित्तल, प्रो. आर.जी. मुरलीकृष्ण	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. फतह सिंह, प्रो. लीना सक्करवाल
13.	चातुर्मासिक ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्रीय परिष्कृत परिचय पाठ्यक्रम		08.09.2021	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. श्यामदेव मिश्र, डॉ. विष्णु कुमार निर्मल
14.	हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह		14.09.2021	प्रो. आर. पद्मप्रिया, पोण्डीचेरी के.वि.वि. पोण्डीचेरी	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा, डॉ. रेखा पाण्डेय
15.	हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह		30.09.2021	डॉ. उपुल रंजि हेवावितानगमगे,	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. रेखा पाण्डेय, डॉ. सीमा अग्रवाल,

				निदेशक समकालीन भारतीय अध्ययन केन्द्र कोलम्बो वि.वि. श्रीलंका		डॉ. प्रीति शर्मा	
16.	परिसर स्वच्छता कार्यक्रम		01.10.2021	प्रो. भगवती सुदेश		डॉ. शीशराम, संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना	
17.	एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन)	गांधी विमर्श	02.10.2021	प्रो. हिमांशु बौरई, निदेशक महिला अध्ययन केन्द्र, हे.म.व.ग.वि.वि. गढवाल, प्रो. कौशल किशोर मिश्र, काशी हिन्दू वि.वि. वाराणसी	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. सीमा शर्मा	
18.	सरस्वतीपूजनम्	अध्ययनारम्भ	11.10.2021	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश		
19.	भाषापरिचयवर्ग	संस्कृत सम्भाषण	18.10.2021 से 31.10.2021	प्रशिक्षक-डॉ. पवन व्यास, डॉ. राकेश कुमार जैन			
20.	शास्त्र-परिचय-वर्ग	परिसर के विभागीय पारम्परिक शास्त्रीय विषयों का परिचय	18.10.2021 से 31.10.2021	प्रशिक्षक-डॉ. पवन व्यास, डॉ. राकेश कुमार जैन	प्रो. भगवती सुदेश		
21.	सतर्कता जागरूकता सप्ताह सम्पूर्ति समारोह		28.10.2021	डॉ. ओमप्रकाश कारवा, उप. महाप्रबन्धक यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया, श्री हरि मोहन मीना सहा. महा. प्रबन्धक, यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. रेखा शर्मा	
22.	विशिष्ट व्याख्यान	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस समारोह	11.11.2021	प्रो. फतह सिंह	प्रो. भगवती सुदेश		
23.	संविधान दिवस	संविधान के पालन हेतु परिसर कर्मचारियों द्वारा शपथ ग्रहण	26.11.2022		प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. शीशराम, संयोजक
24.	विशिष्ट व्याख्यान	महिला जागरूकता कार्यक्रम	09.12.2021	प्रो. सत्यम कुमारी, प्रो. सन्तोष मित्तल	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. शीशराम, संयोजक
25.	विशिष्ट व्याख्यान	मानव अधिकार दिवस	10.12.2021 से 16.12.2021	डॉ. विश्वेश गुप्ता	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. सीमा अग्रवाल
26.	7 Days Faculty Development Programme on Human Rights	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार,	10-17 दिस. 2021	प्रो. ईनाक्षी चतुर्वेदी, राजस्थान वि.वि. जयपुर	प्रो. भगवती सुदेश		डॉ. सीमा अग्रवाल, संयोजक

27.	7 Days Faculty Development Programme or Human Rights	संस्कृत वाङ्मय और मानवाधिकार,	13. दिस. 2021	प्रो. पवन कुमार शर्मा, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह वि.वि. मेरठ	प्रो. भगवती सुदेश		डॉ. सीमा अग्रवाल, संयोजक
28.	7 Days Faculty Development Programme or Human Rights	जेन्डर और महिलाओं के मानवाधिकार,	14 दिस. 2021	डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. रेखा पाण्डेय	प्रो. भगवती सुदेश		डॉ. सीमा अग्रवाल
29.	7 Days Faculty Development Programme or Human Rights	मानव तस्करी प्रेरित मानव अधिकार उल्लंघन	15 दिस. 2021	प्रो. एम.एम.सेमवाल, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान हेमवती नंदन बहुगुणा के.वि.वि., गढ़वाल	प्रो. भगवती सुदेश		डॉ. सीमा अग्रवाल
30.	7 Days Faculty Development Programme or Human Rights	समापन समारोह	16 दिस. 2021	प्रो. वाई.एस.रमेश, विभागाध्यक्ष शि.शा. विभाग., प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, निदेशक आन्तरिक गुणवत्ता संवर्धन प्रकोष्ठ	प्रो. भगवती सुदेश		डॉ. सीमा अग्रवाल
31.	भाषाबोधनवर्ग: (17.11.2021 से 16.12.2021)	समापन समारोह	16.12.2021	प्रो. कुलदीप शर्मा, डॉ. रघुवीर प्रकाश शर्मा, डॉ. पवन व्यास	प्रो. भगवती सुदेश	शिक्षाशास्त्र विभागे	डॉ. अंजू चौधरी, डॉ. अमृता
32.	विशिष्ट व्याख्यान	राष्ट्रीय युवा दिवस	12.01.2022	प्रो.रामकुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. शीशराम, संयोजक, डॉ. सीमा अग्रवाल, सह-संयोजक
33.	National Girl Child Day		22.01.2022	डॉ. भावना शर्मा, राजनीति विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश शिमला	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. शीशराम, संयोजक, डॉ. नमिता मित्तल, सह-संयोजक
34.	राष्ट्रिय मतदाता दिवस	परिसर कर्मचारियों द्वारा शपथ ग्रहण	25.01.2022		प्रो. भगवती सुदेश		
35.	गणतन्त्रदिवस समारोह	प्रो. भगवती सुदेश, निदेशक द्वारा राष्ट्र ध्वजोत्तोलन एवं सभा को संबोधित किया गया।	26.01.2022		प्रो. भगवती सुदेश		
36.	गणतन्त्रदिवस समारोह	सूर्य नमस्कार	26.01.2022	डॉ. नवनीत मलेठिया	प्रो. भगवती सुदेश	योग एवं आयुर्वेद विभाग	

37.	सौप्रस्थानिक कार्यक्रम प्रो. गजेन्द्र शर्मा	विदाय समारोह	31.01.2022	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	प्रो. भगवती सुदेश	आधुनिक विभाग	
38.	स्वागत समारोह	माननीय कुलपति जी के द्वारा जयपुर परिसर का निरीक्षण एवं व्याख्यान	02.02.2022	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति के.सं.वि.वि., नई दिल्ली	प्रो. भगवती सुदेश		
39.	वसन्त पंचमी	सरस्वती पूजन	05.02.2022	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, निदेशक आई.क्यू.एस.ई.	प्रो. भगवती सुदेश	वेद विभाग द्वारा आयोजित	
40.	सूर्यसप्तमी	75 करोड़ सूर्यनमस्कार हेतु अनुष्ठान	07.02.2022	प्रो. वाई.एस.रमेश	प्रो. भगवती सुदेश	योग एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा आयोजित	डॉ. नवनीत मलेठिया, संयोजक
41.	सौप्रस्थानिक कार्यक्रम	विदाय समारोह श्री बाबूलाल शर्मा	28.2.2022	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रो. भगवती सुदेश		
42.	शास्त्रीय भाषण एवं श्लाका	राजस्थान राज्य स्तरीय चयन प्रतियोगिता	07.03.2022	प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. वैद्यनाथ झा, प्रो. बृजभूषण ओझा, प्रो. राजेन्द्र मिश्र, प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय, प्रो. कमलनयन शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश,	प्रो. श्रीधर मिश्र, संयोजक	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय, प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, प्रो. पवन व्यास
43.	विशिष्ट व्याख्यान	अन्तर्राष्ट्रिय महिला दिवस	08.03.2022	डॉ. अर्चना शर्मा, सभाप्रति सामाजिक कल्याण बोर्ड, राजस्थान, श्री एस.के. भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, एन.एस.एस	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	प्रो. फतह सिंह, संयोजक, डॉ. शीशराम
44.	रैली	जनचेतना यात्रा	08.03.2022	प्रो. फतह सिंह	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. शीशराम, संयोजक
45.	विशेष शिविर	योगाभ्यास एवं स्वच्छता अभियान	09.-15 मार्च 2022	प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रिय सेवा योजना जयपुर इकाई द्वारा आयोजित	डॉ. शीशराम, संयोजक
46.	नाट्यप्रस्तुति	भारतविवेकम्		प्रो. सुदेश कुमार शर्मा, निदेशक, (आई.क्यू.एस.ई.) I.Q.A.C.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. रामकुमार शर्मा के निर्देशन में साहित्य विभाग द्वारा प्रस्तुति	प्रो. के.के. दलाई, डॉ. राकेश कुमार जैन

राष्ट्रीय सेवा योजना – परिसर में सत्र 2021–22 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 02 इकाईयों में कुल 185 स्वयं सेवकों का पंजीकरण किया गया। जिनमें 123 छात्र 62 छात्राएँ है। राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु अनुदान युवा कल्याण एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार के युवा कल्याण विभाग, रा.से. यो. के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा सत्र 2020–21 में नियमित गतिविधियों के लिए रू. 18,000/– जारी किया गया तथा परिसर के छात्रकोष से भी विशेष गतिविधियों के अन्तर्गत सहयोग प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. शीश राम एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी के मार्गनिर्देशन में 02 इकाईयाँ सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है।

सत्र 2021–22 में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया –

21.6.2021	अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस (Online)
5.9.2021	शिक्षा दिवस
10.10.2021 से 31.10.2021	स्वच्छ भारत कार्यक्रम
11.11.2021	राष्ट्रिय शिक्षा दिवस
26.11.2021	संविधान दिवस
9.12.2021	जागरूकता कार्यक्रम कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम, 2013)
	Awareness Programme Sexual Harasment of Women at workplace (Prevention, Prohipition and Redressal) Act 2013
12.01.2022	राष्ट्रीय युवा दिवस, 2022 (सक्षमयुवा, सशक्त युवा)
24.01.2022	राष्ट्रीय बालिका दिवस, 2022 (National Girl Child day)
25.1.2022	राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2022
26.1.2022	गणतन्त्र दिवस (Republic day 2022)
05.02.2022	वसन्त पंचमी (सरस्वती पूजन)
07.02.2022	सूर्य सप्तमी के अवसर पर सूर्य नमस्कार
08.03.2022	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जन–चेतना यात्रा एवं विशिष्ट व्याख्यान
09.03.2022 से 15.03.2022	राष्ट्रीय सेवा योजना, विशेष शिविर
23.03.2022	शहीद दिवस (शहीद भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव जी का बलिदान दिवस)

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	02
उत्तर प्रेषित	–	02

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

1. परिसर का संक्षिप्त परिचय

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित वर्ष 1986 में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में लखनऊ में स्थापित हुई। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्धदर्शन, शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु क्रीडा-विभाग में आधुनिक यंत्रों की समुचित व्यवस्था है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक-पृथक आवास की व्यवस्था है। यह परिसर 10 एकड़ भूमि में सुशोभित है।

2. परिसर की स्थिति

संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था उत्तपर प्रदेश की राजधानी लखनऊ महानगर के गोमती नगर में स्थापित है। यह परिसर अन्य शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य विद्या का भी केन्द्र है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्मसमन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र के इस नगर में इस तरह के परिसर होना अपने आप में एक विशिष्ट महत्त्व रखता है।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं एवं मुक्त स्वाध्यायपीठ के प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य पाठ्यक्रम तथा पालि, प्राकृत, भोट, ज्योतिष परिचय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं।

4. प्रमुख गतिविधियाँ

लखनऊ परिसर छात्र-छात्राओं के सर्वतोमुखी विकास हेतु प्रत्येक सम्भव कार्य करता है। सत्रारम्भ होते ही छात्र-छात्राओं की संस्कृत-भाषा-दक्षता की उन्मुख किया जाता है। उच्च अध्ययन प्रामर्शदात्री समिति नियोजन समिति, व्यवक्तित्व-विकास-समिति, कक्षा-संस्कृति समिति एवं छात्रपरामर्शदात्री समिति के माध्यम से परिसर के चतुर्दिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाता है। छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, नेट, स्लेट, जे.आर.एफ. आदि हेतु परिसर में सम्यक् मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है।

5. परिसर में हुई अन्य गतिविधियाँ

I. 1.06.2021 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद विभाग द्वारा "वेद विभागीय विशिष्ट व्याख्यान दर्शपूर्णमास-यागविमर्श:" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया।

II. 21.06.2021 परिसर में सातवाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 11:30 बजे पूर्वाह्न में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

III. 15.08.2021 को 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया, ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्राध्यापक, कार्यालय कर्मचरी तथाा छात्र उपस्थित रहे।

IV. 19.08.2021 से 25.08.2021 तक संस्कृत सप्ताह ऑनलाइन मोड में मनाया गया, जिसमें संस्कृत जगत् के प्रसिद्ध विद्वानों ने व्याख्यान दिया।

V. 4.9.2021 परिसर के एन.एस.एस. इकाई द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अन्तर्गत "सेहत के लिए आवश्यक पोषण तत्त्व" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

VI. 14.09.2021 से 25.09.2021 तक परिसर में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों तथा कार्यालय कर्मचारियों ने भाग लिया।

VII. 26.11.2021 परिसर में संविधान दिवस मनाया गया।

VIII. 12.01.2022 से 16.1.2022 पुडुचेरी में राष्ट्रीय युव महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर लखनऊ परिसर द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया।

IX. 25.01.2022 को परिसर में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' का आयोजन हुआ। "मतदाता जागरूकता एवं सहभागिता" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन भी किया गया।

X. 26.01.2022 को परिसर में 73वें गणतंत्र दिवस का आयोजन हुआ, जिसमें प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं कार्यालयीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

XI. 22.02.2022 को परिसर में 'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा' दिवस का आयोजन हुआ।

XII. 08.03.2022 को परिसर में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' का आयोजन हुआ जिसमें "जेन्डर इक्युवल टूडे फॉर ए सस्टेंम्बल टुमारो" विषय पर परिचर्चा-सत्र का आयोजन हुआ।

XIII. 28.03.2022 से 01.04.2022 तक परिसर में नई शिक्षा नीति पर आधारित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें व्याकरण, साहित्य, न्याय, वेद, ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, वेदान्त, हिन्दी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, मीमांसा, बौद्धदर्शन, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, कन्नड़ और कम्प्यूटर साइंस विषय के पाठ्यक्रम निर्माण का कार्य सम्पन्न हुआ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपनी अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीव गाँधी केंद्रीय संस्कृत विद्यारपीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर.वेंकटरामन् के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केंद्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू 4.17 करोड़ की लागत से किया गया। अभी मुख्य भवन का विस्तार, छात्रावास का विस्तार तथा क्रीडांगण निर्माण रू 8.05 करोड़ की लागत से किया गया। जिस का उद्घाटन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी के द्वारा किया गया है।

2. परिसर में वर्तमान सत्र

2021-22 में कुल 435 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है। यह परिसर, श्रद्धेय श्री जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी और आदरणीय पद्मश्री. डा. वी.आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी, एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गाँधी परिसर शृंगेरी, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। जिनकी महान उदारता से हमारे परिसर के छात्र -छात्राओं को दोपहर का भोजन शारदा प्रसाद के रूप में उपलब्ध कराया जाता है।

3. परिसर की भौगोलिक स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी., और शिवमोग्गा जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है। शिवमोग्गा (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

4. उपलब्ध पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए.) शास्त्री (बी.ए.) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) और प्राक्शामस्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है। इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात्, विद्यावारिधी (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है। साथ ही वास्तुशास्त्र के डिप्लोमा कोर्स एवं शास्त्री प्रतिष्ठा वर्ग का भी आरंभ किया गया है।

छात्रों के लिए पुरस्कार

1. परिसर की स्थानीय प्रशासन समिति के अध्यक्ष पद्मश्री विभूषित श्री. वि.आर. गौरीशंकर जी के द्वारा उन के माता-पिता महामहोपाध्याय विद्यानिधि श्री. वि.एस. रामचन्द्र शास्त्री एवं श्रीमती. रामभक्त की स्मृति में प्राक-शास्त्री, शिक्षाशास्त्री स्तर पर एक-एक, शास्त्री-आचार्य स्तर पर प्रत्येक शास्त्र में एक-एक, जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी के नाम से बारह स्वर्ण पदक प्रदान किए जाते हैं।

2. होरनाडु स्थित आदिशक्ति अन्नपूर्णेश्वरी देवी के देवालयीय धर्मकर्ता श्री भीमेश्वर जोशी के द्वारा छात्रों के प्रोत्साहन हेतु ज्योतिष एवं अन्य शास्त्रों में शास्त्री तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए पुरस्कार स्वरूप 50,000 (25000 + 25000) रु. की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

3. कीर्ति शेष श्री महाबल भिडे महोदय की स्मृति में उनके पुत्र श्री एन.एम. भिडे के द्वारा प्राक-शास्त्री द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए

पुरस्कार स्वरूप 11000 रु की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

4. कीर्ति शेष छात्र श्री बी.जी. शेष गोपाल की स्मृति में उनके पिता श्री गणेश भट्ट द्वारा शास्त्री तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं हेतु 11000 रु की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

5. आचार्य स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं हेतु परिसर प्राध्यापक पक्ष द्वारा गुरुकृपा नाम से 11000 रु की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

6. ब्रह्म श्री शेषगिरि कृष्णमूर्ति की माता के नाम पर आचार्य द्वितीय वर्ष में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहनार्थ 12000 रु राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल कावेरम्मा पुरस्कार प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार न्याय-वेदान्त शास्त्रों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रदान किया जाता है।

7. परिसर के पूर्व ज्योतिष अध्यापक श्री.एच.वि. श्रीनाथ के द्वारा माता ललिताम्मा के षष्ट्यब्द संस्मरण में शास्त्री तृतीय वर्ष में ज्योतिष शास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं के लिए पुरस्कार स्वरूप 25000 रु की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

8. शृंगेरी कुलपति श्री शंकरनारायण जोयिस के कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा उनकी स्मृति में 25000 रु. की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार ज्योतिषशास्त्र में विद्यावारिधि उपाधि प्राप्त को प्रदान किया जाता है। यदि ज्योतिषशास्त्र में कोई न हो तो शास्त्रान्तर के अत्यन्त युवा विद्यावारिधि उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्रदान की जाती है।

9. राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के शिक्षा विभागीय सदस्य डॉ. पि.वि. वेंकटराव द्वारा 11000 रु. की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है। यह राशि शिक्षाशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए प्रदान की जाती है।

10. परिसर के वेदान्त विभाग के पूर्वाध्यक्ष प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट के द्वारा उनके गुरु वेदान्त केसरी के.एन. नारायण भट्ट के नाम से 32000/- रु. की राशि जमा की गई है, जिसकी वृद्धि से हर साल उक्त पुरस्कार प्रदान किया जाता है। यह राशि बतौर पुरस्कार वेदान्त आचार्य में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्रदान की जाती है।

मुक्त स्वाध्याय पीठ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा स्थापित मुक्त स्वाध्याय पीठ का एक केन्द्र परिसर में भी कार्यरत है। यहाँ व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष शास्त्रों में प्राकशास्त्री सेतु, प्राकशास्त्री-शास्त्री सेतु, शास्त्री-आचार्य सेतु और आचार्य परीक्षाएँ संचालित की जाती हैं। इसके साथ ही संस्कृत पत्रकारिता, पाली, प्राकृत प्रमाण पत्र परीक्षा भी आयोजित की जाती है। श्री वेंकटेशमूर्ति इस केन्द्र के समन्वयक हैं। इस वर्ष स्वाध्याय केन्द्र में 465 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है।

परिसर में आयोजित कार्यक्रम

1. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक-21/06/2021 को परिसर में योग दिवस मनाया गया। प्रात: 8.30 बजे सभी ने उपस्थित होकर प्राणायाम एवं योगासन क्रियाओं में भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. सूर्यनारायण भट्ट जी ने किया।

2. स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त,2021 को परिसर में स्वतन्त्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। प्रात: 8.30 बजे ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो.ईश्वर भट्ट जी ने ध्वज फहराया तथा सबको उद्बोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कोम्पेल्लि विनय कुमार ने किया।

3. संस्कृत उत्सव

प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत उत्सव कार्यक्रम दि: 17/08/2021 से 24/08/2021 तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति जी ने इस अवसर पर अन्तर्जाल के माध्यम से समापन भाषण किया। संस्कृत उत्सव समिति के मुख्य सदस्य डॉ. राघवेन्द्र भट्ट, डॉ. नारायण वैद्य एवं डॉ. प्रमोद भट्ट थे।

4. हिन्दी दिवस

परिसर में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम दि-14/09/2021 से 28/09/2021 तक मनाया गया। इसके अन्तर्गत विविध

स्पर्धाएँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ओमप्रकाश साहनी थे।

5. स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम

परिसर में 02 अक्टूबर को गाँधी जयन्ती के उपलक्ष्य में स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. चन्द्रकला, डॉ. दयानिधि शर्मा, डॉ. प्रमोद भट्ट एवं श्री. रामचन्द्र एच्. डि. ने इस कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

6. कन्नड़ राज्य उत्सव

दिनांक 01.11.2021 को राजीव गाँधी परिसर में कन्नड राज्य उत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में सरकारी पदवी महाविद्यालय कोप्पा के कन्नड प्राध्यापक श्रीमान मुरली एन.एस. उपस्थित थे। परिसर के निदेशक प्रो. सुब्राय भट्ट जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट एवं डॉ. एस्. कविता ने किया।

7. गणतन्त्र दिवस

दिनांक 26.01.2022 को राजीव गाँधी परिसर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. पि. अरविन्द एवं श्री रामचन्द्र एच.डी के संयोजकत्व में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

8. राष्ट्रीय मतदाता दिवस

दिनांक 25 जनवरी 2022 को परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर हमारे परिसर में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिसर के व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. सि.एस.एस.एन मूर्ति जी ने शपथग्रहण करवायी। कार्यक्रम में परिसर के समस्त शिक्षकों, छात्रों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विश्वनाथ हेगडे ने किया।

9. सूर्य नमस्कार कार्यक्रम

दिनांक 8 फरवरी, 2022 को परिसर में प्रातः 8 बजे से सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी अध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गणेश पण्डित थे।

10. अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

21 फरवरी, 2022 को मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में जम्मू परिसर के द्वारा कविता वाचन कार्यक्रम अन्तर्जाल के माध्यम से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के छात्रों ने भाग ग्रहण किया। कार्यक्रम का संयोजन कन्नड प्राध्यापिका डॉ. कविता महोदया ने किया।

11. गीता जयन्ती कार्यक्रम

परिसर में 17.12.2021 को गीताजयन्ती कार्यक्रम आयोजित किया गया। उस दिन प्रातः सभी छात्रों द्वारा एकत्र होकर सम्पूर्ण भगवद्गीता का पारायण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वेदान्त विभाग के अध्यक्ष डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट ने किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	–	00
उत्तर प्रेषित	–	00

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भारतीय संसद के अधिनियम के द्वारा स्थापित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के 12 परिसरों में अन्यतम वेदव्यास परिसर है। जो पूर्व में 2002 से 30 अप्रैल 2020 तक भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का एक परिसर रहा। इससे पूर्व यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के परिसर के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक 16.09.1997 को स्थापित हुआ। वर्तमान में यह परिसर बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में संचालित है।

वेदव्यास परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि के लिए शोध भी उपलब्ध है। वर्तमान में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावनाएँ हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी, बगुलामुखी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :- परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्षता	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	+2 बारहवीं	व्याकरण/ साहित्य/ फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री/शास्त्री प्रतिष्ठा	3 वर्ष	बी.ए.	व्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	व्याकरण/साहित्य/फलित ज्योतिष/अद्वैत वेदान्त	-
4.	विद्यावारिधि		पी.एच.डी.		
5.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	संस्कृत शिक्षण, हिन्दी शिक्षण/अंग्रेजी शिक्षण/ सामाजिक विज्ञान शिक्षण	

3.2 दूरस्थ पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	–
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	व्याकरण, साहित्य, फलित ज्योतिष	–

4. मुख्य गतिविधियां

➢ स्वतंत्रता दिवस (15.08.2021)

परिसर में स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य में 15.08.2021 को "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" के अन्तर्गत बेटियों एवं महिलाओं को सम्मान देने के उद्देश्य से परिसर अशैक्षणिक महिला कर्मचारियों में से अनुभाग अधिकारी श्रीमती अनुराधा एवं पुस्तकालय परिचारिका श्रीमती स्वागना देवी द्वारा ध्वजारोहण कराया गया।

➢ संस्कृत सप्ताह (19.08.2021 से 25.08.2021)

परिसर में दिनांक 19.08.2021 से 25.08.2021 तक संस्कृत सप्ताह मनाया गया। सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजूनाथ एस.जी. ने किया।

➢ शिक्षक दिवस (05.09.2021)

भारत के पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर दिनांक 05.09.2021 को परिसर में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का संचालन शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा किया गया।

➢ हिंदी पखवाड़ा (14.09.2021 से 29.09.2021 तक)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेशानुसार दिनांक 14.09.2021 से 29.09.2021 तक हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों के लिए भाषण, निबंध लेखन और काव्य पाठ जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। परिसर के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र् में मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. शिशिरकुमार पांडे तथा समापन समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज ने सम्बोधित किया कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुभाषचंद्र तथा सह-संयोजन श्री पीयूष कुमार त्रिपाठी ने किया।

➢ स्थापना दिवस (16.09.2021)

परिसर का स्थापना दिवस 16.09.2021 को 'प्रेरणा एवं संकल्प दिवस' के रूप में मनाया गया। उल्लेखनीय है कि परिसर की स्थापना 16 सितंबर 1997 को हुई थी। इस अवसर पर छात्रों और परिसर के कर्मचारियों को शामिल करते हुए 'परिसर इतिहास और विकास' पर संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

➢ गीता जयंती (25.12.2021)

परिसर में दिनांक 25.12.2021 को गीता जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

➢ गणतंत्र दिवस 26.01.2022

परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्राएँ आँचल कपूर एवं प्राशी शर्मा ने 'बेटी

बचाओ, बेटी पढाओ' अभियान के एक संकेत के रूप में निदेशक के साथ ध्वजारोहण किया।

➢ मातृभाषा दिवस 21.02.2022

परिसर में दिनांक 21.02.2022 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मंजूनाथ एस.जी. थे तथा संचालन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

➢ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2022)

परिसर में महिला अध्ययन केंद्र द्वारा दिनांक 08.03.2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती कुसुम वालिया तथा विशिष्टातिथि सैन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, प्रागपुर शाखा की प्रबन्धक श्रीमती संतोष सनोरिया उपस्थित रहे। प्राध्यापिका श्रीमती प्रतिज्ञा आर्य ने प्रेरणादायक उद्‌बोधन किया एवं अनुभाग अधिकारी श्रीमती अनुराधा मंच पर उपस्थित रहीं। इस अवसर पर परिसर की सभी प्राध्यापिकाओं एवं महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी के. मनोज्ञा ने किया।

5. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

➢ राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता (11.03.2022)

परिसर में दिनांक 11.03.2022 को अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हिमाचल प्रदेश की टीम का राज्य स्तर पर चयन किया गया। यह टीम बेंगलुरू में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी बनी। इस प्रतियोगिता के समन्वयक के रूप में डॉ. मंजूनाथ एस. जी. ने नेतृत्व किया।

➢ बलिदान दिवस 23.03.2022

दिनांक 23.03.2022 को परिसर में राष्ट्रीय बलिदान दिवस का आयोजन किया गया।

➢ अर्द्धवार्षिक स्थानीय अनुसंधान समिति की बैठक

परिसर में शोधच्छात्रों की पहली अर्द्धवार्षिक बैठक दिनांक 13.09.2021 तथा द्वितीय अर्द्धवार्षिक बैठक दिनांक 11.04.2022 को आयोजित की गई।

➢ 10 दिवसीय आवासीय संस्कृत शिविर (01.01.2022 से 10.01.2022)

दिनांक 01.01.2022 से 10.01.2022 तक डॉ. पुरुषोत्तम के मार्गदर्शन में परिसर के 42 विद्यार्थियों ने जिला चंबा में आयोजित आवासीय संस्कृत शिविर में भाग लिया।

➢ वसंतोत्सव – नाटक प्रतियोगिता (22.03.2022 से 24.03.2022)

विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर (म.प्र.) में 22.03.2022 से 24.03.2022 तक वसंतोत्सव अन्त:परिसरीय नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया। परिसर के छात्रों ने 'मेवाड़ प्रतापम्' नाटक की मंचीय प्रस्तुती दी। प्रतियोगिता में नाट्य प्रस्तुती को चौथा स्थान प्राप्त हुआ, जिसका निर्देशन श्री विनोद शर्मा ने किया। डॉ. पुरुषोत्तम ने दल का नेतृत्व किया।

➢ राष्ट्रीय योग स्पर्धा (26.03.2022 से 29.03.2022)

परिसर के 05 छात्र हिमाचल प्रदेश राज्य योग दल के लिए चयनित हुए जो दिनांक 26.03.2022 से 29.03.2022 तक राजमन्दरी, आन्ध्रप्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय योग स्पर्धा में भाग लिए। दल का नेतृत्व शोधच्छात्रा कु. वैजयन्ती माला ने किया।

➢ बेंगलुरू में अखिल भारतीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता (27.03.2022 से 30.03.2022)

बेंगलुरू में दिनांक 27.03.2022 से 30.03.2022 तक अखिल भारतीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें हिमाचल प्रदेश से चयनित 16 विद्यार्थियों की टीम में अधिकांश परिसर के छात्र थे तथा टीम का मार्गदर्शन डॉ. दीप कुमार ने किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	–	02
उत्तर प्रेषित	–	02

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अत: यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्शन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा.सं.सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्राय: दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह की घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकत-उल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्वज्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के रूप में जाना जाता है। भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- इसके अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवासों के निर्माण का कार्य हो गया है।
- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन तथा आधुनिक विभाग सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में निरौपचारिक रूप से 'मुक्तस्वाध्यायपीठ' सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें अभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।
- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और

'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने लिए स्थान उपलब्ध होता है।

- 'नाट्य अनुसन्धान केन्द्र' भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

प्राक् शास्त्री (+2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), शिक्षा आचार्य (एम. एड.), विद्यावारिधी (पी.एच.डी.) पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

3. मुख्य गतिविधियाँ

1. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस :-

21 जून 2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिक्षकों और कार्यालय के कर्मचारियों के सदस्यों ने विभिन्न प्रकार की योग क्रियाओं में सक्रिय भाग लिया। प्रो. श्री गोविंद पाण्डेय ने विभिन्न प्रकार के योग और आसनों पर प्रकाश डाला। निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, प्रो. जे. भानुमूर्ति ने वर्तमान समय के संदर्भ में योग की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने बताया कि राष्ट्र के विकास के लिए लोगों का अच्छा स्वास्थ्य सबसे महत्त्वपूर्ण चीज है।

2. स्वतंत्रता दिवस समारोह (15.08.2021) :-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण समारोह में शिक्षक व कार्यालय स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, प्रो. जे. भानुमूर्ति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी लोगों को इस अवसर पर बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों को याद किया और बताया कि स्वतंत्रता जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण कारकों में से एक है। हम स्वतंत्र भारत में जन्म लेने और सांस लेने के लिए धन्य हैं इसलिए हमें अपनी स्वतंत्रता को महत्त्व देना चाहिए और संविधान का पालन करना चाहिए।

3. संस्कृत सप्ताह महोत्सव :-

संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन 19/08/2021 से 25/08/2021 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में किया गया था। उद्घाटन समारोह में अतिथि प्रो सुब्बाराय भट्ट, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रृंगेरी परिसर और डॉ. अशोक थपलियाल, वास्तुशास्त्र विभाग के प्रमुख एसएलबीएस विश्वविद्यालय नई दिल्ली थे। सभी छात्रों के लिए संस्कृत भाषा, श्लोकगायन, संस्कृत गीत आदि कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। यह कार्यक्रम 25/08/2021 को प्रसिद्ध विद्वान् प्रो. शशिनाथ झा, कुलपति केएसडीएसवीवी दरभंगा और प्रो विश्वमूर्ति शास्त्री, पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रो. जे. भानुमूर्ति निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने उद्घाटन एवं समापन समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी थे।

4. गणतंत्र दिवस समारोह 26/01/2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। 26 जनवरी 2022 को सुबह 9 बजे निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, प्रो. जे भानुमूर्ति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी छात्रों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन के साथ-साथ ऑफलाइन भी आयोजित किया गया था। प्रो. जे. भानुमूर्ति ने सभी लोगों को हमारे राष्ट्र की अखंडता और एकता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस महामारी के समय में आत्मसंयम की भावना की बहुत आवश्यकता है। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए और मास्क पहनकर हम निश्चित रूप से परेशानियों को दूर करेंगे। ध्वजारोहण समारोह के बाद शिक्षकों ने सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश वर्मा, डॉ विवेक सिंह, श्री सुमित सक्सेना, श्रीमती सफीना अंसारी अहमद द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान की शैक्षिक समिति द्वारा देशभक्ति गीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को सीनियर व जूनियर वर्ग में बांटा गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. सुज्ञान कुमार मोहंती, डॉ. मोहिनी अरोड़ा और श्री आकाश गुंटीवार थे, इस प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ. मंजू सिंह थीं।

5. राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ 6-7 मार्च 2022

राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ 6-7 मार्च 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में हुई। विभिन्न प्रतियोगिताओं भाषण, कंठपाठ, शलाका, समस्यापूर्ति आदि प्रतियोगिताओं में उज्जैन, भोपाल, दुर्ग के छात्रों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में सम्मानित अतिथि प्रोफेसर धनेंद्र झा, प्रोफेसर श्यामदेव मिश्रा और डॉ रघुवीर गोस्वामी थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो हंसधर झा और डॉ प्रदीप कुमार पांडेय थे।

6. अन्त:परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता 22/03/2022 से 24/03/2022 :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में 22 से 24 मार्च 2022 तक तीन दिवसीय अन्त: परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के ग्यारह परिसरों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। इस कार्यक्रम का विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव' था। विभिन्न नाटक समूहों ने मातृभूमि के स्वतंत्रता संग्राम का वर्णन करते हुए अपने नाटक प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में माननीय अतिथि कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, पूर्व कुलपति प्रोफेसर राधावल्लभ त्रिपाठी, श्री ओमप्रकाश सकलेचा, मंत्री, मध्यप्रदेश सरकार, प्रो. सी.जी. विजयकुमार, प्रो. के.जी. सुरेश, प्रो. विरुपाक्ष जड्डीपाल और प्रो. सत्यवती त्रिपाठी थे। इस आयोजन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रृंगेरी परिसर, कर्नाटक ने प्रथम पुरस्कार, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर ने द्वितीय पुरस्कार और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रणवीर परिसर जम्मू ने तीसरा पुरस्कार जीता। श्रृंगेरी परिसर से अंबिका भट्ट एवं विजयलक्ष्मी ओझा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ महिला अभिनेता का पुरस्कार दिया गया और सर्वश्रेष्ठ पुरुष अभिनेता का पुरस्कार संयुक्त रूप से अंकित शनमोत्रा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मू परिसर और मंथन, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर को दिया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. रमाकांत पांडेय थे।

4. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान व अन्य विविध गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण-

1. शिक्षाविभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में शिक्षा विभाग ने 'कोविड -19 महामारी के दौरान संस्कृत शिक्षा' विषय पर 02/08/2021 से 04/08/2021 तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में भाग लेने वाले प्रमुख विद्वानों में प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, प्रो. रमेश भारद्वाज, आचार्य नित्यानंद स्वामी, श्री दिनेश कामथ, प्रो. सुब्रमण्य शर्मा आदि शामिल थे। इस वेबिनार में एम.एड. छात्रों, विभिन्न शोधार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया और 86 शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस वेबिनार की आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर तथा संयोजक-समन्वयक प्रो. नगेन्द्रनाथ झा एवं प्रो. श्री गोविंद पाण्डेय थे।

2. राष्ट्रीय 'कारक वर्ग' ई-कार्यशाला (3-9 सितंबर 2021) :-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर और महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल, मध्यप्रदेश ने संयुक्त रूप से 3 सितंबर 2021 से 9 सितंबर 2021 तक 'राष्ट्रीय साप्ताहिकी ई-कारक वर्ग कार्यशाला' का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्कृत कारकों के कौशल को बढ़ाना था। कारक के विभिन्न भागों की व्याख्या के लिए प्रतिदिन एक अवधि और अभ्यास सत्र के लिए दूसरी अवधि प्रदान की गई थी। इस कार्यशाला में 139 प्रतिभागियों ने सक्रिय भाग लिया और विशिष्ट अतिथि, वक्ताओं और विद्वानों में संस्कृति और पर्यटन मंत्री, मध्यप्रदेश सरकार, सुश्री उषा ठाकुर शामिल थे। कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली प्रो. सुब्बरायुडु, अध्यक्ष महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल के सांसद श्री भरत बैरागी, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे. भानुमूर्ति, प्रो. गोपबंधु मिश्रा, प्रो. मदन मोहन झा और डॉ. प्रभात राज तिवारी की उपस्थिति गौरवमयी रही।

3. अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार ज्योतिष पर 7-8 सितंबर 2021:-

ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने 7 और 8 सितंबर 2021 को 'ज्योतिष (ज्योतिष) में पर्यावरण विचार' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में विद्वान् और अतिथि प्रो. भारत भूषण मिश्रा, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुंबई परिसर थे। डॉ. विंध्यनाथ मिश्रा, प्रो., दरभंगा बिहार, श्री गोपाल लाल शर्मा, सांस्कृतिक राजदूत

भारतीय दूतावास, जमैका अमेरिका, श्री रामानंद मिश्रा, ओमान, प्रो. पीवीबी सुब्रमण्यम, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहार और डॉ. अतीन्द्र झा थे। 153 प्रतिभागियों ने इस वेबिनार में शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस वेबिनार के संरक्षक प्रो. के.बी. सुब्बारायडु कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, अध्यक्ष प्रोफेसर जे. भानुमूर्ति निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर थे और संयोजक प्रो. हंसधर झा, अध्यक्ष ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर थे।

4. वास्तु पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार (9–10 सितंबर 2021):-

ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वारा 9 एवं 10 सितंबर 2021 को 'वर्तमान संदर्भ में वास्तु शास्त्र की उपादेयता' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में ब्राजील, नेपाल और भारतीय शहरों जैसे दिल्ली, जम्मू, बिहार, पुरी, वाराणसी आदि से कई शोध विद्वानों और अन्य विद्वानों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता थे डॉ. अशोक थपलियाल, डॉ उपेंद्र भार्गव, डॉ राधेश्याम मिश्रा, डॉ धनंजय मणि त्रिपाठी, इस वेबिनार में शोधार्थियों, शिक्षकों और अन्य प्रतिभागियों द्वारा 71 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। इस वेबिनार के संरक्षक प्रो. के.बी. सुब्बारायडु, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, अध्यक्ष प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर थे और संयोजक प्रो. हंसधर झा, अध्यक्ष ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर थे।

5. शिक्षक पर्व 09/09/2021 (आजादी का अमृत महोत्सव) :-

आजादी का अमृत महोत्सव, शिक्षक पर्व 5 से 17 सितंबर 2021 कार्यक्रम के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में 9 सितंबर 2021 को शिक्षक पर्व मनाया गया। शिक्षा मंत्रालय, सरकार के दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए। भारत के, 'गुणवत्ता और टिकाऊ स्कूल: भारत में स्कूलों में शिक्षा' श्रृंखला के तहत, इस कार्यक्रम ने नई शिक्षा नीति के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. जे. भानुमूर्ति, प्रो. सुबोध शर्मा, प्रो. श्री गोविंद पाण्डेय और प्रो. नीलाभ तिवारी थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति ने सभी के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के प्रयास उनके छात्रों के कार्यों और व्यक्तित्व से परिलक्षित होते हैं। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेश कुमार जैन थे।

6. सत्र 2021–22 –13/09/2021 का प्रारंभ :-

नया शैक्षणिक सत्र 2021–22 13/09/2021 को शुरू हुआ था। प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष और शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों को उनकी पाठ्यक्रम–सामग्री परीक्षा और अन्य विवरणों के बारे में बताया गया था। निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे. भानुमूर्ति ने सभी छात्रों को पढ़ाई में अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए निर्देशित किया। प्रो. सुबोध शर्मा ने बताया कि साल भर अनुशासन और नियमितता का पालन करना चाहिए।

7. हिंदी पखवाड़ा (14 सितंबर 2021 से 28 सितंबर 2021) :-

14 सितंबर 2021 से 28 सितंबर 2021 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि प्रोफेसर प्रभा देवी चौधरी और डॉ. माया दुबे थे। इस अवसर पर साहित्यिक गीत प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति ने उद्घाटन और समापन सत्र की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. अर्चना दुबे थीं।

8. 21 दिवसीय संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला :-

14 सितंबर से 4 अक्टूबर 2021 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में 21 दिवसीय संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने किया। इस केंद्र के सदस्यों ने प्रतिभागियों को प्राचीन संस्कृत नाटक और रंगमंच अधिनियम के क्षेत्र में प्रशिक्षित किया। इस उद्देश्य के लिए कर्णभारम् नाटक का चयन किया गया था। इस कार्यशाला के संरक्षक प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, कार्यशाला के निदेशक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी और नाटक के निदेशक श्री हरीश मिश्रा थे। इस कार्यशाला का समापन 5/10/2021 को कर्णभारम् नाटक की प्रस्तुति के साथ हुआ।

9. राष्ट्रीय व्याकरण वेबिनार 15–16 सितंबर 2021 –

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के व्याकरण विभाग ने 15 और 16 सितंबर 2021 को 'पणिनीयव्याकरणे

प्रत्ययार्थविमर्श:' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में प्रख्यात विद्वान् और वक्ता थे प्रो. राम शलाही द्विवेदी, प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी, प्रो विष्णु कुमार पाण्डेय, डॉ दिव्य स्वरूप ब्रह्मचारी, डॉ अखिलेश कुमार द्विवेदी और डॉ किरण आर्य। इस वेबिनार में यूपी, महाराष्ट्र, बिहार, एमपी और अन्य स्थानों के विभिन्न विद्वानों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया और शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस वेबिनार के संरक्षक प्रो. के.बी. सुब्बारायडु कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, अध्यक्ष प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, समन्वयक प्रो. सुबोध शर्मा और संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय थे।

10. साहित्य विभागीय राष्ट्रीय वेबिनार 20-21 सितंबर 2021 :-

'शब्दशक्तिविमर्श:' (काव्यशास्त्रालोक) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार 20 और 21 सितंबर 2021 को आयोजित किया गया था। इस वेबिनार में मुख्य वक्ताओं में प्रो. के.पी. केशवन, प्रो. राम कुमार शर्मा, प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय और प्रो. किशन कुमार दलाई रहे। इस वेबिनार में देश भर से कई अन्य विद्वानों ने भाग लिया। इस वेबिनार के संयोजक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी और सचिव डॉ. मोहिनी अरोड़ा थी।

11. आधुनिक विषय विभाग द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार 22-23 सितंबर 2021 :-

आधुनिक विषय विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर द्वारा 22 व 23 सितंबर 2021 को 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संत साहित्य की उपादेयता' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में अतिथि वक्ता प्रो. बीना शर्मा, प्रो. शरद चंद्र शर्मा, प्रो. नंद किशोर पाण्डेय और प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय थे। इस वेबिनार में देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न विषयों के शिक्षकों और शोधार्थियों ने भाग लिया। इस वेबिनार की संयोजक प्रो. अर्चना दुबे एवं सचिव डॉ. विवेक कुमार सिंह थे।

12. शैक्षणिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा (नैक संबंधित) 27.09.2021

27 सितंबर 2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक लेखापरीक्षा हुई। यह लेखापरीक्षा परिसर में नैक निरीक्षण से संबंधित थी। इस ऑडिट कमेटी की अध्यक्षता प्रो. क्षेत्रबासी पंडा ने की थी। सभी शिक्षण विभागों, पुस्तकालय, मुक्त स्वाध्याय पीठ और नाट्य शास्त्र अनुसंधान केंद्र के प्रमुख और स्टाफ सदस्यों ने इस लेखापरीक्षा में भाग लिया और समिति के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी।

13. कुलपति का दौरा 28.09.2021 और 29.09.2021

कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, प्रो. सुब्बारायडू ने 28 सितंबर और 29 सितंबर 2021 को दो दिनों के लिए भोपाल परिसर का दौरा किया। प्रो. जे. भानुमूर्ति निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर ने उनका स्वागत किया और उन्हें भोपाल परिसर द्वारा की नैक निरीक्षण से जुडी तैयारी के बारे में बताया। कुलपति जी को अकादमिक और प्रशासनिक लेखा परीक्षा से भी अवगत कराया गया। उन्होंने 29.09.2021 को सभी शैक्षणिक कर्मचारियों के साथ एक बैठक की।

14 नाट्य शास्त्र अनुसंधान केंद्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला (20.10.2021 से 19-11-2021)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के नाट्य शास्त्र अनुसंधान केंद्र ने उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के साथ संयुक्त रूप से एक माह की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में पूरे भारत से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र भोपाल परिसर के सदस्यों ने उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया और कालिदास जयंती समारोह के अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर भोपाल और उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान ने रविंद्रालय लखनऊ में 'भगवदज्जुकीयम्' नाटक तैयार और प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला के संरक्षक प्रो. जे. भानुमूर्ति निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर थे, कार्यशाला के निदेशक प्रो. नीलाभ तिवारी थे और नाटक के निदेशक श्री मनोज मिश्रा थे।

15. जैन दर्शन विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार 28-29 सितंबर 2021 :-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के जैन दर्शन विभाग ने 28 व 29 सितंबर 2021 को 'वर्तमान संदर्भ में जैन जीवन शैली की प्रासंगिकता' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार के संयोजक डॉ. योगेश कुमार जैन ने बताया कि वर्तमान कोरोना काल में जैन

जीवन शैली बड़ी सहायक सिद्ध हो सकती है। वेबिनार का उद्देश्य शुद्ध–पवित्र जीवन शैली के नए दृष्टिकोणों का पता लगाना है जो इस कठिन समय में मनुष्य का मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस वेबिनार के अतिथि प्रो. दामोदर शास्त्री जैन, प्रो. फूलचंद जैन, प्रो. श्रीयांश कुमार जैन, प्रो. विजय कुमार जैन, प्रो. अशोक कुमार जैन, प्रो. वीरसागर शाह जैन और प्रो. जितेंद्र जैन थे। इस वेबिनार के संयोजक श्री प्रताप शास्त्री और सचिव डॉ. पंकज कुमार जैन थे।

16. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवंबर 2021 का उत्सव

मौलाना अबुल कलाम आजाद 11 नवंबर की जयंती केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाई गई। इस विशेष कार्यक्रम में सभी छात्र, शिक्षक और आधिकारिक स्टाफ सदस्य शामिल हुए। निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो. जे. भानुमूर्ति ने शिक्षा के क्षेत्र में मौलाना आजाद द्वारा दी गई विचारधारा और सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू थे।

17. राष्ट्रीय संविधान दिवस समारोह 26/11/2021

26 नवंबर 2021 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में राष्ट्रीय संविधान दिवस मनाया गया। प्रभारी निदेशक प्रो सुबोध शर्मा ने सभी शिक्षकों, कार्यालय स्टाफ सदस्यों और छात्रों को संविधान की शपथ दिलाई। उन्होंने भारत के संविधान की प्रस्तावना को सभी के समक्ष पढ़ा और इसके उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कार्यालय स्टाफ सदस्यों और बी.एड –एम.एड. के छात्र इस कार्यक्रम में मौजूद थे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ राकेश वर्मा थे।

18. विश्व एड्स दिवस – 1/12/2021

निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति के कुशल मार्गदर्शन में, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में एनएसएस समिति ने 1 दिसंबर 2021 को छात्रों में एड्स से बचाव के लिए जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। छात्रों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता और नारा लेखन प्रतियोगिता में सक्रिय भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में सम्मानित निर्णायक प्रो. अर्चना दुबे, डॉ. रमण मिश्रा और डॉ. मंजू सिंह थे। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा रविंद्र भवन में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के 7 छात्रों ने भाग लिया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ राकेश वर्मा थे।

19. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी 17/12/2021

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के सभी शिक्षकों ने 17 दिसंबर 2021 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में शिक्षण कौशल विकास' पर ऑनलाइन संगोष्ठी में भाग लिया। यह मुख्यालय केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन सेमिनार था।

20. राष्ट्रीय मतदाता दिवस शपथ ग्रहण कार्यक्रम 25.01.2022

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल प्रो. जे भानुमूर्ति ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई और सभी शिक्षकों, कार्यालय स्टाफ सदस्यों और छात्रों ने यह शपथ ली। प्रो भानुमूर्ति ने सभी लोगों से निडर होकर मतदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वोट ही देश का नेतृत्व तय करते हैं इसलिए सभी को सभी सही उपायों का पालन करते हुए मतदान करना चाहिए।

21. श्री श्रीश देवपुजारी द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान 25/01/2022।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के व्यक्तित्व संवर्धन प्रकोष्ठ ने 25 जनवरी 2022 को अपराह्न 3.00 बजे श्री श्रीश देवपुजारी द्वारा 'व्यक्तित्वविकासे संस्कृतज्ञानम् समाजे योगदानम्' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के संरक्षक कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी थे। अपने संबोधन में प्रोफेसर बरखेड़ी ने संस्कृत सीखने के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति ने की। इस ऑनलाइन व्याख्यान के संयोजक डॉ. डम्बरूधर पति थे।

22. वसंत पंचमी पूजा : 5/02/2022

परिसर में 5 फरवरी 2022 को वसंत पंचमी उत्सव देवी सरस्वती की पारंपरिक पूजा के साथ मनाया गया और पूजा के उपरान्त प्रसाद वितरण किया गया। प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल एवं परिसर परिवार के सभी सदस्यों के सहयोग से अनुष्ठान सम्पादित

किया गया।

23. सामूहिक सूर्य नमस्कार 7/02/2022

7 फरवरी 2022 को समस्त परिसर परिवार ने सामूहिक सूर्य नमस्कार में सक्रिय भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. विवेक सिंह और श्री मनोज पाटीदार ने किया।

24. शिक्षा विभाग द्वारा शोधप्रस्ताव लेखन पर राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) 14/02/202

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा 14 फरवरी 2022 को एक दिवसीय शोधप्रस्तावलेखन राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो. सोहनलाल पांडेय और प्रो. प्रहलाद आर. जोशी थे। इस कार्यशाला के संरक्षक प्रो श्रीनिवास बरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे और अध्यक्ष प्रो जे भानुमूर्ति, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर थे। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी और सह संयोजक डॉ. अनूप पांडेय थे।

25. शिक्षा विभाग द्वारा अनुसन्धानोपकरण निर्माण पर राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑनलाइन) 15/02/2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा 15 फरवरी 22 को एक दिवसीय राष्ट्रीय अनुसन्धानोपकरण निर्माण ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता प्रो. मीनाक्षी मिश्रा और प्रो. आर. जी. मुरलीकृष्ण थे। इस कार्यशाला के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे और अध्यक्ष प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर थे। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. श्री गोविन्द पाण्डेय तथा सह संयोजक डॉ. रजनी वी.जी. थे।

26. अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष वेबिनार 16–18 फरवरी 2022 तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष वेबिनार का आयोजन 16/02/2022 से 18/02/2022 तक

ज्योतिष विश्वकोश ऐप के सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के ज्योतिष विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार किया गया था। इस वेबिनार के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के माननीय राज्यपाल मंगूभाई पटेल थे। अन्य विद्वानों, वक्ताओं और अतिथियों में प्रोफेसर भारत भूषण मिश्रा, प्रोफेसर जितेंद्र मोहन मिश्रा (मॉरिशस), डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय, प्रोफेसर सुबोध शर्मा, डॉ अशोक थपलियाल और डॉ पलाशिनी शर्मा शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और संरक्षक प्रो. जे. भानुमूर्ति, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर थे। प्रो हंसधर झा ने उद्घाटन और समापन सत्र की अध्यक्षता की। इस वेबिनार के संयोजक डॉ. भूपेंद्र कुमार पांडे, सह संयोजक डॉ. डंबरुधर पति और सचिव डॉ. अनिल कुमार और डॉ. रोहित पचौरी थे।

27. एनएसएस अभिविन्यास कार्यक्रम 4/03/2022

एनएसएस विंग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल द्वारा 4 मार्च 2022 को एनएसएस छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर अतिथि डॉ अनंत सक्सेना, डॉ. आर. एस. नरवरिया और श्री गब्बर सिंह थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो जे भानुमूर्ति ने की। एनएसएस स्वयंसेवकों को एनएसएस के उद्देश्यों बारे में बताया गया और उन्हें राष्ट्र की सेवा के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

28. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह 8/03/2022

8 मार्च 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ श्रीमती नीतू खरे मुख्य अतिथि थीं और निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर प्रो जे. भानुमूर्ति ने इसकी अध्यक्षता की। इस दिन परिसर परिवार की सभी महिला सदस्यों को प्रमाण पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ राकेश वर्मा थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसर के सभी सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। मुख्यालय केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली ने अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए डॉ रजनी वी जी और आउटसोर्सिंग स्टाफ में श्रीमती सुखमती को सम्मानित किया।

29. अन्त:परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता में भागीदारी 22–24 मार्च

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल ने अन्त: परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता कार्यक्रम में भाग

लिया और नाटक 'भारतविजयम्' प्रस्तुत किया। इस नाटक के निर्देशक डॉ. सुज्ञान कुमार मोहंती थे। इस प्रतियोगिता में इस नाटक 'भारतविजयम्' ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

30. एनएसएस कैंप : 27-03-2022 से 2-04-2022:

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर एनएसएस की इकाई ने ग्राम बगरौदा में शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस शिविर के दौरान कई गतिविधियों जैसे सफाई, वृक्षारोपण, जागरूकता रैली और अन्य बौद्धिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस शिविर के संयोजक डॉ राकेश वर्मा, डॉ गोविंद सरकार और श्री मोर सिंह ने उनकी सहायता की।

31. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा बेंगलुरू में भागीदारी 27-30 मार्च 2022 :-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा विजेताओं ने बेंगलुरू में अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 27 मार्च 2022 से 30 मार्च 2022 तक बेंगलुरू में किया गया था। इस दौरे में डॉ रमण मिश्रा ने छात्रों का अनुरक्षण किया।

32. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. जे. भानुमूर्ति जी का 31.3.2022 को सौप्रस्थानिक कार्यक्रम

प्रो. जे. भानुमूर्ति निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल 31 मार्च 2022 को सेवानिवृत्त हुए। परिसर परिवार ने उन्हें भव्य विदाई दी। परिसर स्टाफ का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रो. सुबोध शर्मा ने उन्हें जीवन के सभी मामलों में बेहतर भविष्य की कामना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रो. भानुमूर्ति अपनी सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन में भी अध्ययन और सक्रिय रूप से काम करना जारी रखेंगे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	01
उत्तर प्रेषित	-	01

4.2.10 के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

1. परिसर का संक्षिप्त परिचय

परोपकारी और एक महान् दूरदर्शी पद्मभूषण से सम्मानित श्री करमशी जेठाभाई सोमैया का शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महान् योगदान रहा है। उन्होंने सोमैया विद्याविहार में एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की, जो भारत भर में बड़े और सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। सोमैया परिवार संस्कृत एवं संस्कृति के प्रति असीम श्रद्धावान् है। श्री शांतिलाल सोमैया, सुपुत्र श्री के.जे. सोमैया ने सोमैया ट्रस्ट के माध्यम से मुम्बई, विद्याविहार में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा. वि.) नई दिल्ली का एक परिसर स्थापित करने तथा उसके भवन निर्माण हेतु एक एकड़ भूमि देने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्ताव प्रस्तुत किया। परिणामस्वरूप, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने यहाँ विद्यापीठ की स्थापना हेतु एक निरीक्षण समिति को भेजा था तदनुसार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने 31-03-2002 को परिसर के रूप में स्वीकृति दी। के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने जब तक कि परिसर के भवन का निर्माण पूरा नहीं हो जाता तब तक के लिए संस्था को अपने भवन का उपयोग करने की अनुमति दी। 16 मई 2002 के शुभ दिन पर, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्कालीन माननीय मंत्री, डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने मुंबई परिसर का उद्घाटन किया। इस भूमि पर नए भवन का निर्माण व्यवस्था के अधीन प्रगति पर है। सत्र 2003 से विधिवत् अध्ययन अध्यापन का कार्य यहां प्रारंभ हुआ। 2005 से एन.सी.टी.ई. द्वारा अनुमोदित शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम का भी प्रारंभ हुआ।

2. परिसर की स्थिति

यह परिसर, भारत की आर्थिक राजधानी, मुंबई, महाराष्ट्र के घाटकोपर, विद्याविहार पूर्व में स्थित है। के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने परिसर भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि प्रदान की है। भवन निर्माण की सभी औपचारिकताएं लगभग पूरी हो चुकी हैं। वर्तमान में, शास्त्र-शिक्षाशास्त्र की कक्षाएं, अध्ययन-अध्यापन और अनुसंधान कार्य चाणक्य भवन में चल रहा है। प्राचार्य कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय परिसर के सुरुचि भवन में स्थित है। सुरुचि भवन के नजदीक एक अन्य भवन में ग्रंथालय की व्यवस्था की गई है। सोमैया विद्याविहार के पोलिटेक्निक छात्रावास में 20 छात्र-छात्राओं को रहने के लिए 04 कक्ष उपलब्ध हैं। इस परिसर का निकटतम रेलवे स्थानक लोकमान्य तिलक टर्मिनल एवं लोकल रेलवे स्थानक विद्याविहार, घाटकोपर है।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

नियमित रूप से चार विभागों के पाठ्यक्रम (शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य) यहां कार्यरत हैं। संस्कृत शास्त्रों के साथ आधुनिक भाषाएं एवं विषय (हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, राजनीतिशास्त्र, संगणक विज्ञान तथा शारीरिक विज्ञान) भी पढ़ाये जाते हैं। इसके साथ ही परिसर में मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, दूरस्थ शिक्षण संस्था भी है। पाठ्यक्रमों का विवरण -

1. प्राक्शास्त्री (दो साल का पाठ्यक्रम)
2. शास्त्री (तीन साल का पाठ्यक्रम)
3. आचार्य (दो साल का पाठ्यक्रम)
4. शिक्षाशास्त्री (दो साल का पाठ्यक्रम)
5. विद्यावारिधि (पीएच.डी.)
6. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र (दूरस्थ शिक्षा)

4. 2021-22 में परिसर में हुई शैक्षणिक गतिविधियां-

4.1 शैक्षिकसत्रारम्भ -

इस शैक्षिक सत्र का आरम्भ कोविड-19 के कारण आनलाइन माध्यम के द्वारा दिनांक 20.10.2021 को हुआ। कक्षाएं निरन्तर आनलाइन माध्यम से चलीं। आफलाइन माध्यम से छात्रों का आगमन फरवरी 2022 में हुआ।

4.2 अन्ताराष्ट्रिय योगदिवस -

दिनांक 21-06-2021 को अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस के अवसर पर 2021-22 शैक्षिक सत्र के सर्वप्रथम एवं विशिष्ट

कार्यक्रम के रूप में आभासीय अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस कार्यक्रम मनाया गया। परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सुसम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिवानंद योगगुरु श्री संजय सोलंकी एवं विशिष्टातिथि के रूप में मुम्बई परिसर के पूर्व प्राचार्य व्याकरण के प्रकांड विद्वान् प्रो. प्रकाशचन्द्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डॉ. कुमार ने किया।

4.3 गुरुपूर्णिमा समारोह–

परिसर में दिनांक 24 जुलाई 2021 को आभासीय माध्यम से गुरुपूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया। गुरुमहिमा प्रतिपादन के क्रम में परिसरीय छात्र मनीष शर्मा, प्रयतात्मा रथ, लिलिमा साहू, दुर्गा माधव रथ, सुलोचना नायक, अजया मिश्रा तथा मिनर्भा साहु ने 'गुरु के कौन–कौन से गुण होते है?' 'गुरु कैसा होता है?' 'गुरु की पूजा क्यों की जाती है?' आदि बिन्दुओं पर संस्कृत भाषा में अपने विचार व्यक्त किए।

सारस्वतातिथि के रूप में परिसरीय साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र एवं मुख्यातिथि के रूप में परिसर के पूर्व प्राचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष (व्याकरण विभाग) प्रो. प्रकाशचन्द्रजी तथा अध्यक्ष के रूप में परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालक डॉ. सुभाषचन्द्र मीणा, सहायक आचार्य, व्याकरण विभाग थे।

4.4 स्वतन्त्रतादिवस –

सोमैया परिसर में दिनांक 15.08.2021 को स्वतन्त्रता दिवस पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4.5 खेल दिवस–

दिनांक 29.08.2022 को सायं 4:00 बजे श्रीमान् मेजर ध्यानचंद जी की जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन परिसर के द्वारा आभासीय माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बी.एन्.एन्. महाविद्यालय, भिवंडी, ठाणे के निदेशक डॉ. चंद्रकांत म्हात्रे जी उपस्थित थे। इस संदर्भ में विशेष वक्ता के रूप में डॉ. रंजय कुमार सिंह और कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक शारीरिक शिक्षा के प्राध्यापक डॉ. शंकर बी. आंधले थे।

4.6 शिक्षक दिवस –

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिनांक 05.09.2021 को आभासीय माध्यम से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रख्यात लेखिका श्रीमती कुसुम त्रिपाठी जी एवं सारस्वत अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् श्री चन्द्रवीर यादव जी और अध्यक्ष के रूप में परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र महोदय उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संयोजक तथा संचालन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने किया।

4.7 हिन्दी पखवाड़ा समारोह–

दिनांक 14 से 28 सितम्बर, 2021 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन आभासीय माध्यम से किया गया। पखवाड़ा का उद्घाटन 14 सितम्बर, 2021 को हुआ जिसमें मुख्यातिथि के पद को सुशोभित डॉ. शीतला प्रसाद दूबे (पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, के. सी. महाविद्यालय, मुम्बई, अध्यक्ष हिन्दी अध्ययन मण्डल, एच्. एस्. सी. विश्वविद्यालय, मुम्बई) ने किया। एवं अध्यक्ष पद को प्रो. भारत भूषण मिश्र (निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, क. जे. सोमैया परिसर, मुम्बई) ने अलंकृत किया।

हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत परिसरीय छात्रों के लिए दिनांक 22 सितम्बर को निबन्धलेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसी कड़ी में दिनांक 24 सितम्बर, 2021 को स्वरचित काव्यपाठ का आयोजन किया गया। दिनांक 28 सितम्बर, 2021 को अपराह्न में हिन्दी पखवाड़ा का सम्पूर्ति कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सम्पूर्ति कार्यक्रम में मुख्यातिथि के पद को डॉ. रेखा पाण्डेय ने (एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर) एवं अध्यक्ष के पद को परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने विभूषित किया। सम्पूर्ति कार्यक्रम में ही परिसरीय विद्वानों द्वारा स्वरचित काव्यपाठ का आयोजन हुआ, जिसमें रचनाधर्मी विद्वानों ने सोत्साह भाग लिया। इस कार्यक्रम की संयोजिका हिन्दी प्राध्यापिका डॉ. गीता दुबे थी।

4.8 गांधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह

दिनांक 02 अक्टूबर, 2021 को गांधी जयन्ती एवं लालबहादुर शास्त्री जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्यातिथि योग गुरु संजय सोंलकी थे जो

शिवानंद योग शिक्षक संघ एवं पूर्व योगशिक्षक भारतीय हॉकी टीम तथा गान्धी दर्शन के अध्येता हैं। समारोह में के.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई शिक्षाशास्त्र विभाग की सहायकाचार्या, डॉ. एस. कृष्णा, सारस्वतातिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई के आधुनिक विभाग के डॉ. रंजय सिंह जी विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। परिसर के निदेशक समारोह के अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्रजी थे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल थे।

4.9 संस्कृत सप्ताह समारोह-

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 19-10-2021 से त्रिदिवसीय कार्यक्रम मनाया गया। कोविड-19 के कारण आनलाईन माध्यम से कार्यक्रम का आयोजन हुआ। दिनांक 19-10-2021 को उद्घाटन समारोह था जिसमें के. सं. वि. वि., लखनऊ परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा मुख्यातिथि के रूप में तथा मुम्बई परिसर के पूर्वप्राचार्य प्रो. प्रकाशचन्द्र सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र थे। कार्यक्रम संयोजन डा. कुमार ने किया था।

दिनांक 20.10.2021 को भारतीय परम्परा को महत्त्व देते हुए परिसरीय छात्रों द्वारा वेद पारायण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वेद पाठकर्त्ताओं का सम्मान परिसर निदेशक द्वारा किया गया।

दिनांक 24.10.2021 के दिन ऑनलाइन माध्यम से छात्रों के लिए सिद्धभाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें तीन विजेताओं को पुरस्कार भी दिया गया।

4.10 सत्रारम्भ एवं महर्षि वाल्मीकि जयन्ती

दिनांक 20 अक्टूबर, 2021 को सत्रारम्भ एवं महर्षि वाल्मीकि जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पारम्परिक रूप से रुद्राभिषेक पूजन-हवन किया गया। पूजा विधि के पारम्परिक महत्व के सन्दर्भ में परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र ने कहा कि विगत दो वर्षों से कोरोना के कारण सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव शिक्षण संस्थाओं पर पड़ा है। ऑनलाइन शिक्षा की व्यवस्था होने के बावजूद विद्यार्थियों को वह लाभ नहीं मिल पाया जो कक्षा में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होने पर मिलता था। इसके साथ-साथ प्रो. भारत भूषण मिश्र ने महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वे अपनी तप और साधना के बल पर महर्षि की उपाधि प्राप्त किये। रुद्राभिषेक पूजनविधि व्याकरण विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बोध कुमार झा के मार्गदर्शन में छात्र चन्द्रमा पौड्याल तथा श्याम किशोर पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रंजय कुमार सिंह थे।

4.11 शिक्षा दिवस-

दिनांक 11.11.2021 को ऑफलाइन माध्यम से शिक्षा दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बी.आर.सी. के विद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक डॉ. धनुर्धर झा एवं मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. वी. एस्.वी. भास्कर रेड्डी तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. भारत भूषण मिश्र अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रंजय कुमार सिंह ने किया था।

4.12 भारतीय संविधान दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सोमैया परिसर मुम्बई में दिनांक 26.11.2021 को अपराह्न 03:00 बजे से ऑनलाईन भारतीय संविधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मानवाधिकार संघ महाराष्ट्र राज्य के उपाध्यक्ष व एस्.एन्.आर्. स्वामी कालेज कामर्स एण्ड साइन्स, वडाला, मुम्बई हिन्दीविभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. दयानन्द तिवारी ने कहा कि भारतीय संविधान एक ऐसा राष्ट्रीय धर्म ग्रन्थ है जिसकी सभी भारतीय पूजा करते हैं। विशिष्ट वक्ता के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के राजनीति विज्ञान की सहायकाचार्य डॉ. (श्रीमती) अर्चना सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय संविधान निर्माताओं ने जिस भारतीय संविधान का निर्माण किया, वह सभी विधाओं से परिपूर्ण है जिसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय सभी भारतवासियों को प्राप्त हैं। व्याख्यान के रूप में के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष, उपाचार्य डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी ने कहा कि भारतीय संविधान को पहले कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था किन्तु 2015 से राष्ट्रिय पर्व के रूप में मनाने का निर्णय लिया, वह हर भारतीय के लिए हर्ष का विषय है। संविधान दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बोध कुमार झा ने कहा कि भारत का संविधान विश्व का एक ऐसा संविधान है जिसमें अमृत रूपी गुण भरा हुआ है, क्योंकि संविधान निर्माताओं ने जिस संविधान की स्थापना की उसमें विश्व के सभी विकसित देशों की अच्छाईओं को अपनाया, जो भारतीय

दृष्टिकोण से उपयुक्त था। इस कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. रंजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र आभासीय रूप से जुडे थे।

4.13 राष्ट्रीय एकता दिवस–

दिनांक 31.10.2021 को राष्ट्रीय एकता दिवस और सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में भारतीय टेक्सटाइल्स कार्पोरेशन लिमिटेड, मुम्बई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में छात्र भागग्रहण करके पुरस्कार प्राप्त किये एवं ऑनलाइन माध्यम से शपथ स्वीकार भी किया गया। इसके आयोजन में डॉ. कुमार जी ने सहयोग किया।

4.14 गीताजयन्ती महोत्सव –

दिनांक 14.12.2021 को ऑनलाइन गूगल मीट के द्वारा गीताजयन्ती महोत्सव का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रो. भारत भूषण मिश्र थे। मुख्य वक्ता व्याकरण प्राध्यापक डॉ. नवीन कुमार मिश्र ने गीता के विषय में व्याख्यान किया एवं कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनिरुद्ध नारायण शुक्ल ने किया।

4.15 पराक्रम दिवस –

दिनांक 23.01.2021 परिसर में ऑनलाइन माध्यम से पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयंती आयोजन किया गया जिसमें अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र, मुख्यातिथि प्रो. नीलाभ तिवारी, शिक्षाशास्त्र विभाग, भोपाल परिसर, विशिष्ट वक्ता डॉ. रंजय कुमार सिंह ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नवीन कुमार मिश्र के द्वारा किया गया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसरीय सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

4.16 सरस्वती पूजनोत्सव –

दिनांक 05.02.2022 को मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय तथा क. जे. सोमैया परिसर के संयुक्त तत्त्वावधान में सरस्वती पूजन समारोह का आयोजन ऑफलाईन-ऑनलाइन के माध्यम से किया गया। निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आदर्श महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. वि. गणपति हेगडे जी के मार्गदर्शन में सरस्वती पूजनोत्सव संपन्न हुआ।

4.17 गणतंत्र दिवस –

सोमैया परिसर में 26.01.2022 को गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें परिसर के सदस्यों ने भाग लिया।

4.18 छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती –

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, के.जे. सोमैया परिसर मुम्बई एवं मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन के संयुक्त तत्त्वावधान में छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती समारोह का आयोजन 19 फरवरी, 2022 को आभासीय माध्यम से किया गया। प्रो. भारत भूषण मिश्र, परिसर निदेशक के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के सारस्वतातिथि प्रो. प्रकाशचन्द्रजी थे। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता परिसर की मराठी विषय प्राध्यापिका डॉ. मिनाक्षी बर्हाटे थी। कार्यक्रम में डॉ. शंकर आंधळे, शारीरिक शिक्षा अध्यापक विशिष्ट वक्ता के रूप में थे। परिसर के सभी अध्यापक, कार्यालयीय कर्मचारी, सभी छात्र-छात्राएँ आभासीय माध्यम से जुड़े हुए थे। इसी क्रम में मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. गणपती वि. हेगडे ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री वैशाली निवडुंगे थी।

4.19 सूर्यनमस्कार दिवस –

दिनांक 27 जनवरी, 2022 से 07 फरवरी, 2022 तक ऑफलाईन और आभासीय रूप से सूर्यनमस्कार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में योगगुरु श्री संजय सोलंकी ने सभी छात्र/छात्राओं, प्राध्यापकों तथा कार्यालय कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया। इस कार्यक्रम में परिसर के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र; व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. बोध कुमार झा; शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष, डॉ. वी.एस. वी. भास्कर रेड्डी; साहित्य विभागाध्यक्ष, डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र तथा आधुनिक विभागाध्यक्षा, डॉ. गीता दूबे, डॉ. शंकर आंधळे, डॉ. धीरज कुमार मिश्र एवं डॉ. नवीन कुमार मिश्रा ने अग्रणी भूमिका निभायी। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी तथा छात्र आभासीय रूप से जुड़े थे।

5. अन्य महत्त्वपूर्ण गतिविधियां –

5.1 क्रीडा –

दिनांक 04/01/2022 से 07/01/2022 तक मंगलूरु विश्वविद्यालय और आळ्वास एजुकेशन फाउंडेशन के तत्त्वावधान में समायोजित 81वां अन्तर्विश्वविद्यालय क्रीडा स्पर्धा में डॉ. शङ्कर बी. आन्धले, शारीरिक शिक्षा शिक्षक के मार्गदर्शन में मुम्बई परिसरीय छात्र विविध स्पर्धा में भाग लिये थे।

5.2 राष्ट्रस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा में पुरस्कार –

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 27/03/2022 से 30/03/2022 तक कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से बेंगलूरु में समायोजित 59वां अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में मुम्बई परिसर की कु. मैत्रेयी मयूर जानी, शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा ने अष्टाध्यायी कण्ठपाठ स्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त करके परिसर का गौरव बढाया।

5.3 गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा का समायोजन–

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सोमैया परिसर द्वारा गोवा राज्य के रिवोन श्रीविद्या पाठशाला में गोवा राज्य स्तरीय शास्त्रीय वाकप्रतिस्पर्धा का आयोजन दिनांक 05/03/2022 को परिसर निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र महोदय की अध्यक्षता में समायोजित किया गया। इस स्पर्धा में मुख्यातिथि डॉ. मनमोहन उपाध्याय, निदेशक, पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, (म. प्र.), उपस्थित थे तथा निर्णायक के रूप में सम्मान्य विद्वान् प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, प्रो. बोधकुमार झा, प्रो. देवदत्तसरोदे, और डॉ. गणपति हेगडे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बोधकुमार झा थे।

5.4 महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा –

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, के.जे. सोमैया परिसर द्वारा महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्प्रतिस्पर्धा दिनांक 10/03/2022 को परिसर निदेशक प्रो. भारतभूषण मिश्र जी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस स्पर्धा कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. प्रकाशचन्द्र, प्राचार्यचर, मुम्बई परिसर उपस्थित थे। डॉ. मृणाल भट्ट, डॉ. रोहित कुमार मिश्र, डॉ. शुद्धात्मप्रकाश जैन एवं डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र ने प्रतिस्पर्धा निर्णायक के रूप में अपने महत्त्वपूर्ण योगदान दिए। महाराष्ट्रराज्य के विविध प्रदेश से छात्र स्पर्धा में भाग लिये थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बोधकुमार झा थे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	00
उत्तर प्रेषित	–	00

4.2.11 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

1. परिसर परिचय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा विभिन्न राज्यों की भांति ही पूर्वोत्तर राज्यों में भी अनवरत संस्कृत का प्रचार-प्रसार हो, ऐसी अभिलाषा से त्रिपुराराज्यस्थ अगरतला में भगवती माँ त्रिपुरेश्वरी के करकमलों के सानिध्य में 4 जून, 2013 को एकलव्य परिसर का समुद्घाटन किया गया। इस परिसर में संस्कृत-शास्त्रीय विषयों (यथा-व्याकरण, साहित्य, अद्वैत-वेदान्त, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन एवं शिक्षाशास्त्र) के अतिरिक्त आधुनिक (यथा-आंग्ल, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, शारीरिक-शिक्षा, संगणक एवं बांग्ला) विषयों में भी अध्ययन-अध्यापन सुचारू रूप से प्रचलित हो रहा है। मुक्तस्वाध्यायपीठद्वारा संचालित दूरस्थ-शिक्षा-प्रणाली से व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष विषयों में भी प्राक्शास्त्री से स्नातकोत्तरपर्यन्त अध्ययन-अध्यापन सुचारु रूप से चल रहा है। वर्तमान सत्र 2020-21 में एकलव्य परिसर में सभी विभागों में कुल मिलाकर 307 छात्रों ने प्रवेश लिया। वर्तमान में 17 शोधार्थी इस परिसर में शोधकार्य कर रहें हैं।

2. परिसर का स्वरूप

लेम्बूछेरास्थी परिसर में नवीन बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास एवं अतिथि भवन का निर्माण सम्पवन्न् हुआ है तथा शैक्षणिक भवन निर्माणाधीन है।

परिसर निदेशक प्रो. रणजित् कुमार बर्मन के मार्गनिर्देशन में एकलव्य परिसर के द्वारा इस सत्र में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका वर्णन निम्नलिखित हैं -

3. परिसर में संचाल्यमान पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्ष	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, सङ्गणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
2.	शास्त्री	3 वर्ष (6 सत्रार्ध)	बी.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	हिन्दी, अंग्रेजी, सङ्गणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.	--	
4.	आचार्य	2 वर्ष (4 सत्रार्ध)	एम.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	
5.	विद्यावारिधि	-	पीएच.डी		

3. मुख्य गतिविधियाँ

स्वतन्त्रता दिवस समारोह-2021-22

समग्र देश के साथ समानता रखते हुए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में 15-08-2021 को स्वतंत्रता दिवस हर्षोलास से मनाया गया। इस दिन प्रात: 09:00 बजे परिसर के निदेशक प्रो. रणजित कुमार वर्मन जी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अपने उद्बोधन में प्रो. रणजित कुमार वर्मन ने कहा कि देश को स्वतन्त्रता दिलाने वाले स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को सदैव याद किया जाएगा और सम्मान दिया जाएगा तथा सभी भारतीय

उनके ऋणी रहेंगे। समारोह में परिसर के समस्त अध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के समन्वयक श्री नन्द दुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) थे।

संस्कृत सप्ताह समारोह (19-25 अगस्त 2021 तक)

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि हमारे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर ने प्रतिवर्ष की भान्ति इस वर्ष भी संस्कृत शास्त्रों के प्रचार-प्रसार एवं भारतीय संस्कृति का संरक्षण करने हेतु दिनाँक 19 अगस्त 2021 से 25 अगस्त 2021 पर्यन्त संस्कृत महोत्सव का बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया। इस महोत्सव में देश के विभिन्न प्रान्तों से जुडे हुए मूर्धन्य विद्वानों ने ऑनलाइन माध्यम से अपने-अपने शोधपूर्ण व सारगर्भित व्याख्यान उपस्थापित किए तथा संस्कृत समारोह के इस कार्यक्रम में कक्षा- प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष से लेकर आचार्य द्वितीय पर्यन्त अध्ययनरत छात्रों के कौशल विकास हेतु विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्रों ने उत्साह पूर्वक बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। अनुष्ठीयमान इस संस्कृत महोत्सव कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र दिनांक-19.08.2021 को मुख्यवक्ता के रूप में संस्कृत भारती संगठन के "अखिल भारतीय संगठन मन्त्री" श्रीमान दिनेश कामत जी उपस्थित रहे। इसी तरह विशिष्टातिथि पद पर सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ला जी उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष पद को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुब्रमण्य शर्मा जी ने अलंकृत किया। समारोह के दूसरे दिन दिनांक-20.8.2021 को संस्कृत भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसे कनिष्ठ व वरिष्ठ दो स्तरों में विभक्त किया गया था। समारोह के तीसरे दिन दिनांक-21.08.2021 को कनिष्ठ एवं वरिष्ठस्तरीय गीता श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी प्रकार चौथे दिन दिनांक-22.08.2021 को परिसरीय सभी छात्रों के लिए संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। सभी प्रतियोगिताओं के निर्णायक एकलव्य परिसर के यथा योग्य प्राध्यापक थे। संस्कृत समारोह के पांचवे दिन दिनांक-23.08.2021 को परिसरीय प्राध्यापकों के लिए वाक्यार्थ सभा का आयोजन किया गया, जिसमें "श्रुतेः प्रामाण्यम्" इस विषय पर धर्मशास्त्र विभागाध्यक्षा डॉ. कृष्णा शर्मा महोदया ने वाक्यार्थ किया। ऐसे ही "ईक्षत्यधिकरणम्" इस विषय को लेकर डॉ. जी नरसिमुलु महोदय ने अपना व्याख्यान उपस्थापित किया। "ब्रह्मणः जगदुपादानकारणत्वम्" इस विषय में डॉ. श्रीकर जी.एन जी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। "वेदांगेषु ज्योतिषम्" इस विषय को आधार बनाकर डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी ने वाक्यार्थ उपस्थापित किया। ऐसे ही "ज्योतिषे मुहूर्तविज्ञानम्" इस विषय पर डॉ.मनोज श्रीमाल जी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस वाक्यार्थ सभा के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. रणजित कुमार वर्मन, मुख्यातिथि प्रो. बच्चा भारती जी, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी जी तथा सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. अवधेश कुमार चौबे जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के छठे दिन दिनांक-24.08.2021 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसका विषय "वाक्यस्फोटखण्डनरीतिः" था। इस विषय पर ब्रह्मश्री मणिद्राविड़ शास्त्री जी ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्टातिथि पद को अलंकृत कर रहे प्रो.कृष्णकान्त शर्मा जी ने संस्कृति एवं संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता पर अपना सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्कृत समारोह के सातवें दिन दिनांक-25.08.2021 को समापन सत्र का आयोजन हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद को अलंकृत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदरणीय कुलपति प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु महोदय जी ने किया। मुख्यातिथि के रूप में श्रीमदजगद्गुरु रामानुजाचार्य वासुदेवाचार्य विद्याभास्कर महास्वामी जी थे। विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी जी उपस्थित रहे। सारस्वतातिथि के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. किशोर चन्द्र पाढी जी उपस्थित रहे। इन सभी कार्यक्रमों के संयोजक व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वर नाथ झा तथा सह-संयोजक ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी थे। कार्यक्रम को सुचारू रूप से सम्पन्न करने हेतु परिसर के निदेशक प्रो. रणजित कुमार वर्मन जी का सहयोग निरन्तर मिलता रहा। संस्कृत सप्ताह समारोह में सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने अपने यथाशक्ति दायित्व का निर्वहन किया। इस समारोह में भाषण प्रतियोगिता, गीता श्लोकोच्चारण, संस्कृत गीत गायन आदि प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को पारितोषिक व प्रमाण-पत्र वितरण किये गए।

हिन्दी पखवाड़ा

निदेशक महोदय के आदेशानुसार एवं समिति के निर्णयानुसार 14.9.2021 से 29.9.2021 तक हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह 14.09.2021 को सम्पन्न हुआ।

उद्घाटन कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में प्रो. रणजीत कुमार वर्मन निदेशक, एकलव्य परिसर, कन्द्रीय संस्कृत

विश्वविद्यालय, अगरतला, मुख्यातिथि के रूप में प्रो. अर्चना दुबे हिन्दी विभागाध्यक्षा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, विशिष्टातिथि के रूप में श्रीराकेश कुमार पाण्डेय, हिन्दी अध्यापक केन्द्रीय विद्यालय-01 कुंजबन, तथा सारस्वतातिथि के रूप में डॉ. सूरज राव उपकुलसचिव, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान ने ऑनलाइन माध्यम से हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए। अध्यक्षीय उद्‌बोधन में परिसर निदेशक प्रो. रणजीत कुमार वर्मन ने बताया कि हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो भारतवर्ष को एक सूत्र में बांधती है तथा आदान-प्रदान का माध्यम है। कार्यक्रम में डॉ. जितेन्द्र तिवारी साहित्य प्राध्यापक द्वारा मंगलाचरण, हिन्दी प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र द्वारा स्वागत भाषण, धर्मशास्त्र की विभागाध्यक्षा डॉ. कृष्णा शर्मा महोदया द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र जी द्वारा कुशल संचालन किया गया। सामूहिक शान्ति मन्त्र के द्वारा उद्‌घाटन सत्र का समापन हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक-16.09.2021 को कर्मचारियों के लिए हिन्दी पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय "कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को रोकने के सन्दर्भ में मुख्यमन्त्री को पत्र" रखा गया तथा दिनांक-08.09.2021 को परिसरीय छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन माध्यम से हिन्दी नारा स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें अनेक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में प्रकाश कुमार पाल ने प्रथम स्थान, सुष्मिता भट्टाचार्जी ने द्वितीय स्थान तथा संजना राय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसमें निर्णायक के रूप में डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा, ज्योतिष विभाग, डॉ. जितेन्द्र तिवारी साहित्य विभाग, डॉ. विजय कुमार पयासी व्याकरण विभाग के प्राध्यापक उपस्थित रहे। इसी क्रम में दिनांक-20.09.2021 को परिसरीय छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन माध्यम से निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ। जिसका विषय "संस्कृति एवं समाज" था। इसमें अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण किया। जिसमें सुष्मिता भट्टाचार्जी, द्वितीय वर्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग ने प्रथम स्थान, प्रकाश कुमार पाल, शास्त्री तृतीय वर्ष, द्वितीय स्थान तथा संजना राय, शास्त्री द्वितीय वर्ष, ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तदुपरान्त विद्वानों द्वारा व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। दिनांक-23.9.2021 को आयोजित व्याख्यानमाला के अन्तर्गत डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, हिन्दी अध्यापक ने मुख्यवक्ता के रूप में "तुलसी का लोकनायकत्व व समन्वयवाद" विषय पर स्वकीय व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा इसी दिन डॉ. चन्द्रशेखर चौबे, क्षेत्रीय निदेशक केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, दीमापुर, नागालैंड द्वारा "पूर्वोत्तर में हिन्दी शिक्षा का परिदृश्य-समस्या एवं समाधान" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। दिनांक-24.09.2021 को डॉ. जितेन्द्र तिवारी, साहित्य विभाग के द्वारा मुख्यवक्ता के रूप में "हिन्दी एवं संस्कृत साहित्य में रसविमर्श" पर व्याख्यान तथा उसी दिन डॉ. उत्तम सिंह, बौद्ध दर्शन विभाग द्वारा मुख्यवक्ता के रूप में "हिन्दी भाषा के विकास में नागरी लिपि का योगदान" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। दिनांक-27.09.2021 को डॉ. कृष्णा शर्मा धर्मशास्त्र विभागाध्यक्षा के द्वारा मुख्यवक्तृ के रूप में "धर्मशास्त्रीय आश्रम व्यवस्था" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उसी दिन डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, ज्योतिष विभागाध्यक्ष के द्वारा मुख्यवक्ता के रूप में "हिन्दी भाषा का उद्‌भव एवं विकास" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उसी क्रम में दिनांक-28.09.2021 को डॉ. मनोज श्रीमाल, सहायकाचार्य ज्योतिष विभाग द्वारा मुख्यवक्ता के रूप में "ज्योतिष के परिप्रेक्ष्य में तुलसी के राम" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। उसी दिन डॉ. विजय कुमार पयासी, अतिथि अध्यापक व्याकरण विभाग द्वारा "हिन्दी साहित्य में बुंदेलखंड का योगदान" पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

सम्पूर्ति समारोह दिनांक-29.09.2021 को संपन्न हुआ। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय, आधुनिक विभागाध्यक्ष, लखनऊ परिसर, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. बच्चा भारती शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष तथा सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. अवधेश कुमार चौबे विभागाध्यक्ष बौ) दर्शन विभाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रो.के.बी. सुब्बारायुडु कुलपति जी का आशीर्वचन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में डॉ. जितेन्द्र तिवारी द्वारा मंगलाचरण, डॉ. कृष्णा शर्मा द्वारा स्वागत भाषण डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा हिन्दी अध्यापक द्वारा प्रतिवेदन तथा अध्यक्षीय उद्‌बोधन परिसर निदेशक प्रो. रणजीत कुमार वर्मन द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. जी. नरसिंहुलु, सहायकाचार्य अद्वैत वेदान्त विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया तथा अन्त में सामूहिक शान्ति मन्त्र से समारोह सम्पन्न हुआ।

यह सम्पूर्ण कार्यक्रम प्रो. के.बी. सुब्बारायडु, कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नव देहली के संरक्षकत्व में

प्रो. एस. सुब्रमण्यम शर्मा, कुलसचिव के मार्गदर्शकत्व एवं प्रो. रणजीत कुमार वर्मन निदेशक एकलव्य परिसर के निर्देशन डॉ. मनोज श्रीमाल के संयोजकत्व एवं डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र हिन्दी अध्यापक समन्वयकत्व एवं समिति के अन्य सदस्यों डॉ. कृष्णा शर्मा, डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, डॉ. जितेन्द्र तिवारी, डॉ. विजय कुमार पयासी के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

संस्कृत सम्भाषण वर्ग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के त्रिपुरा राज्य में स्थित एकलव्य परिसर एवं संस्कृत भारती के तत्वावधान में नवागन्तुक छात्रों के लिए 21 अक्टूबर 2021 से 5 नवंबर 2021 तक 15 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण वर्ग का आयोजन किया गया। यह वर्ग कोरोना महामारी के कारण ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया गया। इस संस्कृत संभाषण वर्ग में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण करके 15 दिन तक निरंतर संस्कृत भाषा शिक्षण का अभ्यास किया। इस वर्ग को चार गणों में विभाजित किया गया था। संस्कृत संभाषण वर्ग के सम्पूर्ति समारोह कार्यक्रम का आयोजन 5 नवंबर 2021 को किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संस्कृत भारती के अखिल भारतीय महामन्त्री श्रीमान् श्रीशदेव पुजारी महोदय जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्‌बोधन में कहा कि यह भाषा प्रबोधनवर्ग संस्कृत छात्रों के लिए अत्यन्त ही उपकारक होगा। तथा संस्कृत भाषा के उन्नयन के लिए हम सभी को निरन्तर प्रयास करना होगा, इससे अवश्य ही सभी लाभान्वित होंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्टातिथि पद पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुक्त स्वाध्याय पीठ के निदेशक प्रो.सुकान्त कुमार सेनापति महोदय जी उपस्थित रहे। महोदय ने अपने व्याख्यान में कहा कि संस्कृत भाषा के अध्ययन से शास्त्र का अध्ययन निश्चित ही विद्यार्थियों के लिए उपकारक होगा। इस हेतु उन्होंने कतिपय उदाहरण भी प्रस्तुत किए। उन्होंने सभी छात्रों को संस्कृत अभ्यास के लिए प्रेरित किया। अध्यक्ष के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. रणजीत कुमार वर्मन जी उपस्थित रहे।

इस संभाषण वर्ग के अनुभवों को कुछ विद्यार्थियों ने सभी के साथ साझा किया। यह वर्ग सुचारु रूप से चले इसीलिए इस वर्ग को चार गणों में विभाजित किया गया था। इन गणों के नाम क्रमशः पाणिनी गण, कालिदास गण, शंकराचार्य गण और वाल्मीकि गण था। इन गणों के शिक्षक क्रमशः विक्रम विश्वास, तपनशील, धनंजय और अर्जुन सुवैदी जी थे। इन्होंने अपने भाषा कौशल के द्वारा अत्यन्त ही उत्कृष्ट रीति से इस संभाषण वर्ग का संचालन किया। इस वर्ग की संयोजिका संस्कृत भारती प्रान्त शिक्षण प्रमुख डॉ. मंजूळेमदेवचन्ने महोदया थी।

गीता जयन्ती कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर के द्वारा 14-15 दिसम्बर 2021 को गीता जयन्ती महोत्सव का आयोजन धूम-धाम से किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ 14 दिसम्बर 2021 को प्रातः 10:30 बजे हुआ। तदुपरान्त परिसर के सभी गणमान्य प्राध्यापकों और छात्रों ने गीता के सम्पूर्ण 18 अध्यायों का पारायण किया तथा बुधवार 15 दिसम्बर 2021 को दोपहर 02:30 बजे से ऑनलाइन माध्यम से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय सर्वशास्त्रमयी गीता था। इस विषय पर व्यख्यान देने हेतु विशिष्ट वक्ता के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के राजीव गांधी परिसर से अद्वैत वेदान्त विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वर भट्ट महोदय उपस्थित रहे। उन्होने श्रीमद्‌भगवद्‌गीता में निहित न्याय, मीमांसा, सांख्य तथा योगादि शास्त्रों के जो अंश हैं उनको अपने व्याख्यान में अत्यन्त सरल, सहज व सुमधुर भाषा में सोदाहरण श्लोकों के माध्यम से सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। तदुपरान्त कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती जी ने श्रीमद्‌भगवद्‌गीता हमें हमारे कर्तव्यों का निर्वहन करना सीखाती है। तथा श्रीमद्‌भगवद्‌गीता ने अनेक महापुरुषों के जीवन को परिवर्तित करने का कार्य किया है अतः हम सभी को प्रतिदिन गीता का पारायण अवश्य करना चाहिए। इस व्याख्यान में आगन्तुक अतिथियों का स्वागत डॉ. श्रीकर जी. एन ने किया तथा धन्यवाद समर्पण विभाग के अध्यक्ष श्री अजय कुमार गन्धा ने किया। इस कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग डॉ. सम्बित महापात्रा के द्वारा प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जी. नरसिंहुलु ने किया। इस विशिष्ट व्याख्यान में परिसर के समस्त प्राध्यापक तथा 90 से अधिक श्रोतागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शान्तिमन्त्र के साथ हुआ।

राष्ट्रीय युवा दिवस (12.01.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा दिनांक-12 जनवरी 2022 को स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म दिवस अर्थात राष्ट्रीय युवा दिवस का

आयोजन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह सम्पूर्ण कार्यक्रम अन्तर्जाल के माध्यम से सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. रणजीत कुमार वर्मन जी उपस्थित रहे। तथा विशिष्ट अतिथि पद को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती जी ने अलंकृत किया। मुख्यवक्ता ने कहा कि छात्रों को स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन चरित्र से बहुत सी बातें सीखने की प्रेरणा मिलती है। स्वामी विवेकानन्द जी ने हिन्दू सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार समग्र विश्व में किया। उन्होंने कहा कि हमें भी स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन से यह प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक डॉ. राजेश चटर्जी थे। उन्होंने अपने व्याख्यान में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्य दायित्वों से सभी छात्रों का परिचय कराया। साथ ही स्वामी विवेकानन्द की सेवा भावना के दृष्टान्तों को छात्रों के सम्मुख उपस्थापित किया, जिससे परिसर के सभी छात्र लाभान्वित हुए। कार्यक्रम का आरम्भ वैदिक मंगलाचरण से हुआ तथा स्वागत भाषण एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रियदर्शनी मेकाप ने किया। आगन्तुक अतिथियों का स्वागत परिसर के छात्रों ने स्वागत गीत से किया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन एकलव्य परिसर के दर्शन विभाग के प्राध्यापक डॉ. उत्तम सिंह जी ने किया। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के परिसरीय संयोजक श्री नन्ददुलाल मंडल ने किया। इस कार्यक्रम में 66 प्रतिभागियों ने सोत्साह भाग ग्रहण किया। अन्त में शान्ति मन्त्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पराक्रम दिवस (23 जनवरी 2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा दिनांक- 23 जनवरी 2022 को पराक्रम दिवस तथा नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 125 वीं जयन्ती एवं अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गूगल मीट के माध्यम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय थे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. बच्चा भारती महोदय थे। उन्होंने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन यात्रा के बारे में छात्रों को उद्‌बोधित किया और सत्य भावना के ऊपर अधिक बल दिया। पराक्रम दिवस में मुख्य अतिथि राजस्थान, उच्चौन के सरकारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. धर्मचन्द्र चौबे महोदय थे। आचार्य ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म से लेकर के राजनीतिक जीवन चरित्र, देश के प्रति प्रेम भाव इत्यादि अनेक विषयों का प्रतिपादन किया तथा प्रश्नोत्तर माध्यम से प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ वैदिक मंगलाचरण से हुआ। स्वागत भाषण परिसर के प्राध्यापक उत्तम सिंह महोदय ने किया। अतिथियों का स्वागत परिसर के छात्रों ने स्वागत गीत के माध्यम से किया। धन्यवाद ज्ञापन के लिए परिसर के प्राध्यापक डॉ. जी. नरसिंहलु महोदय उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयोजक श्री नन्द दुलाल मण्डल ने किया। इस कार्यक्रम में 62 प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्ण भाग ग्रहण किया। अन्त में राष्ट्रीय युवा दिवस शान्ति मन्त्र तथा जय हिन्द घोष से सम्पन्न हुआ।

गणतन्त्रता दिवस समारोह

सभी देशवासियों के साथ समानता रखते हुए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में दिनांक-26-01-2022 को गणतन्त्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः 09:00 बजे परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बच्चा भारती जी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। अपने भाषण में प्रो. बच्चा भारती जी ने कहा कि देश को स्वतन्त्र करने में सभी बलिदानियों के बलिदान को सदैव याद करके सम्मान दिया जाएगा और इसके लिए सभी भारतीय उनके ऋणी रहेंगे। इस समारोह के अवसर पर परिसर के सभी प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। श्री नन्द दुलाल मण्डल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने दिनाङ्क- 08-03-2022 को परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वय में महिला दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में धर्मशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ. इतिश्री महापात्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मंजू ठेमदेवचन्ने उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बच्चा भारती जी ने की। परिसरीय छात्र-छात्राओं ने महिला

सशक्तिकरण के पक्ष में अपना-अपना मत रखा। कार्यक्रम की मुख्यातिथि ने अपने भाषण में धर्मशास्त्रीय दृष्टि में महिलाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की विशिष्टातिथि ने सभी से बालक-बालिका के बीच होने वाले भेदभाव को रोकने का आग्रह किया। इस अवसर पर स्वागत भाषण बांग्ला संकाय की प्राध्यापिका डॉ. वीणापाणी चन्दा ने किया तथा धर्मशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रियदर्शिनी मेकप ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में मंच संचालन श्रीमती पारभीन देबबर्मा ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक श्री नन्द दुलाल मण्डल थे। परिसरीय सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा

जगत् जननी त्रिपुरेश्वरी की असीम अनुकम्पा से दो वर्षों के बाद करोना काल के उपरान्त पहले की भान्ति इस वर्ष भी शास्त्रों में अपनी प्रतिभा चातुर्य प्रदर्शित करने हेतु छात्रों के लिए प्रकल्पित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं के उपलक्ष्य में पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन सोमवार दिनांक 14-03-2022 को प्रातः 10:00 बजे से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में हुआ।

इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में आगन्तुक अतिथिओं, प्राध्यापकों और छात्रों का स्वागत शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. बच्चाभारती महोदय जी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रुप में अगरतला स्थित महाराज वीर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यदेव पोद्दार महोदय जी थे। उन्होने अपने व्याख्यान में कहा कि संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार नितान्त आवश्यक है। संस्कृत भाषा के माध्यम से ही हम भारतीय सभी भाषाओं का उच्चारण सुलभता से कर सकते हैं। पूर्वकाल से भारतीय संस्कृति संस्कृत के आश्रित रही है। अतः इस भाषा को सभी जाने ऐसी मेरी अभिलाषा है। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत भाषा का उल्लेख बहुत स्थानों पर किया गया है। भारतीय ज्ञान परम्परा का प्रस्ताव शिक्षानीति में स्पष्ट रूप से दिखता है। मैं समझता हूँ कि इस दिशा में यह शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृत ज्ञान परम्परा के संवर्धन में उपयुक्त है। पूर्वोत्तर राज्यों में भी संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार इससे भी अधिक रुप से करना चाहिए। सारस्वत अतिथि के रुप में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. कामेश्वर शुक्ल महोदय जी ने समुपस्थित होकर संस्कृत भाषा का व्यवहारिक तथा शास्त्रीय दोनों रुप उपस्थापित किए। साथ ही उन्होने कहा कि इस समय व्यवहारिक भाषा का प्रचार- प्रसार तो सम्यक् दिख रहा है, किन्तु शास्त्रीय भाषा का प्रचार-प्रसार वैसा नहीं दिखता। पहले पारम्परिक रीति से शास्त्रों का गहन अध्ययन करके छात्र एक-एक पंक्ति से बोलने में समर्थ थे। शास्त्रार्थ विचार सर्वत्र आयोजित होते थे। परन्तु आज विश्वविद्यालयों में ऐसी स्थिति नहीं दिखती है। आज भी सम्पूर्ण भारत में शास्त्रीय परम्परा से अध्ययनरत छात्रों का प्रोत्साहन तथा शास्त्रीय परम्परा को संरक्षित, संवर्धित करने के लिए यह केन्द्रीय विश्वविद्यालय निरन्तर प्रयत्नशील है। तदुपरान्त सत्र के अध्यक्ष एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति महोदय जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उपस्थित विद्वानों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के मूलभूत शास्त्रों का अध्ययन करने के लिए वर्धिष्णु छात्र आगे आऐं, जिससे हम सभी मिलकर भारत को पुनः विश्वगुरु पद पर आसीन करवा सकतें है। साथ ही कहा कि शास्त्रों के अध्ययन हेतु यह समय अत्यन्त अनुकूल है। भारत सरकार ने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा का समुचित स्थान कल्पित किया है। इसके आश्रित होकर यदि हम मिलकर कार्य करेंगे तो संस्कृत क्षेत्र में नई शिक्षा नीति साकार होगी ऐसा मेरा विश्वास है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा हर वर्ष ये शास्त्रीय स्पर्धा छात्रों के उपकार के लिए आयोजित की जाती है। अतः छात्र इन अवसरों का उपयोग करके उत्तम से उत्तम स्थानों को प्राप्त करें ऐसी आशा की। अन्त में कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ. जि. नरसिंहुलु महोदय ने समुपस्थित सभी अतिथियों को धन्यवाद समर्पित किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गणेश्वरनाथ झा महोदय ने सभा का संचालन किया।

सम्पूर्ति सत्र- इस सत्र में आऐ हुए अतिथियों, अध्यापकों तथा छात्रों का स्वागत इस कार्यक्रम के सह-संयोजक डॉ.जि. नरसिंहुलु महोदय ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में त्रिपुरा राज्य के कारागार मन्त्री श्री रामप्रसादपाल महोदय ने उपस्थित होकर कहा कि त्रिपुरा सरकार भारतीय संस्कृति के ज्ञान वैभव को समुचित स्थान कल्पित कर रही है। भारतीय संस्कृति संस्कृत के आश्रित है अतः इस भाषा और उसके ज्ञान का प्रचार-प्रसार सभी को करना चाहिए। संस्कृत भाषा में आयोजित रसप्रश्न स्पर्धा को देखकर मेरे मन में अत्यन्त हर्ष हुआ। मैं यहां आऐ हुए सभी छात्रों का अभिनन्दन करता हूं। एकलव्य परिसर के विकास के लिए

हम सरकार की ओर से सभी प्रकार की सहायता करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रुप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सहाचार्य डॉ. देवराजपाणिग्राही महोदय ने वहां उपस्थित रहकर कहा कि त्रिपुरा राज्य में संस्कृत भाषा के विकास के लिए यह समय अतीव अनुकूल है। अत: इस दिशा में हमें नयें कार्यक्रम करने चाहिए, जिससे संस्कृत भाषा व शास्त्रों का अध्ययन करने वालों की संख्या बढे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति महोदय जी ने अपने भाषण में कहा कि वर्धिष्णु छात्रों ने अल्प समय में तैयारी करके स्पर्धा में प्रतिभा कर प्रदर्शन किया। उसमें भी शास्त्रस्पर्धा में छात्रों की प्रस्तुति को देखकर अत्यन्त आनन्द अनुभव कर रहा हूं। परिसर के प्राध्यापकों ने इस कार्यक्रम की सफलता के लिए दिन-रात परिश्रम किया। इस कार्यक्रम में मन्त्री महोदय अनुग्रह करके आए तथा संस्कृत भाषा के विषय में अपना आदर प्रकट किया अत: उन्हें धन्यवाद समर्पित करता हूं। छात्र अग्रिम वर्ष के लिए तैयारी उत्साह से करें ऐसी आशा की।

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती विशिष्ट व्याख्यान

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के उपलक्ष्य में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के त्रिपुरा राज्य में स्थित एकलव्य परिसर के साहित्य विभाग ने "धन्या रामायणी कथा" इस विषय को लेकर आभासीय माध्यम से 20 अक्टूबर 2021 को विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विशिष्टवक्ता के रूप में संस्कृत साहित्य की मूर्धन्य विदुषी डॉ. लीना रस्तोगी महोदय उपस्थित रहीं। डॉ. लीना रस्तोगी महोदया संस्कृत साहित्य की कवियत्री हैं। महोदया आदर्श महाविद्यालय महाराष्ट्र में पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष पद पर विराजमान थी। उन्होंने अपना जीवन संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में समर्पित किया है। व्याख्यान का विषय श्रीमद्वाल्मीकिरामायण के आधार पर "राम कथा का रमणीयत्व आध्यात्म एवं साहित्य के दृष्टि में" था। जैसा कि हम सभी जानते ही हैं कि राम एक आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई, आदर्श मित्र और आदर्श राजा थे। उनका जीवन हम सभी को अच्छाई के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भी समूचे विश्व और समाज में रामायण की कथाओं का अत्यन्त महत्व है। रामायण में भगवान की कथाओं व लीलाओं का गुणगान का अत्यन्त मधुर व उत्कृष्ट शैली किया है। इस व्याख्यान में अध्यक्ष पद पर एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. रणजीत कुमार वर्मन जी विराजमान रहे। व्याख्यान का प्रारम्भ मंगलाचरण से हुआ जिसे व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार पयासी जी के गाया। तथा धर्मशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णा शर्मा ने सभी आगन्तुक अतिथियों का वाक्पुष्पों के द्वारा स्वागत किया। इस कार्यक्रम का प्रस्तावित भाषण साहित्य विभाग की प्रमुख व संयोजिका डॉ. मंजूठेमदेवचत्रे ने किया। अपने प्रास्ताविक उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आदिकवि वाल्मीकि सभी कवियों का मार्गदर्शन करने के साथ-साथ मणि के समान सुशोभित होते हैं। उनकी अमृतमयी वाणी रामायण आदि महाकाव्यों के रूप में प्रवाहित होती रहती है। महाकवि महर्षि वाल्मीकि ने आदर्श मानव जीवन के तत्व अपनी वाणी से हम सबके समक्ष उपस्थापित किए हैं। इसी कारण महर्षिवाल्मीकि की जयन्ती का उत्सव समूचे विश्व में प्रतिवर्ष मनाया जाता है तथा लोग उनके प्रति सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस कार्यक्रम का सुचारू संचालन साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र तिवारी जी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ. जी.नरसिंहुलु जी ने किया। कार्यक्रम का समापन शान्ति मन्त्र के साथ हुआ। कार्यक्रम में परिसर के समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं सभी छात्र तथा सामाज के अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

अमृतमहोत्सव ज्योतिष व्याख्यानमाला

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग द्वारा अमृतमहोत्सव के उपलक्ष्य में ज्योतिष व्याख्यानमाला का शुभारम्भ 12 फरवरी 2022 को दोपहर 03:30 बजे से किया गया। इस व्याख्यानमाला का आयोजन फरवरी 2022 से अगस्त 2022 पर्यन्त तक किया जाना सुनिश्चित है, जिसमें कुल सात व्याख्यान आयोजित होंगे। इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से ज्योतिष शास्त्र के मूर्धन्य विद्वानों को आमन्त्रित कर उनके व्याख्यान आयोजित करवाए जाएंगे। इस व्याख्यानमाला के संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदरणीय कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी जी तथा मार्गदर्शक कुलसचिव प्रो. रणजित कुमार वर्मन जी हैं।

अमृत महोत्सव ज्योतिष व्याख्यानमाला का प्रथम व्याख्यान ऑनलाइन माध्यम से 12 फरवरी 2022 "वर्तमानसन्दर्भे ज्योतिर्विज्ञानस्य प्रासंगिकता" इस विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में ज्योतिष जगत के पितामह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के प्रमुख राष्ट्रपति सम्मानित आदरणीय प्रोफेसर रामचन्द्र पाण्डेय जी तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में काशी

हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व ज्योतिष विभागाध्यक्ष, राष्ट्रपति सम्मानित प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. बच्चा भारती जी ने की तथा कार्यक्रम की सफलता, आशीर्वाद व सद्मार्गदर्शन देने के लिए एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य सुकान्त कुमार सेनापति जी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय जी ने अपने व्याख्यान में कहा कि ज्योतिष शास्त्र प्रकृति के साथ जुड़ा हुआ शास्त्र है तथा इसकी प्रासंगिकता तब तक रहेगी जब तक यह धरती और सौरमण्डल रहेगा। ज्योतिष शास्त्र काल निर्धारण के साथ-साथ यज्ञ-यागादि को व्यवस्थित करने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। ज्योतिष शास्त्र प्राकृतिक प्रकोप व महामारियो का पूर्व में ही संकेत देकर हमें सुरक्षित होने को अस्वस्थ करता है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष शास्त्र में आज भी अनेक विषय विद्यमान हैं जिन पर ज्योतिष शास्त्र के आचार्यों व शोधार्थियों को गहन चिन्तन एवं शोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने ज्योतिष के सभी विद्वानों और छात्रों से अनुरोध किया कि आगे भी व्याख्यानों में ऐसे विषयों का चयन किया जाए जिन पर शोध करने की आवश्यकता है। तथा समाज के सामान्य जनमानस को भी इस ओर प्रेरित किया जाए ताकि विश्व का कल्याण हो। विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिष शास्त्र पुरुषार्थ चतुष्टय की सिद्धि करने वाला शास्त्र है। यह मानव के सर्वांगीण विकास का पथ प्रदर्शक है। यदि हम जन्मकुण्डली में स्थित ग्रहों के आधार पर बच्चों की कैरियर काउंसलिंग करते हैं और ग्रहों के अनुरूप उनके शिक्षा एवं रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं तो वे निश्चित ही जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं जिसमें तनिक भी संदेह नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि ज्योतिष शास्त्र समूचे विश्व का कल्याण करने वाला शास्त्र है। कार्यक्रमाध्यक्ष प्रोफेसर बच्चा भारती जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज इस शास्त्र में नवीन शोध की आवश्यकता है, जिससे समाज का कल्याण किया जा सके। परिसर के निदेशक प्रोफेसर सुकान्त कुमार सेनापति जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर होते रहना चाहिए ताकि भारतीय शास्त्रों का ज्ञान व विज्ञान समस्त विश्व तक पहुंचे और भारत पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन हो सके। इस व्याख्यान में विभिन्न राज्यों एवं विश्वविद्यालयों से लगभग 185 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। कार्यक्रम में साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र तिवारी ने मंगलाचरण, ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा ने प्रास्ताविक व स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज श्रीमाल तथा व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वरनाथ झा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। व्याख्यानमाला के संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा (अध्यक्ष ज्योतिष विभाग) तथा सह-संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल जी सहायक आचार्य ज्योतिष विभाग एकलव्य परिसर थे। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं, कर्मचारीगण एवं ज्योतिष जिज्ञासु उपस्थित रहे।

आधुनिक विषय एवं भाषा विभाग (अंग्रेजी और हिन्दी) द्वारा आयोजित व्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के आधुनिक विषय एवं भाषा विभाग तथा डिजिटल लर्निंग निरीक्षण संकाय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक-18.02.2022 को क्रमशः अंग्रेजी तथा हिन्दी विषय में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया। अंग्रेजी साहित्य का विषय "नाट्यशास्त्र और अरिस्टोटेलियन कॉन्सेप्ट ऑन थेमैटिक प्रजेन्टेशन ऑफ ड्रामा" था। और हिन्दी भाषा का विषय "रामचरित मानस का अमृत तत्व" था। अंग्रेजी में मुख्यवक्ता डॉ. बाबूराम स्वामी, सहायक प्रोफेसर (अंग्रेजी), दशरथ देब मेमोरियल कॉलेज, त्रिपुरा थे। तथा हिन्दी में प्रो.शिशिर कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष आधुनिक विषय और भाषा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर उपस्थित रहे। पूरी व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने की। परिसर के सभी छात्रों और शिक्षकों ने इस समृद्ध व्याख्यान श्रृंखला में भाग लेकर ध्यान पूर्वक सुना। इस व्याख्यान श्रृंखला का संयोजकत्व डॉ. सुमन आचार्जी, सहायक आचार्य (अंग्रेजी) द्वारा किया गया और सह-संयोजकत्व डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा, हिन्दी संकाय द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक सहायक आचार्य (ज्योतिष) डॉ. मनोज श्रीमाल थे। इस व्याख्यान श्रृंखला के मुख्य संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी थे।

अद्वैत वेदान्त विभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के अद्वैत वेदान्त विभाग ने भारतवर्ष की 75 वीं स्वतन्त्रता वर्षगांठ पर अमृतमहोत्सव के उपलक्ष में शनिवार 19 फरवरी 2022 दोपहर 3:00 बजे से परिसर के निदेशक सम्माननीय प्रो.

सुकान्त कुमार सेनापति महोदय की अध्यक्षता में "ख्यातिवाद" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति से अद्वैत वेदान्त विभाग के आचार्य गणपति भट्ट जी विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने व्याख्यान में अनेक दर्शनों में वर्णित ख्यातिवाद विषय पर सारगर्भित एवं उत्कृष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया। आचार्य भट्ट ने मीमांसकों और रामानुजायियों के मत में अख्यातिवाद का भी निरूपण किया। तथा विशिष्टाद्वैत मतानुसार अख्यातिवाद सम्बन्धित कई विषयों को उपस्थापित किया।

मुख्यातिथि के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के आचार्य राजाराम शुक्ला जी उपस्थित रहे। आचार्य राजाराम शुक्ला जी ने न्याय और वेदान्तदर्शन में ख्यातिवाद के विशिष्ट अंशों को अपने व्याख्यान में परिभाषित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आचार्य सुकान्त कुमार सेनापति जी ने दोनों अतिथियों के व्याख्यानों के उपरान्त अपने वक्तव्य में कहा कि यह विषय अत्यन्त गम्भीर तथा सभी शास्त्रों से सम्बन्ध रखता है, अत: सभी छात्रों के लिए लाभदायक है। वेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ. जी. नरसिंहुलु ने आगन्तुक अतिथियों का परिचय कराकर वाक्पुष्पों से उनका स्वागत व सम्मान किया। तथा वेदान्त विभागाध्यक्ष श्री अजय कुमार गन्धा जी ने कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथियों व श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा का संचालन विभाग के प्राध्यापक डॉ. श्रीकर जी. एन जी ने किया इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त प्राध्यापक, छात्र एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

आधुनिक विषय और भाषा विभाग (बंगाली एवं कम्प्यूटर)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के आधुनिक विषय और भाषा विभाग ने दिनाङ्क-23.02.2022 को क्रमश: बंगाली साहित्य और कम्प्यूटर शिक्षण में एक संयुक्त व्याख्यान का आयोजन किया। बांग्ला साहित्य का विषय था "आधुनिक बांग्ला साहित्य के क्रमविकास में संस्कृत साहित्य का प्रभाव" और कंप्यूटर का विषय "कम्प्यूटर ग्राफिक्स डिजाइन" था। बंगाली में मुख्यवक्तृ डॉ. अर्चना दंडापथ, सहायक प्रोफेसर (बंगाली) नेताजी सुभाष महाविद्यालय उदयपुर, त्रिपुरा तथा कम्प्यूटर में श्रीमती मालती देबबर्मा, वरिष्ठ प्रशिक्षक, महिला औद्योगिक शिक्षण संस्थान, इंद्रनगर, अगरतला, त्रिपुरा थीं। इस विशिष्ट व्याख्यान के अध्यक्ष प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी थे। किन्तु उनकी अनुपस्थिति के कारण अध्यक्षता परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. बच्चा भारती ने की। परिसर के सभी छात्रों और शिक्षकों ने इस विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया और व्याख्यान सुना। इस व्याख्यान का संचालन अतिथि शिक्षक (कंप्यूटर) श्रीमती पारभीन देबबर्मा द्वारा किया गया और बंगाली भाषा का संचालन अनुबन्ध शिक्षिका डॉ. वीणापाणी चन्दा द्वारा किया गया। इस विस्तार व्याख्यान श्रृंखला के संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी थे।

वासन्ती व्याख्यान माला

भारत स्वतंत्रता के 75 वीं वर्षगांठ पर अमृतमहोत्सव के उपलक्ष्य में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के साहित्य विभाग द्वारा वासन्ती व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यानमाला के प्रथम पुष्प का आयोजन आभासीय माध्यम से दिनांक-28.02.2022 को किया गया। व्याख्यानमाला में विशिष्टवक्ता के रूप में विद्वत्प्रवर साहित्य शास्त्र के निष्णात आचार्य श्री चक्रवर्ती रंगनाथन् महोदय जी उपस्थित रहे। महोदय वर्तमान में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के साहित्य विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। तथा अंतर्जालीय आदिविद्यानिकेतन के निदेशक पद का भी निर्वहन कर रहे हैं। आचार्य जी ने "मल्लीनाथव्याख्यामाधुरी" इस विषय में अत्यन्त सरल शैली से अपने विचारों को प्रतिपादित किया। इस व्याख्यान में नाना शास्त्र पारंगत आचार्य चक्रवर्ती मल्लिनाथ का परिचय तथा उनके श्रुति-स्मृति-पुराण-न्याय-कलादि क्षेत्रों में दृश्यमान वैदुष्य एवं काव्यों में प्रयुक्त चार विधि, पंच लक्षण व्याख्यान युक्त वैशिष्ट्य पूर्ण विविध विषय एवं पंच महाकाव्य का उदाहरण देकर आचार्य श्री रंगनाथन् महोदय ने विषय प्रतिपादन किया। इस व्याख्यानमाला में विशिष्ट अतिथि रूप में महाराष्ट्र राज्य के रामटेक में स्थित कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु, दर्शनशास्त्र के विद्वान महाकवि प्रो. मधुसूदन पेन्ना जी उपस्थित रहे। उन्होंने इस व्याख्यानमाला को सुचारु रूप से संचालित हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रदान की। तथा उन्होंने ऐसे ही नवीन व रोचक विषयों पर भविष्य में अधिकाधिक संगोष्ठी आयोजन करने की प्रेरणा प्रदान की। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह व्याख्यान माला ऐसे ही आगे प्रवर्तित होती रहे और इस व्याख्यान माला में अनेक विद्वान

आकर नवीन-नवीन विषयों के आधार पर ज्ञान-गंगा का प्रवाह करते रहे ऐसी मेरी शुभकामना है। व्याख्यानमाला में व्याकरण विभाग के प्राध्यापक श्री विजय कुमार पयासी ने वैदिक मंगलाचरण करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस व्याख्यानमाला की संयोजिका डॉ. मंजू ठेमदेवचन्ने महोदया ने प्रास्ताविक भाषण तथा आगन्तुक अतिथियों का स्वागत करते हुए व्याख्यानमाला के वासन्ती नामकरण की सार्थकता बतायी। इस व्याख्यान माला के सह-संयोजक डॉ. जितेन्द्र तिवारी महोदय ने सुचारू रूप से इस कार्यक्रम का संचालन किया तथा वेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ नरसिंहुलु महोदय न धन्यवाद ज्ञापन किया। व्याख्यान माला के इस कार्यक्रम का समापन शान्ति मन्त्र के साथ हुआ। इस व्याख्यान माला में परिसर के सभी गणमान्य प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

धर्मशास्त्रीय विशिष्ट व्याख्यान

भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालयाधीन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय त्रिपुरा राज्य के अगरतला में स्थित एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग ने भारत स्वतन्त्रता की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अमृतमहोत्सव विशिष्टव्याख्यान का आयोजन दिनांक- 10-03-2022 बृहस्पतिवार को अपराह्न 3:00 बजे "तीर्थाटनम्" इस विषय पर अनुष्ठित हुआ। जिसमें मुख्यवक्ता उडीसा राज्य के पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रजकिशोर स्वाइ महोदय उपस्थित रहे। संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी महोदय तथा अध्यक्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी महोदय थे। एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग की अध्यापिका डॉ. इतिश्री महापात्रा ने मंच संचालन किया एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मनोजकुमार साहु महोदय ने सभी आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया। प्रो. ब्रजकिशोर स्वाइ महोदय ने अपने व्याख्यान में कहा कि तीर्थ का माहात्म्य अपरिमित है। तथा वहां दर्शन-स्नान-दान-पूजन-भ्रमण-निर्वाण आदि में कैसे पुण्य प्राप्त होता है इन सभी विषयों पर अपनी बात रखी। इस व्याख्यान से सभी विद्यार्थी लाभान्वित हुऐ। Google Meet के माध्यम से आयोजित इस व्याख्यान में बंगाल-उडीसा-दिल्ली-त्रिपुरा आदि क्षेत्र से प्राय: सौ से अधिक विद्वानों एवं छात्रों ने भाग लिया। मुख्यवक्ता के व्याख्यान के उपरान्त परिसर निदेशक प्रो. सेनापति महोदय ने अध्यक्षीय उद्बोधन उपस्थापित किया। कार्यक्रम के अन्त में विभागाध्यापिका डॉ. प्रियदर्शिनी महोदया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा शान्ति मन्त्र पाठ के साथ व्याख्यान का समापन किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान एवं विभागीय संगोष्ठी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा शिक्षा शास्त्री द्वितीय वर्ष के ई.पी.सी (EPC) कार्यक्रम के अन्तर्गत द्विदिवसीय विशिष्ट व्याख्यान एवं विभागीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक- 24 मार्च 2022 को किया गया तथा इस कार्यक्रम के अध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. बच्चा भारती महोदय थे। इस व्याख्यान के विशिष्टवक्ता इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन (IASE) अगरतला की प्राध्यापिका श्रीमती मुनमुन दास विश्वा महोदया थी। महोदया ने छात्राध्यापकों के जीवन कौशल विकास (Life skill Development) तथा व्यक्तित्व विकास इन दो विषयों पर छात्रों को उद्बोधित किया। तथा कार्यक्रम के अन्त में छात्राध्यापकों के लिए ई.पी.सी इस विषय पर अपना सारगर्भित विशिष्ट व्याख्यान और संगोष्ठी के उद्देश्य को भी स्पष्ट किया। 25 मार्च 2022 को व्याख्याता के रूप में आई.सी.एफ.ए.आई (ICFAI) विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. येन्डलुरी चन्द्रधर सिंह महोदय उपस्थित रहे। जिन्होने आधुनिक शिक्षा की रूपरेखा के विषयों में विस्तृत चर्चा की। यह विशिष्ट व्याख्यान प्राध्यापकों तथा छात्राध्यापकों के लिए अत्यन्त प्रेरणादायक तथा उत्साह पूर्ण रहा। जिससे दोनों अत्यन्त लाभान्वित हुये। इसी प्रकार शिक्षाशास्त्र ने विभागीय संगोष्ठी 25 मार्च 2022 को आयोजित की जिसमें शिक्षा शास्त्री द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों ने अपने-अपने पत्र वाचन किए। इस संगोष्ठी के प्रथम सत्र में सत्राध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. ओमप्रकाश महोदय तथा सभा का संचालन श्री अनूप विश्वास महोदय ने किया। द्वितीय सत्र के अध्यक्ष डॉ. बी.वी लक्ष्मीनारायण महोदय थे एवं संचालन डॉ. विचित्र रंजन पंडा महोदय ने किया। समापन कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरण किए गए और अध्यक्षीय भाषण के उपरान्त धन्यवाद ज्ञापन हुआ तथा शांति मंत्र के साथ संगोष्ठी की समाप्ति की गई। विशिष्ट व्याख्यान एवं विभागीय संगोष्ठी कार्यक्रम के संयोजक शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य श्री नन्द दुलाल मण्डल थे।

व्याकरण विभाग-प्रथम व्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित प्रथम विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक-28 मार्च 2022 को अन्तर्जाल के माध्यम से "अन्विताभिधान एवं अभिहितान्वयवाद" विषय मे किया। वस्तुत: जब हम किसी शब्द का श्रवण करते हैं तो उसके अर्थ विशेष का बोध अवश्य होता है, यह सर्व अनुभव सिद्ध है। इसीलिए कहते हैं कि शब्द और अर्थ में एक विशिष्ट शक्ति है। जिसके ज्ञान से ही अर्थ विशेष का बोध होता है। और अग्रहीत शक्ति को शाब्दबोध नही होता है। इस प्रकार शक्तिग्रह के लिए शास्त्रों में अन्विताभिधान और अभिहितान्वयवाद के रूप में दो पक्ष उपस्थापित किये गये है। इन दोनों वादों में शास्त्रकारों का वैमत्य है। अत: इस विषय को लेकर शास्त्र जिज्ञासुओं की आकांक्षा होती है कि दोनों मतों में कौन सा मत श्रेष्ठ है, अत: इस विषय को लेकर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अगरतला स्थित एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग ने परमविद्वान् साक्षात् सरस्वती के समुपासक वन्दनीय पण्डित श्री द्राविड़ शास्त्री जी के द्वारा दिनांक-28.03.2022 को शाम 4:00 बजे अन्तर्जाल के माध्यम से यह विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में व्याकरणादि शास्त्रों के परम तपस्वी आचार्य केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. आजादमिश्र जी आहूत थे। योगसांख्यादि दर्शन के ख्यातिलब्ध आचार्य परिसर के यशस्वी निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी के अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति में यह विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का सुभारम्भ व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार पयासी के द्वारा लौकिक मंगलाचरण से हुआ। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वरनाथ झा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गणेश्वरनाथ झा एवं सह-संयोजक डॉ. विजय कुमार पयासी के कुशल संयोजकत्व में धन्यवाद एवं शान्ति मन्त्र के साथ सुसम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

व्याकरण विभाग-द्वितीय व्याख्यान

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि संस्कृत भाषा, शास्त्रों एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का यह एकलव्य परिसर सदा अग्रणी रहा है। इसी क्रम में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में व्याकरण विभाग ने "वर्तमान सन्दर्भ में श्रीमद्भागवत की प्रासंगिकता" इस विषय को लेकर दिनांक-31.3.2022 को अपरान्ह 3:00 बजे से अन्तर्जाल के माध्यम से व्याकरणादि शास्त्रों के परमविद्वान् केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सदाशिव पुरी परिसर के पूर्व प्राचार्य आचार्य पण्डित हरेकृष्ण महापात्रा जी का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। योग-सांख्यादि दर्शन के ख्यातिलब्ध आचार्य परिसर के यशस्वी निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी के अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति में इस विशिष्ट व्याखान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार पयासी के लौकिक मंगलाचरण से हुआ। इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. गणेश्वरनाथ झा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वरनाथ झा एवं सह-संयोजक व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार पयासी के कुशल संयोजकत्व में धन्यवाद एवं शान्ति मन्त्र के साथ सुसम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

अमृतमहोत्सव ज्योतिष व्याख्यानमाला-द्वितीयव्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग द्वारा अमृतमहोत्सव के उपलक्ष्य में ज्योतिष व्याख्यानमाला के द्वितीय व्याख्यान का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से 31 मार्च 2022 सायं 04:00 बजे "ज्योतिषशास्त्रे अनुसन्धानक्षेत्राणि" इस विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के पूर्व ज्योतिष विभागाध्यक्ष सम्माननीय प्रो. श्यामदेव मिश्र जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने की। वशिष्ट वक्ता प्रो. श्यामदेव मिश्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ज्योतिष शास्त्र में अनुसन्धान के अनेक विषय हैं जिन पर शोध कार्य करके हम समस्त लोक का मंगल कर सकते हैं। हमारे मनीषियों ने ज्योतिष शास्त्र में ऐसे-ऐसे शोधकार्य किए हैं जिन्हे आज भी कर पाना असम्भव सा प्रतीत होता है। प्रो. श्यामदेव जी ने ज्योतिष शास्त्र के अनेक ग्रन्थों का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सभी शोधार्थियों व आचार्यो से उन पर शोधकार्य करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर

रहे परिसर के निदेशक प्रोफेसर सुकान्त कुमार सेनापति जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ज्योतिष शास्त्र लोक कल्याण व भावी घटनाओं की सूचना प्रदान करने वाला शास्त्र है। यदि वर्तमान समय के अनुरूप इस पर शोध किया जाय तो हम निश्चित ही आने वाले प्राकृतिक प्रकोपों का पूर्वानुमान करके वर्तमान व भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं। साथ ही उन्होने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर होते रहना चाहिए। ताकि भारतीय शास्त्रों का ज्ञान व विज्ञान समस्त विश्व तक पहुंचे। इस व्याख्यान को सुनने हेतु देश के विभिन्न राज्यों एवं विश्वविद्यालयों से लगभग 165 प्रतिभागियों ने पंजीकरण करवाया था। कार्यक्रम का शुभारम्भ मंगलाचरण के साथ हुआ, जो आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री संगीता देवनाथ ने किया। ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा ने वाक्पुष्पों से आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ.मनोज श्रीमाल तथा व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. विजय कुमार पयासी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। व्याख्यानमाला के संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा (अध्यक्ष ज्योतिष विभाग) तथा सह-संयोजक डॉ. मनोज श्रीमाल जी सहायक आचार्य ज्योतिष विभाग एकलव्य परिसर थे। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं, कर्मचारीगण एवं 100 से अधिक ज्योतिष जिज्ञासु उपस्थित रहे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.12 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

1. परिसर परिचय

श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16.06.2016 को अधिगृहीत किया गया। इस परिसर का नामकरण दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाड़ों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गंगा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16.06.2016 को इस परिसर का उद्घाटन किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। दिनांक 06.05.2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डा. के.के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। दिनांक 08.11.17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारत सरकार के मानव संसाधनविकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में सम्पन्न हुआ।

इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड भूमि वर्तमान में है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (आडिटोरियम), खेल-मैदान (स्टेडियम) आदि के निर्माण-कार्य लगभग समाप्ति की ओर अग्रसर है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2020-21 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लगभग 100 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान की जा रही है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ-साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

- प्राक्-शास्त्री (इंटर मीडिएट)
- शास्त्री (स्नातक)
- आचार्य (स्नातकोत्तर)
- विद्यावारिधि (पीएच.डी.)

3. मुक्तस्वाध्यायपीठ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में दूरस्थशिक्षा के माध्यम से संस्कृत के प्रचार प्रसार में निरन्तर लगा हुआ है और जिसके लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में मुक्तस्वाध्यायपीठ की स्थापना की गयी है। श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर में भी मुक्तस्वाध्यायपीठ की स्थापना 2020-21 सत्र में की गयी है। जिसके अन्तर्गत ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण के लिए सेतु पाठ्यक्रम और प्राक्शास्त्री से लेकर आचार्य पर्यन्त पाठ्यक्रम चलाये गये हैं, साथ ही संस्कृतपत्रकारिता प्रमाणपत्रपाठ्यक्रम, पालि एवं प्राकृत प्रमाणपत्रपाठ्यक्रम भी चालाये गये हैं। जिसमें संस्कृत छात्र अध्ययन कर रहे हैं। इसके समन्वयक का दायित्त्व साहित्यविभाग के प्राध्यापक डॉ. अनिलकुमार को दिया गया है। भविष्य में यहां पर्यटन और आयुर्वेद जैसे पाठयक्रम को भी योजना है।

4. मुख्यगतिविधियां-

- **राष्ट्रिय योगदिवस**- परिसर में योगदिवस 21.06.2021 को मनाया गया।
- **संस्कृत-सप्ताहोत्सव**- श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर 03.08.21 से 09.08.2021तक अन्तर्जाल के माध्यम से संस्कृत-सप्ताहोत्सव मनाया गया।
- **हिन्दी-पखवाडा**- 14.09.2021 से 28.09.2021 तक हिन्दी पखवाडा मनाया गया।
- **स्वतन्त्रता दिवस**- 15 अगस्त 2021 को मनाया गया।

जिसमें परिसर-प्राचार्यद्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

- **राष्ट्रिय एकतासप्ताह**- सरदार बल्लभभाई पटेलजन्मदिवस के उपलक्ष्य में 31.10.2021 से 06.11.2021 तक राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह मनाया गया।
- **स्वच्छतादिवस**- गान्धी जयन्ती के अवसर पर 2.10. 2021 को परिसर में स्वच्छतादिवस मनाया गया।
- **सतर्कतादिवसोत्सव**- 25.11.2021 को परिसर में सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day) मनाया गया।
- **वसन्तपंचमी**- 29.01.2022 को परिसर में बसन्त-पंचमी के अवसर पर सरस्वती-पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- **गणतन्त्रदिवस**- 26.01.2022 को परिसर में गणतन्त्रदिवस मनाया गया, जिसमें परिसरप्राचार्यद्वारा ध्वजारोहण किया गया और छात्रों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।
- **परिसर में नवनिदेशक का कार्यभारग्रहण**- प्रो. विजय-पालशास्त्री साहित्यविभागाध्यक्ष ने प्रो. बनमाली बिश्वाल के स्थान पर 28 सितम्बर 2021 को नवनिदेशक का पदभार ग्रहण किया।
- **परिसरीय प्राध्यापकों का स्थानान्तरण**- प्रो. बनमाली बिश्वाल का स्थानान्तरण दिल्ली मुख्यालय में, डॉ. मनीषशर्मा व्याकरण प्राध्यापक का सदाशिवपरिसर पुरी, डॉ. कृपाशंकर शर्मा का भोपालपरिसर में स्थानान्तरण हुआ।
- **नूतन प्राध्यापकों का आगमन**- परिसर में वेद विभाग में डॉ. अमन्दमिश्र, व्याकरण में डॉ. मौनिका आर्या, डॉ. मनीषा आर्या, साहित्य में मनु आर्या, अद्वैतवेदान्त में डॉ. रघु बी राज, ज्योतिष में आशुतोष तिवारी नये अतिथि प्राध्यापकों का परिसर में आगमन हुआ।
- **राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा**- उत्तराखण्ड के संस्कृत विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों की राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डॉ.अनिलकुमार थे।
- **75 करोड सूर्यनमस्कार कार्यक्रम**- डॉ. गौतम चौधरी के संयोजकत्व में 27 जनवरी 2022 को इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी छात्रों और प्राध्यापकों ने भाग लिया।
- **मतदाता दिवस**- 25 जनवरी को सभी प्राध्यापकों और छात्रों के द्वारा मतदान दिवस मनाया गया।
- **ओरियेन्टेशन तथा रिफ्रेशर कोर्स**- डॉ. अनिलकुमार साहित्य विभाग प्राध्यापक ने जे.एन.यू. नई दिल्ली से दिनांक 14-26 फरवरी 2022 तक रिफ्रेशर कोर्स किया तथा इसी प्रकार से डॉ. शैलेन्द्रप्रसादउनियाल वेद विभाग प्राध्यापक ने जे.एन.यू. नई दिल्ली से 24 दिसम्बर 2021 से 27 जनवरी 2022 तक ओरियन्टेशनकोर्स किया।

5. परिसर द्वारा आयोजित सेमिनार, कार्यशाला, व्याख्यान और अन्य गतिविधियां-

- उत्तराखण्डविद्यावैभवम् त्रिदिवसीय व्याख्यानमाला-13-15 जुलाई 2021 तक उत्तराखण्ड के विद्वानों के द्वारा साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, वेद, न्याय, अद्वैतवेदान्त के विषय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य सूत्रधार परिसर निदेशक प्रो. बनमाली बिश्वाल थे। इसके अन्तर्गत प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित, प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रो. जयातिवारी, प्रो. सुधारानी पाण्डेय जैसे विद्वान् एवं विदुषियों ने अपने गम्भीर विचार रखे।
- **उत्तराखण्डविद्यावैभवम् के अन्तर्गत कविसम्मेलन**- 15-07-2021 को इस कार्यक्रम का संचालन तथा संयोजन डॉ. अनिल कुमार द्वारा किया गया था जिसमें उत्तराखण्ड के ही विद्वानों ने अपने मधुर काव्यपाठ से देवभूमेर्देवमाहात्म्यम् विषय को प्रस्तुत किया।
- **बौद्धसाहित्यसंसाधनकेन्द्र द्वारा अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी**- 22-07-2021 को परिसर के इस केन्द्र के द्वारा 'बौद्धसाहित्ये ब्रह्मविहारस्य अवधारणा तत्प्रासांगिकता च' विषय पर विशिष्ट विद्वानों द्वारा शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। इस कार्यक्रम में प्रो. लेनगल श्रीलंका से तथा श्रीरविमेधंकर जापान से उपस्थित थे।
- **शिक्षकदिवस पर अन्तर्जालीया अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी**- 05.09.2021 पर दिल्ली से पद्मश्री पुरस्कार से विभूषित प्रो. रमाकान्तशुक्ल जी ने विशिष्टव्याख्यान प्रदान किया।
- **तर्कामृतग्रन्थाधारित कार्यशाला**- 07.09.2021 से 13. 09.2021 तक न्यायविभाग के द्वारा तर्कामृतग्रन्थविषयक कार्यशाला का आयोजन डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही द्वारा किया गया जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों से विद्वानों ने मूलग्रन्थ के साथ गम्भीर चिन्तन प्रस्तुत किया।
- **हिन्दी पखवाडे पर कविसम्मेलन**- डॉ. अनिल कुमार

के संयोजकत्व तथा संचालकत्व में दिनांक 25.09.2021 को इस कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न भागों से कवियों ने काव्यपाठ किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में प्रो. बनमाली बिश्वाल जी परिसर निदेशक विद्यमान थे।

- **गान्धी जयन्ती पर विशिष्टव्याख्यान**- 02.10.2021 को परिसरीय प्राध्यापकों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के अनन्तर गान्धी जी के विषय में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें इतिहास विषय के प्राध्यापक डॉ. अरविन्द गौर ने गान्धीजी के जीवन पर प्रकाश डाला तथा परिसर निदेशक प्रो. विजयपालशास्त्री ने उनके त्याग और अंहिसा का गुणगान करते हुए उनके मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन इंगलिश के प्राध्यापक डॉ. अवधेश बिजल्वाण ने किया।
- **न्यायविभाग द्वारा न्यायप्रदीप ग्रन्थ पर कार्यशाला का आयोजन**- 11.11.2021 से 20.11.2021 तक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही के संयोजकत्व में देश के विभिन्न विद्वानों के द्वारा न्यायप्रदीप ग्रन्थ को आधारित करके इस कार्यशाला में व्याख्यान दिये गये।
- **विश्वदर्शन दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान-माला**- 18.11.2021 से 30.11.2021 तक सभी भारतीय दर्शनों को आधारित कर आईसीपीआर तथा श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर के द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **दश दिवसीय सम्भाषण शिविर**- 13.11.2021 से 23.11.2021 तक डॉ. श्रीओमशर्मा और डॉ. शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल जी के संयोजकत्व में छात्रावास में छात्रों के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- वेव्स तथा श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर के संयुक्त तत्वावधान में अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी-10-12-2021 से 12-12-2021 तक वैदिकपरिप्रेक्ष्य में स्वतन्त्रता और समानता की अवधारणा विषय में देश विदेश के विशिष्ट विद्वानों ने अपने शोधपूर्ण विचार प्रकट किये। परिसर निदेशक प्रो. बनमाली बिश्वाल तथा वेव्स संस्था की अध्यक्ष प्रो. शशि तिवारी जी के निर्देशन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **व्यवसायिक पौरोहित्यप्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजन**- 08-03-2022 से 28-03-2022 तक वेद विभाग तथा आन्तरिक आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में 20 दिवस का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन वेद विभाग के अध्यक्ष डॉ. शैलेन्द्रप्रसाद उनियाल तथा न्यायविभाग के अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्दस्नेही जी के संयोजन में हुआ। जिसमें देश के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- **ज्योतिषविभाग द्वारा वास्तुशास्त्रविषयक राष्ट्रिय संगोष्ठी**- 05-03-2022 से 06-03-2022 तक वास्तुशास्त्र की साम्प्रतमुपयोगिता विषय को लेकर परिसर के ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुरेशशर्मा तथा डॉ. आशुतोषतिवारी के संयोजकत्व में आयोजन किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

5. वर्ष 2020-21 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2021-22 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 19 अगस्त से 25 अगस्त 2021 तक संस्कृत सप्तोत्सव मनाया। इस अवधि के दौरान प्रख्यात संस्कृत विद्वानों के व्याख्यान कार्यक्रमों की एक श्रृंखला और छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

5.2 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 21 जून, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया। यह कार्यक्रम वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय और इसके परिसरों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

5.3 हिन्दी पखवाड़ा

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 14.09.2021 से 28.09.2021 तक हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विश्वविद्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से इसमें भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

5.4 एकता दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 31.10.2021 को अपने परिसरों के साथ अपने मुख्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया। इस आयोजन में सभी कर्मचारियों और छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से आम लोगों को अखंडता में एकता, सार्वभौमिक भाईचारे और राष्ट्र के प्रति सम्मान के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया।

5.5 59वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारंपरिक संस्कृत विद्यालयों और गुरुकुलों में पढ़ने वाले प्रतिभाशाली छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किया गया। कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बैंगलोर में 27.03.2022 से 30.03.2022 तक 59वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय

प्रतियोगिताओं में चुने गए 350 छात्रों ने 27 विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया, जैसे 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों में भाषण प्रतियोगिता, 7 विभिन्न पारंपरिक संस्कृत ग्रंथों पर शलाका परीक्षण और शास्त्रार्थ-विचार, समस्या-स्फूर्ति के साथ-साथ धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोष और अष्टाध्यायी में कंठपाठ, अंत्याक्षरी। विभिन्न राज्यों के संबंधित शास्त्रों में 55 विद्वानों ने निर्णायक मंडल में भाग लिया। स्वर्ण, रजत और कांस्य स्मृति चिन्ह के साथ छात्रों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किए गए, जिसमें रु. 10,000/-, रु. 7,000/-, रु. 5,000/- के नकद पुरस्कार शामिल हैं। इनके अलावा, शलाका परीक्षा में 80% से अधिक और 65% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः रु.2,000/- और रु.1,500/- के विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कर्नाटक राज्य के छात्र खड़े हुए और विजया-वैजयंती से सम्मानित हुए। जजों और दर्शकों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन की सराहना की।

कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावर चंद गहलोत ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रो. पी.एन. शास्त्री, पूर्व कुलपति के.सं.वि. इस सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे और प्रोफेसर के.ई.देवनाथन, कुलपति, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, इस सत्र में उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र में प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। समापन समारोह 30.03.2022 को दोपहर में आयोजित किया गया, जिसमें अनंतश्री विभूषित श्री सत्यात्मा तीर्थ, उत्तरादि मठ उपस्थित थे। प्रो श्रीनिवास वरखेड़ी माननीय कुलपति के.सं.वि. ने सत्र की अध्यक्षता की।

5.6 18वां अन्त:परिसरीय नाट्ययमहोत्सव

दिनांक 22.03.2022 से 24.03.2022 तक के.सं.वि. भोपाल परिसर, भोपाल में 18वां अन्त:परिसरीय संस्कृत नाट्यमोत्सव का आयोजन किया गया। कैंपस के विभिन्न छात्रों ने विभिन्न नाटकों में भाग लिया। नाट्यमहोत्सव में के.सं.वि. के सभी परिसरों से लगभग 500 छात्रों ने भाग लिया।

6. संलग्नक

शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

(1.04.2021 से 31.03.2022)

1.	(i)	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (01.04.2021 से 14.06.2021)	अध्यक्ष
	(ii)	प्रो. के.बी. सुब्बारयुडु कुलपति (प्र.), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (14.08.2021 से 11.01.2022)	अध्यक्ष
	(iii)	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (12.01.2022)	अध्यक्ष
2.		प्रो. पंकज लक्ष्मण जानी विशेष कार्याधिकारी, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, राजभवन, लखनऊ - 226027 (पूर्व कुलपति, महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवास रोड, शिवनाथ सिटि, उज्जैन), (08.03.2022 तक)	सदस्य (कुलाधिपति द्वारा नामित)
3.		डॉ. चाँद किरण सलूजा शैक्षणिक निदेशक, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, 11204/5, द्वितीय तल, गौशाला मार्ग, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली-110005 (08.03.2022 तक)	सदस्य (कुलाधिपति द्वारा नामित)

क्रमशः....

4.	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार (08.03.2022 तक)	सदस्य (कुलाधिपति द्वारा नामित)
5.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य (पदेन)
6.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा संकायाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान)	सदस्य
7.	प्रो. श्रेयांश कुमार शिंघई प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष (सर्वदर्शन) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान) (16.03.2022)	सदस्य
8. (i)	प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश प्रोफेसर (आचार्या धर्मशास्त्र), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान) (16.08.2021 तक)	सदस्य
(ii)	प्रो. अतुल कुमार नंदा प्रोफेसर (धर्मशास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर, चंदन हजारी रोड, पुरी, पिन-752001 (उड़ीसा) (31.08.2021)	सदस्य

9. (i)	शरत चन्द्र शर्मा सहाचार्य (अंग्रेजी) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरणबीर परिसर, ग्राम-पोस्ट-कोट-भलवाल, (नजदीक सेन्ट्रल जेल) तहसील एवं जिला जम्मू, पिन-181122 (16.08.2021 तक)	(सदस्य)
(ii)	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट सहाचार्य (अद्वैत वेदान्त) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, मेनसे, भारती नगर, पोस्ट-श्रृंगेरी, जिला-चिकमंगलूरु, कर्नाटक-577139 (31.08.2021)	(सदस्य)
10.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी कुलपति, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी-221002 (उत्तरप्रदेश) (18.08.2021 तक)	(यू.जी.सी. द्वारा नामित सदस्य)
11. (i)	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा कुलसचिव, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (31.12.2021 तक)	सचिव (पदेन)
(ii)	प्रो. रणजित कुमार बर्मन कुलसचिव, (प्र.) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (17.01.2022 अद्यावधि)	सचिव (पदेन)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2022 के अनुसार)

1. कुलपति — अध्यक्ष
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

संकायाध्यक्ष

2. प्रो. सर्व नारायण झा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष (वेद-वेदान्त)
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4,
   गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)

3. प्रो. सुदेश कुमार शर्मा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र,
   जयपुर परिसर, जयपुर

4. प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय,
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
   जयपुर-302018 (राजस्थान)

5. श्री शरत् चन्द्र शर्मा — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय,
   केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
   श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
   जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

6. प्रो. सुब्राय वेंकटरमन भट्ट — सदस्य
   संकायाध्यक्ष, दर्शन (अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
   संख्या योग और न्याय दर्शन
   राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
   राजीव गांधी परिसर, पो.आ. श्रृंगेरी,
   जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

क्रमशः....

7. प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति
निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्ष

8. प्रो. शिव कान्त झा — सदस्य
अध्यक्ष, व्याकरण,
जयपुर परिसर, जयपुर

9. प्रो. अतुल कुमार नन्दा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

10. प्रो. लोकमान्य मिश्र — सदस्य
विभागाध्यक्ष, शिक्षा शास्त्र,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, लखनऊ

11. प्रो. रामनारायण सिंह — सदस्य
विभागाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, जयपुर

12. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय — सदस्य
विभागाध्यक्ष, हिन्दी,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4,
गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)

13. प्रो. विजयपाल शास्त्री — सदस्य
विभागाध्यक्ष, साहित्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4,
गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)

14. प्रो. मीनाति रथ — सदस्य
विभागाध्यक्ष, पुराणेतिहास,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

15. प्रो. भारत भूषण मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, ज्यौतिष,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
के.जे. सौमेया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई (महाराष्ट्र)

16. प्रो. रंजीत कुमार बर्मन — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेदान्त,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

17. प्रो. सत्यम कुमारी — सदस्य
विभागाध्यक्ष, न्याय
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

18. प्रो. (श्रीमती) गौरी प्रिया दास — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सर्वदर्शन
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

19. प्रो. कमलेश कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

20. प्रो. मनोज कुमार मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद विभाग
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

21. श्री शरत् चन्द्र शर्मा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी संकाय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

22. डॉ. सूर्य नारायण भट्ट — सदस्य
विभागाध्यक्ष, मीमांसा संकाय,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

23. डॉ. अशोक कुमार मीणा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सांख्य योग,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

24. प्रो. भगवती सुदेश — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

25. प्रो. वाई.एस्. रमेश
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

26. प्रो. लोकमान्य मिश्रा — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

27. प्रो. फतह सिंह — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

28. प्रो. राजन ई.एम. सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

29. प्रो. रमाकान्त पाण्डेय सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

30. प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
प्रयागराज (उ.प्र.)

31. प्रो. बनमाली बिश्वाल सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल, (उत्तराखण्ड)

32. प्रो. कमल चन्द्र योगी सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

33. डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

34. डॉ. भागबन समन्तारे सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

35. डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

36. डॉ. बत्तीलाल मीणा — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

37. डॉ. चिरावुरी कृष्णा अनंता पद्मनाभम — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

38. डॉ. दरियाव सिंह — सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं

39. प्रो. आर्. एन्. शर्मा — सदस्य
14, जीवनकृष्णपथ, हेंग्राबारी
गुवाहाटी-781036

40. प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री — सदस्य
3/127, इन्द्रा विहार, ओल्ड जॉनीपुर,
जम्मू तवी-180007

41. प्रो. वीरुपाक्ष वी. जड्डीपाल — सदस्य
सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान
चिन्तामणि गणेश मार्ग, जवासिया,
उज्जैन, पिन-456006 (म.प्र)

42. कुलसचिव — सचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(01.04.2021 से 31.03.2022)

1. (i)	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (01.04.2021 से 14.06.2021)	अध्यक्ष
(ii)	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु कुलपति (प्र.), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (14.08.2021 से 11.01.2022)	अध्यक्ष
(iii)	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (12.01.2022 से 31.03.2022)	अध्यक्ष
2. (i)	प्रो. चान्द किरण सलूजा शैक्षणिक निदेशक, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, 11204/5, द्वितीय तल, गौशाला मार्ग, मन्दिर मार्ग, नई दिल्ली (नामित) (01.04.2021 से 08.03.2022)	सदस्य
(ii)	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास, त्रिवेणी नगर, जयपुर (23.03.2022 से 31.03.2022)	सदस्य
3.	श्री सुनिल कुमार लोहानी पूर्व संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, मयूर विहार, दिल्ली (01.04.2021 से 31.03.2022)	सदस्य

क्रमशः....

4.	श्री नवीन सोई पूर्व संयुक्त सचिव, वित्त विभाग, शिक्षा मंत्रालय (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय) वाई-34, हौजखास, नई दिल्ली-110016 (नामित) (01.04.2021 से 31.03.2022)	सदस्य
5.	उप सचिव (भाषाएं) शिक्षा मन्त्रालय (उच्च शिक्षा विभाग), भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001 (शिक्षा मन्त्रालय द्वारा नामित) (01.04.2021 से 31.03.2022)	सदस्य
6. (i)	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (01.04.2021 से 31.12.2021)	सदस्य-सचिव
(ii)	प्रो. रणजित कुमार बर्मन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (17.01.2022 से 31.03.2022)	सदस्य-सचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2022 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज, (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. रामाकृष्ण पाण्डेय परमहंसा	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. मोनाली दास	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	निदेशक	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. (श्रीमति) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
4.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
5.	प्रो. ललित कुमार साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
6.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
7.	प्रो. (श्रीमति) अनुपमा पुरुस्थी	आचार्य	नव्यव्याकरण
8.	प्रो. (श्रीमति) गौराप्रिय दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
9.	प्रो. विजय पाल कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. देवदत्त सरोडे	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	प्रो. शम्भुनाथ महामलिक	आचार्य	वेदान्त
12.	प्रो. मखलेश कुमार	आचार्य	पुराणेतिहास
13.	प्रो. वृन्दावन पात्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	प्रो. उदयनाथ झा	आचार्य	साहित्य
15.	प्रो. (श्रीमति) निर्मला पाणिग्रही	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
16.	डॉ. ऋषि राज	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सहाचार्य	सांख्ययोग
18.	डॉ. दुर्गाचरण शडंगी	सहाचार्य	नव्यव्याकरण
19.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहाचार्य	साहित्य
20.	डॉ. रमाकान्त मिश्रा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहाचार्य	नव्यव्याकरण
22.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
23.	डॉ. महेश झा	सहाचार्य	नव्यव्याकरण
24.	डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. गणपति शुक्ल	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
26.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सहायकाचार्य	ज्योतिष
27.	डॉ. श्रीमति अनुराधामणि प्रतिहारि	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
28.	डॉ. (श्रीमति) सावित्री शतपथी	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
29.	श्री दुर्गाप्रसाद दास महापात्र	सहायकाचार्य	इतिहास
30.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
31.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. सुशान्त कुमार राय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. ओम नारायण मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
34.	डॉ. सागारिका नन्दा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
35.	डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
36.	डॉ. रमाकान्त झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
37.	डॉ. नन्दीघोष महापात्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
38.	डॉ. (श्रीमति) विजयलक्ष्मी महापात्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
39.	डॉ. नेपाल दास	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. मदन मोहन झा	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. कुलदीप शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
3.	प्रो. सतीश कुमार कपूर	आचार्य	साहित्य
4.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्रा	आचार्य	ज्योतिष
5.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य	वेद
6.	डॉ. शरत् चन्द्र शर्मा	सहाचार्य	अंग्रेजी
7.	डॉ. मदन कुमार झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. राजकुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. चक्रधर मेहर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. राम दास संगोत्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
12.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्य	ज्योतिष

4. गुरुवायूर परिसर, (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ई. एम. राजन	निदेशक	साहित्य
2.	प्रो. के.बी. सुब्बरायडु	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. अशोक कुमार कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. आर. प्रतिभा	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
5.	प्रो. के.के. शाइन	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. के.के. हर्षकुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन्	सहाचार्य	न्याय
8.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. ई.आर. नारायण	सहाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा एच.	सहाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. (श्रीमती) राधिका पी. आर.	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
12.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
13.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. वेणुगोपाल राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. विद्याधर प्रभला	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. श्याम राज	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. विजयानन्दा अडीगा बी.	सहायकाचार्य	ज्योतिष

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
18.	डॉ. श्रीनिवासन पी.के.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
19.	श्रीमति के.ए. जेस्सी	सहायकाचार्य	आधुनिक
20.	डॉ. शीबा एम. के.	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
21.	डॉ. किरण किंची	सहायकाचार्य	व्याकरण

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. भगवती सुदेश	निदेशक	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. फतेह सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. वाई. एस. रमेश	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य	ज्योतिष
6.	प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई	आचार्य	जैनदर्शन
7.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	आचार्य	जैनदर्शन
8.	प्रो. शिवकान्त झा	आचार्य	व्याकरण
9.	प्रो. श्रीधर मिश्र	आचार्य	व्याकरण
10.	प्रो. कमल चन्द्र योगी	आचार्य	व्याकरण
11.	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण
12.	प्रो. श्यामदेव मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
13.	प्रो. रामकुमार शर्मा	आचार्य	साहित्य
14.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य	साहित्य
15.	प्रो. सत्यम कुमारी	आचार्य	सर्वदर्शन
16.	प्रो. किशोर कुमार दलाई	आचार्य	साहित्य
17.	प्रो. लीना सखरवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. शुभस्मिता मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
19.	डॉ. शीशराम	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. हरिओम शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
24.	डॉ. अञ्जू चौधरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. मनीष कुमार चण्डाक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. बलवीर सिहं मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. कृष्णा शर्मा	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
28.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
29.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
30.	डॉ. पवन व्यास	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
31.	डॉ. रेखा कुमारी	सहायकाचार्य	हिन्दी
32.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सहायकाचार्य	राजनीतिविज्ञान
33.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सर्व नारायण झा	निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. लोक मान्य मिश्र	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य	आधुनिक
5.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य	ज्योतिष
6.	प्रो. (श्रीमती) अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. (श्रीमती) गजाला अंसारी	आचार्य	साहित्य
11.	प्रो. रामनन्दन सिंह	आचार्य	बौद्ध दर्शन
12.	डॉ. पवन कुमार	सहाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. जी.सी. नेगी	सहायकाचार्य	बौद्ध दर्शन
15.	नीरज तिवारी	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. कृष्णा कुमारी	सहायकाचार्य	बौद्ध दर्शन
17.	डॉ. कविता बिसारिया	कनिष्ठ व्याख्यता	अंग्रेजी

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
18.	श्री जगनाथ झा	सहायकाचार्य	अर्थशास्त्र
19.	डॉ. प्रफुल्ल गडपाल	सहायकाचार्य	साहित्य

7. श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	निदेशक	मीमांसा
2.	प्रो. के. ई. मधुसुदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
3.	प्रो. सी. एस. एस.एन. मूर्ति	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. गोरांग बाग	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. के. हरिप्रसाद	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. नवीन होल्ला	आचार्य	न्याय
7.	प्रो. सूर्यनारायण भट्ट	आचार्य	मीमांसा
8.	प्रो. चन्द्रकान्त	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. रामचन्द्रुल बालाजी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
11.	डॉ. चन्दशेखर भट्ट	सहाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. चन्द्रकला आर कोण्डी	सहाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. के.ए. पद्धानाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र
16.	डॉ. गणेश टी. पंडित	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. वेंकटेश तातार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा
18.	डॉ. नारायण वैद्ध	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. पी. अरविन्द कुमार सोमदत्त	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. दयानिधि शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. कोमपेल्ली विनय कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
22.	डॉ. प्रमोद भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
23.	डॉ. विश्वनाथ हेगड़े	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त

क्रमश:....

8. वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. पी.वी.बी. सुब्रहम्ण्यम्	आचार्य	ज्योतिष
3.	डॉ. मञ्जूनाथ एस. जी.	सहाचार्य	अद्वैत वैदान्त
4.	मनीष जुगरान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. सत्यदेव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. प्रतिज्ञा आर्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. कृष्णानन्द दनान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. बी. नरेश कुमार नाईक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. संजय कुमार	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा
10.	डॉ. गोपाल वर्मा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
11.	डॉ. सुभाष चन्द्र	सहायकाचार्य	हिन्दी
12.	डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. महिपाल सिंह	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. हरि नारायण धर द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
16.	श्री पंकज	सहायकाचार्य	साहित्य

9. भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. जे. भानुमूर्ति	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. सोमनाथ साहु	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य	ज्योतिष
5.	प्रो. नीलाभ तिवारी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. नागेन्द्रनाथ झा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. श्रीगोविन्द पाण्डेय	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. अर्चना दूबे	आचार्य	हिन्दी
10.	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति	सहाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
11.	डॉ. आर.एल. नारायण सिम्हा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. योगेश कुमार जैन	सहाचार्य	जैनदर्शन
13.	डॉ. वैंकटरमण एस. भट्ट	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. प्रदीप कुमार पण्डया	सहाचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. मोहनी अरोड़ा	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
17.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	हिन्दी
18.	डॉ. नन्द किशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
19.	श्री प्रताप	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
20.	डॉ. नितिन कुमार जैन	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
21.	डॉ. कृष्णकान्त तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. दाताराम पाठक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. कलिकाप्रसाद शुक्ल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. दम्ब्रूधर पति	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. रमन मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. रजनी वी.जी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. राकेश कुमार वर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. गोविन्द सरकार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. रजनी	सहायकाचार्य	साहित्य
30.	डॉ. रागिनी शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण

10. के.जे. सोमैया, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. सुभाषचन्द्र मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरू	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. दशरथ भारसागर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	डॉ. एस. कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. आरती मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. इन्द्र कुमार मीणा	सहायकाचार्य	व्याकरण

11. मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	कुलसचिव	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. बनमाली विश्वाल	आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. आर. गायत्री मुरलीकृष्ण	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. रतन मोहन झा	सहाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
7.	डॉ. अमृता कौर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एस. के. सेनापति	निदेशक	सर्व दर्शन
2.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	आचार्य	बौद्ध दर्शन
3.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	वेदान्त
6.	डॉ. जी. नरसिंहुलु	सहायकाचार्य	अद्वैत वैदान्त
7.	डॉ. आर शिवरामकृष्णासिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. बी. वेंकटा लक्ष्मी नारायण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. नन्दुलाल मण्डल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. अनूप विश्वास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. श्रीकारा जी.एन.	सहायकाचार्य	अद्वैत वैदान्त

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
12.	डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. गंगेश्वर नाथ झा	सहायकाचार्य	व्याकरण
14.	डॉ. सुमन आचारजी	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
15.	डॉ. मनोज श्रीमल	सहायकाचार्य	व्याकरण
16.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	डॉ. विजय कुमार जेना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. मनोज कुमार साहू	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	निदेशक	साहित्य
2.	डॉ. सच्चिदान्नद स्नेही	सहाचार्य	न्याय
3.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
4.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. शैलेन्द्र प्रसाद उनियाल	सहायकाचार्य	वेद
6.	डॉ. गौतम कुमार चौधरी	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01.04.2021 से 31.03.2022 तक)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	संदीप वसन्त जोशी (16-1819)	राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	आलङ्कारिकमतपर्यालोचनकविप्रयोगसमीक्षणपूर्वकं विरोधमूलकालङ्काराणां विमर्शात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
2.	लक्ष्मी (16-1815)	भोपाल परिसर, भोपाल	उच्चमाध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां विद्यालयीयवातावरणस्य समवयस्क-समूहाधिगमस्य आकाङ्क्षास्तरस्य च सन्दर्भे वैयक्तिकभिन्नतायाः अध्ययनम्	शिक्षा
3.	दीपा पाठक (16-1831)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	यं कामये तन्तमुग्रं कृणोमि इति महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
4.	हृदय नारायण सिंह (16-1837)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	अमरुकशतकस्य काव्यस्य सूर्यदासकृतायाः शृङ्गारतरङ्गिणीटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
5.	आनन्द सि.आर्. (16-1808)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम्	माध्यमिकस्तरच्छात्राणां संस्कृतोपलब्धौ सम्प्रेषणकौशलस्य प्रभावः	शिक्षा
6.	स्नेह लता (16-1864)	जयपुर परिसर, जपुर	हिमाचलप्रदेशे उच्चस्तरीयसंस्कृतशिक्षणे शैक्षिकोपलब्धौ संस्कृतभाषार्जने च निर्देशनपरामर्शयोः प्रभावः	शिक्षा
7.	श्रीदेवी परमेश्वर हेगड़े (16-1844)	राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	भीमनकोणे भास्करभट्टविरचितायाः श्रीगुरुकृपातरङ्गिण्याः विमर्शात्मकमध्ययनम्	साहित्य
8.	रेणुका (16-1785)	जयपुर परिसर, जयपुर	समुद्रमंथनाभिधानसमवकारस्य काव्यशास्त्रीयमध्यनम्	साहित्य
9.	मधुस्मिता साहु (16-1767)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	ओड़िशाराज्यस्य माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां शैक्षिकोपलब्धौ सामाजिक-मनोवैज्ञानिककारकणाम् अध्ययनम्	शिक्षा
10.	सीताकान्त मिश्र (16-1863)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीहरिहरानन्दारण्यकृतयोगकारिकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	सांख्ययोग
11.	पूजा पाल (16-1867)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	नैषधीयचरिते पशुपक्षिणां मानवोचितव्यवहारमीक्षणम्	साहित्य
12.	बसन्त कुमार दाश (16-1876)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	श्रीवीरराघवाचार्यकृतीलाद्रिचन्द्रोदयनाटकस्य समीक्षात्मकमध्यनम्	साहित्य
13.	धीरेन्द्र प्रसाद मिश्र (16-1818)	भोपाल परिसर, भोपाल	संहिताधिकारस्यालोके वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
14.	प्रीति रंजन आचार्य (16-1870)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	शम्भुहोराप्रकाशजातकाभरणग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
15.	अमित शर्मा (16-1739)	जयपुर परिसर, जयपुर	ज्योतिषशास्त्रीय-विभिन्नशाखासु दुर्घटनायोगानां विमर्शः	ज्योतिष
16.	आरती शर्मा (16-1754)	जयपुर परिसर, जयपुर	गोस्वामिभैरवगिरिशास्त्रिणा विरचितस्य उत्तरनैषधीयचरित-महाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्यनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
17.	कलाधर भट्ट (16-1824)	राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी	सिद्धान्तकौमुद्याः सुखबोधिन्याख्यायाः व्याख्यायाः आदितः स्वरसन्धिप्रकरणान्तभागस्य पाठसमीक्षात्मकसम्पादनमध्ययनञ्च	व्याकरण
18.	लक्ष्मी कीर्ति सुधा (16-1846)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	परिभाषेन्दुशेखरस्य मन्नुदेवकृतदोषोद्धारटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
19.	रामेश्वर शर्मा (16-1854)	जयपुर परिसर, लखनऊ	प्राच्यप्रतीच्यसिद्धान्तयोः चन्द्रशृङ्गोन्नतिविमर्शः	ज्यौतिष
20.	काशीनाथ द्विवेदी (16-1866)	लखनऊ परिसर, परिसर	राघवेन्द्रचरितमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्यनम्	साहित्य
21.	प्रीति शर्मा (16-1845)	जयपुर परिसर, जयपुर	व्यङ्ग्यार्थ-चन्द्रिकासाहित्य-सङ्गीतरघुनन्दनमहाकाव्यस्य सम्पादनं काव्यशास्त्रीयसमीक्षणं च	साहित्य
22.	सचिन सेमवाल (16-1838)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	श्रीउमापदचट्टोपाध्यायप्रणीत-धनुर्भङ्गमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
23.	दीपक तिवारी (16-1895)	भोपाल परिसर, भोपाल	माध्यमिकस्तरे संस्कृतभाषागतलेखनदोषाणां कारणानि तत्परिहारोपायाश्च प्रयोगात्मकमध्ययनम्	शिक्षा
24.	रमेश कुमार (16-1792)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीरामसुमेरयादवमहोदयप्रणीतस्य 'वज्रमणिः' उपन्यासस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
25.	स्नेहलता महापात्र (16-1794)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	उत्कलीय-विचित्ररामायणस्य वाल्मीकिरामायणाधारेण ऐतिहासिकसमीक्षणम्	साहित्य
26.	विनोद कुमार सिंह (16-1906)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीसुबोधचन्द्रपन्तप्रणीतस्य झाँसीश्वरीचरितमहाकाव्यस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
27.	किरण प्रकाश जैन (16-1849)	जयपुर परिसर, जयपुर	कार्तिकेयानुप्रेक्षायाः (कत्तिगेयाणुवेक्खाए) भट्टारकशुभचन्द्रकृत-टीकायाश्च समीक्षात्मकमध्ययनम्	जैन दर्शन
28.	नील माधव प्रधान (16-1875)	गुरुवायूर परिसर, शृङ्गेरी	कृष्णकेशवषडङ्गिविरचितस्य नीलाद्रिचम्पूकाव्यस्य काव्यशास्त्रदिशा समीक्षणम्	साहित्य
29.	आदित्य कुमार पाण्डेय (16-1835)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीमणिराममिश्रविरचितायाः वृत्तरत्नावल्याः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
30.	शशि शर्मा (16-1882)	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	आधुनिकसंस्कृतसाहित्सर्जनायाः नवायामाः	साहित्य
31.	दिव्येन्दु कुमार मण्डल (16-1890)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	संस्कृतच्छात्राधपिकानां नारीसुरक्षाधिकारावबोधस्य अध्ययनम्	शिक्षा
32.	रवि कुमार दुबे (16-1894)	भोपाल परिसर, भोपाल	जैनमुनिश्रीरामभद्रविरचितप्रबुद्धरौहिणेयनाटकस्य नाट्यशात्रीयं समीक्षणम्	साहित्य
33.	नवीन कुमार (16-1880)	जयपुर परिसर, जयपुर	पातञ्जलयोगसूत्रश्रीमद्भगवद्गीतयोः योगतत्त्वय समीक्षात्मकमध्ययनम्	योग
34.	विवेद एम.वि. (16-1786)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	श्रीनारायणगुरुदेवदर्शने बौद्धविचारसमन्वयः	साहित्य
35.	अनुपमा मलिक (16-1859)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	अगस्त्यकृतबालभारतस्य तिम्मय्यदण्डनाथविरचितायाः मनोहराख्यायाः व्याख्यायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
36.	श्रीनिवास स्वाई (16-1873)	भोपाल परिसर, भोपाल	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः भ्वादिगणस्य बालमनोरमा-सिद्धान्तरत्नाकरटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
37.	योगेश पाण्डेय (16-1884)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	वाल्मीकिरामायणे बालकाण्डस्य विषमपदव्याखनमातृकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनं परिशीलनञ्च	साहित्य
38.	बालचन्द्र भट्ट (16-1823)	राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी	दामोदरसुतभोजराजविरचितस्य स्वोपज्ञनौकाटीकासहितमुहूर्तरत्नाकस्य विमर्शात्मकम् अध्ययनम्	ज्यौतिष
39.	गोविन्द शुक्ल (16-1888)	भोपाल परिसर, भोपाल	मौनिश्रीकृष्णभट्टविरचिते शब्दार्थतर्कामृते प्रतिपादितानां व्याकरणदर्शनस्य प्रमाणप्रमेयसिद्धान्तानां महाभाष्यवाक्यपदीयानुगतत्त्वदृष्ट्या समीक्षणम्	व्याकरण
40.	स्मृति रञ्जन पाढी (16-1788)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	श्रीटोडरमल्लविरचितस्य वास्तुसौरव्यग्रन्थस्य मनुष्यालयचन्द्रिकया सह तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
41.	नीरज भारद्वाज (16-1833)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	हृदयरोगपक्षाघातयेः ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या अन्वेषणात्मकमध्ययनम्	ज्यौतिष
42.	रमा देवी (16-1607)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	दशरूपकनाट्यदर्पणयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
43.	रमानुज पाण्डेय (16-1871)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	स्वातन्त्र्यसम्भवमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं वैशिष्ट्यम्	साहित्य
44.	मञ्जुलता चौहान (16-1784)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	प्रो. अभिराजराजेन्द्रमिश्रविरचितसंस्कृतनवगीतानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
45.	मुकेश कुमार (16-1851)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	आचार्यदुर्गादत्तशास्त्रिकृतसंस्कृतग्रन्थानां साहित्यिकमध्ययनं समीक्षणं च	साहित्य
46.	शिवशंकर बेहेरा (16-1861)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	स्मृत्युक्तब्रह्मचर्यस्य समीक्षणात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
47.	गिरिजा शंकर (16-1887)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	संस्कृतकूटकाव्यपरम्परायां शिवरामत्रिपाठिविरचितस्य नृपविलासस्य समीक्षात्मकमध्यनम्	साहित्य
48.	भारती महापात्र (16-1930)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	लघुत्रयीकाव्येषु कृदन्तप्रयोगाणां समीक्षणम्	व्याकरण
49.	स्वीटी रानी (16-1856)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	काव्यप्रकाशान्तर्गतानां भाषावैज्ञानिकतत्त्वानां समीक्षणम्	साहित्य
50.	मीनाक्षी (16-1902)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	भट्टिकाव्यगतानामुदाहरणानामष्टाध्यायीक्रमानुसारितया संयोजनं विवेचनञ्च	व्याकरण
51.	सुशील कुमार तिवारी (16-1829)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	आचार्यरामजीउपाध्यायस्य कृतीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
52.	दीपक कुमार शर्मा (16-1840)	भोपाल परिसर, भोपाल	श्रीविष्णुपुराणपञ्चमांशस्य श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धस्य च काव्यशास्त्रदृष्ट्या तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
53.	श्रीनिवास कुमार एन्. आचार्य (16-1636)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम्, शृङ्गेरी	मथुरानाथतर्कवागीशकृतस्य तत्त्वचिन्तामण्यालोकरहस्यस्य विमर्शात्मकं सम्पादनमध्ययनं च (शब्दखण्डमात्रम्)	नव्य न्याय

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
54.	वरदगोपाल क.श्रि. (16-1827)	राजीवगान्धी परिसर, शृङ्गेरी	न्यायमते शाब्दबोधसामग्रीविचारः एकं समीक्षात्मकमध्ययनम्	न्याय
55.	गुरुराज कुलकर्णी (16-1807)	पूर्णप्रज्ञसंशोधनमंदिरम् बैंगलूरु	विविधदर्शनेषु लिङर्थस्वपविमर्शः (विधिस्वपविमर्शः)	नव्य न्याय
56.	कृष्णदास चेला (16-1879)	जयपुर परिसर, जयपुर	रामानुजीयविशिष्टाद्वैत-रामानन्दीयविशिष्टाद्वैतयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
57.	रामनयन मिश्र (16-1853)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	उत्तरप्रदेशे माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां हिन्दीसंस्कृतदक्षतायाः अध्ययनम् (लखनऊमण्डलय विशिष्टसन्दर्भे)	शिक्षा
58.	ऋषिकेश मीना (16-1738)	जयपुर परिसर, जयपुर	श्रीविश्वेश्वरसूरि-विरचित-व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधेः समास-प्रकरणस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
59.	विपिन तोमस (16-1927)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	हनुमन्नाटके अलङ्कारशास्त्रसम्प्रदायसन्निवेशः	साहित्य
60.	सोनालि साहु (16-1930)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	महेशठाकुरविरचितदायसारस्य समीक्षात्मकसम्पादनम्	धर्मशास्त्र
61.	दीपक तिवारी (16-1942)	भोपाल परिसर, भोपाल	मध्यप्रदेशस्थ-आदिवासिच्छात्राणां सामाजिकव्यवहारस्य शैक्षिकोपलब्धेश्च सन्दर्भे व्यवसायं प्रति अभिवृत्तेः अध्ययनम्	शिक्षा
62.	राजमणि उपाध्याय (16-1904)	भोपाल परिसर, भोपाल	आधुनिकपरिप्रेक्ष्ये महाकविभवभूतिरूपकेषु मनोवैज्ञानिकसन्दर्भाणां शैक्षिकतत्त्वानुशीलनम्	शिक्षा
63.	विजेता (16-1916)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	भिषक्चक्रचित्तोत्सवस्य काव्यशास्त्रीयमनुशीलनं सम्पादनञ्च	साहित्य
64.	स्वामी शिवानन्द (16-1734)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	श्रीमद्भागवतमहापुराणस्यैकादशस्कन्धस्य तिङन्तपदानां शाब्दिकपर्यालोचनपूर्वकं दार्शनिकं समीक्षणम्	व्याकरण
65.	विजय कुमार पयासी (16-1850)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	दर्शनान्तरीयमतसमीक्षणपूर्वकं व्याकरणदृष्ट्या वृत्तिविमर्शः	व्याकरण
66.	मीनाक्षी मीणा (16-1909)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	योगसूत्रोपरिभोजवृत्तिप्रदीपयोः समीक्षणात्मकमध्ययनम्	सांख्ययोग
67.	आलोक कुमार स्वाईं (16-1758)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	श्रीशङ्करदेवसाहित्ये योगत्रयविमर्शः	सर्वदर्शन
68.	हरीश चन्द्र शर्मा (16-1787)	मुख्यालय, नई दिल्ली	पातञ्जलाष्टाङ्गयोगस्य हठसप्ताङ्गयोगात् तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
69.	रेणू वत्स (16-1885)	मुख्यालय, नई दिल्ली	श्रीकृष्णजोशिविरचितस्य श्रीपरशुरामचरितनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
70.	सन्दीप भास्कर कोनेट्कर (16-1821)	राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी	भारतीयन्यायशास्त्र-पाश्चात्यतर्कशास्त्रयोः आनुमानितविचाराणां तुलनात्मकमध्ययनम्	न्याय
71.	भीमसेन जि. गुत्तल् (16-1809)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन-मन्दिरम्, बेंगलूरु	परमाण्वारम्भवादविमर्शः	न्याय
72.	राधा शर्मा (16-1962)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	पाणिनीयसूत्रेषु जातिगुणक्रियासंख्यावाचकानां शब्दानाम् अर्थविमर्शः	न्याय

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
73.	अमित कुमार द्विवेदी (16-1896)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	लखनऊजनपदस्य उच्चमाध्यमिकग्राम्य-नागरच्छात्रेषु नैतिकमूल्यबोधम् आजीविकाञ्च प्रति जागरूकताया: तुलनात्मको विमर्श:	शिक्षा
74.	एम्.एस्. शचीश (16-1860)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	महामहोपाध्यायबुद्धिनाथझाकृतस्मृतितत्त्वसारस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्म
75.	हरिमोहन सिंह (16-1743)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	प्रसिद्धोपनिषत्सु आनन्दस्वरूपविचार:	अद्वैत वेदान्त
76.	नरसिंह पण्डा (16-1742)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	योगचिकित्साविज्ञानविमर्श:	सर्वदर्शन
77.	धर्मेन्द्र कुमार (16-1747)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	स्मृतिग्रन्थेषु नारीणामधिकार: वर्तमानसन्दर्भे उपादेयता च	शिक्षा
78.	नम्रता उपाध्याय (16-1769)	एकलव्य परिसर, अगरतला	भूदेवशुक्लविरचितधर्मविजयनाटकस्य काव्यशास्त्रीयानुशीलनम्	साहित्य
79.	प्रीति दे (16-1931)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	वेदोक्तसंस्कारै: सह धर्मशास्त्रेक्तानां संस्काराणां तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
80.	प्रमोद कुमार साहु (16-1912)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	ब्रह्मचारिधर्मविषये गौतमापस्तम्बयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
81.	सर्वेश शुक्ल (16-1937)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	शिक्षाया: भारतीयकरणे पं. मदनमोहनमालवीयमहोदयस्य माधवसदाशिवराव-गोलवलकरमहोदयस्य च शैक्षिकविचाराणां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षा
82.	बोलती राम मीना (16-1936)	जयपुर परिसर, जयपुर	संस्कृतशिक्षकाणां परिवारकार्यस्थलयो: वातावरणस्य व्यक्तित्वे आध्यात्मिकबुद्धौ च जायमानस्य प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षा
83.	आभा आर्या (16-1803)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	महर्षिदयानन्द योगतत्त्वानां दार्शनिकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
84.	रामचन्द्र भारतीय (16-1953)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	मुक्तिचिन्तामणि: इति भक्तिकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
85.	चौधरी कमल केसर (16-1915)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	बौद्धसंस्कृतस्तोत्राणं समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्ध दर्शन
86.	प्रवीक्षा दुबे (16-1759)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	आहुति: स्वातन्त्र्ययज्ञे इति महाकाव्यस्य साहित्यिकसमीक्षणम्	साहित्य
87.	बृजेश कुमार रिछारिया (16-1934)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्यराधावल्लभत्रिपाठिप्रणीतताण्डवोपन्यासस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
88.	मूलराज (16-1960)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	उत्तररामचरितप्रतिबिम्बितानां मानवीयसंवेगानां मनोवैज्ञानिकमध्ययनम्	शिक्षा
89.	अमिता सिंह (16-1901)	भोपाल परिसर, भोपाल	वेणीसंहारविख्यातविजययो: नाटकयो: तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
90.	विवेक मिश्र (16-1932)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	ज्योतिषशास्त्रे निरूपिताणां वैयक्तिकविभिन्नतासम्बद्धतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
91.	लाल बहादुर (16-1954)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	शृङ्गारविलासिनीरसमञ्जर्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
92.	सोम्यरञ्जन कर (16-1940)	भोपाल परिसर, भोपाल	प्रश्नवैष्णवषट्पञ्चाशिकाग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
93.	प्रियदर्शिनी मेकाप (16-1965)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	ओडिशाराज्यस्य पारम्परिकसंस्कृतच्छात्राणां विभिन्नस्तरेषु संवैधानिकजागरणस्य अध्ययनम्	शिक्षा
94.	मङ्गला ठाकुर (16-1949)	मुख्यालय, नई दिल्ली	स्वातन्त्र्यात् परं संस्कृतसाहित्यस्य विकासे हिमाचलप्रदेशस्य योगदानम्	साहित्य
95.	गणेश कृष्ण भट्ट (16-1926)	राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी	वास्तुविद्या-मनुष्यालयचन्द्रिकाग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
96.	मुकेश कुमार साहु (16-1711)	जयपुर परिसर, जयपुर	नयचन्द्रसूरिविरचित हम्मीरमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
97.	रूपेन्द्र कुमार तिवारी (16-1781)	भोपाल परिसर, भोपाल	पण्डितसुन्दरलालशर्मणः छत्तीसगढ़ी-पद्यकाव्येषु संस्कृताहित्यस्य प्रभावः	साहित्य
98.	रुचि पाण्डेयः (16-1945)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	सङ्गीतरघुनन्दनकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
99.	कुश कुमार पाण्डेय (16-1898)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	भवभूतिनाट्यसाहित्ये शैक्षिक-सामाजिक-मनोवैज्ञानिकतत्त्वानां विश्लेषणात्मकमनुशीलनम्	शिक्षाशास्त्र
100.	प्रताप कुमार मिश्र (16-1790)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	दर्शनेषु व्याप्तिहेत्वाभासयोः समीक्षणात्मकममध्ययनम्	न्याय
101.	ललित मोहन पन्तोला (16-1913)	भोपाल परिसर, भोपाल	संस्कृतमातृभाषिजनानां मनोभाषिकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
102.	अजय कुमार कर (16-1893)	मुख्यालय, नई दिल्ली	द्रव्यन्यायकन्दल्याः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
103.	रतन लाल जाट (16-1593)	जयपुर परिसर, जयपुर	अष्टाध्याय्याः शब्दकौस्तुभकाशिकावृत्त्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
104.	वनश्री वेरा (16-1919)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	सांख्ययोगदर्शनदृष्ट्या ईश्वरतत्त्वस्य दर्शनान्तरैः तुलनात्मकमध्ययनम्	सांख्य योग
105.	योगानन्द झा (16-1910)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	म.म. कृष्णमाधवझाविरचिततर्कतरङ्गिण्याः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	नव्य न्याय
106.	कैलाश चन्द्र शर्मा (16-1956)	मुख्यालय, नई दिल्ली	नीतिपञ्चाशिकायाः समीक्षणम्	साहित्य
107.	मधुसूदन दास (16-1961)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	पुराणेषु योगसन्दर्भाणां विमर्शः	सांख्ययोग
108.	सौभाग्य प्रदा (16-1922)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीबालमुकुन्दप्रणीतस्य 'रुक्मिणीमङ्गलम्' महाकाव्यस्य परिशीलनम्	साहित्य
109.	जयतीर्थ नायकल् (16-1967)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मंदिरम्, बेंगलूरु	श्रीगलगलीरामाचार्यकृतीनां विमर्शात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
110.	ज्योति आर्या (16-1905)	भोपाल परिसर, भोपाल	शिवराजविजये प्रयुक्तानां तद्धितप्रयोगाणां शास्त्रीयं समालोचनम्	व्याकरण
111.	खेमनारायण रेग्मी (16-1933)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	संस्कृतविश्वविद्यालयेषु व्यावसायिकशिक्षायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
112.	संतोष कुमार शर्मा (16-1892)	भोपाल परिसर, भोपाल	पण्डितहरिप्रसादद्विवेदिविरचितस्य गोस्वामितुलसीदासचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयसमीक्षणम्	साहित्य
113.	अरुण भट्ट (16-1857)	राजीवगान्धी परिसर, शृङ्गेरी	श्रीनीलकण्ठवाजपेयिविरचितायाः सिद्धान्तकौमुदीव्याख्यायाः सुखबोधिन्याख्यायाः समासप्रकरणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनञ्च	व्याकरण
114.	जगन्नाथ स्वाईं (16-1881)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	सृष्टितत्त्वानुचिन्तनग्रन्थस्य दार्शनिकविश्लेषणम्	अद्वैतवेदान्त
115.	अर्चना कुमारी (16-1978)	भोपाल परिसर, भोपाल	समासाधिकारीयसूत्राण्यधिकृत्य सिद्धान्तरत्नाकरमनोरमाटीकयो-स्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
116.	अल्पना वर्मा (16-1950)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	पाराशरोपपुराणस्य सांस्कृतिकं सामीक्षिकञ्चाध्ययनम्	साहित्य
117.	राजेश जैन (16-1952)	भोपाल परिसर, भोपाल	केन्द्रीयविद्यालय-उत्तरप्रदेश-राजकीय-विद्यालययोः माध्यमिकस्तरे संस्कृतपाठ्यक्रम-संस्कृताधिगमस्तरयोः तुलनात्कमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
118.	अनिल कुमार (16-1923)	जयपुर परिसर, जयपुर	व्याकरणद्धिान्तसुधानिधेः तद्धितप्रत्ययस्य समीक्षणम्	व्याकरणस्य
119.	प्रवीन कुमार (16-1899)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	सेवारतसंस्कृतशिक्षकाणां व्यावसायिकाभिवृत्तौ शिक्षणाभिवृत्तौ च अन्तः सेवाप्रशिक्षणकार्यक्रमाणां प्रभावस्य सर्वेक्षणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
120.	गायत्री शर्मा (16-1855)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	हिमाचलप्रदेशस्य बिलासपुरमण्डले प्रचलितपर्वतीयभाषायां संस्कृतमूलकशब्दानां भाषावैज्ञानिकं समीक्षणम्	व्याकरण
121.	लिजालिन् वैरीगंजन (16-1955)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	गोविन्दचन्द्रमिश्रविरचितस्य प्रसेनविजययम्पूकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं समीक्षणम्	साहित्य
122.	श्याम सुन्दर साधुखाँ (16-1928)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	अद्वैतद्वैताद्वैतवेदान्तयोः प्रतिपादितसिद्धान्तानां तुलनात्मकं समीक्षणम्	अद्वैतवेदान्त
123.	आलोक कुमार यादव (16-1897)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	काव्यप्रकाश-साहित्यसुधासिन्ध्वोस्तुलनात्मकं परिशीलनम्	साहित्य
124.	प्रकाश चन्द यादव (16-1891)	भोपाल परिसर, भोपाल	महाभाष्यालोके वाक्यपदीयपदकाण्डस्थवृत्तिसमुद्देशस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
125.	प्रियंका सिंह (16-1968)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्यराधावल्लभत्रिपाठिप्रणीतानां संस्कृतरूपकाणां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
126.	श्रीनिवास पण्डा (16-1981)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	महापुरुष-अरक्षितदासविरचितमहीमण्डलगीतायाः दार्शनिकं विश्लेषणम्	सांख्ययोग
127.	हितेश त्रिवेदी (16-1929)	के.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई	श्रीरूपगोस्वामीविरचितोज्ज्वलनीलमणिग्रन्थस्य तल्लोचनरोचनी-टीकायाश्च समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
128.	सोरभ सेपट (16-1939)	जयपुर परिसर, जयपुर	शब्दकौस्तुभबृहच्छब्देन्दुशेखरस्थकारकविभक्त्यर्थविधायकसूत्राणां तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
129.	खुशबू कुमारी (16-2013)	जयपुर परिसर, जयपुर	भ्वादिस्थधातूनामर्थनिर्देशानुसारं लोके हिन्द्यामाङ्लभाषायाञ्च प्रयुक्तशब्दानामर्थदृष्ट्या समीक्षणम्	व्याकरण
130.	उदय प्रकाश झा (16-1872)	मुख्यालय, नई दिल्ली	संस्कृतमञ्जर्याम् प्रकाशित-रूपकाणां समीक्षणम्	साहित्य
131.	बबिता निर्मल (16-1946)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	आचार्यश्रीकेशवचन्द्रदशप्रणीतानां संस्कृतोपन्यासानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
132.	मनोज कुमार स्वाईं (16-1973)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	महाभारतशान्तिपूर्वोक्तराजधर्म मनुप्रतिपादितराजधर्मयोस्तुलनात्मक-मध्ययनम्	धर्मशास्त्र
133.	कु. चित्रा श्रीवास्तव (16-1925)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	प्रशासकीयोगानां ज्यौतिषशास्त्रदृष्ट्या अध्ययनम्	ज्यौतिष
134.	सुधाकर कुमार पाण्डेय (16-1944)	श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	श्रीमद्भगवद्गीतायाः प्रथमषट्के वैदिकतत्त्वानां सद्भावसमीक्षणम्	वेद
135.	मणिकान्त तिवारी (16-2014)	मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रमुखयौगिकदशमुद्राणां प्रयोगात्कमध्ययनम्	सांख्ययोग
136.	गोपाल प्रसाद महापात्र (16-1963)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	श्रीजयदेवकृतगीतगोविन्दस्य संगीतशास्त्रीयध्ययनम्	साहित्य
137.	प्रदीप कुमार शर्मा (16-1920)	भोपाल परिसर, भोपाल	स्वातन्त्र्योत्तरभारते संस्कृतसाहित्ये दूतकाव्यपरम्परा मृगाङ्कदूतश्च	साहित्य
138.	मनीषा पाणिग्राही (16-1970)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	आधुनिकसमाजनिर्माणे आचारस्योपादेयता	धर्मशास्त्र
139.	नीलम (16-1900)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	श्री सिङ्गभूपालविरचितस्य रसार्णवसुधाकरसञ्ज्ञकस्य ग्रन्थरत्नस्य नाट्यशास्त्रीयदिशा समीक्षणम्	साहित्य
140.	कविता वेहेरा (16-1911)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	पञ्चदश्याः कल्याणपीयूषव्याख्यायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
141.	अनुप बाइल (16-1982)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	पश्चिमबङ्ग-ओडिशाप्रदेशयोः स्नातकस्तरे संस्कृतच्छात्राणां व्यावसायिकनिर्देशनस्य आवश्यकतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
142.	पौलमी राय (16-1869)	एकलव्य परिसर, अगरतला	श्रीदीपकचन्द्रकृत-महाभारतकथाश्रितकृतिषु पञ्चचरित्राणां तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
143.	सन्तोष कुमारी (16-1943)	श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	पण्डितदुर्गादत्तशास्त्रिविरचितसंस्कृतसाहित्यस्य समीक्षणम्	साहित्य
144.	मांगीलाल चौहान (16-1889)	भोपाल परिसर, भोपाल	साकेतसौरभमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
145.	अनुपम गर्ग शुक्ल (16-1941)	भोपाल परिसर, भोपाल	एकविंशशतके संस्कृतरङ्गमञ्चस्य विकासः	साहित्य
146.	नारायण सामाइ (16-1914)	राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी	कविप्रयोगपरिशीलनपूर्वकम् उपमालङ्कारस्य काव्यशास्त्रीयं	साहित्य

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
147.	अंकित दाधीच (16-2012)	जयपुर परिसर, जयपुर	प्राचीनदत्तकविधेः वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये प्रासङ्गिकता	धर्मशास्त्र
148.	कविता चौरसिया (16-1948)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीमदुद्दण्डशास्त्रिप्रणीतस्य कोकिलसन्देशस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
149.	श्रीमन्त कुमार पाण्डा (16-1969)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	अध्यापकप्रशिक्षणे गुणवत्तासम्पादनाय शङ्करवेदान्तस्य अवदानम्	शिक्षाशास्त्र
150.	देवकरण शर्मा (16-1996)	जयपुर परिसर, जयपुर	अभिनवशैक्षिकप्रविधीनां माध्यमेन प्रमुखाणाम् अष्टकाव्यानां शिक्षणसामग्रीनिर्माणं तत्प्रयोगप्रभावपरिशीलनञ्च	शिक्षाशास्त्र
151.	संजय कुमार (16-1979)	रणवीर परिसर, जम्मू	शृङ्गारप्रकाशसाहित्यरत्नाकारयोः प्रतिपादितानां नाट्यतत्त्वानां तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
152.	विजय कुमार (16-1994)	जयपुर परिसर, जयपुर	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः अदादितश्चुराद्यन्तप्रकरणस्य तत्त्वबोधिनीटीकाबृहच्छब्देन्दुशेखरयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरणस्य
153.	द्वारिका प्रसाद तिवारी (16-1958)	जयपुर परिसर, जयपुर	संस्कृतभाषायां शिक्षणप्रतिमानाधारितअधिगम-सामग्री विकासः	शिक्षाशास्त्र
154.	जीवन प्रकाश तिवारी (16-1972)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	आचार्यहरिदत्तशर्मप्रणीतानां गीतकन्दलिका-उत्कलिका-लसल्लतिका-संज्ञकानां गीतकाव्यानां सामीक्षिकं परिशीलनम्	साहित्य
155.	अभिषेक जानी (16-1995)	जयपुर परिसर, जयपुर	वाक्यपदीयस्थवाक्यकाण्डस्य (पूर्वार्धस्य) प्रकाशटीकाया महाभाष्यदृष्ट्या	व्याकरण
156.	दीपक प्रधान (16-2002)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	कवीन्द्रगङ्गानन्दप्रणीतसटीकभृङ्गदूतस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
157.	अमित कुमार झा (16-1997)	जयपुर परिसर, जयपुर	ज्यौतिषशास्त्रदृष्ट्या वृक्षायुर्वेदस्य अनुशीलनम्	ज्यौतिष
158.	सीमा शर्मा (16-1986)	जयपुर परिसर, जयपुर	वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डस्य स्वोपज्ञवृत्तिप्रत्येकार्थप्रकाशिकाटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
159.	पुरुषोत्तम कंस्वालि (16-1951)	राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी	नीतिशतकसाहित्ये शैक्षिक-सामाजिक-मनोवैज्ञानिकतत्त्वानामध्ययनं तेषामुपयोगिता च	शिक्षाशास्त्र
160.	रश्मि देवी श्रीवास्तव (16-1991)	श्री गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	अमरुकशतकस्य ज्ञानानन्दीटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
161.	कादम्बिनी मिश्र (16-1333)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	आचार्यकिशोरचन्द्रमहापात्रविरचितस्य प्रणयप्रसादनमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
162.	विश्वलक्ष्मी विश्वाल (16-1903)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	शुद्धिसार-शुद्धिचन्द्रिकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
163.	दीपक भार्गव (16-1883)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्यगिरिजाशङ्करमिश्रप्रणीतस्य प्रसन्नभारतमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयम् अध्ययनम्	साहित्य
164.	सुमेरी लाल (16-1918)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	अभिज्ञानशाकुन्तलोत्तररामचरितयोः स्त्रीपात्राणां तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
165.	शैलेश कुमार जैमन (16-1935)	जयपुर परिसर, जयपुर	श्रीमदम्बिकादत्तव्यासविरचितशिवराजविजये राष्ट्रभावनायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
166.	प्रवीण चन्द्र उपाध्याय (16-1959)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	पुराणेषु काव्यशास्त्रीयतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
167.	अगस्त्य मुनि उपाध्याय (16-2015)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	पाणिनीयव्याकरणदृशा दुर्गासप्तशत्यां प्रयुक्तशब्दानां विश्लेषणम्	व्याकरण
168.	विश्वजित महापात्र (16-1974)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	भारतीयदर्शनपरम्परायां भीमभोईविरचितस्तुतिचिन्तामणिग्रन्थस्य समीक्षणम्	सर्वदर्शन
169.	प्रमोद भट्ट (16-1971)	राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी	पुराणेतिहासयोः श्राद्धकल्पविमर्शः	पुराणेतिहास
170.	विदिशा खाँ (16-1938)	श्रीसदाशिव परिसर पुरी	पश्चिमबङ्गराज्यस्य कोलकाताहावडाजनपदयोः माध्यमिकविद्यालयानां भाषाध्यापकानां सततसमग्रमूल्याङ्कनं प्रति अभिवृत्तेः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
171.	राहुल चौधरी (16-1977)	गङ्गानाथझा परिसर, प्रयागराज	पञ्चरत्न-प्रकाशस्य सम्पादनं समालोचनात्मकमध्ययनञ्च	दर्शन
172.	जन्मेश मीना (16-1848)	जयपुर परिसर, जयपुर	व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधेः स्त्रीप्रत्ययस्य सूत्राणां वैयाकरणसिद्धान्त-कौमुदीस्थस्त्रीप्रत्ययस्थसूत्राणां च तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएं

बिहार

1. जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम, संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा, वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)
2. देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)
3. डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001
4. राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो.आ. कोलहण्टा पटोरी, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003
5. सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101
6. रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)
7. डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)
8. अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)
9. लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404
10. दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा, जिला–दरभंगा (बिहार) 847423
11. जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407

दिल्ली

12. श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015
13. श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092

क्रमशः....

14. वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय
वसंत विहार, नई दिल्ली–110057

15. शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ,
1021-1024, गली शक्ति मन्दिर, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

16. श्री महावीर विश्व विद्यापीठ
ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063

17. श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय
एफ-487/3, रघुवीर नगर, नई दिल्ली–110027

18. आर्य कन्या गुरुकुल
न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060

19. राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय
कराला, दिल्ली–110081

20. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ
हरेवली, दिल्ली–110039

21. बाल विद्या मन्दिर
(नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ, दिल्ली–110041

22. महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ
आनन्दधाम आश्रम, नांगलोई, नई दिल्ली

23. संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान
गौशाला मार्ग, दिल्ली

गुजरात

24. श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय
श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007

हरियाणा

25. आलोक संस्कृत महाविद्यालय
चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039

26. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ
पो. बघौला, तहसील–पलवल, जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102

27. श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय
विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102

28.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102
29.	डी.के.के.एस्.डी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय अंबाला कैण्ट (लाहौर), जगाधरी रोड, हरियाणा
	जम्मू व कश्मीर
30.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी, जिला–राजौरी, जम्मू
	झारखण्ड
31.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड-814112
	केरल
32.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर, जिला–कन्नूर-670501 (केरल)
33.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै, जिला–कोट्टायम–686574 (केरल)
34.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505
35.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612
36.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर, जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664
37.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर, जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)
38.	विघ्नेश्वर संस्कृत महाविद्यालय पोंगिनी, कनियम्बेटा, पो.ओ. वायनाड, केरल-670124
39.	चिन्मय इन्टरनेशनल फाउन्डेशन शोध संस्थान अर्नाकुलम्, केरल
	महाराष्ट्र
40.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग, मुम्बई–400007

क्रमश:....

मणिपुर
41. मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय संगईपेटए सेरीकल्चर प्रोजेक्ट के सामने, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर–795001
42. राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134
पंजाब
43. बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब-140406
44. श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो. खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401
राजस्थान
45. नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201
46. श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय सांगनेर, जयपुर, राजस्थान
47. नरसी लाल पंचौली महाविद्यालय बोलखेडा, भरतपुर, राजस्थान
उत्तर-प्रदेश
48. रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश
49. श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010
50. गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204
51. श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005
52. गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)
53. अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमश:....

54. रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र
उच्च माध्यमिक विद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)

उत्तराखण्ड

55. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ
सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट, जिला–पौडी गढ़वाल–246279 (उत्तरांचल)

56. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
गुरुकुल कांगडी सम विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

57. आत्मानंद संस्कृत महाविद्यालय
बलोडी, जालेथु, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

58. ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण, जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल

पश्चिम बंगाल

59. पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय (विद्यालय स्तर)
आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई,
जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)

60. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035

61. हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय
लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक, लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) – 737133

62. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक
पोस्ट ऑफिस हेरिया, जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430

63. मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल
इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी,
जिला–उत्तर दीनाजपुर, (पश्चिम बंगाल) – 733123

64. भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय,
श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302

65. ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ
पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर), जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी.

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
	दिनांक 22 मई, 1978	7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

संलग्नक-ज

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973 वाचस्पति	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि डी.लिट्	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. वाचस्पति डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य साहित्याचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	प्री-डिग्री बी.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं. ए सी एम-II/6115 दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81 ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08 ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शास्त्री आचार्य प्राक्शास्त्री शिक्षाशास्त्री	बी.ए., शास्त्री एम.ए. +2 स्तर परीक्षा बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली देखिए डी.ओ.सं. 80628 दिनांक 27-5-1988 सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/ 2009/6147 दिनांक 3.3.09	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	आठवीं दसवीं बारहवीं
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

क्रमशः....

संलग्नक-झ

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 2021-22

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	05
2.	बिहार	07
3.	छत्तीसगढ़	30
4.	दिल्ली	05
5.	गुजरात	01
6.	हिमाचल प्रदेश	03
7.	हरियाणा	19
8.	जम्मू और कश्मीर	01
9.	कर्नाटक	03
10.	केरल	06
11.	मध्य प्रदेश	20
क्रमांक	**राज्य**	**संगठनों की संख्या**
12.	महाराष्ट्र	06
13.	मणिपुर	02
14.	ओड़िशा	05
15.	पंजाब	03
16.	राजस्थान	25
17.	सिक्किम	08
18.	तमिलनाडु	01
19.	उत्तराखंड	39
20.	उत्तर प्रदेश	69
21.	पश्चिम बंगाल	147
	कुल	**405**

संलग्नक-ञ

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 2021-22

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	03
2.	बिहार	02
3.	छत्तीसगढ़	31
4.	दिल्ली	01
5.	गुजरात	01
6.	हिमाचल प्रदेश	02
7.	हरियाणा	14
8.	जम्मू और कश्मीर	01
9.	केरल	01
10.	मध्य प्रदेश	06
11.	मणिपुर	01
12.	ओड़िशा	02
13.	पंजाब	01
14.	राजस्थान	11
15.	सिक्किम	07
16.	उत्तराखंड	26
17.	उत्तर प्रदेश	33
18.	पश्चिम बंगाल	10
	कुल	**153**

संलग्नक-ट

राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त शासकीय माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 2021-22

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	छत्तीसगढ़	10
2.	राजस्थान	02
3.	सिक्किम	13
	कुल	**25**

संलग्नक-ठ

विश्वविद्यालय की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्र.	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डॉ. शशिनाथ झा	विद्याकर सहस्रकम्	44,768/-
2.	डॉ. शशिनाथ झा	गुणेश्वर चरितचम्पूः	50,790/-
3.	प्रो. पुरुषोत्तम शर्मा	आचार्य भीम विरचित परिभाषार्थमञ्जरी का समीक्षात्मक सम्पादन तथा अध्ययन	43,500/-
4.	डॉ. उदयन हेगड़े	देवकान्त दैवा	47,250/-
5.	लल्लू प्रसाद शुक्ल	पाणिनीयवैदिकस्वरसूत्राणां यजुर्वेदीय-प्रातिशाख्यों स्वरसूत्रै साकं समीक्षात्मकमध्ययनम्	29,418/-
6.	डॉ. राजेन्द्र चिन्तामणि जैन	कुमारसंभवम्	13,266/-

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डॉ. राधेश्याम शुक्ला 25/43, शक्ति नगर, दिल्ली-110007	उपनिषद् तत्त्वज्ञान महाकोष	2,16,365/-
2.	श्रीमती अर्पिता मिश्रा सुपुत्री श्री बांकेलाल मिश्रा एन-10/29 के-1, श्याम नगर कॉलोनी, डी.एल.डब्ल्यू. रोड, ककारमत्ता, पो.ऑ. बजारिधा, वाराणसी-221109	बिल्बमंडल कृत श्रीकृष्णकर्णामृतम् का समीक्षात्मक अनुशीलन (श्रीमद्भागवत के दशम स्कन्ध के आलोक में)	1,05,000/-
3.	डॉ. प्रवीण कुमार राय डी-4/69, तृतीय तल, वशिष्ठ पार्क, जनक सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-46	कपिलदेवहुतिसंवाद	29,875/-
4.	प्रो. दिनेशचन्द्र शास्त्री 30, योगी विहार, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407	वैदिक साहित्य से संबद्ध भ्रांतियां और उनका निराकरण	46425/-
5.	डॉ. कुमारी ललिता C/o डॉ. मनोज कुमार गवर्नमेंट संस्कृत कॉलेज, काजीपुर, पटना, बिहार-800004	काव्यशास्त्रस्य विकासे मिथिलाय अवधानम्	46,000/-
6.	महंत डॉ. सुधाराम शास्त्री श्री दादू बलराम संस्कृत महाविद्यालय, ग्वालिखेड़ा, बागपत, यू.पी. 250606	दादूपीठम् त्रिवेणी महाकाव्यम्	29,274/-
7.	डॉ. प्रेम प्रकाश 2/19, आर्यवानप्रस्थ आश्रम, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407	वेदान्त ज्योति	81,171/-
8.	डॉ. देवानन्द शुक्ल प्रभारी, शैक्षणिक विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	शब्दार्थचिन्तामणि (भाग-1)	5,58,600/-

क्रमशः....

संलग्नक-ड (क्रमशः....)

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
9.	डॉ. तारादत्त, आई.ए.एस. (रिटायर्ड) फ्लैट नं. बी-001, लेक पेराडाईस, बिजरोली गाँव, पो.ऑ. नूलाधारा, नोकुचियाताल, जिला-नैनीताल-263136 उत्तराखण्ड	कैलाशमानसरोवरभिज्ञानम्	74,736/-
10.	डॉ. अनीता राजपाल डी-4, स्टॉफ फ्लैट्स, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007	न्यायमंजरी में प्रमाण-विमर्श (बुद्ध एवं मीमांसा सम्मत)	1,75,696/-
11.	डॉ. नारायण दत्त मिश्रा कत्कामसंदी, हजारीबाग, झारखंड-825319	व्याकरणसाहित्यशास्त्रस्य लिंगावाचनविमर्श	51,000/-

संलग्नक-ढ

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
तेलंगाना	1.	संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	श्रीस्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201

क्रमशः....

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला (रोहडू), तहसील-चढ़गाँव जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम् आदर्श शोध संस्थान, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लूरु, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन आदर्श शोध संस्थान, आदि शंकरा नीलियम, आदिशंकर मार्ग, पोस्ट-वेलियनाड, एरनाकुलम्, केरल-682313
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मंडल, आदर्श शोध संस्थान, टी.एम.वी. कॉलोनी, मुकुन्द नगर, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-411037
	16.	मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18.	मद्रास संस्कृत कॉलेज, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19.	श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि, 53 गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221003
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121

क्रमश:....

संलग्नक-ढ (क्रमशः....)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
पश्चिम बंगाल	24.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2-ए, पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035
राजस्थान	26.	श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान, पिन कोड-311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

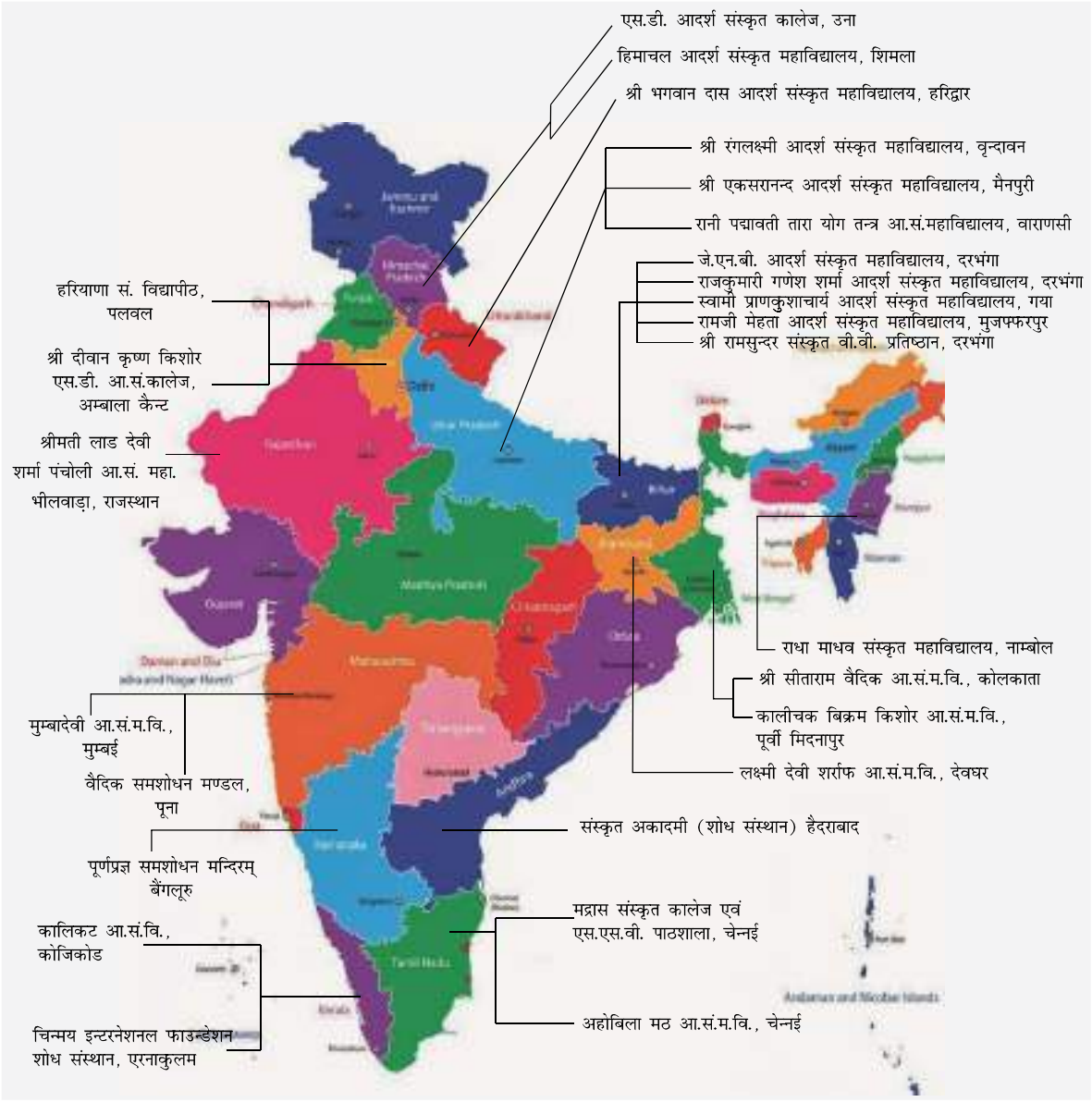

7. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 2021-22 का वार्षिक लेखा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2022 का वित्तीय विवरण

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2021-22	पूर्व वर्ष 2020-21
समग्र/पूंजी निधि	**1**	-688,705,417.00	-353,690,566.00
चिन्हित/अक्षय निधि	**2**	71,947,039.00	252,840,341.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	**3**	5,112,738,271.00	4,382,178,219.00
योग		**4,495,979,893.00**	**4,281,327,994.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ	**4**		
मूर्त परिसम्पत्तियाँ		1,435,015,864.00	753,840,981.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		191,410.00	109,808.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		2,510,566,821.00	3,018,054,886.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि	**5**		
दीर्घ अवधि		-	-
लघु अवधि		1,101,423.00	1,130,923.00
निवेश - अन्य	**6**	321,809,527.00	285,972,855.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**7**	221,031,943.00	215,673,701.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि (जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)	**8**	6,262,905.00	6,544,840.00
योग		**4,495,979,893.00**	**4,281,327,994.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	**23**		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	**24**		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2022 का आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (20209-21)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	32,321,130.00	15,661,941.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1,805,635,726.00	1,653,735,643.00
निवेश से आय	11	70,081.00	225,753.00
अर्जित ब्याज	12	3,177,425.00	3,749,856.00
अन्य आय	13	6,531,944.00	10,418,009.00
पूर्व अवधि आय	14	-	-2,571,283.00
योग (ए)		**1,847,736,306.00**	**1,681,219,919.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	888,232,051.00	915,069,960.00
शैक्षिक व्यय	16	708,741,023.00	649,108,802.00
प्रशासनिक व्यय	17	90,806,803.00	82,067,878.00
यात्रा व्यय	18	2,682,297.00	1,752,625.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	37,567,192.00	5,715,761.00
वित्तीय लाग	20	12,523.00	20,617.00
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	43,910,671.00	30,636,339.00
अन्य व्यय	21	10,882,725.00	4,104,513.00
पूर्व अवधि व्यय	22	-	1,275,772.00
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (व्यवस्था)	15A	609,015,569.00	4,158,964,685.00
योग (बी)		**2,391,850,854.00**	**5,848,716,952.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		-544,114,548.00	-4,167,497,033.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानातरण		-	-
भवन निधि में स्थानान्तरण		-	-
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		-	-
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**-544,114,548.00**	**-4,167,497,033.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	25		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-353,690,566.00	3,549,514,233.00
आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय का संतुलन	-544,114,548.00	-4,167,497,033.00
भारत सरकार के अनुदान का पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया (कैपिटल कार्य प्रगति पर)	213,961,255.00	288,000,000.00
जमा : आंतरिक निधि से खरीदी गई संपत्ति	-	4,115,553.00
घटा : संपत्ति में कमी (बिक्री)	-	-1,492,169.00
जमा : दान में पुस्तकें (पूर्व वर्ष)	-	-
जमा : दान में पुस्तकें (वर्तमान वर्ष)	72,960.00	80,647.00
जमा : पूर्व अवधि : संपत्तियों को अचल संपत्तियों को ले जाना चाहिए	-	-
जमा : पूर्व अवधि : अव्ययित भुगतान की दोहरी बुकिंग	-	-
जमा : पूर्व अवधि :	-	-
घटा : पिछले वर्ष दिखाया गया अतिरिक्त पेंशन फंड अब वापिस किया गया		
घटा : देनदारियों का मुख्य खाते से समग्र निधि में स्थानांतरण	-4,934,518.00	-26,411,797.00
घटा : पूर्व अवधि : पिछले वर्ष गलत तरीके से जोड़ी गई सम्पत्तियों को उलट दिया गया	-	-
घटा : पूर्व अवधि : अव्ययित अनुदान की दोहरी बुकिंग	-	-
घटा : पूर्व अवधि : समायोजन अब आय के रूप में लिया जाता है	-	-
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**-688,705,417.00**	**-353,690,566.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि	निधि-वार ब्रेक-अप				योग	
विवरण	पेंशन निधि	छात्र निधि (छात्रकोष)	अक्षय निधि (मुख्यालय)	अक्षय निधि (परिसर)	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि	**187,411,383**	**63,931,476**	**1,169,259**	**421,697**	**252,933,815**	214,055,486
जमा/घटा : पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि अब वापिस की गई	-	-	-	-	**-**	(2,994,205)
जमा : वर्तमान वर्ष में प्राप्त राशि		9,310,385	**-**	**-**	**9,310,385**	25,137,850
सावधि जमा में निवेश से आय		963,232	68,260	22,093	**1,053,585**	8,711,855
बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	1,502,304	-	-	**1,502,304**	1,717,341
वर्ष के दौरान किए गए लेन देन से अन्य प्राप्तियां	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	17,370,682
चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	**-**	16,381,810	**-**	**-**	**16,381,810**	
योग (ए)	**187,411,383**	**92,089,207**	**1,237,519**	**443,790**	**281,181,899**	**263,999,009**
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय						
निधि से किया गया सामान्य व्यय	**-**	652,541	**-**	**-**	**652,541**	-
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी की गई धनराशि	-	1,717,825	-	7,383	**1,725,208**	569,845
राजस्व व्यय (पूर्व वर्ष/वर्तमान वर्ष का समायोजन)	**-**	3,073,073	(183)	**-**	**3,072,890**	1,639,878
अन्य विविध प्राप्तियाँ/वर्तमान वर्ष के दौरान किया गया लेन-देन	187,411,383	16,372,838	**-**	**-**	**203,784,221**	8,948,945
योग (बी)	**187,411,383**	**21,816,277**	**(183)**	**7,383**	**209,234,860**	**11,158,668**
वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**-**	**70,272,930**	**1,237,702**	**436,407**	**71,947,039**	**252,840,341**
उपस्थापित कर्ता :						
नकद	**-**	198,714	**-**	**-**	**198,714**	140,127
बैंक में शेष	**-**	40,381,058	528,476	44,210	**40,953,744**	34,667,542
निवेश	-	29,693,158	709,226	392,197	**30,794,581**	218,032,673
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	
योग	**-**	**70,272,930**	**1,237,702**	**436,407**	**71,947,039**	**252,840,342**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

निर्धारित/दान निधि का संलग्नक	निधि-वार ब्रेक-अप													योग	
विवरण	पेंशन फंड	छात्र निधि	जमानत राशि पुस्तकालय	जमानत राशि छात्रावास	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के. शर्मा	आर. देवनाथन	गरली	गुरुवायूर	शृंगेरी	चालू वर्ष 2021-22	पूर्व वर्ष 2020-21
निर्दिष्ट चिह्नित/अक्षय निधि	187,411,383.00	57,307,144.00	3,510,974.00	3,113,358.00	199,866.00	7,704.00	420,996.00	4,817.00	483,200.00	52,676.00	27,857.00	144,949.00	248,891.00	252,933,815.00	214,055,486.00
जमा/घटा : पूर्व वर्ष में ली गई रकम की वापसी					-		-	-	-	-				-	-2,994,205.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त रकम		6,995,585.00	1,023,800.00	1,291,000.00										9,310,385.00	25,137,850.00
निधि में निवेश से आय		963,232.00	-		-	1,119.00	-	-	55,931.00	11,210.00	1,391.00	7,383.00	13,319.00	1,053,585.00	8,711,855.00
अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज	-	1,385,648.00	57,235.00	59,421.00				-	-	-				1,502,304.00	1,717,341.00
वर्ष के दौरान लेनदेन पर अन्य प्राप्तियाँ	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	17,370,682.00
वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	-	16,314,360.00	67,450.00											16,381,810.00	
योग (ए)	187,411,383.00	82,965,969.00	4,659,459.00	4,463,779.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	4,817.00	539,131.00	63,886.00	29,248.00	152,332.00	262,210.00	281,181,899.00	263,999,009.00
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय															
निधि द्वारा बनाया सामान्य व्यय	-	558,541.00		94,000.00	-		-	-	-	-				652,541.00	-
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी	-	944,575.00	625,250.00	148,000.00	-		-	-	-	-		7,383.00		1,725,208.00	569,845.00
राजस्व व्यय (पूर्व/वर्तमान अवधि का समायोजन)	-	2,847,652.00	206,421.00	19,000.00	-		-	-183.00	-	-				3,072,890.00	1,639,878.00
अन्य विविध भुगतान/वर्ष के दौरान लेन-देन	187,411,383.00	15,736,050.00	275,788.00	361,000.00				-						203,784,221.00	8,948,945.00
योग (बी)	187,411,383.00	20,086,818.00	1,107,459.00	622,000.00	-	-	-	-183.00	-	-	-	7,383.00	-	209,234,860.00	11,158,668.00
वर्ष में अन्तिम शेष (ए - बी)	-	62,879,151.00	3,552,000.00	3,841,779.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	29,248.00	144,949.00	262,210.00	71,947,039.00	252,840,341.00
प्रतिनिधित्व :															
नकद	-	175,246.00		23,468.00										198,714.00	140,127.00
बैंक में शेष	-	36,849,489.00	1,686,825.00	1,844,744.00	51,640.00	2,823.00	170,996.00	-	289,131.00	13,886.00	-	-	44,210.00	40,953,744.00	14,667,542.00
निवेश		29,693,158.00			148,226.00	6,000.00	250,000.00	5,000.00	250,000.00	50,000.00	29,248.00	144,949.00	218,000.00	30,794,581.00	218,032,673.00
अर्जित ब्याज पर देय नहीं	-				-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	-	66,717,893.00	1,686,825.00	1,868,212.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	29,248.00	144,949.00	262,210.00	71,947,039.00	232,840,342.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
वर्तमान देनदारियां		
भवन निधि से जमा	-	-
छात्रों द्वारा जमा	-	-
विविध लेनदार (छुट्टी वेतन एवं पी.सी.)	**3,257,921.00**	**1,710,207.00**
विविध लेनदार जी.ओ.एल. (जी.ओ.एल. को देय ब्याज)	-	**1,782,852.00**
अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	**328,393,226.00**	**104,364,417.00**
प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति देनदारियां	-	-
अन्य वर्तमान देनदारियां		
देय वेतन	**82,750,255.00**	**73,639,537.00**
प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
अनुपयोगी अनुदान	**6,040,403.00**	**37,321,354.00**
अग्रिम अनुदान	-	-
उपार्जित देयता	-	-
योग (ए)	**420,441,805.00**	**218,818,367.00**

प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
ग्रेच्युटी के लिए प्रावधान	301,595,512.00	282,973,499.00
सेवानिवृत्ति/पेंशन के लिए प्रावधान	4,066,220,682.00	3,601,935,675.00
संचित छुट्टियों का नकदीकरण	320,797,788.00	274,055,511.00
व्यापार वारंटियों का दावा	-	-
अन्य प्रावधान (निर्दिष्ट)	-	-
योग (बी)	4,688,613,982.00	4,158,964,685.00
वैधानिक दायित्व योग (सी)	3,682,484.00	4,395,167.00
योग (ए+बी)	5,112,738,271.00	4,382,178,219.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2022

(राशि ₹ में)

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
आय कर				
जी.पी.एफ.	-	109,591,061.00	109,591,061.00	-
एन.पी.एस.	-	71,766,196.00	71,766,196.00	-
जी.आई. प्रीमियम	354,753.00	26,986,077.00	26,833,208.00	507,622.00
जी.आई.एस. देनदारियाँ	512,615.00	737,211.00	1,012,000.00	237,826.00
परिसरों की अन्य देनदारियाँ	89,296.00	852,068.00	823,974.00	117,390.00
एल.आई.सी.	553,263.00	-	-	553,263.00
परिसरों को प्रेषण	2,571.00	1,546,044.00	1,546,044.00	2,571.00
पिछले वर्षों के लिए देय अन्य राशि	2,882,669.00	1,850,272.00	2,469,129.00	2,263,812.00
टी.डी.एस.	-	2,177,385.00	2,177,385.00	-
जी.एस.टी.	-	324,437.00	324,437.00	-
पेशेवर कर	-	865,948.00	865,948.00	-
अन्य परिसरों का स्थानांतरण/अन्य खाते/निधियाँ	-	-	-	-
प्रधानमंत्री सहायता राशि	-	-	-	-
योजना और वास्तुकला का स्कूल	-	-	-	-
सी.पी.एफ.	-	-	-	-
छात्रकोष (छात्र कोष)	-	-	-	-
योग	**4,395,167.00**	**216,696,699.00**	**217,409,382.00**	**3,682,484.00**

ई.एम.डी. का संलग्नक/जमानती राशि 31.03.2022

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
ई.एम.डी. सहित अन्य जमा/प्रतिभूति				
बयाना जमा राशि	883,244.00	55,000.00	5,000.00	933,244.00
जमानती राशि (पुस्तकालय+हॉस्टल)	-	-	-	-
विविध देनदारियां हेतु समग्र निधि	89,583,291.00	223,786,549.00	14.00	313,369,826.00
आकस्मिक देयताएँ (न्यायालय मुकदमा) सेवानिवृत्ति लाभ	13,897,882.00	-	6,481,744.00	7,416,138.00
एम.एस.पी.	-	6,674,018.00	-	6,674,018.00
अक्षय निधि	-	-	-	-
योग	**10,43,64,417.00**	**23,05,15,567.00**	**64,86,758.00**	**32,83,93,226.00**

संलग्नक प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति 31.03.2022

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति देनदारियाँ				
अनुसंधान छात्रवृत्रि देनदारियाँ	-	-	-	-
कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता	-	78,007.00	78,007.00	-
छात्र अध्येतावृत्ति देनदारियाँ	-	-	-	-
योग	**0.00**	**78007.00**	**78007.00**	**0.00**

वर्तमान सम्पत्तिया संलग्नक - ऋण एवं अग्रिम 31.03.2022

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
कर्मचारियों को अल्पकालिक अग्रिम भुगतान				
आकस्मिक अग्रिम	1,778,585.00	7,298,651.00	7,298,836.00	**1,778,400.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	1,183,260.00	-	-	**1,183,260.00**
टी.ए. अग्रिम	160,639.00	810,400.00	710,400.00	**260,639.00**
यात्रा वाहन अग्रिम	131,663.00	9,500.00	500.00	**140,663.00**
चिकित्सकीय अग्रिम	104,779.00	-	-	**104,779.00**
डाक अग्रिम	-	115,166.00	115,166.00	-
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम				
कार ऋण	75,100.00	-	27,900.00	**47,200.00**
मोटरसाइकिल ऋण	15,200.00	-	15,200.00	-
एच.बी.ए. लोन	715,289.00	104,426.00	167,576.00	**652,139.00**
त्यौहार एवं अन्य अग्रिम	40,000.00	-	40,000.00	-
अन्य परिसरों को प्रेषण/मुख्यालय	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	440,000.00	-	-	**440,000.00**
संगणक ऋण	452,439.00	20,200.00	314,700.00	**157,939.00**
योग	**5,096,954.00**	**8,358,343.00**	**8,690,278.00**	**4,765,019.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

(राशि ₹ में)

	ग्रास ब्लाक				वर्ष मे ह्रास					नेट ब्लॉक	
परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2021	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/ समायोजन	कुल ह्रास	वर्तमान वर्ष 2021-22	पूर्व वर्ष 2020-21
i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व	3595156.00	-	-	**3,595,156.00**	3,080.00	0.00%		-	**3,080.00**	**3,592,076.00**	**3,592,076.00**
ii. भूमि - पट्टे पर	5170175.00	-	-	**5,170,175.00**	2,463,677.00	0.00%	-	-	**2,463,677.00**	**2,706,498.00**	**2,706,498.00**
साइट का विकास	0.00	-	-	-	-	0.00%	-	-	-	-	-
भवन	781082205.00	704,688,065.00	-	**1,485,770,270.00**	125,234,683.00	2.00%	29,715,405.00	-	**154,950,088.00**	**1,330,820,182.00**	**655,847,522.00**
सड़क एवं पुल	0.00	4,069,496.00	-	**4,069,496.00**	-	2.00%	81,390.00	-	**81,390.00**	**3,988,106.00**	-
ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	407389.00	580,000.00	-	**987,389.00**	16,296.00	2.00%	19,748.00	-	**36,044.00**	**951,345.00**	**391,093.00**
सीवरेज एवं डेनेज	0.00	-	-	-	-	2.00%	-	-	-	-	-
बिजली संस्थापन एवं उपकरण	7941877.00	455,130	-	**8,397,007.00**	1,276,045.00	5.00%	419,850.00	-	**1,695,895.00**	**6,701,112.00**	**6,665,832.00**
यंत्र एवं मशीनरी	13279980.00	1,520,626		**14,800,606.00**	2,860,516.00	5.00%	740,030.00	-	**3,600,546.00**	**11,200,060.00**	**10,419,464.00**
जेनरेटर	37534461.00		-	**37,534,461.00**	19,998,472.00	5.00%	1,876,723.00	-	**21,875,195.00**	**15,659,266.00**	**17,535,989.00**
फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	101623751.00	5,465,276		**107,089,027.00**	53,730,954.00	7.50%	8,031,677.00	-	**61,762,631.00**	**45,326,396.00**	**47,892,797.00**
लकड़ी के विभाजन	838927.00	-	-	**838,927.00**	524,333.00	7.50%	62,920.00	-	**587,253.00**	**251,674.00**	**314,594.00**
कार्यालय उपकरण	3939758.00	1,276,163	-	**5,215,921.00**	875,466.00	7.50%	391,194.00	-	**1,266,660.00**	**3,949,261.00**	**3,064,292.00**
दृश्य श्रव्य उपकरण	1757414.00	1,892,497	-	**3,649,911.00**	480,830.00	7.50%	273,743.00	-	**754,573.00**	**2,895,338.00**	**1,276,584.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	20281315.00	3,376,103		**23,657,418.00**	19,816,505.00	20.00%	768,183.00		**20,584,688.00**	**3,072,730.00**	**464,810.00**
पाण्डुलिपियां	747000.00	-	-	**747,000.00**	-	0.00%	-	-	-	**747,000.00**	**747,000.00**
प्रयोगशाला उपकरण	2,102,889	371,300.00		**2,474,189.00**	1,106,148.00	8.00%	197,935.00	-	**1,304,083.00**	**1,170,106.00**	**996,741.00**
पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	20,405,973	688,511.00	-	**21,094,484.00**	19,129,813.00	10.00%	196,467.00		**19,326,280.00**	**1,768,204.00**	**1,276,160.00**
वाहन	4,330,191	-	-	**4,330,191.00**	3,680,662.00	10.00%	433,019.00	-	**4,113,681.00**	**216,510.00**	**649,529.00**
कम मूल्य सम्पत्तियां	-	264,999	-	**264,999.00**	-	100.00%	264,999.00	-	**264,999.00**	-	-
प्रकाशन	**1,005,038,461.00**	**19,960,101.00**	-	**1,729,686,627.00**	**251,197,480.00**		**43,473,283.00**	-	**294,670,763.00**	**1,435,015,864.00**	**753,840,981.00**
कुल स्थायी सम्पत्तियाँ (ए)	**3,018,054,886.00**	**197,200,000.00**	**704,688,065.00**	**2,510,566,821.00**	-	0.00%	-	-	-	**2,510,566,821.00**	**3,018,054,886.00**
पूँजीगत कार्य प्रगति पर (बी)											
अमूर्त संपत्तियाँ	**प्रारंभिक शेष**	**समायोजन**	**कटौती**	**अन्तिम शेष**	**प्रारंभिक शेष ह्रास**	**ह्रास की दर**	**वर्ष में ह्रास**	**ह्रास/ समायोजन**	**कुल ह्रास/ समायोजन**	**31.03.2022**	**31.03.2022**
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	366,745.00	452,549.00	-	**819,294.00**	319,705.00	40%	327,718.00	-	**647,423.00**	**171,871.00**	**47,040.00**
ई-जरनल/पुस्तकें	-	32,565.00		**32,565.00**	-	40%	13,026.00		**13,026.00**	-	-
पेटेंट	717,354.00	-	-	**717,354.00**	654,586.00	9 years	79,706.00	16,938	**717,354.00**	-	**62,768.00**
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ योग (सी)	**1,084,099.00**	**485,114.00**		**1,569,213.00**	**974,291.00**		**420,450.00**	**16,938.00**	**1,377,803.00**	**191,410.00**	**109,808.00**
कुल योग (ए+बी+सी)	**4,024,177,446.00**	**217,645,215.00**	**704,688,065.00**	**4,241,822,661.00**	**252,171,771.00**	-	**43,893,733.00**	**16,938.00**	**296,048,566.00**	**1,435,207,274.00**	**753,950,789.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
अक्षय निधि पर निवेश		
जिंदल ट्रस्ट	148,226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6,000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250,000.00	250,000.00
शुक्ला ट्रस्ट	5,000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250,000.00	250,000.00
आर. देवनाथन	50,000.00	50,000.00
अक्षय निधि फंड	-	-
अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	392,197.00	421,697.00
योग	**1,101,423.00**	**1,130,923.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
सावधि जमा में निवेश		
अनुसूचित बैंक (सावधि जमा) छात्र फंड	29,693,158.00	29,534,115.00
अनुसूचित बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (सावधि जमा)	217,881,915.00	187,411,383.00
अनुसूचित बैंक एम.एस.पी. (सावधि जमा)	-	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	74,234,454.00	69,027,357.00
निवेश ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ		
केन्द्र सरकार ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
राज्य सरकार ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
सार्वजनिक क्षेत्र संघ/बैंक ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
अन्य संस्थान ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
योग	**321,809,527.00**	**285,972,855.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
स्टॉक	-	-
गोदाम एवं पुर्जे	-	-
खुले औजार	-	-
प्रकाशन	12,796,021.00	12,201,487.00
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय	-	-
भवन निर्माण सामग्री	-	-
बिजली सामग्री	-	-
लेखन सामग्री	-	-
पानी सप्लाई मैटिरीयल	-	-
कुल वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**12,796,021.00**	**12,201,487.00**
विविध देनदार		
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक	-	-
आपूर्तिकर्ता	-	-
कर्मचारी	-	-
अन्य सी.एस.यू. परिसर	-	-
अन्य विविध देनदारियाँ	-	-
सस्पेंस खाता प्राप्तियाँ	-	-
सस्पेंस खाते पर नकद नकद प्राप्तियाँ	-	-
प्रायोजित परियोजनाओं पर सरकारी अनुदान	-	-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं	-	-
प्राप्य अनुदान	-	-
अक्षय निधि प्राप्य फंड	-	-
कुल विविध देनदार	-	-
जमा शेष हाथ में नकदी		
हाथ में नकद	101,391.00	53,494.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	44,177.00	47,226.00
हाथ में नकद (छात्र फंड)	198,714.00	140,127.00

नगद एवं बैंक में शेष		
अनुसूचित बैंक बचत (मुख्य)	132,385,069.00	137,610,204.00
बचत खाते (एम.एस.पी.)	13,372,056.00	10,901,468.00
आर.बी.आई. खाते	-	-
चालू खाता	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	21,253,457.00	20,555,934.00
बचत खाता (परियोजना)	500,000.00	-
बचत खाता (भवन कोष)	-	-
बचत खाता (छात्र फंड)	40,381,058.00	30,653,695.00
बचत खाता (छात्र फंड प्रतिभूति)	-	3,510,066.00
बैंक में नकद	**208,235,922.00**	**203,472,214.00**
	221,031,943.00	**215,673,701.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष 2021-22	पूर्व वर्ष 2020-21
कर्मचारियों को अल्प अवधि अग्रिम		
आकस्मिक अग्रिम	1,778,400.00	1,778,585.00
एल.टी.सी. अग्रिम	1,183,260.00	1,183,260.00
टी.ए. अग्रिम	260,639.00	160,639.00
वाहन अग्रिम	140,663.00	131,663.00
चिकित्सा हेतु अग्रिम	104,779.00	104,779.00
डाक हेतु अग्रिम	-	-
कुल अल्प अवधि अग्रिम कर्मचारियों हेतु	**3,467,741.00**	**3,358,926.00**
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम		
कार ऋण	47,200.00	75,100.00
मोटरसाईकिल ऋण	-	15,200.00
एच.बी.ए. ऋण	652,139.00	715,289.00
त्यौहार एवं अन्य अग्रिम	-	40,000.00
अन्य राज्यों को प्रेषण/मुख्यालय	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	440,000.00	440,000.00
संगणक ऋण	157,939.00	452,439.00
कुल ऋण एवं अग्रिम	**1,297,278.00**	**1,738,028.00**
परिसरों द्वारा जमा		
पूँजी खाता	-	-
बी.एच.पी./इण्डेन गैस	-	-
अग्रिम धन	451,500.00	401,500.00
दूरभाष विभाग	189,065.00	189,065.00
पट्टा किराया	50,000.00	50,000.00
बिजी विभाग	11,650.00	11,650.00
अन्य	13,549.00	13,549.00
कुल जमा दिया	**715,764.00**	**665,764.00**
योग (ए)	**5,480,783.00**	**5,762,718.00**
अर्जित आय/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाते		
निवेश पर चिह्नित/अक्षय निधि	-	-
उचंत खाता (मुम्बई परिसर)	723,000.00	723,000.00
उचंत खाता नकद (मुम्बई परिसर)	59,122.00	59,122.00
अर्जित ब्याज एवं देय नहीं	-	-
(बी) कुल अर्जित ब्याज/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाता	**782,122.00**	**782,122.00**
योग (ए) + (बी)	**6,262,905.00**	**6,544,840.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
प्रशासन		
शिक्षा शुल्क	-	-
प्रवेश शुल्क	3,372,830.00	2,469,046.00
नामांकन शुल्क	32,680.00	-
पुस्तकालय शुल्क	891.00	310.00
प्रयोगशाला शुल्क	-	-
कला एवं शिल्प शुल्क	-	-
एन.एफ.एस.ई.	799,660.00	1,089,560.00
योग	**4,206,061.00**	**3,558,916.00**
परीक्षाएँ		
प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	1,722,650.00	101,500.00
वार्षिक परीक्षा शुल्क	15,694,814.00	4,980,526.00
अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क	-	-
प्रवेश परीक्षा शुल्क	7,747,000.00	-
फार्म की बिक्री	-	-
डिग्री शुल्क	-	150.00
परीक्षा फार्म शुल्क	-	-
बी.एड. अभ्यास शुल्क	-	-
योग	**25,164,464.00**	**5,082,176.00**
अन्य शुल्क		
पहचान पत्र शुल्क	-	-
दण्ड/विविध शुल्क	62,278.00	-
बिजली शुल्क	-	-
परिवहन शुल्क	-	-
छात्रावास रखरखाव शुल्क	-	-

(राशि ₹ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
खेल शुल्क	-	-
विभिन्न गतिविधियों का शुल्क	-	-
पुस्तकालय अतिदेय शुल्क	-	-
ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम	-	-
पालि/प्राकृत प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	-	-
योग	**62,278.00**	**-**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
प्रवेश फार्म शुल्क	21,339.00	-
पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र शुल्क	-	4,010.00
पत्रिका शुल्क	-	-
कार्यशाला एवं कार्यक्रम शुल्क	-	-
पंजीकरण शुल्क (प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय)	-	-
पी.एस.एस.टी./अन्य परिसरों द्वारा प्रेषण	-	-
पत्राचार प्राप्तियाँ/लाईब्रेरी अतिदेय प्रभार	142,886.00	276,867.00
योग	**164,225.00**	**280,877.00**
मु.स्वा.पीठ प्राप्तियाँ		
मु.स्वा.पीठ शुल्क	2,724,102.00	**6,739,972.00**
कुल योग	**32,321,130.00**	**15,661,941.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त) **(राशि ₹ में)**

विवरण	अनुदान				
	भारत सरकार	गैर एन.ई.आर. खाता	एन.ई.आर. खाता	गैर एन.ई.आर. खाता	एन.ई.आर. खाता
		वर्तमान वर्ष (2021-22)	वर्तमान वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)	पूर्व वर्ष (2020-21)
शेष लाया गया	37,321,354.00	31,066,646.00	6,254,708.00	11,370,761.00	39,179,236.00
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	1,988,316,030.00	1,926,715,906.00	61,600,124.00	1,901,784,000.00	26,723,000.00
योग	**2,025,637,384.00**	**1,957,782,552.00**	**67,854,832.00**	**1,913,154,761.00**	**65,902,236.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी	-	-	-	-	-
शेष	**2,025,637,384.00**	**1,957,782,552.00**	**67,854,832.00**	**1,913,154,761.00**	**65,902,236.00**
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	213,961,255.00	213,961,255.00	-	288,000,000.00	-
शेष	**1,811,676,129.00**	**1,743,821,297.00**	**67,854,832.00**	**1,625,154,761.00**	**65,902,236.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	1,805,635,726.00	1,743,199,489.00	62,436,237.00	1,594,088,115.00	59,647,528.00
शेष ले जाया गया (सी)	**60,40,403.00**	**6,21,808.00**	**54,18,595.00**	**3,10,66,646.00**	**62,54,708.00**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 11 - निवेश से आय

(राशि ₹ में)

विवरण	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)	चालू वर्ष 2021-22	पूर्व वर्ष 2020-21
निवेश पर अर्जित ब्याज				
सावधि जमा पर ब्याज				
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अनुसूचित बैंक (सावधि जमा)			70,081.00	-
अनुसूचित बैंक मु.स्वा.पी. (सावधि जमा)			-	225,753.00
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)			-	-
ऋणपत्र पर अर्जित ब्याज/प्रतिभूतियाँ			-	-
केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों पर ब्याज			-	-
राज्य सरकार प्रतिभूतियों पर ब्याज			-	-
सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों पर ब्याज/बैंक प्रतिभूतियाँ			-	-
अन्य प्रतिभूतियाँ पर अर्जित ब्याज			-	-
योग (ए)	**-**	**-**	**70,081.00**	**225,753.00**
चिन्हित/अक्षय निधि में स्थानान्तरण				
योग (बी)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
बकाया	**0.00**	**0.00**	**70081.00**	**225753.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
बचत खाता पर अर्जित ब्याज		
अनुसूचित बैंक पर ब्याज - बचत खाते पर	2,657,395.00	2,598,660.00
बैंक पर ब्याज - एन.पी.एस. बचत खाता	-	-
भवन खाते पर ब्याज व परियोजना खाता	-	63,480.00
ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज		
ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज	-	443,962.00
घरेलू बिल्डिंग पर ब्याज	224,476.00	406,899.00
संगणक अग्रिम पर ब्याज	53,619.00	30,773.00
कार अग्रिम पर ब्याज	231,757.00	199,982.00
मोटर साइकिल पर ब्याज	10,178.00	6,100.00
साइकिल पर ब्याज	-	-
अन्य कार्यालयीय अग्रिम पर ब्याज	-	-
अन्य देनदारों एवं प्राप्यकर्ताओं पर ब्याज	-	-
योग	**3,177,425.00**	**3,749,856.00**
देयताओं पर अर्जित ब्याज		
निवेश - अन्य	-	-
ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज	-	-
अन्य देनदारों पर अर्जित ब्याज	-	-
योग	-	-
कुल योग	**3,177,425.00**	**3,749,856.00**
नोट - स्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 13 - अन्य आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
विविध आय		
जमीन एवं भवन से आय		
छात्रावास कक्ष किराया/एच.आर.ए.	758,309.00	1,053,626.00
लाइसेंस शुल्क	543,588.00	328,344.00
प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सममेलन कक्ष आदि	41,200.00	106,000.00
बिजली शुल्क वापिस	53,715.00	142,478.00
पानी शुल्क वापिस	5,273.00	28,969.00
अन्य (अलग से निर्दिष्ट एवं खुलासा किया जाना)	165,050.00	1,149,934.00
होल्डिंग इवेंट्स से आय		
वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय	-	-
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च	-	-
मेलों/अष्टादशी परियोजना से प्राप्त कुल राशि	-	330,972.00
घटा : प्रत्यक्ष व्यय पर किया गया शुल्क	-	-
शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि	-	-
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च	-	-
अन्य (अलग से निर्दिष्ट)	-	-
अन्य आय		
परामर्श से आय	-	-
आर.टी.आई. शुल्क	1,100.00	50.00
संस्थान प्रकाशन से आय	-	-
आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)	-	13,473.00
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)	3,255,394.00	2,727,140.00
बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान/एल.डी.सी. फार्म	9,308.00	31,736.00
सम्पत्ति की बिक्री	-	-
अन्य संस्थानों को छात्रवृत्ति (जे.एन.यू.)	-	260,000.00
अनुदान/संस्थानों से अनुदान, कल्याणकारी निकाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
अन्तर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा अनुदान	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	151,293.00	2,535,080.00
छुट्टी वेतन एवं पी.सी. (मुख्यालय में)	1,547,714.00	1,710,207.00

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
असाधारण आय		
गबन रकम की वापसी	-	
योग	**6,531,944.00**	**10,418,009.00**

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
पूर्व अवधि आय		
एन.पी.एस. राशि पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाया गया	-	523,937.00
पूर्व वर्ष खाता में आय नहीं ले जाया गया	-	79,800.00
पिछले वर्षों की आय पर अर्जित ब्याज को अब वापिस किया गया (भारत सरकार को स्थानांतरण)	-	-3,173,132.00
राशि को गलत तरीके से खर्च किया गया अब पूर्व आय को वापिस किया गया	-	-1,888.00
योग	**-**	**-2,571,283.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
राजस्व व्यय		
वेतन के लिए राजस्व व्यय	538,408,038.00	518,342,414.00
संकाय का वेतन	146,988,592.00	123,236,904.00
गैर संकाय का वेतन	-	-
भत्ते एवं बोनस/भत्ते एवं देय	-	-
अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)	-	-
सी.पी.एफ. को योगदान	-	-
मानदेय	497,000.00	611,500.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	-	-
सेवानिवृत्ति एवं राजस्व व्यय		
संचय पेंशन	499,315,071.00	35,568,848.00
ग्रेच्युटी	40,207,187.00	32,194,328.00
छुट्टी का वेतन (सेवानिवृत्ति)	69,493,311.00	24,273,011.00
छुट्टी का वेतन (एल.टी.सी.)	-	503,568.00
छुट्टी का वेतन एवं पेंशन	-	-
पेंशन एवं पेंशन की सुविधाएं	146,418,989.00	129,583,979.00
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय साझा करना)	39,132,330.00	34,541,451.00
राजस्व व्यय अन्य अवयवों हेतु		
बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	5,691,510.00	4,814,412.00
एन.पी.एस. पर ब्याज अंशदान	-	-
सावधि भविष्य निधि पर ब्याज	-	-
चिकित्सा अदायगी	5,497,705.00	6,075,009.00
छुट्टी का नकदीकरण (10 दिन)	2,949,770.00	617,730.00
छुट्टी यात्रा रियायत (एल.टी.सी.)	2,648,117.00	4,706,806.00
योग	**1,497,247,620.00**	**915,069,960.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 (ए) - कर्मचारी सेवानिवृत्ति - बर्खास्तगी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अर्जित छुट्टियां	योग
वर्ष में शेष 1.4.2021	**3,601,935,675.00**	**282,973,499.00**	**274,055,511.00**	**4,158,964,685.00**
जमा : जी.ओ.एल. से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	-
योग (ए)	3,601,935,675.00	282,973,499.00	274,055,511.00	4,158,964,685.00
घटा : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	35,030,064.00	21,585,174.00	22,751,034.00	79,366,272.00
उपलब्ध शेष राशि दिनांक 31.03.2021 सी (ए-बी)	3,566,905,611.00	261,388,325.00	251,304,477.00	4,079,598,413.00
आवश्यक प्रावधान दिनांक 31.03.2022 वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार (डी.)	4,066,220,682.00	301,595,512.00	320,797,788.00	4,688,613,982.00
ए. चालू वर्ष में किए जाने वाला प्रावधान (डी-सी)	499,315,071.00	40,207,187.00	69,493,311.00	609,015,569.00
बी. नई पेंशन योजना को योगदान	-	-	-	-
सी. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
डी. सेवानिवृत्त होने पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-
ई. जमा लिंक बीमा भुगतान	-	-	-	-
योग - (ए+बी+सी+डी+ई)	499,315,071.00	40,207,187.00	69,493,311.00	609,015,569.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 16 - योजनाशैक्षिक व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
कनिष्ठ शोध अध्येता/अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय		
भुगतान - शोध छात्रवृत्ति	10,963,224.00	8,723,038.00
भुगतान - कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता	-	-
भुगतान - छात्रों को छात्रवृत्ति	46,752,251.00	27,095,768.00
योग	**57,715,475.00**	**35,818,806.00**
प्रशासनिक व्यय		
प्रयोगशाला व्यय	-	-
क्षेत्र कार्य/सम्मेलन सहभागिता	-	-
सेमिनार खर्च/कार्यशाला	850,000.00	722,351.00
अभ्यागत संकाय भुगतान	78,489,394.00	82,995,359.00
परीक्षा	10,190,303.00	7,849,598.00
छात्र कल्याण खर्च	106,738.00	35,821.00
प्रवेश खर्च	390,264.00	-
दीक्षांत समारोह खर्च	-	32,936.00
पत्रिका (प्रकाशन व्यय)	74,970.00	-
वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति	-	-
अनुसंधान खर्च	4,000.00	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	-	-
वार्षिक उत्सव	172,390.00	23,150.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	-	-
कम्प्यूटर शिक्षा	-	-
दूरस्थ शिक्षा (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	8,717,933.00	13,162,328.00
सी.सी. आकस्मिकता	99,627.00	307,058.00
स्थापना दिवस	1,900.00	1,170.00
ई-ग्रन्थालय	63,825.00	-
कौमुदी महोत्सव	9,610,953.00	-
एकता दिवस/मातृ भाषा दिवस	20,000.00	1,891,428.00
पी.एस.एस.टी.-परीक्षा शुल्क/संयुक्त प्रवेश परीक्षा	2,617,695.00	1,179,830.00

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
	-	-
संस्कृत आयोग/विविध गतिविधियां	2,000.00	-
संस्कृत दिवस समारोह	304,765.00	102,662.00
संस्कृत विश्वविद्यालय	-	4,420.00
स्वतंत्रता दिवस समारोह	3,100.00	720.00
हिन्दी दिवस समारोह	257,894.00	3,400.00
महिला अध्ययन केन्द्र	7,661.00	-
ग्लोरी फेस्टिवल	23,600.00	-
खेल प्रतियोगिताएँ	-	-
विश्व संस्कृत सम्मेलन	-	-
भाषा मन्दाकिनी	-	-
ज्ञान दर्शन	-	-
बसन्त महोत्सव	-	-
आइ.क्यू.ए.सी./एच.डी.एफ.सी.	278,591.00	-
विस्तृत व्याख्यान	54,727.00	14,260.00
मूल्यांकन कार्य	-	-
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	13,100.00	-
भारतीय विश्वविद्यालय संगठन	59,000.00	-
प्रशिक्षण कार्यक्रम	-	-
अनुसंधान छात्रवृत्ति	-	104,909.00
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	866,401.00	-
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छमाही)	861,088.00	1,752,000.00
योग	**114,141,919.00**	**110,183,400.00**

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
योजना व्यय		
जगन्नाथ वी.के. परियोजना	-	-
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	11,270,931.00	10,351,778.00
शास्त्र चूडामणि	2,400,000.00	4,560,000.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-	126,000.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	394,787.00	1,745,523.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	-	-
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	912,410.00	1,251,146.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	967,500.00	-
राष्ट्रपति सम्मान	3,734,513.00	22,981,028.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	319,397,015.00	318,189,620.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	58,111,696.00	23,399,367.00
डेक्कन कॉलेज पुणे	5,000,000.00	6,499,540.00
परम्परागत पाठशाला	65,361,124.00	68,797,743.00
उत्तर पूर्वी राज्य	14,562,352.00	10,934,056.00
ऐच्छिक संस्कृत संगठन/ऐच्छिक संस्कृत संगठन विश्वविद्यालय	200,000.00	269,500.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	20,963,419.00	18,152,108.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनीयर सेकेन्डरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	1,451,355.00	1,152,000.00
सम्मान राशि	5,964,000.00	6,081,000.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान	-	-
पंचांग परियोजना	229,570.00	236,129.00
समायोजन प्रविष्टि	-	-
पालि एवं प्राकृत	5,969,843.00	6,354,634.00
राष्ट्रीय संस्कृत गोष्ठी	-	-
ई.पाठशाला पुस्तक	-	-
अन्य परियोजनाएँ (निर्दिष्ट)	-	-
सांख्य योग/पंचाग परियोजना	-	-
ज्योतिष परियोजनाएँ	-	-
यू.जी.सी./नैक	-	-
नाट्य शास्त्र परियोजना	1,942,970.00	1,825,424.00
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	500,000.00	-
अष्टादशी परियोजना	6,066,687.00	200,000.00
अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता	11,483,457.00	-
योग	**536,883,629.00**	**503,106,596.00**
कुल योग	**708,741,023.00**	**649,108,802.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
प्रशासनिक व्यय		
आधारभूत संरचना		
बिजली एवं पावर	10,259,641.00	9,267,280.00
पानी शुल्क	1,014,786.00	1,011,530.00
बीमा	213,739.00	-
किराया, दर एवं टैक्स	2,863,492.00	5,255,953.00
संचार		
डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	1,065,552.00	755,787.00
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	2,026,542.00	2,141,311.00
अन्य		
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	2,895,917.00	3,204,685.00
यात्रा एवं वाहन खर्च	6,457,588.00	4,809,991.00
वर्दियां	185,000.00	444,900.00
लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	228,480.00	866,534.00
पेशेवर प्रभार	-	43,530.00
विज्ञापन एवं प्रचार	1,332,392.00	813,897.00
संविदा मजदूर	96,598.00	-
अन्य (निर्दिष्ट) आउटसोर्सिंग	23,755,467.00	29,595,345.00
आकस्मिक खर्च	-	1,436,732.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	473,710.00	194,488.00
कानूनी खर्च	1,013,275.00	926,400.00
विविध खर्च	4,088,499.00	2,893,878.00

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
सुरक्षा हाउस कीपींग	4,543,500.00	1,621,053.00
सुरक्षा सेवाएं खर्च	20,050,377.00	16,649,014.00
सी.सी.टी.वी. व्यय	30,000.00	135,570.00
संविदा कर्मचारियों का वेतन	5,164,543.00	-
बागवानी व्यय	3,047,705.00	
योग	**90,806,803.00**	**82,067,878.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
यातायात व्यय		
ए. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
रनिंग व्यय	520,918.00	325,868.00
मरम्मत एवं रखरखाव	297,396.00	163,137.00
बीमा व्यय	103,838.00	107,517.00
स्टाफ कार व्यय पैट्रोल/डीजल	373,434.00	10,000.00
बी. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		
वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	1,172,262.00	1,146,103.00
भारी वाहन किराया व्यय	214,449.00	-
सी. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	-	-
योग	**2,682,297.00**	**1,752,625.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
मरम्मत एवं रखरखाव व्यय		
भूमि एवं भवन	34,092,974.00	1,226,014.00
सड़क, पुल, ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	-	1,628.00
विद्युत एवं विद्युत उपकरण	432,508.00	49,910.00
प्लांट एवं मशीनरी	187,171.00	133,212.00
फर्नीचर एवं फिक्सर	598,455.00	128,763.00
कार्यालय उपकरण	1,245,053.00	1,095,432.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	684,230.00	768,047.00
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	-	-
पाण्डुलिपि	-	-
दृश्य श्रव्य उपकरण	-	-
पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ	-	-
वाहन	48,207.00	-
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	-	145,860.00
पुस्तक जिल्द शुल्क	-	2,592.00
बागवानी	90,040.00	63,833.00
जायदाद रखरखाव	-	2,096,215.00
अन्य (निर्दिष्ट)	188,554.00	4,255.00
योग	**37,567,192.00**	**5,715,761.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
वित्तीय लागत		
बैंक प्रभार	12,523.00	20,045.00
अन्य (निर्दिष्ट)	-	572.00
योग	**12523.00**	**20617.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
अन्य विविध व्यय		
मुख्यालय को विश्वविद्यालय प्रकाशन हेतु स्थानांतरित रकम	6,884,098.00	4,104,513.00
अन्य (निर्दिष्ट) ब्याज मुख्यालय को दिया गया	1,018,882.00	-
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (अव्ययित परियोजना फंड)	861,130.00	-
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (अव्ययित भवन फंड)	1,740,053.00	-
अन्य (विविध) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	376,213.00	-
अन्य परिसरों को स्थानांतरित रकम	-	-
परीक्षा शुल्क	-	-
आंतरिक संसाधनों/बचत से आंशिक रूप से किए गए आउटसोर्सिंग व्यय	2,349.00	-
योग	**10,882,725.00**	**4,104,513.00**
अर्जित ब्याज आय उत्क्रमण		
निर्धारित/दान निधि	-	-
निवेश - अन्य	-	-
ऋण एवं अग्रिम	-	-
उपार्जित ब्याज देय नहीं	-	-
योग	**-**	**-**
योग	**10,882,725.00**	**4,104,513.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)
पूर्व अवधि व्यय अब चुकाए गए		
स्थापना व्यय (एन.पी.एस. पूर्व वर्ष देय का भुगतान)	-	727,566.00
शैक्षिक व्यय	-	-
प्रशासनिक व्यय	-	443,434.00
परिवहन व्यय	-	-
मरम्मत एवं रखरखाव	-	-
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-	-
पूर्व वर्ष में अचल संपत्ति ह्रास	-	74,772.00
अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)	-	-
अन्य (अमूर्त ई-बुक पर ऋणमुक्ति)	-	-
अन्य (प्रकाशन आय में सम्मिलित)	-	30,000.00
योग	**-**	**1,275,772.00**

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसची 23 - महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

	चालू वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2020-21)

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण आद्य लागत अवधारणा और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से शुल्क (शिक्षा शुल्क को छोड़कर) प्रवेश फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियो को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों पर मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं। जहाँ मूल्य मुद्रित नहीं है उसकी कीमत का आंकलन अनुमानित है।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगाया गया है–

मूर्त संपत्ति

1. भूमि	0%
2. साइट का विकास	0%
3. भवन	2%
4. सड़क एवं पुल	2%
5. ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6. सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7. विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8. संयंत्र और मशीनरी	5%

9.	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10.	कार्यालय उपकरण	7.5%
11.	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%
12.	कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
14.	वाहन	10%
15.	पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1.	ई-पत्रिका	40%
2.	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3.	पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसंपत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई-पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में स्टॉक में दर्ज की जाती है। संस्कृत के अग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची-4)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शामिल हैं।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.07.2017 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 1000/- दिया जा रहा है।

6.3 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित निधि, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि एवम् खर्चों का लेखांकन किया गया है। (अनुसूची-2)

6.5 270 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सावधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित / दान निधि

8.1 विश्वविद्यालय में पेंशन के लिये एक चिह्नित निधि है एवं पांच दान निधि जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट और आर. के. शर्मा के नाम पर हैं। अनुसूची-2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं निधि में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नही दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान

9.1 शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य का लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदार्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित निधि एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. आयकर

12.1 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रवाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

न्यायालय मुकदमा खर्च - चालू वर्ष - रुपये 40,00,000/- (पूर्व वर्ष - रुपये 45,00,000/-)

2. पूँजी प्रतिबद्धताएँ

दिनांक 31.03.2022 को रु. 90.63 करोड़ पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने के लिए शेष अनुबंधों का मूल्य और राशि के लिए प्रदान नहीं किया गया।

3. स्थायी संपत्तियाँ

2.1 वर्ष 2021-22 में रुपये 21,39,61,255/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 खाते में रुपये 72,960/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

4. विदेशी मुद्रा में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	शून्य
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा साहित	शून्य

5. वर्ष 2021-22 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 21.06.2022 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

6. पिछले साल के आकड़े जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

7. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2022 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

9. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2021-22 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**पूर्व बकाया**			1	**व्यय**		
a)	नकदी शेष			a)	**स्थापना व्यय**		
i	हाथ में रोकड़	53,494.00	188,136.00		i. वेतन के लिए राजस्व व्यय	627,272,765.00	589,334,753.00
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	47,226.00	45,726.00		ii. सेवानिवृत्ति लाभ के लिए राजस्व व्यय	250,324,883.00	248,938,032.00
iii	नकदी शेष (एस. निधि)	140,127.00	218,217.00		iii. अन्य अवयवों के लिए राजस्व व्यय	16,787,102.00	16,213,957.00
b)	**बैंक में शेष**						
	i. बचत खाता	137,516,730.00	164,138,592.00	b)	शैक्षिक व्यय	110,555,676.00	107,398,776.00
	ii. बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	10,901,468.00	764,888.00	c)	प्रशासनिक व्यय	91,000,984.00	80,262,833.00
	iii. कनिष्ठ अध्यतावृत्ति (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)	-	101,000.00	d)	यातायात व्यय	2,682,297.00	1,752,625.00
	iv. चालू खाता	-	147,147.00	e)	मरम्मत एवं देखभाल	37,567,192.00	5,715,761.00
	v. बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	20,555,934.00	75,831,271.00	f)	यू.जी.सी. योजना फंड व्यय	-	-
	vi. बचत खाता (परियोजना फंड)	-	3,925,249.00	g)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज/अन्य विविध व्यय	11,889,528.00	9,219,629.00
	vii. बचत खाता (भवन फंड)	-	3,029,353.00	h)	वित्तीय लागत (बैंक प्रभार)	12,523.00	20,912.00
	viii. बचत खाता (छात्र फंड)	34,257,235.00	21,022,979.00				
2	**अनुदान प्राप्त**			2	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**	7,383.00	8,743.00
a)	i. भारत सरकार से प्राप्त - राजस्व	1,712,454,217.00	1,613,784,000.00				
	ii. भारत सरकार से प्राप्त - उत्तर पूर्वी राज्य	61,600,124.00	26,723,000.00	3	**परिसरों को अनुदान**	1,289,869,994.00	1,240,215,660.00
	iii. भारत सरकार से प्राप्त - पूंजी	214,261,689.00	288,000,000.00				
b)	राज्य सरकार से प्राप्त	-		4	**प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	536,418,715.00	504,421,160.00
c)	परिसर अनुदान	1,289,869,994.00	1,240,215,660.00				
d)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त	-		5	**कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	57,883,482.00	35,919,806.00
3	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**			6	**निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	230,678,192.00	155,857,440.00
a)	शैक्षिक प्राप्तियाँ	29,432,803.00	8,972,064.00		मु.स्वा.पी./छात्र निधि/ चिह्नित अक्षय निधि सावधि जमा निधि	32,650,959.00	25,659,064.00
b)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	164,225.00	280,877.00	7	**एच.डी.एफ.सी. सावधि जमा निधि**	74,234,454.00	60,533,414.00
c)	विविध प्राप्तियाँ	1,567,135.00	2,084,433.00				
d)	एच.डी.एफ.सी. प्राप्तियाँ	-	6,739,972.00				
e)	मुक्त स्वाध्याय पीठ प्राप्तियाँ	2,724,102.00					
4	**निर्धारित प्राप्तियाँ चिह्नित/अक्षय निधि**						
a)	अक्षय निधि पुरस्कार	-		8	**पूर्व में किए गए व्यय**	-	266,948.00
5	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**						
a)	प्रायोजित परियोजना/मुख्यालय की परियोजना	-		9	**महाराष्ट्र सरकार को भुगतान एम.सी.जी.एम.**		
b)	प्रायोजित परियोजना/यू.जी.सी./अन्य की परियोजना	-					
c)	जे.एन.यू. योजना से प्राप्तियाँ	78,007.00					-
6	**छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ**			10	**स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल**		
a)	कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता छात्रवृत्ति	-		a)	स्थायी सम्पत्ति	16,761,255.00	4,193,953.00
b)	निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए अनुदान	-		b)	कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	413,682,202.00	290,639,851.00
7	निवेश से प्राप्तियाँ						
a)	चिह्नित/अक्षय निधि	172,806.00	144,949.00	11	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**	506,971,605.00	288,564,274.00
b)	अन्य निवेश	200,207,660.00	128,210,156.00				
c)	समग्र फंड सावधि जमा रसीद	69,027,357.00	21,325,514.00	12	**छात्र फंड भुगतान व्यय**	21,816,277.00	12,499,063.00

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
d)	छात्र फंड सावधि जमा	32,317,719.00					
e)	मु.स्वा.पी. सावधि जमा	-	3,742,692.00				
8	**ब्याज प्राप्त**			**13**	**अग्रिम एवं जमा**	8,363,343.00	2,224,080.00
a)	बैंक में जमा	15,747,710.00	8,406,451.00				
b)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	520,030.00	1,092,537.00	**14**	**अन्तिम शेष एवं बैंक में शेष**		
c)	बैंक बचत खाता	3,354,932.00	4,444,992.00		हाथ में रोकड़	101,391.00	53,494.00
d)	अक्षय निधि पर ब्याज	90,353.00	105,755.00		हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	44,177.00	47,226.00
9	**असाधारण आय भुनाया गया**				हाथ में शेष (छात्र फंड)	198,714.00	140,127.00
a)	असाधारण आय (मुम्बई परिसर में गबन)	-	383,460.00		**बैंक में शेष**	-	
b)	केपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी			a)	बचत अनुसूचित बैंक (मुख्य)	132,385,069.00	137610204.00
				b)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	13,372,056.00	10,901,468.00
10	**अन्य आय**	22035325.00	10725410.00	c)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	-	
11	**पूर्व अवधि आय सहित**	-		d)	चालू खाता	-	
12	**छात्र फंड प्राप्तियाँ**	28,157,731.00	29,750,356.00	d)	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	21,253,457.00	20,555,934.00
13	**जमा एवं अग्रिम**	412,051.00	4,420,280.00	d)	बचत खाता (परियोजना फंड)	500,000.00	
14	**अग्रिम धन की वापसी/वसूली**	8,667,778.00	2,687,005.00	g)	बचत खाता (भवन फंड)	-	
15	**वैधानिक प्राप्तियों सहित वापसी योग्य प्राप्तियाँ (प्रेषित रकम)**	649,330,772.00	211,680,827.00	h)	बचत खाता (छात्र फंड)	40,381,059.00	30,653,695.00
				i)	बचत खाता (छात्र फंड प्रतिभूति)	-	3,510,066.00
	योग	**4,545,666,734.00**	**3,883,332,948.00**		**योग**	**4,545,666,734.00**	**3,883,332,948.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2021-22 के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
	पूर्व वर्ष 2020-21	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22
(ए) नकद एवं बैंक में शेष															
हाथ में रोकड़	-	53,494		8,550		-	-	10	35,470	7,684	-		1,780		
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पो.)	-	47,226	42,083	-		-	-	-	-	-	-	5,143		-	-
हाथ में रोकड़ (छात्र निधि)	-	140,127			10,703		3,843	17,525	28,063	1,674		39,692	18,627		20,000
बैंक में शेष	-	-													
बचत खाता (मुख्य खाता)	-	137,516,730	65,660,949	2,237,342	11,864,765	5,642,677	8,424,571	10,379,386	9,066,933	5,679,067	3,731,367	5,973,068	2,764,621	3,904,341	2,187,643
बचत खाता (मु.स्वा.पो.)	-	10,901,468	10,897,920	-		-	-	-	-	-	-	3,548	-	-	-
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू खाता	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	-	20,555,934	20,555,934	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (परियोजना निधि)	-	-		-		-	-	-	-	-		-		-	-
बचत खाता (भवन निधि)	-	-		-		-	-	-	-	-		-		-	-
बचत खाता (छात्र निधि)	-	34,257,235		93,474	1,091,449	5,990,116	48,060	6,861,791	5,374,699	503,968	4,086,280	5,093,665	895,345	3,493,760	724,628
बचत खाता (छात्र एवं सुरक्षा)		-		-											
योग (ए)	**-**	**203,472,214**	**97,156,886**	**2,339,366**	**12,966,917**	**11,632,793**	**8,476,474**	**17,258,712**	**14,505,165**	**6,192,393**	**7,817,647**	**11,115,116**	**3,680,373**	**7,398,101**	**2,932,271**
(बी) सरकारी अनुदान/अनुदानित (स्थिर) मुख्यालय															
सरकारी अनुदान राजस्व व्यय पर	-	1,712,454,217	1,712,454,217	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान राजस्व व्यय पर (पूर्वोत्तर राज्य)	-	61,600,124	61,600,124	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान पूंजीगत व्यय पर	-	214,261,689	214,261,689	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान पूंजीगत व्यय पर (पूर्वोत्तर राज्य)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान छात्रवृत्ति पर	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (बी)	**-**	**1,988,316,030**	**1,988,316,030**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(सी) अनुदान/प्रदेश सरकार द्वारा अनुदान															
प्रदेश सरकार अनुदान पूंजीगत व्यय पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रदेश सरकार अनुदान जे.आर.एफ./एस.आर.एफ.	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रदेश सरकार अनुदान विविध प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (सी)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(डी) परिसरों को प्राप्त अनुदान															
राजस्व व्यय के लिए अनुदान	-	1,081,473,994		56,355,434	165,968,131	82,470,630	110,007,229	183,374,657	117,466,827	97,446,558	52,415,784	107,411,507	30,576,958	48,187,103	29,793,176
सामान्य व्यय के लिए अनुदान	-	-	-												-
पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	-	208,396,000	-	350,000	2,100,000	896,000	800,000	114,200,000	1,100,000	77,650,000	8,650,000	1,050,000	350,000	-	1,250,000
विविध व्यय के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यक्रम आयोजन के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (डी)	**-**	**1,289,869,994**	**-**	**56,705,434**	**168,068,131**	**83,366,630**	**110,807,229**	**297,574,657**	**118,566,827**	**175,096,558**	**61,065,784**	**108,461,507**	**30,926,958**	**48,187,103**	**31,043,176**
(ई) विशिष्ट उद्देश्य हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान															
जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. अध्येतावृत्ति प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निर्दिष्ट प्रयोजन हेतु अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (ई)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(एफ) अक्षय निधि प्राप्तियाँ															
अक्षय निधि प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निर्धारित पारस्कार हेतु प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एफ)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(जी) मुख्यालय/जे.एन.यू./यू.जी.सी. से प्राप्त अन्य अनुदान निधि															
प्रायोजित परियोजना/मुख्यालय योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित परियोजना/यू.जी.सी./अन्य योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जे.एन.यू. से छात्रवृत्ति प्राप्तियाँ	-	78,007		-	78,007	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (जी)	**-**	**78,007**	**-**	**-**	**78,007**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(एच) छात्रों से शुल्क - शैक्षिक एवं अन्य															
शिक्षा शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रवेश शुल्क	-	3,372,830	1,926,055	-	266,950	172,125	160,625	256,075	94,375		145,250	175,375	62,625	84,625	28,750
नामांकन शुल्क	-	32,680	-	-	-	-	-	-	-	-	32,680	-	-	-	-
पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	-	891	-	-	-	-	-	891	-		-	-	-	-	-
प्रयोगशाला शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
हस्तकला व शिल्पकला शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
एन.एफ.एस.सी.	-	799,660	799,660.00	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
प्रवेश शुल्क (विद्यावारिधी)	-	1,722,650	58,000	1,664,650	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
वार्षिक परीक्षा शुल्क	-	602,700	-	-	602,700	-	-	-	-		-	-	-	-	-
अंक तालिका एवं प्रमाणपत्र शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
प्रवेश परीक्षा शुल्क	-	7,747,000	7,747,000	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
फार्म शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
डिग्री शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
परीक्षा फार्म शुल्क	-	15,092,114	14,728,114	-	-	-	281,500	-	-	-	82,500	-	-	-	-
बी.एड. प्रैक्टिकल शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पहचान पत्र शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
दण्ड/विविधि शुल्क	-	62,278	60,963	-	-	-	1,315	-	-		-	-	-	-	-
बिजली शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिवहन शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्रावास रखरखाव शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
खेलकूद शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विविध गतिविधियां शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अष्टादशी परियोजना अतिरिक्त	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पालि/प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एच)	**-**	**29,432,803**	**25,319,792**	**1,664,650**	**266,950**	**774,825**	**443,440**	**256,966**	**94,375**	**-**	**260,430**	**175,375**	**62,625**	**84,625**	**28,750**
(आई) अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ															
प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	-	21,339	-	-	-	-	-	-	-	9,939	-	11,400	-	-	-
पाठ्यक्रम और विवरणिका की बिक्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-			-	-	-	-
पत्रिका शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यशाला, कार्यक्रम का पंजीकरण शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पंजीकरण शुल्क (प्रशासनिक कर्मचारी महा.)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पी.एस.एस.टी./अन्य लोगों की रकम वापसी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सी.सी. प्राप्तियाँ/पुस्तकालय अतिदेय शुल्क	-	142,886	138,362	-	-	2,175	-			-	2,349	-	-	-	
योग (आई)	**-**	**164,225**	**138,362**	**-**	**-**	**2,175**	**-**	**-**	**-**	**9,939**	**2,349**	**11,400**	**-**	**-**	**-**
(जे) मुक्त स्वाध्याय पाठ्यक्रम प्राप्तियाँ															
मुक्त स्वाध्याय पाठ्यक्रम शुल्क	-	2,724,102	2,724,102	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (जे)	**-**	**2,724,102**	**2,724,102**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(के) विविध आय															
छात्रावास कमरा किराया/घर किराया भत्ता	-	758,309	-	91,950	-		-	195,456	450,942	19,961			-	-	
लाईसेंस शुल्क	-	543,588	-	3,065	930	260,912	193,985	28,080	33,360	2,160		21,096	-		
सभागार किराया/खेल मैदान/ सम्मेलन केन्द्र	-	41,200		-		-	-	-	-	-	-	41,200	-	-	-
बिजली प्रभार प्राप्तियाँ	-	53,715	-	821		-	-	28,072	-			24,822	-	-	-
पानी प्रभार प्राप्तियाँ	-	5,273	-			-	-	-	-	-		5,273	-	-	-
अन्य (अलग तरीके से निर्दिष्ट एवं प्रकट किया जाए)	-	165,050		-	-	-	-	-	-	165,050	-	-	-		-
योग (के)	**-**	**1,567,135**	**-**	**95,836**	**930**	**260,912**	**193,985**	**251,608**	**484,302**	**187,171**	**-**	**92,391**	**-**	**-**	**-**
(एल) अन्य आय															
परामर्श से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आर.टी.आई. शुल्क	-	1,100	1,040	-	60	-	-	-		-		-	-	-	-
परिसर प्रकाशन से आय	-	78,144	-	39,348	8,781	14,208	60	15,427	-	-	320	-	-		-
विश्वविद्यालय प्रकाशन से आय	-	16,383,725	9,499,627.00	17,372	26,898		45,221	84,351	4,478	22,869	3,350	6,674,018	3,012		2,529
आवेदन पत्रों से आय (भर्ती)	-	608,647	608,647	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्रों की बिक्री, बेकार अखबार इत्यादि)	-	3,255,394	3,136,219	75,568	6,000	7,560	4,401	11,965		13,681	-		-		
बिक्री पर आय/सम्पत्तियों का निबटान/लिपिक फार्म	-	9,308	-	-	-	-	9,308	-		-	-	-	-	-	-
सम्पत्तियों की बिक्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थानों से छात्रवृत्ति (जे.एन.यू., नई दिल्ली)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुदान/संस्थानों से दान, कल्याणकारी निकाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से दान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	151,293	-	-	-	-	106,135	-	42,726		1,000	-	-	-	1,432
छुट्टी वेतन एवं पी.सी.		1,547,714	1,547,714										-		
योग (एल)	**-**	**22,035,325**	**14,793,247**	**132,288**	**41,739**	**21,768**	**165,125**	**111,743**	**47,204**	**36,550**	**4,670**	**6,674,018**	**3,012**	**-**	**3,961**

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(एम) पूर्व अवधि आय															
एन.पी.ए.एस. रकम पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य आय पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एम)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(एन) असाधारण आय															
गबन की गई राशि की वापसी	-	-		-	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एन)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(ओ) छात्र निधि प्राप्तियाँ															
छात्र निधि प्राप्तियाँ छात्र निधि में स्थानांतरित की जानी चाहिए		28,157,731		2,000	5,393,305	2,065,189	1,864,599	4,057,204	2,577,696	5,462,640	924,209	3,291,332	864,458	1,125,669	529,430
योग (ओ)		**28,157,731**	**-**	**2,000**	**5,393,305**	**2,065,189**	**1,864,599**	**4,057,204**	**2,577,696**	**5,462,640**	**924,209**	**3,291,332**	**864,458**	**1,125,669**	**529,430**
(पी) निवेश से अर्जित ब्याज															
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	-	10,540,613	10,540,613	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक मु.एस.पी. (सावधि जमा)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	-	5,207,097	5,207,097	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य प्रतिभूतियों पर आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (पी)	**-**	**15,747,710**	**15,747,710**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(क्यू) अक्षय निधि से अर्जित ब्याज															
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 1	-	90,353	68,260	-	-	-	7,383	-		13,319	1,391	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 7															
अन्य अक्षय निधि से अर्जित ब्याज (निर्दिष्ट)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (क्यू)	**-**	**90,353**	**68,260**	**-**	**-**	**-**	**7,383**	**-**	**-**	**13,319**	**1,391**	**-**	**-**	**-**	**-**
(आर) बचत खाते से अर्जित ब्याज															
अनुसूची बैंक से अर्जित ब्याज – बचत खाता	-	2,657,395	1,623,945	64,873	87,116	111,012	80,305	75,498	118,797	68,319	66,581	91,796	26,176	134,225	108,752
बैंक से अर्जित ब्याज – एन.पी.एस. बचत खाता	-	697,537	697,537	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भवन खाते परियोजना से अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (आर)	**-**	**3,354,932**	**2,321,482**	**64,873**	**87,116**	**111,012**	**80,305**	**75,498**	**118,797**	**68,319**	**66,581**	**91,796**	**26,176**	**134,225**	**108,752**
(एस) ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज															
ऋणे एवं अग्रिमे पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
गृह निर्माण अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	224,476	39,021	8,603	-	-	-	-	88,426	-	88,426	-	-	-	-
संगणक अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	53,619	5,760	9,823	18,916	-	-	9,000			5,280	4,840	-		-
कार अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	231,757	-	-	47,363	103,404	-	50,000	28,490			2,500	-		-
मोटर साईकिल पर अर्जित ब्याज	-	10,178	-	-	-	-	6,178	4,000		-	-	-	-	-	-
साईकिल पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य कार्यालय अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य देनदार से अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एस)	**-**	**520,030**	**44,781**	**18,426**	**66,279**	**103,404**	**6,178**	**63,000**	**116,916**	**-**	**93,706**	**7,340**	**-**	**-**	**-**
(टी) सामान्य जमा प्राप्तियाँ															
कर्मचारियों से प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्रों से प्राप्तियाँ/प्रेषण	-	357,051	-	-	-	-	357,051	-	-	-	-	-	-	-	-
सामान के विविध लेनदार	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय के अन्य विविध लेनदार (प्राप्तियाँ)	-	-	-	-	-	-	-	-			-	-	-	-	-
जमानती रकम (पुस्तकालय + छात्रावास)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रकाशन पर प्राप्तियां एवं अन्य देनदारियां	-	-	-	-	-	-	-	-			-	-	-	-	-
प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित अध्ययनवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अग्रिम अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बयाना राशि जमा (एस.डी.)	-	55,000	-	-	-	-	5,000	-	50,000	-	-	-	-	-	-
योग (टी)	**-**	**412,051**	**-**	**-**	**-**	**-**	**362,051**	**-**	**50,000**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(यू) सावधि जमा/निवेश की परिपक्वता															
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	-	32,317,719	-	-	11,903,425	-	5,888,041	-		4,247,931		9,000,000	1,278,322		-
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	-	200,207,660	200,207,660	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समेंग्र निधि (सावधि जमा)	-	69,027,357	69,027,357	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थानों के ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (यू)	**-**	**301,552,736**	**269,235,017**	**-**	**11,903,425**	**-**	**5,888,041**	**-**	**-**	**4,247,931**	**-**	**9,000,000**	**1,278,322**	**-**	**-**
(वी) अक्षय निधि की परिपक्वता															
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 1	-	172,806		-	-	-	144,949	-		-	27,857	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य निधियों की परिपक्वता (निर्दिष्ट)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (वी)	**-**	**172,806**	**-**	**-**	**-**	**-**	**144,949**	**-**	**-**	**-**	**27,857**	**-**	**-**	**-**	**-**

प्राप्तियाँ

विवरण		योग	मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(डब्ल्यू) भुगतान के लिए प्राप्त वैधानिक देनदारियां															
आयकर के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	109,591,061	7,794,403.00	3,902,867	18,348,900	6,233,088	8,627,484	19,832,085	13,711,336	7,352,200	3,242,208	10,055,416	2,997,050	5,078,522	2,415,502
सामान्य भविष्य निधि के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	71,766,196	12,798,153.00	2,015,425	14,155,865	3,238,596	4,015,558	11,781,900	11,424,940	2,325,800	2,677,574	3,503,300	780,000	2,375,000	674,085
एन.पी.एस. के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	26,986,077	2,596,528.00	1,351,887	3,685,082	1,663,735	2,113,013	2,711,080	1,371,567	3,149,994	1,838,438	3,291,472	1,060,471	1,282,961	869,849
जी.आई.एस. बचत के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	852,068	28,304.00	32,520	126,840	42,420	74,940	106,620	81,766	108,905	58,560	99,273	33,600	31,920	26,400
जी.आई.पी. बीमा के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	737,211	737,211.00	-						-	-	-	-	-	-
अन्य खाते से हस्तांतरण की प्राप्तियाँ	-	1,519,941	-		446,365	118,258	-	235,404	687,914			-	-		32,000
जीवन बीमा निगम के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	1,546,044	450,637.00	-	364,647		466,983	186,395	71,934		-	-	-		5,448
मार्च की रकम अप्रैल में भुगतान की प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टी.डी.एस. के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	2,177,385	1,323,881	-	-	46,865	130,678	164,694	64,157	67,272	41,078	93,140		-	245,620
जी.एस.टी. के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	324,437	-	-	-	-	-	126,416	-		-	198,021	-	-	-
पेशेवर कर के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	865,948	-	-	198,700	-	113,000	-		113,400	-	141,660	217,800	81,388	
अन्य परिसरों/अन्य खातों/निधियों में स्थानांतरण	-	432,964,404		-		-	-			-			216,482,202	-	216,482,202
प्रधानमंत्री राहत कोष के भुगतान की प्राप्तियाँ	-	-													
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के भुगतान की प्राप्तियाँ		-													
सी.पी.एफ.		-													
योग (डब्ल्यू)	-	649,330,772	25,729,117	7,302,699	37,326,399	11,342,962	15,541,656	35,144,594	27,413,614	13,117,571	7,857,858	17,382,282	221,571,123	8,849,791	220,751,106
(एक्स) मूल ऋण/अग्रिम की वसूली															
वसूली/वापसी - ऋण	-	-		-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-
मूल रकम गृह निर्माण अग्रिम	-	161,576	82,000.00	16,000	-	-	-	43,596	19,980		-		-	-	-
मूल रकम संगणक अग्रिम	-	303,700	191,000.00	33,200	12,500	-	18,000			12,000	24,000	8,200	4,800		
मूल रकम कार अग्रिम	-	27,900		-	10,800	-	13,500	-	3,600				-		-
मूल रकम मोटर साईकिल अग्रिम	-	15,200	-	-		-	-	12,000	-	-	-		3,200	-	-
मूल रकम साईकिल अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल रकम अन्य कार्यालयीय अग्रिम	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एक्स)	-	508,376	273,000	49,200	23,300	-	31,500	55,596	23,580	12,000	24,000	8,200	8,000	-	-
(वाई) निपटान/वापसी पर अग्रिम की वसूली															
एल.टी.सी.	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
यात्रा भत्ता	-	710,400	245,000	-	250,000	-	53,400	12,000	-	150,000	-	-		-	-
डाक खर्च	-	115,166	-	47,000	10,207		-		30,000	-	22,959			3,000	2,000
आकस्मिक	-	7,298,836	423,606	475,400	1,638,300	20,185	336,230	810,100	920,915	172,600	110,000	1,457,000		328,000	606,500
एच.बी.ए.	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-
संगणक	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
त्यौहार	-	35,000	35,000.00												
अन्य को दी गई रकम	-	-													-
योग (वाई)	-	8,159,402	703,606	522,400	1,898,507	20,185	389,630	822,100	950,915	322,600	132,959	1,457,000	-	331,000	608,500
बैंक में शेष एवं कुल प्राप्तियाँ	-	4,545,666,734	2,442,571,392	68,897,172	238,121,005	109,701,855	144,402,545	355,671,678	164,949,391	204,766,991	78,279,441	157,767,757	258,421,047	66,110,514	256,005,946

भुगतान

(राशि ₹ में)

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
	पूर्व वर्ष 2020-21	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22	चालू वर्ष 2021-22
(ए) सरकार/यू.जी.सी. अनुदान															
मुख्यालय द्वारा राजस्व खर्च हेतु निधि स्थानांतरण	-	1,033,286,891	1,033,286,891	-							-				
मुख्यालय द्वारा सामान्य व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	-	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा पूंजीगत व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	-	208,396,000	208,396,000	-							-				
पूर्वोत्तर के लिए राजस्व व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	-	48,187,103	48,187,103	-							-				
पूर्वोत्तर के लिए सामान्य व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	-	-		-							-				
पूर्वोत्तर के लिए पूंजीगत व्यय हेतु निधि स्थानांतरण	-	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा छात्रवृत्ति हेतु निधि स्थानांतरण	-	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. हेतु निधि	-	-		-							-				
पूंजीगत व्यय हेतु यू.जी.सी. एवं राज्य सरकार अनुदान	-	-		-							-				
चिह्नित/अक्षय निधि व्यय	-	-		-							-				
प्रायोजित परियोजना हेतु निधि का स्थानांतरण	-	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा विविध व्यय हेतु निधि का स्थानांतरण	-	-		-							-				
योग (ए)	**-**	**1,289,869,994**	**1,289,869,994**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(बी) वेतन हेतु राजस्व व्यय															
सकाय हेतु वेतन	-	497,808,789	18,047,487.00	13,452,548	81,053,977	29,987,622	40,796,593	80,714,935	57,139,730	42,648,931	22,675,019	54,173,541	18,107,554	26,886,530	12,124,322
कर्मचारियों हेतु वेतन	-	128,966,976	57,051,547.00	10,087,844	7,543,585	3,663,462	7,089,114	10,771,325	10,649,429	4,237,879	5,983,562	4,509,704	1,296,944	2,994,345	3,088,236
भत्ता एवं बोनस/वेतन एवं भत्ता	-	-		-		-			-	-	-				
अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट)	-	-		-		-			-	-	-				
सी.पी.एफ. को योगदान	-	-		-		-			-	-	-				
मानदेय	-	497,000	430,000.00	-			53,000		-		14,000				
कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-		-					-		-				
	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (बी)	**-**	**627,272,765**	**75,529,034**	**23,540,392**	**88,597,562**	**33,651,084**	**47,938,707**	**91,486,260**	**67,789,159**	**46,886,810**	**28,672,581**	**58,683,245**	**19,404,498**	**29,880,875**	**15,212,558**
(सी) सेवानिवृत्ति लाभ हेतु राजस्व व्यय															
पेंशन का संचयी मूल्य	-	35,030,064			1,561,450	4,902,635	6,370,784	16,713,597	5,481,598						
ग्रेच्युटी	-	21,585,174	3,178,827.00		1,576,527	1,384,695	3,513,512	8,931,613	3,000,000						
छुट्टी का भुगतान (सेवानिवृत्ति)	-	22,751,034	4,117,038.00		969,900	767,696	2,464,192	11,302,829	2,618,600			510,779			
छुट्टी वेतन एवं पेंशन	-	-						-	-	-	-	-		-	
पेंशन एवं पेंशनरी लाभ	-	135,114,091	35,550,994.00	15,104,512	18,890,896	14,072,533	20,047,660	13,566,330	8,216,812	4,255,773	1,284,363	4,124,218			
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय अंश)	-	35,844,520	3,635,029.00	1,881,450	4,769,183	1,904,719	2,710,511	3,708,543	1,774,902	4,136,656	2,350,945	4,608,084	1,511,271	1,722,007	1,131,220
योग (सी)	**-**	**250,324,883**	**46,481,888**	**16,985,962**	**27,767,956**	**23,032,278**	**35,106,659**	**54,222,912**	**21,091,912**	**8,392,429**	**3,635,308**	**9,243,081**	**1,511,271**	**1,722,007**	**1,131,220**
(डी) अन्य अवयवों हेतु राजस्व व्यय															
शिशु शिक्षा भत्ता	-	5,691,510	906,750.00	188,737	747,317	458,099	351,000	184,929	324,000	609,000	902,250	405,000	182,428	162,000	270,000
एन.पी.एस. पर ब्याज अंशदान	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जी.पी.एफ. ब्याज	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	5,497,705	1,675,141.00	256,427	444,160	295,337	344,291	477,151	923,917	140,769	170,688	500,767	72,000	158,728	38,329
छुट्टियों नकदीकरण (10 दिन)	-	2,949,770	482,106.00	54,699	210,299		-	960,704	216,271		62,158		32,007	931,526	-
एल.टी.सी.	-	2,648,117	601,368.00	107,291	365,538	310,039		518,021	145,778		347,765		13,002	227,882	11,433
योग (डी)	**-**	**16,787,102**	**3,665,365**	**607,154**	**1,767,314**	**1,063,475**	**695,291**	**2,140,805**	**1,609,966**	**749,769**	**1,482,861**	**905,767**	**299,437**	**1,480,136**	**319,762**
(ई) जे.आर.एफ./अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय															
भुगतान - शोध छात्रवृत्ति	-	10,963,224	88,000	3,342,000	3,467,935	329,935	296,000	1,081,985	1,467,571	501,333	8,000		48,000		332,465
भुगतान - जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. अध्येतावृत्ति	-	168,007	90,000	-	78,007					-	-	-			
भुगतान - छात्रों हेतु शोधवृत्ति	-	46,752,251	26,129,004	-	5,638,263	1,006,601		1,662,618	1,499,613	2,049,214	3,198,323	3,328,494	448,000	1,668,721	123,400
योग (ई)	**-**	**57,883,482**	**26,307,004**	**3,342,000**	**9,184,205**	**1,336,536**	**296,000**	**2,744,603**	**2,967,184**	**2,550,547**	**3,206,323**	**3,328,494**	**496,000**	**1,668,721**	**455,865**
(एफ) चिह्नित/अक्षय निधि व्यय															
अक्षय निधि पुरस्कार 1	-	7,383		-			7,383				-				
अक्षय निधि पुरस्कार 2	-	-		-							-				
योग (एफ)	**-**	**7,383**	**-**	**-**	**-**	**-**	**7,383**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(जी) पूंजीगत संपत्ति की खरीद															
भूमि एवं भवन	-	-		-			-				-				
सड़क, पुल, ट्यूबवेल एवं पानी आपूर्ति	-	1,038,496		-	85,000		458,496		495,000		-				
बिजली एवं उपकरण	-	455,130		-	325,000						-		103,430		26,700
पंप एवं मशीनरी	-	1,520,626	875,016	-	105,001		150,760			311,849		78,000			
फर्नीचर एवं फिक्सचर	-	5,465,276	2,141,573	297,351	600,000	564,253	25,900	265,664	198,940	212,318	149,062	222,075	115,670		672,470
कार्यालयीय उपकरण	-	1,276,163		-		290,180		463,141			157,042	365,800			
संगणक एवं बाह्य उपकरण	-	3,376,103	620,263	-	378,925	35,074	112,380	369,695	350,750	375,400	578,887	24,249	80,900		449,580
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	-	371,300		-	269,800			51,500			-				50,000
पाण्डुलिपियां	-	-		-							-				
श्रव्य दृश्य उपकरण	-	1,892,497	1,798,497	-							58,000	36,000			
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	-	615,551		50,000	50,000	6,400	52,174	50,000	50,000	49,968	207,009		50,000		50,000
वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम मूल्य सम्पत्तियां	-	264,999		-	264,999						-				
संगणक सॉफ्टवेयर	-	452,549	369,275	-	21,275						-	61,999			
ई-जर्नल/पुस्तकें	-	32,565	32,565	-							-				
फर्टटस	-	-		-							-				
योग (जी)	**-**	**16,761,255**	**5,837,189**	**347,351**	**2,100,000**	**895,907**	**799,710**	**1,200,000**	**1,094,690**	**949,535**	**1,150,000**	**788,123**	**350,000**	**-**	**1,248,750**
(एच) पूंजीगत कार्य प्रगति पर															
पूंजीगत कार्य की प्रगति पर दी गई राशि	-	413,682,202		-				113,000,000		76,700,000	7,500,000				216,482,202
योग (एच)	**-**	**413,682,202**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**113,000,000**	**-**	**76,700,000**	**7,500,000**	**-**	**-**	**-**	**216,482,202**

भुगतान

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(आई) यू.जी.सी./पूंजीगत व्यय पर योजना निधि															
बिजली एवं उपकरण	-	-		-							-				
यंत्र एवं मशीनरी	-	-		-							-				
फर्नीचर एवं फिक्सर	-	-		-											
कार्यालयीय उपकरण	-	-		-											
संगणक एवं बाह्य उपकरण	-	-		-											
श्रव्य दृश्य उपकरण		-													
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	-	-		-											
योग (आई)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(जे) पूर्व अवधि व्यय															
स्थापना व्यय (एन.पी.एस. पिछले वर्ष का देय - भुगतान)	-	-		-							-				
शैक्षिक व्यय	-	-		-							-				
प्रशासनिक व्यय (एन.पी.एस.)	-	-		-							-				
यातायात व्यय	-	-		-							-				
मरम्मत एवं रखरखाव	-	-		-							-				
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-	-		-							-				
अन्य स्थायी संपत्ति का ह्रास (प्रकाशन आय में शामिल)	-	-		-							-				
योग (जे)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(के) शैक्षिक व्यय															
प्रयोगशाला व्यय	-	-		-							-				
क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता	-	-		-							-				
संगोष्ठी में खर्च/कार्यशाला	-	850,000		-	850,000						-				
सविदा अतिथि संकाय का भुगतान	-	71,006,297			12,957,901	9,142,263	4,385,964	8,533,387	4,383,873	6,259,799	5,634,356	5,729,629	4,250,409	5,738,348	3,990,368
परीक्षा	-	10,190,303	7,014,637	-	602,955	333,226	469,379	510,951	185,490	231,807	390,713		95,509	271,325	84,311
छात्र कल्याण कोष	-	106,738		-			52,627	-		54,111	-	-			-
प्रवेश व्यय	-	390,264		-	266,950			-		9,939	-	-		84,625	28,750
दीक्षांत समारोह व्यय	-	-		-				-			-	-			
प्रकाशन/पत्रिका	-	74,970			41,148						10,042	-		23,780	
वेतन/सह योग्यता छात्रवृत्ति	-	-		-				-				-			
शोध गतिविधियां	-	4,000		-				-			4,000	-			
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-		-				-			-	-		-	
अखिल भारतीय युव महोत्सव	-	-		-				-			-	-			
वार्षिक समारोह	-	172,390		-	30,000			-	98,000	44,390	-	-			
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	-	-		-				-			-	-			
संगणक शिक्षा	-	-		-				-			-	-			
दूरस्थ शिक्षा (एम.एस.पी. व्यय)	-	8,717,933	2,278,780	328,397	893,649	306,670	566,898	953,879	321,582	2,162,742	277,000	408,420	199,972	19,944	
एस.सी. आकस्मिक	-	99,627	28,013	-		619		-		51,370	-	-	19,625	-	
स्थापना दिवस समारोह	-	1,900		-							1,900	-			-
ई-ग्रन्थालय	-	63,825		21,275				-			21,275	-		21,275	
कौमुदी महोत्सव	-	9,610,953		-	100,000	100,038	100,000	100,000	100,000	100,000	112,642	8,580,498	100,000	117,775	100,000
एकता दिवस/मैत्री भाषा दिवस	-	-		-				-			-	-			
संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एस.एस.ई.टी./एस.ई.ए.टी.)	-	2,617,695	2,030,624	-	40,000	27,090	70,926		40,758			380,297	28,000		
संयुक्त प्रतियोगिता/विविध गतिविधियाँ	-	2,000		-	2,000			-			-	-		-	
संस्कृत दिवस समारोह	-	304,765	72,650	20,000	20,000	24,159	19,440	20,000	19,000	20,000	9,516	20,000	20,000	20,000	20,000
मैत्री भाषा दिवस	-	20,000	20,000	-				-			-	-			
स्वतंत्रता दिवस समारोह	-	3,100		-							3,100	-		-	
हिन्दी दिवस समारोह	-	257,894	199,309	-	2,000			10,000		10,277	14,308	-	15,000		7,000
महिला अध्ययन केंद्र	-	7,661		-				-			7,661				
महिमा उत्सव	-	23,600		-			23,600	-			-	-			
खेल-कूद	-	13,100	13,100	-				-			-	-			
विश्व संस्कृत सम्मेलन	-	-		-				-			-	-			
भाषा मन्दाकिनी	-	-		-				-			-	-			
विश्वविद्यालय प्रकाशन	-	3,896,854	3,896,854	-				-			-	-			
विश्वविद्यालय प्रकाशन (पुनर्मुद्रण)	-	-		-				-			-	-			
आई.क्यू.ए.सी.	-	278,591	108,154	-	20,000			100,000			-	-	4,000	46,437	
विस्तृत व्याख्यान	-	54,727	-	-			10,316	-			2,411			42,000	
रोड मैप विकास	-	861,088		861,088				-			-				
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद	-	-		-				-			-				
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय संगठन	-	59,000	59,000	-				-			-				
ट्रेनिंग प्रोग्राम (के.वी.)	-	-		-				-			-				
शोध छात्रवृत्ति	-	-	-					-			-				
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	-	866,401		-					866,401		-				
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन		-													
योग (के)	**-**	**110,555,676**	**15,721,121**	**1,230,760**	**15,826,603**	**9,934,065**	**5,699,150**	**10,228,217**	**6,015,104**	**8,944,435**	**6,488,924**	**15,118,844**	**4,732,515**	**6,385,509**	**4,230,429**

भुगतान

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(एल) योजना व्यय															
अखिल भारतीय खास्त्री स्पर्धा	-	11,483,457	9,315,000	-	200,000	199,973	129,277	200,000	197,831		84,138	188,029	400,000	396,601	172,608
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	-	11,270,931	11,209,279	-							-			61,652	
शास्त्र चूडामणि	-	2,400,000	2,400,000	-							-				
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-	-		-							-				
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	-	394,787	394,787	-							-				
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	-	-		-							-				
संस्कृत साहित्य का निर्माण	-	912,410	912,410	-							-				
व्यावसायिक प्रशिक्षण	-	967,500	936,000	-							-				31,500
राष्ट्रपति सम्मान	-	3,734,513	3,734,513	-							-				
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	-	319,397,015	319,397,015	-							-				
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	-	58,111,696	58,111,696	-							-				
डेक्कन कॉलेज पूणे	-	5,000,000	5,000,000	-		-					-				
परंपरागत पाठशाला (स्वैच्छिक संस्कृत संगठन)	-	65,361,124	65,361,124	-							-				
पूर्वोत्तर राज्य	-	14,562,352	14,562,352	-							-				
गैर सरकारी संगठन/गैर सरकारी विश्वविद्यालय	-	200,000	200,000	-							-				
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	-	20,963,419	20,963,419	-							-				
सीनियर शिक्षा/उच्च शिक्षा को अनुदान	-	1,451,355	1,451,355	-							-				
सम्मान राशि	-	5,964,000	5,964,000	-							-				
वशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	-	-		-							-				
पचांग परियोजना	-	229,570		-							-	229,570			
समायोजन प्रविष्टि (मैस)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पालि एवं प्राकृत	-	5,504,929	1,159,513	-				1,873,321	2,472,095		-				
राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन	-	-	-	-		-					-				
ई-पाठशाला पुस्तक	-	-		-							-				
अन्य परियोजना (निर्दिष्ट)	-	-		-							-				-
सांख्य योग/पंचांग परियोजना	-	-		-							-				
ज्योतिष परियोजना	-	-		-							-				
यू.जी.सी./नैक	-	-		-							-				
नाट्य शास्त्र परियोजना	-	1,942,970		-							-	1,942,970			
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	-	500,000	500,000	-							-				
अष्टादशी परियोजना	-	6,066,687	5,366,687	-			450,000				-	250,000			
योग (एल)	**-**	**536,418,715**	**526,939,150**	**-**	**200,000**	**199,973**	**579,277**	**2,073,321**	**2,669,926**	**-**	**84,138**	**2,610,569**	**400,000**	**458,253**	**204,108**
(एम) प्रशासनिक व्यय															
ए) बुनियादी ढांचा															
बिजली एवं पॉवर	-	10,259,641	1,655,210.00	252,276	1,008,547	1,353,082	480,457	1,330,916	1,550,763	742,775	687,756	906,780		125,463	165,616
जल प्रभार	-	1,014,786	121,586.00			557,212	3,509	13,866	107,522		18,000	161,093		-	31,998
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	-	96,598		-	1,540		19,570	68,636	771	-	-	-		6,081	-
किराया, दर एवं कर	-	2,863,492	393,452		67,811		18,094		101,864	-	131,812	427,859			1,722,600
बी) संचार															
डाक व्यय	-	1,065,552	656,196	42,142	71,691	33,255	20,000	66,698	27,817	17,752	63,806	29,849	7,501	16,056	12,789
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	-	2,026,542	134,060	64,325	63,863	123,271	90,280	56,691	375,728	168,896	352,610	436,870	30,386	87,533	42,029
सी) अन्य व्यय															
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	-	2,895,917	1,810,831	40,880	176,353	122,785	51,761	125,251	183,708	44,704	125,436	43,371	58,950	21,363	90,524
यात्रा एवं वाहन व्यय	-	6,457,588	4,099,052	49,322	458,458	221,361	510,839	264,331	58,252	330,759	65,835	19,537	54,119	57,304	268,419
वर्दियां	-	185,000	80,000	40,000		20,000			45,000	-				-	
सेवा शुल्क लेखा परीक्षक	-	228,480	170,120			-	43,360	-	-	-	-	-		15,000	
संपत्ति कर	-	213,739	213,739	-		-		-	-	-	-	-			
विज्ञापन एवं प्रचार	-	1,332,392	1,208,253	3,693	42,046	-		6,039	7,961	13,800	35,918	6,798			7,884
संविदा कर्मचारियों का वेतन	-	5,164,543	5,164,543	-											
आउट सोर्स	-	22,166,796	7,461,769	1,698,759		2,499,873		1,779,933	2,678,242	3,640,634			777,459	1,630,127	
बागवानी व्यय	-	3,047,705	99,234	24,250	2,920,731			-		3,490					
कर्मचारी कल्याण व्यय	-	473,710	163,843			-		20,000	83,732	-	95,785	-	32,700	62,650	15,000
कानूनी व्यय	-	1,013,275	728,650	-	164,150	-	63,000	25,750		-	31,725	-			
विविध भुगतान	-	4,088,499	1,406,208.00	330,697	230,953	292,508	170,413	310,143	153,510	112,070	213,507	353,531	8,107	389,816	117,036
हाउस कीपिंग	-	4,543,500	1,519,404		2,899,060	125,036									
सुरक्षा सेवाएं	-	20,050,377	581,256	-		-	5,010,294	4,238,637			2,460,964	4,062,763	35,800		3,660,663
सी.वी.वी.टी. व्यय	-	30,000	-	-		-			30,000		-	-		-	
जी.ओ.आई. रकम का भुगतान (वर्ष 2021-22 के ब्याज रकम की वापसी)	-	1,782,852	1,782,852	-		-					-				
योग (एम)	**-**	**91,000,984**	**29,450,258**	**2,546,344**	**8,105,203**	**5,348,383**	**6,481,577**	**8,306,891**	**5,404,870**	**5,074,880**	**4,283,154**	**6,448,451**	**1,005,022**	**2,411,393**	**6,134,558**
(एन) यातायात व्यय															
1. संस्थान के स्वामित्व वाले वाहन		-	-	-		-					-				
ए) रनिंग व्यय	-	520,918	357,880	-							163,038				
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	-	297,396	123,650	34,285			21,478				117,983				
सी) बीमा व्यय	-	103,838	25,202	11,586			10,640				56,410				
डी) स्टाफ कार पेट्रोल/डीजल व्यय	-	373,434		25,000			22,910				-			325,524	
2. किराया वाहन/किराया/ पट्टा व्यय	-	-	-	-		-	-				-				
ए) टैक्सी किराया व्यय	-	1,172,262	467,143	-	20,800	14,000				16,650	-	267,829			385,840
बी) वाहन किराया व्यय	-	-		-							-				
3. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	-	214,449	214,449	-			-				-	-			
योग (एन)	**-**	**2,682,297**	**1,188,324**	**70,871**	**20,800**	**14,000**	**55,028**	**-**	**-**	**16,650**	**337,431**	**267,829**	**-**	**325,524**	**385,840**

भुगतान

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(ओ) मरम्मत एवं रखरखाव व्यय															
भूमि एवं भवन	-	34,092,974	-	5,473,935	1,903,877	1,903,312	4,357,730	91,154	128,250	17,854,044	43,235	2,337,437			
सड़क, पुल, टयूबवैल एवं पानी आपूर्ति	-	-		-				-	-	-	-	-			
बिजली एवं उपकरण	-	432,508		109,499	66,468				-	-	218,106	38,435			-
यंत्र एवं मशीनरी	-	187,171	-	-	103,690	1,000			-	19,726	41,705	21,050		-	
फर्नीचर एवं फिक्सर	-	598,455	-	-	181,182	63,123	17,741	-	60,741	62,732	186,436		-	26,500	
कार्यालयीय उपकरण	-	1,245,053	705,266	97,428	180,385	10,390			24,840	36,689	115,124	45,588		23,043	6,300
संगणक एवं बाह्य उपकरण	-	684,230		32,434		55,650	79,633	114,701	44,929	8,102	-	107,477	141,724	96,100	3,480
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	-	-		-				-	-	-	-	-		-	
पाण्डुलिपियां	-	-		-				-	-	-	-	-		-	
श्रव्य दृश्य उपकरण	-	-		-				-	-	-	-	-		-	
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	-	-		-				-	-	-	-	-	-	-	
वाहन	-	48,207		-				-	-	-	48,207	-		-	
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	-	-		-							-				
पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	-	-		-				-			-				-
बागवानी उपकरण	-	90,040			1,845	43,830	2,000	1,540	37,575		3,250				
जायदाद रखरखाव	-	-	-	-				-							
अन्य (निर्दिष्ट)	-	188,554					162,000				16,304				10,250
योग (ओ)	**-**	**37,567,192**	**705,266**	**5,713,296**	**2,437,447**	**2,077,305**	**4,619,104**	**207,395**	**296,335**	**17,981,293**	**672,367**	**2,549,987**	**141,724**	**145,643**	**20,030**
(पी) वित्तीय लागत															
बैंक प्रभार	-	12,523	929	4,871	101				1,090	619	1,205	47	1,595	1,623	443
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-		-											
योग (पी)	**-**	**12,523**	**929**	**4,871**	**101**	**-**	**-**	**-**	**1,090**	**619**	**1,205**	**47**	**1,595**	**1,623**	**443**
(क्यू) अन्य विविध व्यय															
विश्वविद्यालय प्रकाशन रकम मुख्यालय को स्थानांतरित की गई	-	6,884,098		17,372	26,898		45,221	84,351	4,478	22,869	3,350	6,674,018	3,012		2,529
अन्य (निर्दिष्ट) ब्याज मुख्यालय को स्थानांतरित	-	1,018,882		64,873	87,116	111,012	80,305	66,085	118,797	82,000	66,581	99,136		134,225	108,752
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	-	861,130		-		172,125	160,625	256,075	94,375		177,930			-	
(परियोजना निधि अव्ययित) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	-	1,740,053		1,740,053	-				-	-	-		-		
अन्य (विविध) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	-	376,213				7,560		223,528			82,500		62,625		
अन्य परिसरों को स्थानांतरित रकम	-	-				-					-			-	
अन्य (निर्दिष्ट)	-	1,006,803	-		-	602,700	89,395	35,542	-	-	-	279,166	-		-
आंशिक रूप से आउटसोर्सिंग व्यय आंतरिक स्रोत/बचत	-	2,349		-		-				-	2,349				
योग (क्यू)	**-**	**11,889,528**	**-**	**1,822,298**	**114,014**	**893,397**	**375,546**	**665,581**	**217,650**	**104,869**	**332,710**	**7,052,320**	**65,637**	**134,225**	**111,281**
(आर) निवेश - वर्तमान एफ.वाइ.															
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	-	32,476,762	-	-	13,947,108	-	6,533,168	-		5,647,724	-	5,000,000	1,348,762		
अनुसूची बैंक एस.बी.आइ. (सावधि जमा)	-	230,678,192	230,678,192	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य बैंक - एच.डी.एफ.सी (सावधि जमा)	-	74,234,454	74,234,454	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि सावधि जमा खरीद	-	174,197	-	-	-	-	144,949	-		-	29,248	-	-	-	-
योग (आर)	**-**	**337,563,605**	**304,912,646**	**-**	**13,947,108**	**-**	**6,678,117**	**-**	**-**	**5,647,724**	**29,248**	**5,000,000**	**1,348,762**	**-**	**-**
(एस) बकाया जमा का भुगतान															
पूंजीगत खाता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बी.एच.पी./इण्डेन गैस	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बयाना राशि	-	5,000	-	-	-	-	5,000	-				-	-	-	-
दूरभाष विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पट्टा किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विद्युत विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट) देनदारियां	-	-		-	-	-		-		-		-	-	-	-
योग (एस)	**-**	**5,000**	**-**	**-**	**-**	**-**	**5,000**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(टी) कर्मचारी अग्रिम															
आकस्मिक अग्रिम	-	7,298,651	423,606	475,400	1,638,300	20,000	336,230	810,100	920,915	172,600	110,000	1,457,000		328,000	606,500
एल.टी.सी. अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टी.ए. अग्रिम	-	810,400	245,000	-	250,000	100,000	53,400	12,000	-	150,000	-	-	-	-	-
वाहन अग्रिम	-	9,500	9,500	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
डाक खर्च अग्रिम	-	115,166	-	47,000	10,207		-		30,000	-	22,959		-	3,000	2,000
कार ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मोटर साईकिल ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एच.बी.ए. ऋण	-	104,426		16,000	-	-	-	-	-	-	88,426	-	-	-	-
त्योहार एवं अन्य अग्रिम	-	-													
अन्य परिसरों को प्रेषण/मुख्यालय	-	-	-	-		-	-	-		-	-	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-	-	-		-	-	-	-	-		-	-	-	-
संगणक ऋण	-	20,200		-		-	12,000	-	-	-	-	8,200	-	-	-
योग (टी)	**-**	**8,358,343**	**678,106**	**538,400**	**1,898,507**	**120,000**	**401,630**	**822,100**	**950,915**	**322,600**	**221,385**	**1,465,200**	**-**	**331,000**	**608,500**
(यू) छात्र निधि भुगतान															
छात्र निधि में स्थानांतरित राशि		21,816,277			3,612,397	4,384,957	694,033	3,049,026	1,427,947	4,398,977	1,390,118	1,783,066	345,851	540,855	189,050
योग (यू)	**-**	**21,816,277**	**-**	**-**	**3,612,397**	**4,384,957**	**694,033**	**3,049,026**	**1,427,947**	**4,398,977**	**1,390,118**	**1,783,066**	**345,851**	**540,855**	**189,050**

भुगतान

विवरण	योग		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(वी) वैधानिक देनदारियों का भुगतान															
आयकर का भुगतान	-	109,591,061	7,794,403.00	3,902,867	18,348,900	6,233,088	8,627,484	19,832,085	13,711,336	7,352,200	3,242,208	10,055,416	2,997,050	5,078,522	2,415,502
जी.पी.एफ. का भुगतान	-	71,766,196	12,798,153.00	2,015,425	14,155,865	3,238,596	4,015,558	11,781,900	11,424,940	2,325,800	2,677,574	3,503,300	780,000	2,375,000	674,085
एन.पी.एस. का भुगतान	-	26,833,208	2,596,528	1,351,887	3,685,082	1,362,606	2,113,013	2,711,080	1,371,567	3,149,994	1,838,438	3,291,472	1,208,731	1,282,961	869,849
जी.आई.एस. बचत का भुगतान	-	823,974	28,304	32,520	65,001	42,420	74,460	106,620	46,414	109,085	58,560	213,046	33,600		13,944
जी.आई.एस. बीमा का भुगतान	-	1,012,000	886,610	-	61,839	-		-	35,352	-	-	-	-	15,743	12,456
अन्य परिसरों की देनदारी	-	-	-		-	-	-		-		-	-	-	-	-
जीवन बीमा निगम का भुगतान	-	1,546,044	450,637	-	364,647		466,983	186,395	71,934						5,448
पूर्व वर्षों के लिए अन्य भुगतान	-	73,639,537	9,267,606	1,945,724	11,005,055	5,155,842	6,999,811	10,381,346	7,302,519	5,212,209	3,550,917	5,252,763	2,406,209	3,597,918	1,561,618
टी.डी.एस. का भुगतान	-	2,177,385	1,323,881	-	-	46,865	130,678	164,694	64,157	67,272	41,078	93,140			245,620
जी.एस.टी. का भुगतान	-	324,437	-	-	-	-	-	126,416	-		-	198,021	-	-	-
पेशेवर करों का भुगतान	-	865,948			198,700		113,000			113,400		141,660	217,800	81,388	
अन्य परिसरों को स्थानांतरण/ अन्य खाते/निधियां	-	1,909,613	2,800		446,365	100,758	357,051	235,404	687,914		5,280		25,864	16,177	32,000
प्रधानमंत्री राहत कोष को भुगतान	-	-													
सी.पी.डब्ल्यू.डी. द्वारा स्थानांतरित रकम	-	216,482,202		-	-	-		-	-	-	-	-	216,482,202	-	-
मंत्रालय को भुगतान – जमा राशि पर अर्जित ब्याज		-											-		
योग (वी)	**-**	**506,971,605**	**35,148,922**	**9,248,423**	**48,331,454**	**16,180,175**	**22,898,038**	**45,525,940**	**34,716,133**	**18,329,960**	**11,414,055**	**22,748,818**	**224,151,456**	**12,447,709**	**5,830,522**
(डब्ल्यू) बैंक में अन्तरिम शेष एवं बैंक खाते खाते															
हाथ में रोकड	-	101,391	-	68,636	-	-	-	15,834	7,353	2,296			7,272		
हाथ में रोकड (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	-	44,177	44,177	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
हाथ में रोकड (छात्र निधि)	-	198,714			7,481		3,843	18,578	78,735	102		74,048	15,927		
बैंक में शेष		-													
अनुसूची बैंक बचत (मुख्य)	-	132,385,069	45,466,506	2,734,940	13,370,957	6,899,972	10,494,953	11,595,299	12,136,646	7,544,086	3,757,262	9,132,293	2,797,868	4,098,467	2,355,820
बचत खाते (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	-	13,372,056	13,372,056	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कनिष्ठ अध्येतावृत्त खाते (यू.जी.सी.)	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू खाता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी. बैंक)	-	21,253,457	21,253,457	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (परियोजना निधि)	-	500,000	-	-	-	-	-	500,000	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (भवन निधि)	-	-						-							
बचत खाता (छात्र निधि)	-	40,381,059	-	95,474	831,896	3,670,348	573,499	7,868,916	6,473,776	169,410	3,620,371	10,567,575	1,346,212	4,078,574	1,085,008
बचत खाता (छात्र निधि सुरक्षा)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (डब्ल्यू)	**-**	**208,235,923**	**80,136,196**	**2,899,050**	**14,210,334**	**10,570,320**	**11,072,295**	**19,998,627**	**18,696,510**	**7,715,894**	**7,377,633**	**19,773,916**	**4,167,279**	**8,177,041**	**3,440,828**
बैंक में अन्तरिम शेष एवं कुल भुगतान	**-**	**4,545,666,734**	**2,442,571,392**	**68,897,172**	**238,121,005**	**109,701,855**	**144,402,545**	**355,671,678**	**164,949,391**	**204,766,991**	**78,279,441**	**157,767,757**	**258,421,047**	**66,110,514**	**256,005,946**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2022 को निर्धारित सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन-पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियाँ	चालू वर्ष 31.03.2022		पूर्व वर्ष 31.03.2021		सम्पत्तियाँ	चालू वर्ष 31.03.2022		पूर्व वर्ष 31.03.2021	
					निवेश				
पिछले वर्ष तक आरक्षित और अधिशेष	15,873,677.00		22,314,246.00		केन्द्र सरकार प्रतिभूतियाँ	-		-	
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	(9,045,836.00)		(6,440,569.00)		राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-		-	
पिछले वर्ष के दौरान सा.भ.नि. पर ब्याज से हानि परिसरों में	-		-		सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-		-	
पिछले वर्ष के दौरान अतिरिक्त/कम राशि का हिसाब नहीं	-		-						
रिजर्व और अतिरिक्त का चालू शेष राशि		6,827,841.00		15,873,677.00					
सामान्य भविष्य निधि									
प्राविडेंट फंड सदस्य योगदान	-		-		सावधि जमा	392,494,240.00		397,948,358.00	
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	466,669,348.00	-	437,619,039.00				392,494,240.00		397,948,358.00
सा.भ.नि. अंशदान की लेखा परीक्षा के अनुसार पिछले वर्ष के खाते	-	-	62,611.00						
पिछले वर्ष की शेष राशि से संबंधित ओपनिंग लोन बकाया	-		(225,200.00)						
जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए स्वैच्छिक पी.एफ. योगदान	72,362,017.00		69,325,907.00		31.3.2022 को अर्जित ब्याज	10,730,508.00		9,694,450.00	
जोड़ें : अन्य परिसरों से स्थानांतरण पर प्राप्त योगदान और ब्याज	18,241,171.00		34,255,397.00				10,730,508.00		9,694,450.00
जोड़ें : वर्ष के दौरान बकाया सा.भ.नि. शेष राशि पर ब्याज	31,831,326.00		30,282,060.00		**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम**				
घटा : अन्य परिसरों के लिए स्थानांतरण	(25,345,978.00)		(36,058,156.00)		पिछले वर्ष तक बकाया अग्रिम	11,688,952.00		13,561,048.00	
घटा : गैर वापसी योग्य निकासी	(22,299,000.00)		(22,335,185.00)						
घटा : अंतिम भुगतान	(66,666,773.00)		(46,583,493.00)		जोड़ें-घटा : पिछले वर्ष के ऋण का अग्रिम शेष/ अग्रिम किए गए कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानांतरण	-	-	477,517.00	
जोड़ें-घटा : अन्य परिसरों में कर्मचारियों का बाहर से तबादला/ स्थानान्तरण में ऋण/अग्रिमों का अंतर	-		477,517.00		इलाहाबाद परिसर को गलती से दी गई राशि की वापसी			(224,270.00)	
कोर्ट मामले के निबटारे पर श्री बी.के. सिंह को दी गई राशि	-	474,792,111.00	(151,149.00)	466,669,348.00	जमा : सदस्यों को दी गई अग्रिम राशि	10,482,778.00		7,561,188.00	
सी.पी.एफ.					घटा : वर्ष की समाप्ति के पश्चात् अग्रिम देय राशि की समायोजित वसूली	(8,398,327.00)		(9,686,531.00)	
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	-		50,283.00				13,773,403.00		11,688,952.00
जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया अंशदान	-		-		**अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि**				
जोड़ें : वर्ष के दौरान ब्याज	-		4,686.00						
घटा : मुख्यालय द्वारा सी.पी.एफ. को स्थानांतरण राशि पर बैंक प्रभार	-		(69.00)		जोड़ें : वर्ष के लिए योगदान	-		-	
			(54,900.00)	-	घटा : वर्ष के समायोजन के दौरान प्राप्त राशि	-		-	
घटा : मुख्यालय के सी.पी.एफ. खाते को मुंबई परिसर द्वारा बंद करने पर		-		-	**सस्पेंस खाता** - अतिरिक्त सा.भ.नि. राशि अन्य परिसर/कर्मचारी हस्तांतरित की गई, वापिस मुंबई परिसर में	427,000.00	-	427,000.00	-
जयपुर परिसर द्वारा मुख्यालय को हस्तांतरित किया गया अतिरिक्त स्थानांतरण	-		-		**जयपुर परिसर ने मुख्यालय से वसूल किया**	-		-	
		-		-	एकलव्य परिसर ने भोपाल एवं लखनऊपरिसर से	2,641.00	429,641.00	2,641.00	429,641.00
इलाहाबाद परिसर द्वारा पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि का अन्तिम शेष	-		-		**हाथ में रोकड़ एवं बैंक में जमा**				
		-		-	अनुसूची और राष्ट्रीयकृत बैंकों में सा.भ.नि. के साथ	64,192,160.00		62,781,624.00	
		-		-	बैंक में रोकड़ - सी.पी.एफ. खाता	-		-	
				-			64,192,160.00		**62,781,624.00**
31 मार्च 2022 को देनदारियाँ		**481,619,952.00**		**482,543,025.00**	वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	-	-	-	
							481,619,952.00		**482,543,025.00**

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय और व्यय स्थिति

(राशि ₹ में)

व्यय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2022	पूर्व वर्ष 31.03.2021	आय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2022	पूर्व वर्ष 31.03.2021
सदस्यों को ब्याज देने के लिए			बैंक बचत खाते पर ब्याज	1,093,973.00	1,190,942.00
कर्मचारी योगदान पर	31,831,326.00	30,282,060.00	**निवेश पर ब्याज**		
			केन्द्रीय सरकार प्रतिभूति	-	-
बैंक प्रभार	1,385.00	437.00	राज्य सरकार प्रतिभूति	-	-
प्रतिभूति के मूल्यांकन पर हानि	-	-	भारत सरकार विशेष जमा	-	-
अधिक ब्याज के उलट के दौरान व्यापक वर्ष के लिए जिम्मेदार हैं	-	-	सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-	-
			सावधि जमा	10,962,394.00	12,797,481.00
व्यय से अधिक आय रिजर्व फंड में हस्तांतरित	-	-	31.3.2022 को दिया गया ब्याज	10,730,508.00	9,694,449.00
			अन्य आय	-	159,056.00
			निवेश पर आय	-	-
			रिजर्व फंड में स्थानांतरित आय से अधिक व्यय	9,045,836.00	6,440,569.00
	31,832,711.00	30,282,497.00		31,832,711.00	30,282,497.00

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	कुलसचिव

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 21 जून, 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2021-22 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	62,781,624.00	25,378,811.00	1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	66,666,773.00	46,583,493.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	72,362,017.00	69,325,907.00	2	अन्तिम भुगतान (बिना वापसी योग्य)	22,299,000.00	22,335,185.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	8,398,327.00	9,686,531.00	3	सा.भ.नि. अग्रिम	10,482,778.00	7,561,188.00
4	सावधि जमा परिपक्वता	263,570,550.00	262,125,759.00	5	सावधि जमा की खरीद	257,910,638.00	249,041,864.00
5	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	20,656,843.00	22,928,850.00	6	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	25,345,978.00	36,058,156.00
6	बचत खाता पर ब्याज	1,093,973.00	1,190,942.00	7	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण	-	599,838.00
7	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	18,241,171.00	34,255,397.00	8	अभिदाता को दिया गया ब्याज (वापसी)	223,194.00	437.00
8	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	-	-		बैंक संग्रह प्रभार	1,385.00	-
9	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	-	62,611.00		अशंदायी को देय ब्याज	-	-
10	पूर्व वर्ष त्रुटियां	17,401.00	-		**नगद शेष**	-	-
11	सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज का स्थानान्तरण	-	6,977.00		बैंक में रोकड़	64,192,160.00	62,781,624.00
	कुल योग				बैंक में शेष		
		447,121,906.00	**424,961,785.00**		**कुल योग**	**447,121,906.00**	**424,961,785.00**

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2021-22 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का विस्तृत लेखा विवरण

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

क्र.	लेखा शीर्ष	कुल योग	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	शृंगेरी
1	आदि शेष	62,781,624.00	2,806,326.00	103,392.00	24,294,911.00	1,521,171.00	21,936,490.00	1,453,484.00	460,186.00	826,997.00	255,050.00	7,161,172.00	344,967.00	1,564,946.00	52,532.00
2	सा.भ.नि. सदस्यता	72,362,017.00	13,709,942.00	1,423,000.00	2,762,000.00	540,000.00	2,645,000.00	2,404,574.00	2,767,000.00	9,876,100.00	3,471,447.00	10,335,500.00	780,000.00	12,750,000.00	8,897,454.00
3	सा.भ.नि. की अग्रिम वसूली	8,398,327.00	147,775.00	608,175.00	635,300.00	134,085.00	-	273,000.00	1,248,558.00	1,905,800.00	742,329.00	1,089,440.00	-	1,405,865.00	208,000.00
5	सा.भ.नि. परिपक्वता	263,570,550.00	-	8,981,670.00	17,500,000.00	7,000,000.00	20,000,000.00	8,921,275.00	4,300,000.00	124,517,047	29,457,588.00	25,753,287.00	7,234,684.00	-	9,904,999.00
6	सा.भ.नि. परिपक्वता ब्याज	20,656,843.00	3,540,238.00	315,955.00	752,742.00	229,987.00	864,108.00	506,501.00	32,483.00	5,428,489	1,301,321.00	3,438,638.00	664,704.00	3,256,940	324,737.00
7	बचत खाता ब्याज	1,093,973.00	188,177.00	19,386.00	254,757.00	20,076.00	123,586.00	71,011.00	32,919.00	73,544	66,455.00	92,993.00	38,376.00	86,359	26,334.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	18,241,171.00	2,566,839.00	-	1,707,524.00	-	840,017.00	-	5,892,542.00	1,340,634.00	2,134,860.00	-	-	3,758,755.00	-
9	विश्वविद्यालय का योगदान में हिस्सा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	सा.भ.नि. ब्याज मुख्या. में स्थानान्तरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	पूर्व वर्ष की त्रुटियाँ	17,401.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17,400.00	-	-	1
12	सा.भ.नि. पर पूर्व वर्ष ब्याज स्थानांतर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	447,121,906.00	22,959,297.00	11,451,578.00	47,907,234.00	9,445,319.00	46,409,201.00	13,629,845.00	14,733,688.00	143,968,611.00	37,429,050.00	47,888,430.00	9,062,731.00	22,822,865.00	19,414,057.00
	देनदारियाँ														
1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	66,666,773.00	4,006,347.00	-	5,342,420.00	-	-	-	4,285,477.00	27,759,752.00	4,289,451.00	20,014,282.00	-	969,044.00	-
2	अन्तिम भुगतान (वापसी योग्य नहीं)	22,299,000.00	5,165,000.00	1,880,000.00	-	-	-	200,000.00	-	4,524,000.00	5,530,000.00	2,200,000.00	-	2,300,000.00	500,000.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम	10,482,778.00	950,780.00	630,000.00	822,000.00	155,540.00	-	300,000.00	919,614.00	2,536,800.00	1,000,679.00	1,155,000.00	-	1,912,365.00	100,000.00
5	सा.भ.नि. की खरीद	257,910,638.00	3,540,238.00	8,867,453.00	17,500,000.00	5,500,000.00	20,000,000.00	9,427,776.00	6,800,000.00	101,279,653.00	26,190,848.00	21,000,000.00	7,846,013.00	14,500,000.00	15,458,657.00
5	अन्य परिसरों को राशि का हस्तांतरण	25,345,978.00	2,563,714.00	-	6,810,894.00	1,990,319.00	-	-	1,511,524.00	6,779,654.00	-	-	-	2,361,045.00	3,328,828.00
6	सा.भ.नि. ब्याज का मुख्य खाते में हस्तांतरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	अतिरिक्त राशि की वापसी	223,194.00	205,794.00	-	-	-	-	-	-	-	-	17,400.00	-	-	-
8	बैंक संग्रह प्रभार	1,385.00	265.00	-	553.00	118.00	-	71.00	-	-	-	-	-	378.00	-
9	शेष राशि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	बैंक में नकद	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	बैंक में राशि	64,192,160.00	6,527,159.00	74,125.00	17,431,367.00	1,799,342.00	26,409,201.00	3,701,998.00	1,217,073.00	1,088,752.00	418,072.00	3,501,748.00	1,216,718.00	780,033.00	26,572.00
	योग	447,121,906.00	22,959,297.00	11,451,578.00	47,907,234.00	9,445,319.00	46,409,201.00	13,629,845.00	14,733,688.00	143,968,611.00	37,429,050.00	47,888,430.00	9,062,731.00	22,822,865.00	19,414,057.00

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2021-22 की सामान्य भविष्य निधि का विस्तृत लेखा विवरण

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	कार्या. कोड	कार्यालय नाम	आदि शेष	सा.भ.नि. योगदान	अतिरिक्त वी.पी.एफ. योगदान	निकासी/ऋण की वापसी	चालू वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/ अग्रिम	अंतिम वापसी गैर-वापसी योग्य	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरित किया गया	अंतिम निबटान भुगतान	31.3.2022 को अंतिम शेष राशि
1		मुख्यालय	70,350,854	13,709,942	2,476,350	147,775	950,780	5,165,000	90,489	5,287,864	2,563,714	4,006,347	**79,377,433**
2		इलाहाबाद परिसर	3,694,077	1,423,000	-	608,175	630,000	1,880,000	-	275,788	-	-	**3,491,040**
3		भोपाल परिसर	24,727,853	2,762,000	1,707,524	635,300	822,000	-	-	1,566,769	6,810,894	5,342,420	**18,424,132**
4		देवप्रयाग परिसर	8,945,746	540,000	-	134,085	155,540	-	-	510,815	1,990,319	-	**7,984,787**
5		एकलव्य परिसर	22,998,327	2,645,000	840,017	-	-	-	-	1,783,460	-	-	**28,266,804**
6		गरली परिसर	11,051,058	2,404,574	-	273,000	300,000	200,000	-	878,010	-	-	**14,106,642**
7		गुरुवायूर परिसर	13,655,286	2,767,000	5,720,658	1,248,558	919,614	-	171,884	1,130,798	1,511,524	4,285,477	**17,977,569**
8		जयपुर परिसर	105,360,619	9,876,100	1,317,253	1,905,800	2,536,800	4,524,000	23,381	6,354,910	6,779,654	27,759,752	**83,237,857**
9		जम्मू परिसर	25,212,269	3,471,447	2,085,472	742,329	1,000,679	5,530,000	49,388	1,242,596	-	4,289,451	**21,983,371**
10		लखनऊ परिसर	78,111,678	10,335,500	-	1,089,440	1,155,000	2,200,000	-	5,572,663	-	20,014,282	**71,739,999**
11		मुम्बई परिसर	7,573,030	780,000	-	-	-	-	-	647,635	-	-	**9,000,665**
12		पुरी परिसर	73,062,706	12,750,000	3,758,755	1,405,865	1,912,365	2,300,000	-	5,679,828	2,361,045	969,044	**89,114,700**
13		शृंगेरी परिसर	10,236,891	8,897,454	-	208,000	100,000	500,000	-	900,190	3,328,828	-	**16,313,707**
		कुल योग	**454,980,394**	**72,362,017**	**17,906,029**	**8,398,327**	**10,482,778**	**22,299,000**	**335,142**	**31,831,326**	**25,345,978**	**66,666,773**	**461,018,706**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2021-22 को एन.पी.एस. का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**कैपिटल निधि**			**1.**	**सावधि जमा**		
i)	आदि शेष	225265.00	2443979.00	**i)**	वर्तमान परिसम्पत्तियां		
ii)	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	63392453.00	54002719.00	**2**	बैंक में रोकड़	234878.00	225265.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष त्रुटियां		2518513.00				
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को राशि का स्थानान्तरण	63392373.00	58728008.00				
v)	घटाया - पूर्व अवधि समायोजन		2518513.00				
vi)	घटाया - 31.03.2020 को देनदारियां एवं सा.भ.नि. समायोजन (2018-19)		2441860.00				
viii)	आय से अधिक व्यय	9533.00	-2453798.00				
	कुल योग	**234878.00**	**225265.00**		**कुल योग**	**234878.00**	**225265.00**

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2021-22 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि
1	मुख्य खाते में समायोजित ब्याज	0.00	0.00		**अर्जित ब्याज**		
2	बैंक संग्रह प्रभार	525.00	643.00	1	सा.भ.नि. पर ब्याज	0.00	59432.00
3	अंशदायी को अधिक रकम की वापसी	0.00	2660000.00	2	बचत खाते पर ब्याज	10058.00	147413.00
	कुल योग - बी	**525.00**	**2660643.00**				
आय से अधिक व्यय (ए-बी)		**9533.00**	**-2453798.00**				
अतिरिक्त शेष राशि मुख्य/समग्र निधि में जमा		**9533.00**	**-2453798.00**		**कुल योग - ए**	**10058.00**	**206845.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2022

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2021-22 का नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**			1	सावधि जमा क्रय	0.00	487078.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	
i)	आदि शेष	225265.00	2443979.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	26750474.00	22431283.00	4	बैंक प्रभार	525.00	643.00
iii)	विश्वविद्यालय का योगदान	36641979.00	31571436.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	250000.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	10058.00	147413.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	8	मुख्य खाते में अतिरिक्त राशि स्थानांतरण	0.00	2410000
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00		9	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	63392373.00	56209495.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	0.00	2928938.00	10	**बैंक में शेष**	234878.00	225265.00
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	59432.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	अन्य प्राप्तियाँ	0.00					
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
	कुल योग	**63627776.00**	**59582481.00**		**कुल योग**	**63627776.00**	**59582481.00**

स्थान - दिल्ली
दिनांक - 21 जून, 2022

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2021-22 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	देवप्रयाग	योग
i)	आदि शेष	37212.00	88353.00	86443.00		4745.00				8512.00					**225265.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	2816344.00	3685082.00	1663735.00	1351887.00	2113013.00	2711080.00	1371567.00	1282961.00	3149994.00	1838438.00	3896524.00		869849.00	**26750474.00**
iii)	विश्वविद्यालय/परिसर का अंशदान	3942757.00	5159139.00	1904719.00	1881450.00	2958209.00	3795499.00	1966116.00	1812031.00	4409992.00	2545312.00	5027954.00		1238801.00	**36641979.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज														**0.00**
v)	पूर्व शेष														**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	2461.00	3127.00			3648.00				822.00					**10058.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि														**0.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व														**0.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज														**0.00**
ix)	ब्याज का अन्तर														**0.00**
x)	अन्य प्राप्तियाँ														**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि														**0.00**
	कुल योग	**6798774.00**	**8935701.00**	**3654897.00**	**3233337.00**	**5079615.00**	**6506579.00**	**3337683.00**	**3094992.00**	**7569320.00**	**4383750.00**	**8924478.00**	**0.00**	**2108650.00**	**63627776.00**
	भुगतान														
i)	सावधि जमा क्रय														**0.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि														**0.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज														**0.00**
iv)	बैंक प्रभार	502.00								23.00					**525.00**
v)	अन्तिम भुगतान														**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W														**0.00**
vii)	मुख्य खाते में अधिक राशि की वापसी														**0.00**
viii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी														**0.00**
ix)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	6759021.00	8844221.00	3568454.00	3233337.00	5071222.00	6506579.00	3337683.00	3094992.00	7559986.00	4383750.00	8924478.00		2108650.00	**63392373.00**
	बैंक में शेष	39251.00	91480.00	86443.00		8393.00				9311.00					**234878.00**
	कुल योग	**6798774.00**	**8935701.00**	**3654897.00**	**3233337.00**	**5079615.00**	**6506579.00**	**3337683.00**	**3094992.00**	**7569320.00**	**4383750.00**	**8924478.00**	**0.00**	**2108650.00**	**63627776.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन-

हमने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), नई दिल्ली के संलग्न तुलन पत्र की 31 मार्च, 2022 तक की आय और व्यय खाते तथा प्राप्तियों और भुगतान लेखा की महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 19 (2) और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 की धारा 32(1) के अधीन खाते की लेखा परीक्षा की है। वित्तीय विवरणी में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 12 परिसर तथा मुख्यालय सम्मिलित हैं। इनमें से तीन परिसरों और मुख्यालय के खातों की लेखापरीक्षा की गई और प्रतिवेदन के लिए विचार किया गया। ये वित्तीय विवरण केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारा दायित्व इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों को केवल सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के साथ वर्गीकरण अनुरूपता के संबंध में लेखांकन उपचार पर शामिल किया गया है। लेखापरीक्षा टिप्पणियों में वित्तीय लेनदेन, कानून का अनुपालन, नियम और विनियम (उचितता और नियमितता) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलू, आदि, यदि कोई हो, शामिल हैं।

3. हमने अपने लेखा परीक्षा में भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं। लेखा परीक्षा में साक्ष्य और प्रकटीकरण में वित्तीय विवरणों की जांच, समर्थन पर एक परीक्षण आधार शामिल है। लेखा परीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा एक उचित आधार प्रदान करती है

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम प्रतिवेदन करते हैं कि:

i) हमें सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त हुए हैं, जो हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य में हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हैं।

ii) इस प्रतिवेदन के साथ तुलन पत्र (बैलेंस शीट), आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आदेश संख्या 29-4/2012-एफडी दिनांक 17 अप्रैल 2015 के तहत निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

iii) हमारी राय में, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों को बनाए रखा गया है, जहां तक कि यह ऐसी पुस्तकों का हमारी परीक्षा में प्रकट होता है।

iv) हम आगे प्रतिवेदन करते हैं कि:

क. सहायता अनुदान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को वर्ष 2021-22 में 198.83 करोड़ रुपये (गैर-एनईआर: 192.67 करोड़ और एनईआर: 6.16 करोड़) की सहायता अनुदान प्राप्त हुई एवं प्रारम्भिक शेष राशि 3.73 करोड़ (गैर-एनईआर: 3.11 करोड़ और एनईआर: 0.62 करोड़) थी। कुल 202.56 करोड़ (गैर-एनईआर: 195.78 करोड़ और एनईआर: 6.78 करोड़) सहायता अनुदान में से 201.96 करोड़ (गैर-एनईआर: रु. 195.72 करोड़ और एनईआर: रु. 6.24 करोड़) उपयोग किया। अप्रयुक्त सहायता अनुदान 31 मार्च 2022 को 0.60 करोड़ (गैर-एनईआर: 0.06 करोड़ रुपये और एनईआर: 0.54 करोड़ रुपये) है।

ख. प्रबंधन पत्र

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं की गई कमियों को उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के ध्यान में लाया गया है।

v) पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम प्रतिवेदन करते हैं कि तुलन पत्र (बैलेंस शीट), आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते इस प्रतिवेदन द्वारा निपटाए गए खातों की पुस्तकों के अनुरूप हैं।

vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों और खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन हैं। इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के लिए, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रकट करता है।

क) जहां तक यह 31 मार्च 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के मामलों की स्थिति के तुलन पत्र से संबंधित है; तथा

ख) और जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के घाटे से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

स्थानः नई दिल्ली **महानिदेशक, लेखा परीक्षा**

दिनांक : 30.09.2022 **(केन्द्रीय व्यय)**

नोटः 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

प्रतिवेदन के लिए अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

इस विश्वविद्यालय में कोई अलग आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नहीं है और लेखा अधिकारी (आंतरिक लेखा परीक्षा) का पद रिक्त है। तथापि आंतरिक लेखापरीक्षा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय, परिसरों के वित्त विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा नियुक्त परामर्शदाताओं द्वारा की जा रही है। आंतरिक लेखा परीक्षा वर्ष 2018-19 तक की गई है।

- मन्त्रालय द्वारा आन्तरिक लेखा परीक्षा नहीं की जा रही है।
- कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा नियमावली नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्न क्षेत्रों को सदृढ़ करने की आवश्यकता है:
- लेखा अधिकारी का पद फरवरी 2015 से रिक्त है।
- बाह्य लेखा परीक्षा का अनुवीक्षण प्रभावशाली न होने से वर्ष 2017-18 से 2020-21 की अवधि के ऑडिट पैरे 31.03.2022 तक 10 बकाया है।

3. संपत्ति के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- के.सं.वि. मुख्यालय की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन 2021-22 तक किया गया है। फिर भी नमूना जाँच इकाइयों में के.सं.वि., कांगड़ा परिसर, शृंगेरी परिसर एवं जयपुर परिसर के अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन वर्ष 2021-22 के लिये नहीं हुआ है।
- के.सं.वि. मुख्यालय के पुस्तकालय की पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2019-20 तक किया जा चुका है।
- के.सं.वि. वेदव्यास पसिर की अचल संपत्तियों को अचल संपत्ति रजिस्टर में उचित प्रपत्र में नहीं बनाया गया है।

4. सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय में जैसे कि स्टेशनरी और उपभोग्य सामग्रियों की सूची का भौतिक सत्यापन 2021-22 तक किया गया है, हालांकि नमूना जाँच इकाइयों में के.सं.वि., कांगड़ा शृंगेरी एवं जयपुर में उपभोग्य सामग्रियो का भौतिक सत्यापन वर्ष 2021-22 के दौरान नहीं किया गया है।

5. वैधानिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

दिनांक 31.03.2022 तक भोपाल परिसर के संबंध में समूह बीमा योजना (जी.आई.एस.) से संबंधित 1.14 लाख रुपये का वैधानिक बकाया लम्बित था।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर

GANGANATH JHA CAMPUS, PRAYAGRAJ

JAIPUR CAMPUS, RAJASTHAN

BHOPAL CAMPUS, BHOPAL

SHRI SADASHIV CAMPUS, PURI

LUCKNOW CAMPUS, UTTAR PRADESH

K.J. SOMIYA CAMPUS, MUMBAI

SHRI RANVIR CAMPUS, JAMMU

SHRI RAJIV GANDHI CAMPUS, SRINGERI

EKALAVYA CAMPUS, TRIPURA

GURUVAYOOR CAMPUS, TRICHUR

VED VYAS CAMPUS, BALAHAR

SHRI RAGHUNATH KIRITI CAMPUS, DEVPRAYAG